वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT
2021 – 2022

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान

राष्ट्रपति निवास, शिमला–171005

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY

RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA-171005

संस्थान

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान 6 अक्तूबर 1964 को एक स्वायत्त सोसाइटी के रूप में अस्तित्व में आया। तत्कालीन भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 20 अक्तूबर 1965 को इस संस्थान का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने संस्थान की एक ऐसे स्थान के रूप में परिकल्पना की जो जीवन व विचार की समस्याओं के स्वतंत्र और रचनात्मक अन्वेषण में सहायक है। एक आवासीय केंद्र के रूप में उच्च शोधकार्यों को समर्पित संस्थान, गहन मानवीय महत्व वाले क्षेत्रों में रचनात्मक सोच को बढ़ावा देता है। संस्थान का वातावरण विशेषकर मानविकी, भारतीय संस्कृति, तुलनात्मक धर्म तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट है। समय–समय पर शोध के अन्य क्षेत्र भी शामिल किए जाते हैं। देश की एक प्रमुख संस्था होने के नाते आज इन मुद्दों पर विवेचना करते हुए संस्थान मानवीय दशाओं की मौलिक अवधारणाओं के बारे में परामर्श तथा सहकार्यता के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। संस्थान का पुस्तकालय बहुत समृद्ध है जहाँ पर आधुनिक संचार और प्रलेखन सुविधाएं उपलब्ध हैं जोकि भारत तथा विश्व के उस विचार के प्रति श्रृंद्धाजलि का प्रतीक है जिसकी परिपकल्पना प्रोफ़ेसर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी।

''संस्कृतियों का मेल, सभ्यताओं का मेल तथा विभिन्न दृष्टिकोणों का मेल हमारे युग की एक महानत्तम घटना है, जो हमें आभास करवाती है कि हमें मात्र एक आस्था से नहीं बंधनस चाहिए हैं बल्कि विभिन्न आस्थाओं का भी सम्मान करना चाहिए। हमारा प्रयास होना चाहिए कि लोगों में एकजुटता, मित्रता बनी रहे तथा एक ऐसे जगत का निर्माण हो जहाँ हम प्रसन्नतापूर्वक, एकतापूर्ण तथा मित्रवत जीवन बसर कर सकें। इसलिए आइए हम अनुभव करें कि यह बढ़ती हुई परिपक्वता अन्य दृष्टिकोणों को समझने की क्षमता में व्यक्त हो।'

-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

अनुक्रम

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
	प्राक्कथन	9
	निदेशक की कलम से	11
1.	**सामान्य**	13
	संचालन तथा प्रशासन	14
2.	**अध्येता**	14
3.	**अकादमिक कार्यक्रम**	16
	संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, परिसंवाद तथा गोलमेज	16
	अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत साप्ताहिक संगोष्ठियाँ	46
	अध्येताओं से प्राप्त विनिबंध	47
	विशिष्ट व्याख्यान शृंखला	48
	पुस्तक परिचर्चा	48
	अतिथि अध्येता	49
	अन्य विशिष्ट अकादमिक कार्यक्रम	49
4.	**मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के लिए अंतर-विश्वविद्यालय केन्द्र**	50
5.	**लेखे तथा बजट**	55
	संस्थान के परीक्षित लेख	62
	अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्र के परीक्षित लेखे	103
6.	**पुस्तकालय**	110
7.	**प्रकाशन**	112
8.	**राजभाषा**	115
9.	**विविध**	116
	संलग्नक	
	संस्थान की सोसाइटी, शासी निकाय तथा वित्त समिति की सूची	121

प्राक्कथन

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए विश्व का एक प्रसिद्ध शोधकेंद्र है जहाँ जीवन और विचारों से संबंधित विषयों तथा समस्याओं के बारे में स्वतंत्र और रचनात्मक अन्वेषण किया जाता है। सुरम्य प्राकृतिक वातावरण में स्थित इस आवासीय संस्थान में विद्वानों द्वारा गहन मानवीय महत्व के क्षेत्रों में रचनात्मक चिंतन किए जाने को प्रोत्साहन मिलता है।

वर्ष 2021–22 के वार्षिक प्रतिवेदन की प्रस्तावना लिखते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है क्योंकि प्रतिवेदन अवधि के दौरान संस्थान ने कई शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यों का सूत्रपात किया। इस अवधि के दौरान संस्थान में दो राष्ट्रीय अध्येताओं तथा बारह अध्येताओं ने अपनी परियोजनाओं पर शोधकार्य करने के लिए संस्थान में अध्येतावृति ग्रहण की है। हलाँकि कोविड–19 ने पूरे विश्व के कामकाज को प्रभावित किया, लेकिन भारत सरकार की पहल के फलस्वरूप देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाने और मनाने के लिए चलाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' अभियान के अंतर्गत संस्थान द्वारा विविध विषयों पर सिस्को वेबएक्स के माध्यम (ऑनलाइन) से पूरे वर्ष विभिन्न संगोष्ठियाँ तथा कार्यशालाएं आयोजित की गईं। मुझे विश्वास है कि इन प्रयासों से संस्थान की उच्च प्रतिष्ठा और सुदृढ़ हुई है।

मैं माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, शिक्षा मंत्रालय (उच्चत्तर शिक्षा विभाग) के सचिव एवं मंत्रालय के अन्य अधिकारियों का आभार प्रकट करती हूँ, जिनके उदार समर्थन और सहयोग से हम संस्थान के संस्थापक, सम्मानित शिक्षाविद तथा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के स्वप्न को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहे हैं।

मैं संस्थान के सभी अधिकारियों को भी उनकी समर्पण, सहयोग और कर्तव्यपरायणता के लिए साधुवाद देती हूँ जिन्होंने संस्थान में अध्ययनरत आवासी विद्वानों के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण प्रदान करने में अपना सहयोग दिया।

मैं प्रार्थना करती हूँ कि संस्थान सदैव सकारात्मक रूप से प्रगति करता रहे और अपने संगम–ज्ञापन (एमओए) में निहित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अग्रसर रहे।

शशिप्रभा कुमार
अध्यक्ष, सोसाइटी
एवं
शासी निकाय

निदेशक की कलम से

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता के खोज में 'वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22' एक और सफल वर्ष का योजन करता है। संस्थान वर्षों से मौलिक अवधारणाओं के अन्वेषण में श्रेष्ठ विद्वानों को सक्षम बनाने के अपने मूल उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध रहा है ताकि ज्ञान के क्षितिज का और विस्तार किया जा सके।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला एक ऐसी संस्था है जहां विविध विषयों के विद्वान देश व दुनिया से अध्ययन करने आते हैं। वे यहाँ प्रेरक और मौलिक विचारों के अन्वेषण तथा विविध विषयों पर परस्पर विमर्श व परिचर्चाओं में भाग लेते हैं।

संस्थान के प्रतिष्ठित अध्येतावृति कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्वान अपनी परियोजनाओं पर संस्थान में रहकर एक या दो वर्ष के लिए शोधकार्य करते हैं और परिणामस्वरूप अपने मोनोग्राफ संस्थान में प्रकाशन के लिए जमा करवाते हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि संस्थान द्वारा इस प्रतिवेदन की अवधि के दौरान कई पुस्तकें और पत्रिकाएं प्रकाशित की गई हैं। इस दौरान अपना कार्यकाल पूरा करने वाले लगभग सभी अध्येताओं ने मोनोग्राफ जमा किए हैं। संस्थान द्वारा आमंत्रित विभिन्न अकादमिक विषयों से जुड़े अतिथि प्राध्यापकों, अतिथि विद्वानों और अतिथि विद्वानों के आगमन से गहन अकादमिक सहभागिता के लिए एक गुंजायमान वातावरण का निर्माण हुआ है। मूल अकादमिक समुदाय के अलावा, इस अवधि के दौरान देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के कई शिक्षकों का उनकी शोध गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के लिए 'अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्र' (आईयूसी) के तहत चयन किया गया। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि संस्थान ने बड़ी संख्या में संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया है, जिनका इस प्रतिवेदन में उल्लेख है।

संस्थान का पुस्तकालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में हमारे देश में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। मुझे बहुत खुशी है कि पुस्तकालय की कई दुर्लभ पुस्तकों का अंकरूपण किया जा चुका है। पुस्तकालय और अन्य अनुभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के कुशल कामकाज से संस्थान के संस्थापक महान दार्शनिक और शिक्षाविद भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, प्रोफेसर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सपनों को साकार करने में हम अग्रसर हुए हैं।

मैं संस्थान की शासी निकाय की अध्यक्षा एवं सोसाइटी की प्रधान प्रोफ़ेसर शशिप्रभा कुमार को उनके बहुमूल्य सुझावों, सहयोग तथा संस्थान के प्रभावी कामकाज में गहन रूचि दिखाने के लिए धन्यवाद देता हूँ। साथ ही मैं संस्थान के उपाध्यक्ष प्रोफ़ेसर शैलेंद्र राज मेहता का भी संस्थान के प्रति उनके सतत समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

संस्थान के सुचारू संचालन हेतु निरंतर समर्थन व सहयोग के लिए मैं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी साधुवाद देता हूँ।

नागेश्वर राव
निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास शिमला-171005

परिचय

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान की स्थापना वर्ष 1860 के समिति पंजीकरण अधिनियम–21 (पंजाब संशोधित अधिनियम 1957) के अन्तर्गत 6 अक्तूबर 1964 को हुई थी। शिमला स्थित राष्ट्रपति निवास में यह संस्थान मूलतः मानवीय महत्व और सामाजिक विज्ञानों के गहन सैद्धान्तिक शोध के लिए समर्पित है। संस्थान के अकादमिक समुदाय में मुख्यतः रिहायशी अध्येता, अतिथि प्राध्यापक, अतिथि विद्वान तथा सह–अध्येता होते हैं जो अपना शोध–कार्य करने के अतिरिक्त परस्पर औपचारिक व अनौपचारिक विचार–विनिमय भी करते हैं। राष्ट्रपति निवास तथा इसकी परिसम्पदा प्रकृति के सुरम्य वातावरण में चिन्तनशील उच्च अध्ययन तथा मानवीय दशा के विभिन्न पहलुओं के अन्वेषण हेतु प्रेरक है।

संस्थान का संगम–ज्ञापन विभिन्न क्षेत्रों में शोध का मार्ग प्रशस्त करता है, जो निम्न प्रकार है–

(क) शोध के क्षेत्र ऐसे होने चाहिए जो अंतर्विधात्मक अनुसंधान का उन्नयन करें।

(ख) अनुसंधान की विषय–वस्तु गहन मानवीय महत्त्व की होनी चाहिए।

संगम–ज्ञापन में अध्ययन के विभिन्न क्षेत्र भी दर्शाए गए हैं जो इस प्रकार हैं–

(क) सामाजिक राजनैतिक और आर्थिक दर्शन;

(ख) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (जिसमें प्राचीन मध्यकालीन, आधुनिक, लोक और आदिवासी–साहित्य भी हो);

(ग) दर्शन और धर्म का तुलनात्मक अध्ययन;

(घ) शिक्षा, संस्कृति और कला, जिसमें निष्पादन कलाएँ और हस्तशिल्प भी हों;

(ङ) तर्क और गणित की मौलिक अवधारणाएँ एवं समस्याएँ;

(च) प्राकृतिक और जीवन विज्ञानों की मौलिक अवधारणाएँ और समस्याएँ;

(छ) प्राकृतिक और सामाजिक पर्यावरण का अध्ययन;

(ज) एशियाई पड़ोसी देशों तथा विश्व के संदर्भ में भारतीय सभ्यता, और

(झ) राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में समसामायिक भारत की समस्याएँ।

संगम ज्ञापन के अनुसार निम्न विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए–

(क) विविधता में भारतीय एकता का विषय;

(ख) भारतीय चेतना का एकीकरण;

(ग) भारतीय प्ररिप्रेक्ष्य में शिक्षा का दर्शन;

(घ) प्राकृतिक विज्ञानों में उच्च अवधारणाएँ तथा उनके दार्शनिक पहलु;

(ङ) विज्ञान और अध्यात्म के संश्लेषण में भारत और एशिया का योगदान;

(च) भारतीय तथा मानव एकता;

(छ) भारतीय साहित्य का सहचर;

(ज) भारतीय महाकाव्यों का तुलनात्मक अध्ययन; तथा

(झ) मानव पर्यावरण

संचालन एवं प्रशासन

संस्थान एक सोसाइटी तथा शासी निकाय द्वारा प्रशासित किया जाता है जिसके सदस्य शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार नामित किए जाते हैं जो लब्धप्रतिष्ठित विद्वान तथा अन्य पेशेवर विख्यात व्यक्तित्व होते हैं जिन्हें विभिन्न क्षेत्रों से चयनित किया जाता है। संस्थान की एक वित्त समिति है जिसमें शिक्षा मंत्रालय के सदस्यों के अतिरिक्त संस्थान की प्रबन्ध समिति के सदस्य भी होते हैं, जो प्रबन्ध समिति को वित्तीय मामलों में परामर्श देते हैं।

समीक्षा अवधि में फरवरी 2022 तक प्रोफ़ेसर कपिल कपूर शासी निकाय तथा सोसाइटी के अध्यक्ष थे तत्पश्चात प्रोफ़ेसर शशिप्रभा कुमार को अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

संस्थान का नेतृत्व निदेशक करते हैं जिन्हें संस्थान के सचिव प्रशासिनक मामलों में सहयोग प्रदान करते हैं। संस्थान की एक अकादमिक समिति है जो अकादमिक मामलों में निदेशक को परामर्श देती है। इसके अलावा पुस्तकालय अध्यक्ष, लेखा अधिकारी, सम्पदा निरीक्षक, अकादमिक संसाधन अधिकारी, सहायक प्रकाशन अधिकारी, बिक्री एवं जनसंपर्क अधिकारी, अनुभाग अधिकारी (उद्यान), अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) तथा अनुभाग अधिकारी (आ. एवं से.) जैसा पर्यवेक्षीय स्टाफ है जो विभिन्न अनुभागों का नेतृत्व करते हैं। समीक्षा अवधि के दौरान अगस्त 2021 तक प्रोफ़ेसर मकरंद आर. परांजपे संस्थान के निदेशक थे। तत्पश्चात संस्थान की सोसाइटी तथा शासी निकाय के उपाध्यक्ष प्रोफ़ेसर चमन लाल गुप्त ने निदेशक का कार्यभार संभाला।

अध्येता

संस्थान अपने अध्येतावृति कार्यक्रम के लिए विश्व विख्यात है। राष्ट्रीय अध्येता, टैगोर अध्येता और अध्येता संस्थान में रहकर अपनी चयनित शोध परियोजनाओं पर अनुसंधान करते हैं। वे अपने शोधकार्य की प्रगति से संबंधित संगोष्ठियाँ प्रस्तुत करते हैं, संस्थान द्वारा आयोजित दूसरे सम्मेलनों में भाग लेते हैं और बड़े पैमाने पर संस्थान के अन्य अकादमिक कार्यक्रमों में भी अपना योगदान देते हैं। अध्येतावृति पूर्ण होने पर, अध्येता अपने शोधकार्य और मोनोग्राफ को संस्थान में जमा करते हैं, जिन्हें समालोचना के उपरांत संस्थान द्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष में अध्ययनरत अध्येताओं तथा उनकी शोध परियोजनाओं का विवरण निम्न प्रकार है–

राष्ट्रीय अध्येता

क्रमांक	अध्येता का नाम	परियोजना शीर्षक
1.	प्रोफेसर मेधा देशपाण्डे	*पावर्टी : कॉन्सेप्ट, मैपिंगस एण्ड पॉलिसीज*
2.	प्रोफ़ेसर दाता राम. पुरोहित	*परफॉर्मिंग आर्टस एण्ड कल्चर ऑफ द सेंट्रल हिमालय*
3.	प्रोफ़ेसर शंकर शरण	*रिन्यूअल ऑफ़ इंडियन एजुकेशन : टीचिंग ऑफ स्वामी विवेकानंद, श्री औरोबिन्दो, रबीन्द्रनाथ टैगोर एंड सच्चिदानन्द वातस्यायन ('अज्ञेय')*

4.	प्रोफ़ेसर हरपाल सिंह	*लाइफ एण्ड लैगेसी ऑफ महाराजा रणजीत सिंह*
5.	प्रोफ़ेसर आनंद कुमार	*पद्मावत : हिस्ट्री फिलॉस्फिकल क्रिटीक*

टैगोर अध्येता

1.	प्रोफ़ेसर सी.के. राजू	*गणित वर्सेज फॉर्मल मैथमैटिक्स : रि–एग्ज़ामिनिंग मैथमैटिक्स, इट्स पैडगोज़ी, एण्ड द इम्पलिकेशन फॉर द साइंस*
2.	डॉ. विक्रम कुलकर्णी	*महाभारत की घुमंतू जनजातियों की दृश्यकला परंपरा : एक सांस्कृतिक अध्ययन*
3.	प्रोफ़ेसर महेश चंपक लाल	*रिविजिटिंग महाभारता : एन एनाल्टिकल एण्ड कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ महाभारता करेक्टस एज डिपिक्टड बाई व्यास, भास एण्ड टैगोर विद स्पेशल रेफरेंस टू द टैक्स्ट एण्ड परफॉर्मेंस ऑफ भासाज प्लेस एण्ड टैगोरज ड्रामेटिक पोयम्स (नाट्यकाव्य)*
4.	प्रोफ़ेसर आनंद कुमार	*पद्मावत : हिस्ट्री फिलॉस्फिकल क्रिटीक*

अध्येता

1.	प्रोफेसर एस.के. चहल	*हिन्दू सोशल रिफॉर्म : ए स्टडी ऑफ द फ्रेमवर्क ऑफ जोतिराव फुले*
2.	डॉ. पवित्रन नाम्बियर	*कल्चर, करप्शन एण्ड इन्सर्जेंसी : थ्रेटस एण्ड क्वेस्ट फॉर सर्वाइवल इन नागालैण्ड*
3.	प्रोफ़ेसर राजवीर शर्मा	*पॉलिटिकल फिलॉसफी ऑफ कौटिल्य : द अर्थशास्त्र एण्ड आफ्टर*
4.	डॉ. अभिषेक कुमार यादव	*ट्राइब्स ऑफ अरुणाचल प्रदेश एण्ड देयर लिटरेसी राइटिंग इन हिन्दी*
5.	डॉ. अँजलि दुहन	*एडिफाइंग द रॉयल्टी : द्वादशा भावा– ए मुगल वर्जन ऑफ संस्कृत स्टोरी*
6.	डॉ. सुमनदीप कौर	*इकलॉजिकल कनसर्नस इन सलेक्ट पंजाबी फिक्शन*
7.	प्रोफेसर माधव सिंह हाडा	*पद्मिनी विषयक ऐतिहासिक कथा–काव्य की देशज परम्परा का विवेचनात्मक अध्ययन*
8.	डॉ. मुहम्मद आदिल सलाम	*इण्डिया इन कंटेम्परेरी अरेबिक लिटरेचर*
9.	डॉ. बलराम शुक्ल	*प्राकृत कविता के चारुत्व के भाषिक प्रयोजक*
10.	डॉ. अल्का त्यागी	*भावना (क्रिएटिव कंटेम्पलेशन) एण्ड भैरवा (सुपर रियल्टी) इन द विजननभैरवा तंत्रा इन कश्मीरी शैवा ट्रेडिशन*
11.	डॉ. वैनुसा टिन्यी	*एन एन्क्वेरी इनटू द फाउंडेशन ऑफ डोंटिक लॉजिक : प्रोब्लमलटाइ. जिंग क्रिप्केज पॉस्सिबल वर्ल्ड सीमेंटिंक्स फॉर डोंटिक लॉजिक एण्ड फ्रेमिंग एन अल्टरनेटिव मॉडल फॉर रीथिंकिंग द बेसिक कॉन्सेप्टस ऑफ डोंटिक लॉजिक एण्ड देयर काउंटरपार्टस इन अदर नॉर्मेटिव सिस्टमस*
12.	डॉ. सुमित दहिया	*वुमेन सिंगरस ऑफ राजस्थान : आर्ट, पैट्रोनेज एण्ड कम्युनिटी लाइफ*
13.	डॉ. प्रेरणा चतुर्वेदी	*राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ और मीडिया*
14.	डॉ. आलोक कुमार गुप्ता	*19वीं सदी के गुजराती और हिन्दी साहित्य में भारतीय चेतना*

15.	डॉ. अज़ीज माहदी	*कॉमन रूट्स ऑफ हेरिटेज : ए रिसर्च ऑन सीमिलरिटीस प्रेजेंट बिटवीन रामायण, महाभारत एण्ड भाहनामे (ऑफ फिरदौसी)*
16.	प्रोफ़ेसर रविंद्र सिंह	*रिलोकेटिंग पंजाबी लिटरेरी ट्रैडिशन इन जियो–कल्चरल एण्ड सिवलिजेशनल कंटेक्स्ट*
17.	प्रोफेसर चुंगखम यशवता सिंह	*ए हिस्ट्री ऑफ मणिपुरी लैंग्वेज*
18.	प्रोफेसर माण्डवी सिंह	*कथक डांस ट्रैडिशन : चेंजिस एण्ड चैलेंजिस इन प्रेजेंट सिनेरीओ*
19.	डॉ. अल्पना त्रिवेदी गिरी	*भौगोलिक दृष्टिकोण से महाभारत का विसंकेतन*
20.	डॉ. अंजू शर्मा	*वुमेन इम्पॉवरमेंट पॉलिसीस एण्ड परस्पैक्टि पोस्ट 2014*
21.	डॉ. सिद्धार्थ सत्पथी	*प्रोविन्सिअल विक्टोरिअनस : पावर, कॉट्रेक्ट एण्ड कैपिटल इनइ कलोनिअल इण्डिया*

अकादमिक कार्यक्रम

संस्थान में प्रत्येक वर्ष कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, सम्मेलन विचार गोष्ठियां, समकालीन प्रासंगिकता के विषयों अथवा मौलिक सैद्धांतिक महत्व पर आधारित अध्ययन सप्ताह आयोजित किए जाते हैं जिनमें दुनिया भर के प्रतिष्ठित विद्वान भाग लेते हैं।

समीक्षा अवधि के दौरान संस्थान द्वारा निम्नलिखित अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किए गए–

1. **फ्लेम विद्यापीठ, पुणे के सहयोग से श्रेणियों के साम्राज्यवाद से बाहर शृंखला में 'न्यू डायरेक्शनस इन इण्डिक स्टडीज' विषय पर दूसरा अंतः विषय सम्मेलन** (12–13 मई 2021)

मूलाधार– अमेरिकन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन की वार्षिक बैठक (2005) में अपने अध्यक्षीय भाषण में, सुसैन रूडोल्फ ने कहा था–

लॉयड रूडोल्फ और मैंने ''भारत में अपने शोध के आरंभ में, 'श्रेणियों का साम्राज्यवाद' एक मुहावरा गढ़ा था। उसका अर्थ था कि दूसरे पर अवधारणाओं को थोपने की अकादमिक प्रथा को निर्दिष्ट करना तथा एक प्रमुख संबंध के हिस्से के रूप में अवधारणाओं को बाहर ले जाना। एक प्रभावशाली सामाजिक–सांस्कृतिक वातावरण में निर्मिति श्रेणियों को गौण तक ले जाया जाता है। श्रेणियों का साम्राज्यवाद श्रेणियों के एक निःस्वार्थ पारलौकिकवाद पर जोर देता है– एक प्रमुख संस्कृति के विद्वानों को कभी–कभी केंद्र माना जाता है, वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवागमन करते हैं, जिसे कभी–कभी परिधि भी कहा जाता है, जहां वे 'सार्वभौमिक' अवधारणाओं को प्रयोग में लाते हैं। समस्या यह है कि अवधारणाओं को केंद्र से बाहर कर दिया गया है। मैक्स वेबर कहते हैं, पूर्व भाग्यवादी है और पश्चिम उत्पत्तिमूलक। टैल्कॉट पार्सन्स कहते हैं, गैर–पश्चिम जन्म से स्थिति बताता है जबकि पश्चिम उपलब्धि पर बल देता है। जॉन स्टुअर्ट मिल कहते हैं कि गैर–पश्चिम बच्चों की तरह है, जबकि पश्चिम परिपक्व है। प्रभावशाली व्यक्ति स्तर और सांस्कृतिक–सामाजिक प्रभुत्व को नियंत्रित करने के लिए आदर्श और रूढ़िवादिता का उपयोग करते हैं।

रूडोल्फ ने कहा कि वैश्वीकरण यूरोपीय ज्ञान प्रणालियों में समाया हुआ है। रूडोल्फ की बोधगम्य टिप्पणियों के अठारह वर्षों में, ज्ञान उत्पादन का विऔपनिवेशीकरण दुनिया के पूर्व उपनिवेशित हिस्सों – अफ्रीका, एशिया और प्रशांत द्वीपों सहित, मोटे तौर पर वैश्विक दक्षिण में शोध में एक केंद्रीय मुद्दे के रूप में उभरा है। इन विश्व क्षेत्रों का अध्ययन करने में, अपने ज्ञान प्रणालियों को पुनः प्राप्त करने के लिए कई पद्धतियों का विकास किया जा रहा है, जिसमें व्यापक क्षेत्रों को शामिल किया गया है और स्वदेशी जनता के बीच पारंपरिक तरीकों से संरक्षित किया गया

है। पुरानी पांडुलिपियों, मौखिक साहित्य, प्रदर्शनों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों, चिकित्सा, खेती के तरीकों और वास्तुकला के अध्ययन ने विभिन्न मनुष्यों द्वारा संरक्षित मूल्यवान ज्ञान पर हमेशा के लिए खो जाने के खतरे पर प्रकाश डालना शुरू कर दिया है। इस वातावरण में, अक्सर, औपनिवेशिक काल से गैर–देशी विद्वानों द्वारा अर्जित ज्ञान और स्वदेशी श्रेणियों और विधियों का उपयोग करके देशी विद्वानों द्वारा उत्पादित ज्ञान को वैधता और प्रासंगिकता के दावों में पूरक के रूप में देखा जाता है।

स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को पुनः प्राप्त करने के लिए नई पद्धतियों की उपलब्धियों की गहराई से सराहना करते हुए, जैन धर्म के अनेकांतवाद (बहुपक्षीयता) के सिद्धांत का पालन करते हुए, इस सम्मेलन का उद्देश्य विमर्श में ज्ञान की दो धाराओं को शामिल करते हुए भारतीय अध्ययनों में एक नई दिशा की रूपरेखा तैयार करना था। भारतीय अध्ययनों का वर्तमान दृश्य संकेत करता है कि व्यापक मान्यता है कि प्राचीन भारत में विकसित ज्ञान प्रणालियों का विश्व में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है। फिर भी, अभी तक शिक्षा जगत में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। भारतीय ज्ञानशास्त्रीय मॉडल से संबंधित कई पूर्व उपनिवेशित विश्व क्षेत्रों के अध्ययन में विऔपनिवेशीकरण की दिशा में एक बदलाव के बावजूद, ज्ञान के विऔपनिवेशीकरण पर चर्चा करते हुए अपनी संपादकीय टिप्पणी में सुनील अमृत द्व ारा *अमेरकिन हिस्टॉरिकल रिव्यू* के अंक में उपयोग किए गए 'अपर्याप्त समावेशन' उपयुक्त शब्द का प्रयोग किया है। मेक्सिको के प्रांतीय समाजशास्त्र की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक निबंध में, एडगर जेड पेलायो ने देखा है कि अध्ययन के इस क्षेत्र में सार्वभौमिक के रूप में प्रमुख परिप्रेक्ष्य के विशेषाधिकार को समाप्त करने के उदार प्रयासों के बावजूद, मैक्सिकन श्रेणियां ''द एपिस्टेमिक अदर : इन द शैडोज'' बनी हुई हैं। भारतीय अध्ययनों का संदर्भ समान है, जो एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाता है कि भारतीय अध्ययनों का अकादमिक परिदृश्य कैसा होगा, यदि विद्वानों के कार्य जिनका ज्ञान और पद्धति भारतीय परंपराओं में निहित है और वे ऐसे विद्वानों के कार्यों पर विमर्श कर रहे हैं जिन्होंने परिधि के रूप में नहीं बल्कि बराबर के रूप में पद्धतियों तथा श्रेणियों पर आधारित यूरोपीय ज्ञान अजित किया है? इस सम्मेलन में इस तरह विमर्श को सुविधाजनक बनाने का एक प्रयास किया गया जो भारतीय अध्ययन में एक नई दिशा को दर्शाता है।

उद्देश्य

भारत के बाहर उत्पादित भारतीय ज्ञान धाराओं के साथ विमर्श में भारतीय परंपराओं को केन्द्र में रखकर हम दूसरा पुनर्जागरण प्राप्त कर सकते हैं। सम्मेलन के निम्नलिखित उद्देश्य थे–

- भारतीय सभ्यता के लंबे इतिहास में उत्पादित ज्ञान की समावेशिता को सुनिश्चित कर वैश्वीकरण की प्रक्रिया का बहुलीकरण करना।
- ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय दृष्टिकोणों की जटिलता और विविधता पर ध्यान केंद्रित करना जो अन्य ज्ञान प्रणालियों में समानताएं हासिल कर सकते हैं।
- सिल्क रूट, बौद्ध धर्म, उपनिवेशवाद और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के माध्यम से अन्य सभ्यताओं, विशेष रूप से अर्थव्यवस्थाओं और संस्कृतियों में भारतीय योगदान की सैद्धांतिक समझ विकसित करना।
- भारतीय ज्ञान प्रणालियों और ज्ञान की अन्य प्रणालियों के बीच विमर्श से वैश्विक मुद्दों जैसे पर्यावरण, धार्मिक विविधता के प्रति दृष्टिकोण, स्त्री रोग विज्ञान, मनोविज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी मुद्दों के समाधान और विकल्पों का अन्वेषण करना।

सम्मेलन का उद्घाटन सत्र भारतीय और अमेरिकी विद्वानों के बीच विचार–विमर्श पर आधारित था, जिसमें भारतीय और अन्य दृष्टिकोणों पर चर्चा की गई। अतिथि विद्वानों ने विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए और अपने

ज्ञान और अनुभवों को छात्रों, शिक्षकों और व अन्य प्रतिभागियों के साथ साझा किया। इस बहु–विषयक संगोष्ठी से भारतीय सभ्यता के बारे में और अधिक जानकारी हमारे सामने आई। इस सम्मेलन में विद्वानों को भारतीय अध्ययन के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ जहां उन्होंने अन्य विद्वानों की व्याख्यान प्रस्तुतियों और परिचर्चाओं से सीखने के साथ–साथ अपने शोध निष्कर्षों को भी साझा किया। इसके अलावा भावी पीढ़ी, विशेषकर महाविद्यालयों के छात्रों में भारतीय अध्ययन के प्रति बौद्धिक रुचि पैदा करने के लिए भी यह सम्मेलन एक महत्त्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। अंततः कहा जा सकता है कि यह सम्मेलन सभी क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभागियों के लिए था जोकि सार्वजनिक एकीकरण की पहल का एक महत्त्वपूर्ण घटक था। वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान की वर्तमान धारणाओं को के साथ एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला और फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे ने सिस्को वेबएक्स माध्यम से 12–13 मई 2021 को बियॉन्ड इंपीरियलिज्म ऑफ कैटेगरीज की श्रृंखला में 'न्यू डायरेक्शन इन इंडिक स्टडीज' विषय पर दूसरा अंतःविषय सम्मेलन आयोजित किया। फ्लेम विश्वविद्यालय की इंडिक स्टडीज इनिशिएटिव, के प्रमुख प्रोफेसर पंकज जैन इस सम्मेलन के संयोजक थे। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया। नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह ने उद्घाटन उद्बोधन दिया। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर पंकज जैन ने परिचयात्मक टिप्पणी दी। कोलंबिया विश्वविद्यालय के धर्म विभाग में प्राध्यापक प्रोफेसर रॉबर्ट थुरमैन इस सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे, उन्होंने 'संस्कृत बौद्ध धर्म' पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रतिभागी

- प्रोफेसर रॉबर्ट थुरमन, धर्म विभाग, कोलंबिया विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर केटीएस सराव, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर विनोद विदवान, फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे
- प्रोफेसर भारत गुप्त, आईजीएनसीए
- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर लावण्या वेमसानी, शॉनी स्टेट यूनिवर्सिटी
- प्रोफेसर क्रिस चौपल, लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी
- प्रोफेसर जेफरी डी लॉन्ग, एलिजाबेथटाउन कॉलेज
- प्रोफेसर देवेन पटेल, पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर फ्रेडरिक एम स्मिथ, यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा
- प्रोफेसर अंकुर बरुआ, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर मधु खन्ना, जामिया मिलिया इस्लामिया
- प्रोफेसर अदारासुपल्ली नटाराजू, असम केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर विराज शाह, फ्लेम यूनिवर्सिटी
- प्रोफेसर श्रीनिवासन कृष्णामूर्ति, विवेकानंद कॉलेज

सम्मेलन के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए–

सत्र–1

- प्रोफेसर रॉबर्ट थुरमन : *संस्कृत बुद्धिज्म*
- प्रोफेसर केटीएस साराओ : *विक्टोरियन इंडोलॉजिस्ट एण्ड अनागारिका धर्मपाल इन महाबोधि टैम्पल कंट्रोवर्सी*

सत्र–2

- प्रोफेसर विनोद विदवान : *इण्डिय म्यूज़िक : रेट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रोस्पेक्ट*
- प्रोफेसर भरत गुप्त : *नाट्य शास्त्रा : पास्ट एण्ड प्रेजेंट*

सत्र–3

- प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा : *हिस्ट्री ऑफ इण्डियन फिलॉस्फी : अनैलिसिस ऑफ कंटेम्परेरी अंडरस्टैण्डिंग ऑफ क्लासिकल थ्रू कलोनिअल*
- प्रोफेसर लावण्या वेमसानी : *न्यू हिस्ट्रोरियोग्राफी फॉर न्यू एकेडिमी*

सत्र–4

- प्रोफेसर क्रिस चैप्पल : *जैन स्टडीज इन द ग्लोबल एकेडमी*
- प्रोफेसर जेफ़री डी लॉन्ग : *प्रैक्टिकल अनेकांतवेदा : ए जैन कंट्रीब्यूशन टू ग्लोबल सिवलिजेशन*

सत्र–5

- प्रोफेसर देवेन पटेल : *व्हाट इज ए ''कम्मेटरी' ऑन संस्कृत काव्य?*
- प्रोफेसर फ्रेडरिक एम स्मिथ : *द कैटगरी ऑफ द सेंटर : ब्रिंगिंग टूगेदर फॉरेस्ट एण्ड विपेज इन वैदिक रिचुअल*

2. 'आत्मनिर्भर भारत : वैचारिक स्वराज्य की ओर' विषय पर वार्षिक एकीकरण सम्मेलन (18–20 जून 2021)

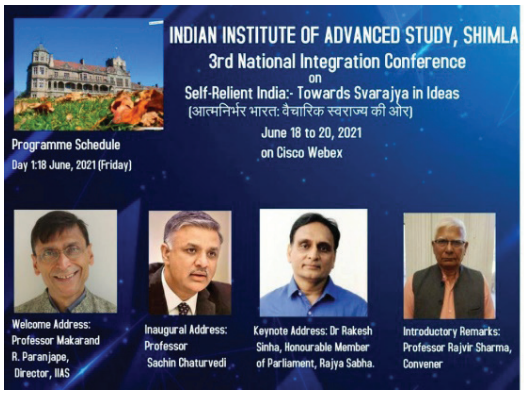

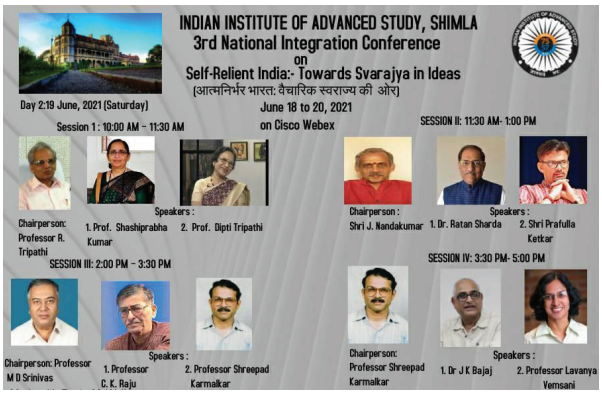

मूलाधार– भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अधिग्रहण, वृद्धि, गुणवत्ता अनुसंधान, नवाचार, रचनात्मकता और विचारों की मौलिकता के माध्यम से ज्ञान की स्वतंत्र खोज की ओर बढ़ने पर बल देने की आवश्यकता नहीं है। आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को पहली बार मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गढ़ा गया था, हालांकि भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष के दिनों से ही इसे स्वदेशी आंदोलन की अवधारणा में निहित किया गया था। महामारी कोविड–19 ने भारत की अर्थव्यवस्था और समाज को पूरी तरह से तहस–नहस कर दिया, जिससे

लोगों की नौकरियां चली गईं, विकास दर में तेजी गिरावट आई, बुनियादी ढांचा– भौतिक, सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक – गंभीर तनाव और चरमरा गया। प्रधानमंत्री का आह्वान देश को उस भयानक आपदा से उबारने का एक तरीका था, जिससे हम गुजर रहे थे।

भारत को बहुत सी प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं, जिनमें कोरोना, म्यूकोर्मिकोसिस, चक्रवात आदि जैसी प्रतिकूलताएँ परिस्थितियां शामिल हैं, उन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक तेजी से बहाली की आवश्यकता थी और जो अभी भी है। इस संदर्भ में स्वदेशी बौद्धिक और आर्थिक संसाधनों के सृजन, उपयोग और परिवहन के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में वैचारिक स्वराज्य प्राप्त करने के लिए एक लंबी कूद सबसे महत्त्वपूर्ण है। दूसरों पर हमारी निर्भरता को कम करने का अर्थ भले ही वैश्विक विचारों और दर्शन से कटना न हो।

यह वैचारिक स्वराज्य बाहरी दुनिया के लिए अपनी खिड़कियां बंद करने का प्रस्ताव नहीं करता है। यह निहित है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान के खजाने की खोज, पुनर्खोज और पुनर्मान्यता ने तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में एक नया महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। ऐसे वातावरण में भारत न सिर्फ अपनों के कल्याण का पथप्रदर्शक बन सकता है, बल्कि दुनिया को एक आशा की एक नई किरण भी दे सकता है। इसके लिए भारत की ज्ञान प्रणाली पर फिर से विचार करने और उसे फिर से सत्यापित करने की आवश्यकता है ताकि एक नए आत्मविश्वास, प्रगतिशील, ऊर्जावान भारतीय राष्ट्र का निर्माण किया जा सके और मानव, सांस्कृतिक और आर्थिक स्वतंत्रता की नई ऊंचाइयों और पैमानों को भी स्थापित किया जा सके।

संगोष्ठी में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई–

स्वराज्य एक आदर्श के रूप में

आधुनिक राजनीतिक चिंतन के विमर्श में भारत के महान योगदानों में से एक स्वराज्य या स्वराज की अवधारणा है। राजनीतिक दृष्टि से हम पूछ सकते हैं कि स्वराज शब्द क्या है? यह एक बहुत पुराना शब्द है, जिसका संबंध वैदिककाल से है, लेकिन उन्नीसवीं शताब्दी में आधुनिक भारत की शब्दावली में इसका रूप उभरकर सामने आया। जब स्वतंत्रता संग्राम ने एक निश्चित गति प्राप्त करना शुरू की, तो दादाभाई नौरोजी, लोकमान्य तिलक, श्री अरबिंदो, महात्मा गाँधी और कई अन्य नेताओं ने स्वराज शब्द का प्रयोग किया। वर्ष 1909 में जब गाँधीजी ने 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक लिखी उसी वर्ष वीर सावरकर ने 'द इण्डियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857' नामक पुस्तक लिखी। इन सभी दूरदर्शी नेताओं ने स्वराज शब्द का प्रयोग अंग्रेजों से राजनीतिक स्वतंत्रता को दर्शाने के लिए किया। लेकिन व्युत्पत्ति के अनुसार, शब्द का अर्थ इससे कहीं अधिक है। दरअसल 'स्वराज' संस्कृत शब्द स्वराज्य का संक्षिप्त रूप है, जो एक भाववाचक संज्ञा है। जब यह एक व्यक्ति के लिए लागू होता था, तो शब्द स्वरत, एक विशेषण के लिए होता था। यह एक ऐसा शब्द है जिसका वर्णन छांदोग्य, तैत्तिरीय और मैत्री उपनिषदों में आता है।

सिर्फ भारत में ही राजनीतिक स्वतंत्रता को प्रबुद्धता, आत्म–प्रबोधन के रूप में अभिव्यक्त किया गया था, उसका संबंध केवल राजनीतिक स्वायत्तता, उपनिवेशवादियों या साम्राज्यवादियों के विरोध से ही नहीं था। स्वराज्य, तो पूर्णता, पूर्ण सरकारीता का सिद्धांत है क्योंकि उजाला आंतरिक व्यवस्था से आता है, दमन से नहीं। मूलतः स्वराज्य से अभिप्रायः एक व्यक्ति की आंतरिक सरकार, विभिन्न अवयवों की सरकार और मतों, संस्थानों, व्यक्ति के सभी विभिन्न घटकों की सरकार से है। जब यह अच्छी तरह से प्रशासित होने लगता है, तो एक व्यक्ति जो खुद शासन कर सकता है वह एक सेवक बन जाता है। इसलिए स्वराज्य एक स्वशासन या स्वसरकार है।

स्वाधीनता, स्वतंत्रता और स्वावलंबन के पर्याय के साथ स्वराज आंतरिक रोशनी और आत्म–साक्षात्कार के लिए कई संभावनाओं का सुझाव भी देता है। एक का स्वराज ही दूसरों की मदद कर सकता है और दूसरों के स्वराज

में योगदान दे सकता है। स्वराज में व्यक्ति और राजनीतिक विलय हो जाते हैं, वे एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं। स्वराज की भावना इसमें निहित है कि जब तक मेरे सभी भाई–बहन आज़ाद नहीं होंगे तब तक मैं आज़ाद नहीं हो सकता और जब तक मैं आज़ाद नहीं हो सकता तब तक वे आज़ाद नहीं हो सकते। स्वराज हमें बिना किसी घृणा और हिंसक विरोध के उत्पीड़न का विरोध करने की स्वीकृति प्रदान करता है। गाँधीजी ने भारत के निहत्थे और गरीब लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए सत्याग्रह या सत्य या सत्य–बल पर जोर देने की प्रथा विकसित की है।

विचारों में स्वराज्य : विचार, संस्कृति एवं चुनाव की स्वतंत्रता में स्वायत्तता के रूप में

स्वराज के विचार का भारतीय विचार और संस्कृति के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रभाव पड़ा। 1928 में, भारत के प्रमुख दार्शनिकों में से एक, कृष्ण चंद्र भट्टाचार्य ने 'विचारों में स्वराज' नामक एक व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रासंगिक प्रश्न उठाया कि क्या हमने राजनीतिक स्वतंत्रता की खोज के साथ–साथ मतों और विचारों में स्वायत्तता प्राप्त की है। भट्टाचार्य का विचार था कि अगर चेतना की ऐसी मुक्ति हासिल करनी है तो भारतीय बुद्धिजीवियों को बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। कई दशकों बाद, उनके निबंध को *इण्डियन फिलॉसफी क्वार्टरली* (अक्तूबर–दिसंबर 1984) के एक विशेषांक 'स्वराज इन आइडया' शीर्षक से पुनः प्रकाशित किया गया। कई उत्कृष्ट दार्शनिकों और विचारकों ने इस विषय पर बहस की और उनकी प्रतिक्रियाएँ भी उसी पत्रिका में 'भारतीय मस्तिष्क को उपनिवेशित करने के अवयव और साधन' विषय के रूप में प्रकाशित हुईं। इसे पाँच स्तरों पर प्राप्त किया जा सकता है–

पहला स्तर वह स्तर है जिसे कोड कहा जा सकता है। यह विचारधारा, मानसिकता या पद्धति के चालकों को संदर्भित करती है। हम कोड कैसे बदल सकते हैं? सबसे पहले यह समझने की कोशिश करनी होगी कि यह भारतीय मन अपनी बहुलता के साथ क्या है। और ऐसा करने के लिए आपको यह समझने की कोशिश करनी होगी कि हमारी परंपराएं क्या हैं? क्योंकि औपनिवेशीकरण और विऔपनिवेशीकरण की सभी चर्चाएँ भारत के निर्माण और भारतीय अतीत के साथ–साथ 'पश्चिम' के निर्माणों पर भी टिकी हैं।

संहिता के स्तर पर, विचारधारा के स्तर पर, मन के स्तर पर, हमें बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। हमें यह भी देखने की जरूरत है कि हमारे उपकरण क्या हैं और पुनः प्राप्ति की क्या संभावनाएं हो सकती हैं। क्योंकि जब आप गहराई में जाते हैं कि परंपराओं का क्या मतलब है, तो आपको एक निश्चित ऐतिहासिक संयोजन के भाग की बजाय एक संपूर्ण विश्व और ब्रह्मांडिकी का दृश्य मिलता है।

हमें उन संस्थानों को भी देखना होगा, जो दूसरे स्तर पर होंगे। यदि आप उपनिवेशवाद को समाप्त करना चाहते हैं, तो आपको उपयुक्त संस्थानों की आवश्यकता होगी। सभी जानते हैं कि हमारे संस्थान बहुत खराब स्थिति में हैं। हमें संस्थागत सुधार की सख्त जरूरत है। उदाहरण के लिए, हमारी विश्वविद्यालय प्रणाली को नया रूप देना होगा। हमें इनमें ढांचागत बदलाव करना होगा क्योंकि ये बहुत बदनाम हो चुके हैं। महज के शब्दों के आदान–प्रदान से उपनिवेशवाद की समाप्ति नहीं होगी। हमें स्थिति को संभालना होगा। हमें जिम्मेदारी लेनी होगी और दोषारोपण की राजनीति नहीं करनी होगी। बदले की भावना से काम करने से कोई लाभ नहीं होगा।

तीसरा स्तर है–सामग्री। यदि हम अपने पाठ्यक्रमों का सदंर्भ लें तो मामला यह इतना स्पष्ट है कि हमें इसे बदलना होगा। यह खुशी की बात है कि ऐसा कई विश्वविद्यालयों में पहले ही हो चुका है। हमें यह पूछने की आवश्यकता है कि वास्तव में हम क्या पढ़ा रहे हैं और क्यों? इस प्रक्रिया को सभी क्षेत्रों और अध्ययन के विषयों में प्रभावित करने की आवश्यकता है। हमारे लक्ष्यों और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सामग्री को लगातार बदलना पड़ता है। हम उस तरह के पाठ्यक्रम को वहन नहीं कर सकते हैं, जो एक समय में लगभग आधी शताब्दी तक स्थिर रहता है, जैसा कि अभी भी भारत में है।

विचारों में स्वराज्य तब तक प्राप्त नहीं किया जा सकता जब तक कि चौथे स्तर पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है, अर्थात शिक्षा के माध्यम को उचित मान्यता नहीं दी जाती है। हम केवल अंग्रेजी में विऔपनिवेशीकरण के बारे में बात नहीं रख सकते हैं। ऐसे लोग हैं जो यह तर्क देंगे कि हमें अंग्रेजी भाषा से, पश्चिम से अपने संपर्क से इतना लाभ हुआ है, तो अब इसे क्यों छोड़ दें? विचार अंग्रेजी से छुटकारा पाने का नहीं बल्कि अन्य भारतीय भाषाओं को समान अवसर देने का है। लक्ष्य संस्कृत और अन्य शास्त्रीय भाषाओं को शास्त्रीय संस्कृति, दर्शन और नैतिकता के स्रोत के रूप में पुनर्स्थापित करना भी है।

अंत में, हम इकाई के विचार पर आते हैं वह है– पांचवां स्तर। हमारे लिए विऔपनिवेशीकरण का यह कार्य कौन करने जा रहा है? क्या हम राज्य को देखने जा रहे हैं? बेशक, राज्य महत्त्वपूर्ण है लेकिन क्या हम राज्य के पहल करने का इंतजार करेंगे? क्या स्वतंत्र भारत को बहुत पहले ऐसा नहीं कर लेना चाहिए था? ऐसा क्यों नहीं हुआ? ऐसा क्यों नहीं हो सका? या, वैकल्पिक रूप से, पहल नागरिक समाज से करनी होगी? और अगर यह सभ्य समाज से है, तो उस कहावत से हमारा क्या मतलब है? नागरिक समाज का गठन कौन करता है? क्या अभिजात वर्ग को यह करना होगा? या जनता को करना होगा? संभ्रांत लोगों को अगर भ्रष्ट नहीं तो समझौता करने के लिए जाना जाता है, जबकि जनता अगर अक्षम नहीं है तो वंचित अवश्य है। अंततः जिम्मेदारी हमारी ही है। हम दूसरों के नेतृत्व की प्रतीक्षा नहीं कर सकते; हमें स्वयं ऐसा करना होगा।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत : वैचारिक स्वराज्य की ओर' विषय पर 18–20 जून 2021 के दौरान सिस्को वेबेक्स माध्यम से ऑनलाइन राष्ट्रीय एकता सम्मेलन आयोजित किया गया। संस्थान के अध्येता प्रोफेसर राजवीर शर्मा इस सम्मेलन के संयोजक थे। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन दिया। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर राजवीर शर्मा ने परिचयात्मक टिप्पणी की तथा येल विश्वविद्यालय में मैकमिलन सेंटर फॉर इंटरनेशनल अफेयर्स में ग्लोबल जस्टिस फेलो प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने 'रिविज़िटिंग इंडियन डेवलपमेंट मॉडल्स एंड कंटेम्परेरी कनेक्ट्स' विषय पर उद्घाटन भाषण दिया। माननीय राज्य सभा सांसद डॉ. राकेश सिन्हा ने 'डिकलोनाइजेश : व्हेयर डिड वी फेल?' विषय पर मुख्य भाषण दिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक एवं द रेखी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस की सदस्य डॉ. अनुराधा चौधरी, ने विशेष व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री तरूण विजय ने 'डिजिटल कलोनाइजेशन' विषय पर समापन भाषण दिया। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर राजवीर शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रतिभागी

- प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान
- प्रोफेसर शशिप्रभा कुमार, संकायाध्यक्ष, श्री शंकराचार्य संस्कृत, महाविद्यालय, भारतीय विद्या भवन, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली
- प्रोफेसर दीप्ति शर्मा त्रिपाठी, पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, भारत सरकार
- श्री जे. नंदकुमार, राष्ट्रीय समन्वयक, प्रज्ञा प्रवाह
- डॉ रतन शारदा, प्रसिद्ध लेखक, स्वतंत्र स्तंभकार और टीवी पैनलिस्ट
- श्री प्रफुल्ल केतकर, संपादक, ऑर्गनाइज़र (साप्ताहिक), भारत की सबसे पुरानी राष्ट्रवादी पत्रिकाओं में से एक
- प्रोफेसर एम डी श्रीनिवास, अध्यक्ष, नीति अध्ययन केंद्र

- प्रोफेसर सी.के. राजू, मानद प्रोफेसर, भारतीय शिक्षा संस्थान, मुंबई विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्राध्यापक और आईआईटी मद्रास में टीचिंग–लर्निंग सेंटर के प्रमुख
- डॉ. जे. के. बजाज, निदेशक, नीति अध्ययन केंद्र
- प्रोफेसर लावण्या वेमसानी, सामाजिक विज्ञान विभाग, शॉनी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए
- प्रोफेसर एस.आर. भट्ट, अध्यक्ष, भारतीय दर्शनशास्त्र कांग्रेस
- श्री तरुण विजय, अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण

सम्मेलन के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दीं–

विशेष व्याख्यान

- डॉ. अनुराधा चौधरी : *पाथवेज फॉर रिसर्जेंस : श्री अरबिंदोज रोड़मैप फॉर एन आत्मनिर्भर–भारत*

सत्र–1

- प्रोफ़ेसर शशिप्रभा कुमार : *वैचारिक स्वराज्य की वैदिक पृष्ठभूमि*
- प्रोफ़ेसर दीप्ती त्रिपाठी : *ट्रांसेंडिंग बाउंडरीस : फ्रॉम संस्कृत ग्रामर टू यूनिवर्सल ग्रामर*

सत्र– 2

- डॉ. रतन शारदा : *दी कंट्रीब्यूशन ऑफ आरएसएस टू वैचारिक स्वराज*
- श्री प्रफुल्ल केतकर : *दी क्वेस्ट फॉर इंटैलेक्चुअल स्वराज : ब्रींगिंग ए नेशनल परस्पैक्टिव इन मीडिया डिस्कोर्स*

सत्र– 3

- प्रोफ़ेसर सी.के. राजू : *डिकलोनाइजिंग मैथमैटिक्स एण्ड साइंस*
- प्रोफ़ेसर श्रीपद कर्माकर : *इण्डिजीनिअस ऑफ सेमी–कंडक्टर टैक्नॉलजी– माई एक्स्पीरीअंस*

सत्र– 4

- डॉ. जे.के. बजाज : *फाउंडेशनल रिक्वैरमेंटस ऑफ स्वराज्य इन आइडियास*
- प्रोफ़ेसर लावण्य वेमसानी : *फाउंडेशनस ऑफ इण्डियन सिवलिजेशन : प्रीहिस्टोरिक एण्ड जेनेटिक एवीडेंस*

विदाई सत्र

- प्रोफ़ेसर एस.आर. भट्ट : *अंडरस्टैडिंग स्वराज्य इन आइडियास*
- श्री तरुण विजय : *डिजिटल डिकलोनाइजेशन*

3. 'आचार्य अभिनवगुप्त : लैगेसी एण्ड सिग्निफिकेंस' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी (21–22 जून 2021)

मूलाधार– 10वीं शताब्दी के कश्मीर शैव ऋषि, विद्वान, सौंदर्यशास्त्री, आध्यात्मिक गुरु और दूरदर्शी विचारक आचार्य अभिनवगुप्त ने त्रिक शैव दर्शन और धर्म को विचार और प्राप्ति की एक पूर्ण तंत्र के रूप में आकार दिया। उन्हें एक विलक्षण और विविध गुणों और उपलब्धियों के साथ एक असाधारण इंसान के रूप में याद किया जाता है। दुनिया उन्हें

एक दार्शनिक, व्याख्याकार और सौंदर्यशास्त्री के रूप में जानती है, लेकिन कश्मीर और त्रिक वंश में, वे एक सिद्ध और गुरु हैं, जो एक आध्यात्मिक गुरु हैं।

आचार्य अभिनवगुप्त ने दर्जनों असाधारण मूल और नवीन ग्रंथों की रचना के अलावा, प्राचीन तंत्रों के एक विपुल संग्रह को संरक्षित, संपादित और प्रलेखित भी किया। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति, तंत्रलोक, एक अनूठी कृति है, जिसकी आकार, दायरा, गहनता, बौद्धिकता और ज्ञान, उसे अद्वितीय वैश्विक दार्शनिक और आध्यात्मिक साहित्य बनाते हैं। हम अभी इसकी भव्यता की महत्ता को समझने लगे हैं।

तंत्रलोक में, अभिनवगुप्त ने न केवल गुरु–शिष्य परम्परा के अनुसार अपनी विरासत में मिली परंपरा को संरक्षित किया और त्रिक के दर्शन को अनुत्तरात्रिक में विकसित किया, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव के विवेकपूर्ण और व्यावहारिक क्षेत्र को भी परिष्कृत किया। तंत्रलोक, उस अर्थ में, एक उतनी दार्शनिक टीका है जितनी कि उच्च चेतना के क्षेत्र के लिए एक पेशेवर की नियामक होती है। इस उपलब्धि के लिए, अभिनवगुप्त ने आध्यात्मिक अनुभव को व्यक्त करने के लिए एक भाषा विकसित की और सभी आध्यात्मिक अनुभव को चिह्नित करने वाले गूढ़ तत्व से समझौता किए बिना इसे मानव बुद्धि तक पहुंचाने में मदद की।

प्रत्यक्षाभिज्ञ के कश्मीर शैव सिद्धांत पर ईश्वरप्रत्यभिज्ञा विमर्शिनी एवं ईश्वरप्रत्यभिज्ञानवृति जैसे दार्शनिक कार्यों में उनकी विशुद्ध रूप से अनुभव–आधारित तार्किक व्याख्याएं सर्वोच्च वास्तविकता के विचार को गैर–द्वैत चेतना के रूप में दृढ़ता से स्थापित करती हैं जिसे हम शिव कहते हैं। उनका परात्रिशास्त्रविवर्णा शक्ति की एक शाखा के रूप में सर्वोच्च उद्‌बोधन, परावक के रूप में सार्वभौमिक घटना के निर्माण का गहरा विस्तार है जो संस्कृत भाषा और व्याकरण के वैज्ञानिक मूल से संबंधित है। अपनी भैरव स्तव, अनुत्तराष्टिका, क्रम स्तोत्र और अनुभवनिवेदन जैसी अपनी भक्ति रचनाओं में, अभिनवगुप्त ने भैरवगमों के गूढ़ और भावनात्मक तत्वों को संरक्षित किया है।

सौंदर्यशास्त्र के क्षेत्र में अभिनवगुप्त का योगदान विश्व प्रसिद्ध है। उनकी अभिनवभारती, भरत के काव्य और नाट्यशास्त्र के पारंपरिक पाठ, नाट्यशास्त्र पर असाधारण टिप्पणी, वास्तविकता की गैर–दोहरी धारणा के अनुभव के साथ सौंदर्य अनुभव को जोड़ती है, जो गैर–दोहरी त्रिक दर्शन के अनुरूप है और जो उनकी कृति के लिए मौलिक है। इसी तरह, भगवदगीता पर उनकी टिप्पणी, गीतार्थ संग्रह इस वेदांत पाठ को शिवाद्वयावाद के प्रकाश में दिखाता है।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा आचार्य अभिनवगुप्त की जयंती मनाने के लिए 21–22 जून, 2021 को सिस्को वीबेक्स से 'आचार्य अभिनवगुप्त : लैगेसी एण्ड सिग्निफिकेंस' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थान की अध्येता डॉ. अलका त्यागी सम्मेलन की संयोजक थीं। सुश्री सान्या त्यागी द्वारा इस अवसर पर 'ओडिसी नृत्य' और सुश्री शालिनी माथुर द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने स्वागत भाषण दिया। सम्मेलन की संयोजक डॉ. अलका त्यागी ने परिचयात्मक भाषण दिया। प्रोफेसर सुनथर विसुवलिंगम द्वारा 'अभिनवगुप्त के समकालीनता पर 'नोट्स ऑन अभिनवगुप्तज कंटेम्परेरीनेस' पर समापन भाषण प्रस्तुत किया गया। संस्थान की अध्येता एवं संगोष्ठी की संयोजक डॉ. अलका त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

प्रतिभागी

- डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव, इंदिरा गाँधी कला केन्द्र, नई दिल्ली
- डॉ. मोतीलाल पंडित, शोधार्थी, एरोपागस फाउंडेशन, ओस्लो, नॉर्वे
- प्रोफेसर रमाकांत पाण्डेय, प्राध्यापक साहित्य विभाग, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
- प्रोफेसर भरत गुप्त, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

- प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (डीम्ड विश्वविद्यालय)
- प्रोफेसर माधव हाड़ा, अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- डॉ. सुनील रैना, एक स्वतंत्र शोधकर्ता, लेखक और एक साधक
- डॉ. मीरा रस्तोगी, लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग से सेवानिवृत्त
- डॉ. निहार पुरोहित, कश्मीर शैव संस्थान, ईश्वर आश्रम ट्रस्ट में मुक्तबोध इंडोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट और फैकल्टी के लिए अकादमिक परिषद के सदस्य
- प्रोफेसर पंकज बासोटिया, एसोसिएट प्रोफेसर– दर्शनशास्त्र, राजीव गाँधी राजकीय डिग्री महाविद्यालय, शिमला
- पद्मश्री प्रोफेसर बेटिना बाउमर, निदेशक, अभिनवगुप्त अनुसंधान पुस्तकालय, वाराणसी
- प्रोफेसर के.डी. त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- डॉ. बलराम शुक्ल, अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- श्री स्वास्तिक बनर्जी, कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र में पीएचडी शोधार्थी
- प्रोफेसर एस आर भट्ट, अध्यक्ष, भारतीय दर्शनशास्त्र कांग्रेस
- प्रोफेसर वागीश शुक्ला, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- डॉ. मार्क डाइजकोव्स्की, तंत्र और कश्मीरी त्रिक शैववाद पर दुनिया के अग्रणी विद्वानों में से एक

विचार–गोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दीं–

सत्र–1

- डॉ. मोतीलाल पण्डित : *अभिनवज लाइफ एण्ड वर्क्स*
- प्रोफ़ेसर रमाकांत पाण्डे : *अभिनवगुप्त के स्त्रोत साहित्य में प्रतिबिम्बित त्रिकदर्शन*

सत्र– 2 बीज भाषण प्रस्तुति

- डॉ. मार्क डाइजकोव्स्की : *दी टेस्ट ऑफ डिलाइट : दी रिचुअल, आर्ट, योगा, ग्नोसिस एण्ड डेली लाइफ*

सत्र– 3

- प्रोफ़ेसर भारत गुप्ता : *अभिनवगुप्तज डेफीनेशन ऑफ रासा*
- प्रोफ़ेसर राधावल्लभ त्रिपाठी : *क्रिएटिव प्रोसेस इन अभिनवगुप्त*

विशेष व्याख्यान

- श्री राकेश कुमार कौल : *चमत्कार, साहित्य एण्ड नीतीन द लाइट ऑफ अभिनवगुप्तज लिट्रेचर*

सत्र– 4

- डॉ. सुनील रैना : *भैरवा विमर्श इन कश्मीरी ट्रैडिशन*

- डॉ. मीरा रस्तोगी : *ईश्वर प्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी में प्रस्तुत गतिशीलता की अवधारणा*
- डॉ. निहार पुरोहित : *पुरानता : ए फाउंडेशनल पैराडाइम*

सत्र– 5

- पदमश्री प्रोफेसर बैटिना बाउमर : (रिकॉर्ड किया हुआ व्याख्यान)
- प्रोफेसर के.डी. त्रिपाठी : *अभिनवभारती में नाटय प्रयोग की अंतर्दृष्टि (रिकॉर्ड किया हुआ व्याख्यान)*

सत्र– 6

- डॉ. स्वास्तिक बनर्जी : *चिन्मयम एकम भैरवम : द आइडिया ऑफ सेल्फ इन भैरवस्तोत्र ऑफ अभिनवगुप्त*

सत्र– 7

- प्रोफ़ेसर बागीश शुक्ला : *अभिनवाज गीतार्थसंग्रह*
- डॉ. बलराम शुक्ल : *शब्द शस्त्रकला अभिनवकृत दर्शनशास्त्रीय उपयोगा*

समापन सत्र

- प्रोफ़ेसर संथर विसुवलिंगम : *नोटस ऑन कंटेम्परेनिटी ऑफ अभिनवगुप्त*

4. शश्वनी स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो के सहयोग से 'हिस्ट्री ऑफ इंडिया : थ्योरी, मेथड्स, प्रैक्टिस' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (15–16 जुलाई 2021)

मूलाधार– इस संगोष्ठी में भारतीय इतिहास के सिद्धांत, विधियों और प्रणालियों का अन्वेषण करते हुए शाही इतिहास के निर्माण से शुरू होने वाले भारत के इतिहास के भीतर की कमियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। संगोष्ठी में प्रस्तुत व्याख्यान भारतीय इतिहास के विशेष क्षेत्रों (प्रारंभिक इतिहास, द्वितीय सहस्राब्दी इतिहास, कला इतिहास, मानवशास्त्रीय इतिहास और भारत–इस्लामी इतिहास) पर भी आधारित थे। भारतीय इतिहास लेखन की नींव औपनिवेशिक युग के दौरान रखी गई, जो आजादी के बाद भी भारत के इतिहास पर हावी रही। जैसा कि भारत आजादी 75 साल मना रहा है तो ऐसे में भारतीय इतिहास की आलोचनात्मक जांच करना आवश्यक था।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा 21–22 जून, 2021 के दौरान सिस्को वीबेक्स पर शॉनी स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो के सहयोग से 'हिस्ट्री ऑफ इंडिया : थ्योरी, मेथड्स, प्रैक्टिस' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। शावनी राज्य विश्वविद्यालय में इतिहास की प्राध्यापक, प्रोफेसर लावण्या वेमसानी इस संगोष्ठी की संयोजक थीं। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर लावण्या वेमसानी ने परिचयात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की। सोका यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका, कैलिफोर्निया में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नलिनी एन. राव ने 'नेटवर्क्स ऑफ पावर– एन इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी' विषय पर उद्घाटन भाषण दिया। संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर लावण्या वेमसानी द्वारा ही समापन टिप्पणी और धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किए गए।

प्रतिभागी

- प्रोफेसर दिलीप चक्रवर्ती, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई पुरातत्व के प्रोफेसर एमेरिटस
- डॉ. सरदिन्दु मुखर्जी, सदस्य, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद

- प्रोफेसर वेंकट राघोथम, इतिहास के पूर्व प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड इंटरनेशनल स्टडीज, पांडिचेरी विश्वविद्यालय
- डॉ. आंद्रे विंक, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, मैडिसन
- प्रोफेसर पंकज जैन, प्रोफेसर और प्रमुख, इंडिक स्टडीज, फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे
- डॉ शोनालीका कौल, ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर राजवीर शर्मा, प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय (सेवानिवृत्त) और पूर्व अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान

संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित विषयों पर प्रस्तुतियां दीं–

परिचयात्मक टिप्पणी

- प्रो. लावण्या वेमसानी, इतिहास की प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विभाग, शावनी स्टेट यूनिवर्सिटी : *द मिसिंग हिस्ट्री ऑफ़ द ट्रू बिगिनिंग्स ऑफ़ इंडिया ऑफ़ अर्ली हिस्ट्री*

उद्घाटन भाषण

- डॉ. नलिनी एन. राव, एसोसिएट प्रोफेसर, सोका यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका, कैलिफोर्निया : *नेटवर्क्स ऑफ पावर– एक इंटरडिसिप्लिनरी स्टडी*

मुख्य सत्र

प्रोफेसर दिलीप चक्रवर्ती, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई पुरातत्व के प्रोफेसर एमेरिटस : *एस्पैक्टस ऑफ नेशनलिज़्म इन इण्डियन आर्कियालजी*

सत्र–1

- डॉ. सरदिन्दु मुखर्जी, सदस्य, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद : *वाज द सिटिजनशिप एक्ट 2019 अर्जेन्टली रिक्वायरड : एन इन्क्वायरी इनटू इट्स हिस्टॉरिकल नेसेसिटी ?*
- प्रोफेसर वेंकट राघोथम, इतिहास के प्रोफेसर और संकाय अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) सामाजिक विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, पांडिचेरी विश्वविद्यालय : *हिस्ट्री एण्ड कल्चर ऑफ द इण्डियन पीपल : द भारतीय विद्या भवन सीरिज एण्ड इट्स क्रिटिक्स*

सत्र–2

- डॉ. आंद्रे विंक, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन, मैडिसन : *द मेकिंग ऑफ़ द इंडो–इस्लामिक वर्ल्ड सी. 700–1800 सीई*
- प्रोफेसर पंकज जैन, प्रोफेसर और प्रमुख, इंडिक स्टडीज, फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे : *द वर्ण, जाति एण्ड 'कास्ट सिस्टम' इन इण्डियन सोसाइटी*

समापन सत्र

- डॉ शोनालीका कौल, ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय : *रिकन्सीडरिंग इण्डियन हिस्टॉरिग्राफी : चैलेंजिस एण्ड अप्पॉर्च्युनिटीस*

5. **'कोरोना के दौरान भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान : पुनरावलोकन एवं आलोक' विषय पर समीक्षा सम्मेलन** (22–24 **जुलाई** 2021)

मूलाधार– भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान देश का प्रमुख उच्च स्तरीय शोध केन्द्र है। अपनी तरह का यह एक पृथक संस्थान है, जहाँ सिर्फ विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों की तरह सामग्री और विधियों के आधार पर पारंपरिक शोधकार्य नहीं होता। भारत के दूसरे राष्ट्रपति प्रसिद्ध दार्शनिक और महान दूरदर्शी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के मस्तिष्क की उपज के परिणामस्वरूप 20 अक्टूबर 1965 को मौलिक विषयों और जीवन की समस्याओं की स्वतंत्र और रचनात्मक अन्वेषण के लिए एक आवासीय केंद्र के रूप में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला की स्थापना की गई। संस्थान स्थापित करने के पीछे मन्शा थी कि भारत और विश्व के लिए सांस्कृतिक, सामाजिक और मानवीय आवश्यकताओं के विषयों पर गहन चिंतन के लिए एक स्थान सुरक्षित किया गया। तब से लेकर यह संस्थान कला, संस्कृति, साहित्य, लोक और आदिवासी अध्ययन, दर्शन, इतिहास और राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले मूल शोध को बढ़ावा देता आ रहा है। राष्ट्रीय प्रासंगिकता और महत्व के क्षेत्रों में मानविकी और प्राकृतिक विज्ञान से संबंधित विषयों के चयन में विशेष ध्यान दिया जाता है।

संस्थान ने अपने उद्देश्यों और दायित्वों को पूरा करने के लिए, और विद्वानों की दुनिया के बीच अपनी एक पहचान बनाने के लिए वर्ष 2020 से कई गतिविधियों/कार्यों को अंजाम दिया, जिनका मोटे तौर पर निम्न प्रकार से उल्लिखित किया जा सकता है–

- वार्षिक सर्वोत्कृष्ट व्याख्यान श्रृंखला, विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला, सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं, विशेष अकादमिक कार्यक्रम।
- बाह्य गतिविधियाँ, पुस्तकालय व अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान अवसंरचना प्रकाशन, अध्येताओं की साप्ताहिक संगोष्ठियाँ।
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के लिए अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्र के तहत व्याख्यान, तथा सह–अध्येताओं के लिए आवासीय केन्द्र के बुनियादी ढांचे की मरम्मत और नवीनीकरण।

संस्थान में 22–24 जुलाई 2021 के दौरान 'भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान : पुनरावलोकन एवं आलोक' नामक एक विशेष अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अनिवार्य संगोष्ठी दो व्यापक विषयों पर आधारित थी – एक संस्थान में शोध के परिणामों पर बहस और चर्चा करना, और दूसरे विचारों का सृजन करना और संस्थान के अनुसंधान प्रयासों को दिशा देना। समीक्षा सम्मेलन 22–24 जुलाई 2021 के दौरान सिस्को वेबएक्स पर ऑनलाइन आयोजित किया गया। संस्थान के अध्येता प्रोफेसर माधव हाड़ा तथा पूर्व अध्येता प्रोफेसर राजवीर शर्मा, इस सम्मेलन के संयोजक थे। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर माधव हाड़ा और प्रोफेसर राजवीर शर्मा ने परिचयात्मक टिप्पणी की। उद्घाटन भाषण प्रोफेसर बलदेव 'भाई' शर्मा ने दिया। सम्मेलन के संयोजकों प्रोफेसर माधव हाड़ा तथा प्रोफेसर राजवीर शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

प्रतिभागी

- प्रोफेसर सच्चिदानंद जोशी, प्रतिष्ठित इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव
- प्रोफेसर सितांसु यशचंद्र, समकालीन गुजराती साहित्य के सबसे प्रतिष्ठित प्रतिनिधि
- प्रोफ़ेसर दीप्ति त्रिपाठी, संस्कृत व्याकरण, आधुनिक भाषाविज्ञान, काव्यशास्त्र और पाण्डुलिपि विज्ञान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षाविद

- प्रोफेसर अवधेश प्रधान, हिंदी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- श्री प्रफुल्ल केतकर, संपादक, आयोजक (साप्ताहिक), भारत की सबसे पुरानी राष्ट्रवादी पत्रिका
- प्रोफेसर भरत गुप्त, दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर
- प्रोफेसर डी. आर. पुरोहित, पूर्व राष्ट्रीय अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- प्रोफेसर सुधीर सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर रमेश सी. प्रधान, पूर्व राष्ट्रीय अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- श्री संक्रांत शानू, लेखक, उद्यमी और सार्वजनिक बुद्धिजीवी और पब्लिशिंग हाउस गरुड़ प्रकाशन के संस्थापक और सीईओ
- डॉ. अंजलि दुहन, पूर्व अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- सुश्री अदिति एम. गोयल, वाणी प्रकाशन में कॉपीराइट और अनुवाद विभाग की प्रमुख और वाणी फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी
- प्रोफेसर सूर्यकांत वाघमोरे, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुम्बई
- प्रोफेसर मनिंद्र ठाकुर, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- प्रोफेसर बिजॉय बरुआ, पूर्व प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- डॉ. अलका त्यागी, अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- प्रोफेसर नंदकिशोर आचार्य, बीकानेर, भारतीय नाटककार, कवि और आलोचक
- श्री तरुण विजय, एक भारतीय लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार।
- प्रोफेसर शशिप्रभा कुमार, संकाय अध्यक्ष, श्री शंकराचार्य संस्कृत महाविद्यालय, भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली
- डॉ. बलराम शुक्ल, अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- श्री अरुण मेनन, आईआईटी मद्रास में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर
- सुश्री तपस्या सामल, ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण में परास्नातक एवं वास्तुकार
- सुश्री संगीता बैस, संगीता बैस, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली की पूर्व छात्रा
- प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन, राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर और राजनीतिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल के डीएसए (विशेष सहायता विभाग) कार्यक्रम के समन्वयक
- प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी, देश में संस्कृत के वरिष्ठतम प्रोफेसर

संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की–

वार्षिक प्रमुख व्याख्यान शृंखला

- प्रोफेसर सितांसु यशचंद्र
- प्रोफेसर दीप्ति त्रिपाठी

गोष्ठी / सम्मेलन / संगोष्ठी

- प्रोफेसर अवधेश प्रधान
- श्री प्रफुल्ल केतकर

अध्येता संगोष्ठी (भाग 1)

- प्रोफेसर सुधीर सिंह

प्रकाशन और पुस्तकालय

- सुश्री अदिति एम. गोयल (प्रकाशक, वाणी प्रकाशन)
- श्री संक्रांत शानू (प्रकाशक, गरुड़ प्रकाशन)

विशिष्ट व्याख्यान शृंखला (भाग 1)

- प्रोफेसर बिजॉय बरुआ
- प्रोफेसर भरत गुप्त

विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम, पुस्तक चर्चा और बाह्य गतिविधियाँ

- प्रोफेसर सूर्यकांत वाघमोरे
- प्रोफेसर मनिंद्र ठाकुर

अध्येता संगोष्ठी (भाग 2)

- प्रोफेसर नंदकिशोर आचार्य
- प्रोफेसर दाता राम पुरोहित

पैनल चर्चा– विशिष्ट व्याख्यान शृंखला (भाग 2)

- श्री तरुण विजय
- प्रोफेसर शशिप्रभा कुमार

पैनल चर्चा– अध्येता संगोष्ठी (भाग 3)

- डॉ. बलराम शुक्ल

संस्थान की बहाली

- सुश्री तपस्या सामल
- श्री अरुण मेनन

विदाई सत्र

- प्रोफेसर गुरप्रीत महाजन
- प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी

6. **राष्ट्रम स्कूल ऑफ पब्लिक लीडरशिप, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, सोनीपत के सहयोग से 'श्री अरबिन्दो एण्ड इण्डियाज रेनसान्स' (भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष तथा श्री अरबिन्दो की 150वीं जयंती समारोह) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (01–3 अगस्त 2021)**

माननीय राज्यपाल (हि.प्र.) श्री राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर हिन्दी पत्रिका 'हिमांजलि' का विमोचन तथा कार्यक्रम के उपरांत जीर्णोद्धार किए गए टेनिस कोर्ट का उद्घाटन करते हुए। मध्य चित्र में सुश्री सान्या त्यागी ओडिसी नृत्य करती हुई।

मूलाधार– श्री अरबिंदो को युग पुरुष के रूप में सम्मानित किया गया है। वे न केवल युग की मुख्य विशेषताओं या आंदोलनों को मूर्त रूप देते हैं, बल्कि उन्हें अपने व्यक्ति में भी ढाल देते हैं। हम आमतौर पर ऐसे जीवों से मिलते हैं जिनसे एक युग की शुरूआत होती है और दूसरो युग की समाप्ति। वे मानो केवल एक राष्ट्र या सभ्यता के सबसे भूकंपीय उथल–पुथल और बदलाव में पारगमन को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रकट होते हैं। वर्तमान में, भारत और पूरा विश्व एक नए युग में प्रवेश कर रहा है जिसमें श्री अरबिंदो का जीवन और उनके कार्य महत्त्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।

एक सांसारिक व्यक्ति के रूप में, श्री अरबिंदो एक महान क्रांतिकारी थे जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी और लगभग अपने प्राणों की आहुति दे दी। 1857 के 'भारतीय विद्रोह' या 'प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' के बाद ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा तथाकथित शांति स्थापित करने के नाम पर विद्रोह कुचल दिया गया और भारत में विभाजन की खाई पैदा हो गई। भारतीयों के लिए स्वतंत्रता का दावा करना अकल्पनीय था– यानी अपने औपनिवेशिक स्वामियों के बराबर का दर्जा प्राप्त करना। ऐसे अंधेरे युग में, श्री अरबिंदो उन शुरुआती नेताओं में से एक थे जिन्होंने निर्णायक रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पूर्णस्वराज्य, अंग्रेजों से पूर्ण स्वतंत्रता और अपनी सहज प्रतिभा के आधार पर आत्मनिर्भरता के अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर मोड़ दिया।

लेकिन श्री अरबिंदो एक क्रांतिकारी से भी बढ़कर थे। उन्हें वास्तव में राष्ट्र का आलोक माना जा सकता है। क्योंकि जब राष्ट्र अपने भाग्य और धर्म के बारे में संदेह और अनिश्चितता में लड़खड़ा रहा था, तो ऐसे में वे यह जागृत करने के लिए अवतरित हुए कि हम हृदय, मन और शरीर से कौन और क्या थे? इसके अलावा, उन्होंने आत्मा और सच्चाई के बारे में भी अवगत करवाया। उन्होंने भारतीयों की जीवन शक्ति में श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं का निरूपण किया और उससे भी अधिक, उन्होंने इसे पूर्णता, व्यापकता और तीव्रता से आगे बढ़ाया।

श्री अरबिंदो ने हमें बताया कि हमारे प्राचीन ग्रंथों का क्या अर्थ है और एक जनसमुदाय के रूप में कौन हैं? हम उस प्राचीन ज्ञान रूपी रोशनी के संवाहक जो हमारे प्राचीन ऋषियों से हमें विरासत में प्राप्त हुई है। उन्होंने न केवल हमें हमारा अतीत और हमारा वश में किया हुआ वर्तमान दिखाया, अपितु एक नेता और जगद्गुरु की श्रेणी में एक संरक्षक के रूप में संभावनाओं से भी हमें अवगत करवाया।

उन्होंने हमारे लिए हमारी आत्मा की खोज की जो अदृश्य हो गई थी और सतह के पीछे चली गई थी और उन्होंने

इसे एक बार फिर से हमारी धरा पर बेहद निस्वार्थ भाव से स्थापित किया। और उन्होंने हमें आत्म–विश्वास और स्वाभिमान प्रदान किया जिसके बिना किसी भी महान कार्य की कल्पना या संभव नहीं है। उन्होंने हमारी कई प्राचीन परंपराओं को श्रीकृष्ण की गीता जैसे विशाल संश्लेषण में एक साथ सामने प्रस्तुत किया। जटिल विचारों, अंतर्विरोधों और वाद–विवादों में सामंजस्य बिठाना लगभग असंभव था, लेकिन उन्होंने दर्शनों को उनके मूल प्रसाद और मूल्यों को बनाए रखते हुए अंतर्संबंध स्थापित किया।

श्री अरबिंदो ने हमारे लिए पश्चिम देशों के समक्ष खड़े हुए, संघर्ष के लिए नहीं, अपितु मानव जाति और उसके विकास में पश्चिम के योगदान के मूल्य की गहरी समझ के साथ और आपसी मेल–मिलाप और पारस्परिक अंतःक्रिया में उसे अपना स्थान प्रदान करने के लिए। उन्होंने दिखाया कि हमारी सभ्यता के मूलभूत घटक महत्त्वपूर्ण मूल्य और उपयोगिता के हैं, जो कुछ मायनों में पश्चिम की रचनाओं की तुलना में कहीं अधिक उन्नत हैं। और प्रत्येक निश्चित ज्ञान जिसने जीवन को एक अभिन्न ढंग से देखा न कि एक पृथक या विभाजनकारी मानसिकता के साथ।

हम एक राष्ट्र के रूप में हम उनके विचारों और योगदान को पूरी तरह से समाविश्ट करने में विफल रहे हैं, फिर भी श्री अरबिन्दों ने खामोशी और धैर्यपूर्वक हमारे राष्ट्र की नींव रखना जारी रखा। इसका हमें अब एहसास होने लगा है कि उन्होंने हमारे लिए क्या किया। जैसे–जैसे हम अपने राष्ट्रीय विवेक को अपनाने के बारे में अधिक से अधिक आश्वस्त होते जाएंगे, उनका महत्व और प्रभाव बढ़ता रहेगा।

श्री अरबिंदो ने खुलासा किया कि भारत में जीवन के सभी महान आंदोलनों की शुरुआत नए आध्यात्मिक विचार और आमतौर पर एक नई धार्मिक गतिविधि के साथ हुई है। भारतीय पुनर्जागरण के लिए अनुकूल परिस्थितियों पर भी टिप्पणी करते हुए, श्री अरबिंदो ने लिखा कि यूरोपीय जीवन और संस्कृति के इस कच्चे प्रभाव के कारण जो कुछ भी अस्थायी विनाश हुआ है, उसने भारत को तीन आवश्यक आवेग दिए हैं। उसने निष्क्रिय बौद्धिक और आलोचनात्मक आवेग को पुनर्जीवित किया; जीवन का पुनर्वास किया और एक नई रचना की इच्छा जगाई; उसने पुनर्जीवित भारतीय आत्मा को नवीन परिस्थितियों और आदर्शों और उन्हें समझने, आत्मसात करने और जीतने की तत्काल आवश्यकता के साथ आमने–सामने रखा। राष्ट्रीय राय ने अपनी पिछली संस्कृति पर एक नई दृष्टि डाली, अपनी भावना और आयात के लिए फिर से जागृत किया, लेकिन साथ ही साथ इसे आधुनिक ज्ञान और विचारों के संबंध में भी देखा गया।

श्री अरबिंदो ने इस तरह के एक भारतीय पुनर्जागरण के माध्यम से बहुत बड़ा संचय किया जब उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत में यह नई उत्पत्ति, उसके लिए बहुत महत्व की वस्तु बन जाएगी क्योंकि वह उसकी पुरानी आत्मा की बहाली के लिए बनी है। उन्होंने आगे इस बात पर बल दिया कि यह पुनर्जागरण पश्चिम की नकल नहीं है बल्कि एक विशिष्ट भारतीय पुनर्जागरण है जो अपनी आध्यात्मिकता और मानव चेतना में निहित है और न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को परिवर्तित करने की क्षमता रखता है। श्री अरबिंदो ने मन, चेतना और उनके परिवर्तन जैसी मूलभूत अवधारणाओं का भी विश्लेषण किया। विशेष रूप से अंतिम व्यक्ति या वास्तव में संपूर्ण मानव जाति के जीवन, विचार, कार्यों और प्रकृति को कैसे आकार दे सकता है। इनमें से कुछ विचारों और अवधारणाओं ने विशेष रूप से मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और मानव चेतना में नए विकास को प्रभावित करते हुए दूर–दूर तक विचरण किया है और आगे नए विकास को गति प्रदान कर रहे हैं जिन्हें समझने और प्रासंगिक बनाने की आवश्यकता है। भारत पुनरुत्थान की राह पर है। 1947 में स्वाधीन होकर हमने अपने राष्ट्रीय अस्तित्व के भौतिक और आर्थिक पहलुओं के संदर्भ में एक प्रकार की स्वायत्तता प्राप्त की है। अगला स्पष्ट चरण मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक पुनरुत्थान है और इसके लिए श्री अरबिंदो ने बहुत से विचार, अंतर्दृष्टि और एक शक्तिशाली रूपरेखा प्रदान की है। श्री अरबिंदो ने उस प्रक्रिया के बीज को भारतीय पुनर्जागरण कहा। श्री अरबिंदो ने भारत के लिए एक नया दृष्टिकोण भी दिया ताकि वह भारत से शुरू होकर पूरी मानव जाति को मानवता के विकास की ओर अग्रसर कर सके।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, संयोजकों ने उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा की और व्याख्यान प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी के निम्नलिखित विषय थे–

(क) नए युग की अवधारणाओं के लिए श्री अरबिंदो का योगदान।

(ख) श्री अरबिंदो के विचार : (1) भारतीय पुनर्जागरण; (2) नया भारत; (3) मानव चेतना।

(ग) यूरोपीय पुनर्जागरण के साथ भारतीय पुनर्जागरण की तुलना और व्यतिरेक।

(घ) श्री अरबिंदो द्वारा अवधारणा के रूप में नए भारत का विचार तथा स्वतंत्रता के बाद के भारत के वास्तविक प्रक्षेप पथ के साथ इसकी तुलना।

(ङ) नए भारत के परिप्रेक्ष्य में इनमें से कौन सी अंतर्दृष्टि सार्वजनिक नीति के लिए अपनाई जा सकती है, खासकर वर्तमान सरकार के दृष्टिकोण की पृष्ठभूमि में?

(च) भारतीय जीवन के विभिन्न आयामों में नए भारत के लिए श्री अरबिंदो के दृष्टिकोण को कैसे प्रसारित किया जा सकता है, इस पर चर्चा करना।

(छ) श्री अरबिंदो की मन, मानव चेतना और मनोविज्ञान की अवधारणाओं को समकालीन और प्रासंगिक बनना और यह पता लगान कि इस तरह के विचार भारत से दुनिया के अन्य हिस्सों में कैसे चले गए और मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और चेतना अध्ययन की सीमाओं को प्रभावित किया।

(ज) उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी में श्री अरबिंदो के विचारों के अनुप्रयोग, उनके नैतिक पहलुओं और बड़े पैमाने पर मानवता पर उनके प्रभाव की संक्षिप्त, मध्यम और लंबी अवधि में जांच और आलोचनात्मक चर्चा करना।

उप–विषय

सम्मेलन निम्नलिखित विषयगत क्षेत्रों पर केन्द्रित रहा–

(क) प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान और अनुभव की पुनः प्राप्ति में सफलता और विफलता।

(ख) श्री अरबिंदो की दृष्टि और स्वतंत्रता के बाद के भारत की वास्तविक यात्रा का तुलनात्मक विश्लेषण।

(ग) श्री अरबिंदो द्वारा हमारे विचार में लाए गए क्रांतिकारी नवाचार जो पिछले युग के अंत और एक नए युग की शुरुआत को चिह्नित करते हैं।

(घ) क्या भारत में पहले से ही पुनर्जागरण हो चुका है या उसे एक नए पुनर्जागरण की आवश्यकता है?

(ङ) भारतीय पुनर्जागरण किस प्रकार यूरोपीय पुनर्जागरण से भिन्न है?

(च) भारतीय संस्कृति और पुनर्जागरण पर बाहरी प्रभाव।

(छ) एक आम आदमी के लिए आध्यात्मिकता।

(ज) कृत्रिम चेतना की सीमाएं

(झ) कृत्रिम चेतना– सरल उपाय या विकृति?

(ञ) प्रौद्योगिकी, मानव चेतना और मनोविज्ञान के संदर्भ में श्री अरबिंदो

(ट) श्री अरबिंदो के विचारों की पश्चिमी यात्रा

(ठ) उभरती प्रौद्योगिकी, तंत्रिका विज्ञान और चेतना में श्री अरबिंदो के विचारों का अनुप्रयोग।

(ड़) भारतीय आत्मा को बनाए रखते हुए और आध्यात्मिक समाज का निर्माण करते हुए मूल रूप से आधुनिक समस्याओं को कैसे हल किया जाए?

(ढ) भारतीय कौन हैं? उनका राष्ट्रवाद क्या है?

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा राष्ट्रम स्कूल ऑफ पब्लिक लीडरशिप, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, सोनीपत के सहयोग से 01–03 अगस्त, 2021 से 'श्री अरबिन्दो एण्ड इण्डियाज रेनसान्स' (भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष तथा श्री अरबिन्दो की 150वीं जयंती समारोह) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रम पब्लिक लीडरशिप स्कूल, ऋषिहुड विश्वविद्यालय प्रोफेसर संपदानंद मिश्रा सम्मेलन के संयोजक थे। हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। ओडिसी नृत्यांगना सुश्री सान्या त्यागी ने इस अवसर पर मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। अकादमिक संसाधन अधिकारी सुश्री रितिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिभागी

- डॉ डेविड फ्रॉले, (पंडित वामदेव शास्त्री), पद्म भूषण, वैदिक परंपरा में गुरु
- श्री शोभित माथुर, कंप्यूटर विज्ञान और अभियंत्रिकी में स्नातक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे
- प्रोफेसर सच्चिदानंद मोहंती, पूर्व कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय उड़ीसा, एवं प्राध्यापक व प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय
- श्री देवदीप गांगुली, श्री अरबिंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन, पांडिचेरी
- डॉ. आलोक पांडे
- दिगंता बिस्वा सरमा, प्रख्यात विद्वान, साहित्यकार और परोपकारी

  प्रोफेसर भरत गुप्त, दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं प्रसिद्ध कलाकार
- डॉ. के. परमेश्वरन, कानून के एसोसिएट प्रोफेसर एवं गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, में पूर्व संकायाध्यक्ष
- श्री रामचंद्र, सनातन सिद्धाश्रम, बंगाल की प्राचीन बाउल परंपरा के लिए पारंपरिक गुरुकुल
- डॉ. रमेश बिजलानी, चिकित्सक, शिक्षाविद्, लेखक, प्रेरक वक्ता, शिक्षक, वैज्ञानिक,
- श्री गौतम चिकरमाने, उपाध्यक्ष, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन
- प्रोफेसर स्टीफन फिलिप्स, दर्शनशास्त्र और एशियाई अध्ययन के प्रोफेसर और हवाई विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के अतिथि प्रोफेसर
- डॉ. कुंदन सिंह, सैन फ्रांसिस्को में एक संस्था, सांस्कृतिक एकता फैलोशिप के उपाध्यक्ष
- प्रोफेसर गौतम घोषाल, अंग्रेजी के प्रोफेसर, विश्व–भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल
- डॉ. अनुराधा चौधरी, संस्कृत के प्रति अत्यधिक प्रेरित विद्वान, वेदों के गहरे रहस्य को उजागर करने और संस्कृत को एक जीवित, आधुनिक, बोली जाने वाली भाषा के रूप में बढ़ावा देने के लिए समर्पित
- डॉ. सरोजकांत मिश्रा, सेवानिवृत्त उप कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, ओडिशा

- प्रोफेसर रमेश चंद्र प्रधान, सेवानिवृत प्राध्यापक, दर्शन विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय
- डॉ. मैथिज कॉर्नेलिसन, इंटीग्रल साइकोलॉजी, श्री अरबिंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन, पांडिचेरी
- सुश्री अनुराधा अग्रवाल, ट्रस्टी एवं सह–संस्थापक, द ग्नोस्टिक सेंटर
- प्रोफेसर शंकर शरण, राजनीति विज्ञान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- डॉ. रुद्राशीष दत्ता, सहायक प्रोफेसर– अंग्रेजी, प्रीतिलता वद्देदार महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल
- फ्रांकोइस गौटियर, प्रधान सम्पादक, ला रिव्यू डे एल इंडे (भारत को समर्पित एक साहित्यिक पत्रिका)
- सुश्री पूनम गुप्ता– कृष्णन, डेटा मैनेजमेंट कंपनी, इयका एंटरप्राइजेज की संस्थापक और सीईओ
- डॉ. संगीता सोनी, सहायक प्रोफेसर, सीटीई, बेसिक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, गाँधी विद्या मंदिर, सरदारशहर
- सुश्री चंद्रली मुखर्जी, डॉक्टरेट शोधार्थी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री हर्षित श्याम जायसवाल, डॉक्टरेट शोधार्थी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री अभिषेक त्रिपाठी, डॉक्टरेट शोधार्थी, मनोविज्ञान और संज्ञानात्मक विज्ञान विभाग, सैपिएन्ज़ा विश्वविद्यालय, रोम
- सुश्री अमीता मेहरा, प्रबंध न्यासी, नोस्टिक सेंटर

सत्र–1

विशेष उद्बोधन

- डॉ. डेविड फ्रॉले : *श्री अरबिंदो ऑन टेक्नोलॉजी, ह्यूमन कॉन्शियसनेस एंड साइकोलॉजी*
- श्री शोभित माथुर द्वारा समापन टिप्पणी

सत्र–2, पैनल चर्चा

भारतीय पुनर्जागरण का विचार

- श्री देवदीप गांगुली
- डॉ. दिगंता बिस्वा सरमा
- प्रोफेसर भरत गुप्ता

सत्र–3, पैनल चर्चा

आम व्यक्ति के लिए आध्यात्मिकता

- डॉ. आलोक पाण्डेय
- डॉ. के परमेश्वरन
- श्री रामचंद्र

सत्र–4, पैनल चर्चा

आज के संदर्भ में श्री अरबिंदो

- डॉ. रमेश बिजलानी : *अंडरस्टैंण्डिग पैंडेमिक थ्रू श्री अरबिंदोज विज़न*
- श्री गौतम चिकर्माने : *द राइज ऑफ ए राजसिक इण्डिया इन द लाइट ऑफ श्री अरबिंदोज आइडियास*

मुख्य सत्र

- प्रोफेसर स्टीफन फिलिप्स : *श्री अरबिंदोज वेदांतिक फिलॉसफी ऑफ ए ट्रू इंडिविजुअल*
- डॉ परीक्षित सिंह की समापन टिप्पणी

सत्र–5 श्री अरबिंदो की दृष्टि और स्वतंत्रता पश्चात भारत

- डॉ. कुंदन सिंह : *सक्सेसिस एण्ड फेल्यर इन द रिकवरी ऑफ ओल्ड स्प्रिचुअल नॉलेज एण्ड एक्स्पीरियंस*
- प्रोफेसर गौतम घोषाल : *कम्पेरेटिव एनालसिस ऑफ श्री अरबिंदोज विज़न एण्ड एक्चुअल जर्नी ऑफ पोस्ट इंडिपेंडेंस इण्डिया*
- डॉ. अनुराधा चौधरी : *संस्कृत, संस्कृति एण्ड द इण्डियन रेनसान्स इन द लाइट ऑफ श्री अरबिंदो*

सत्र–6 जीवन

- प्रोफेसर रमेश चंद्र प्रधान : *श्री अरबिंदोज मैटाफिजिक्स ऑफ सुपरमेंटल कान्शस्निस प्रासंगिकता के तत्वमीमांसा*
- डॉ. मैथिज कॉर्नेलिसन : *श्री अरबिंदोज वर्क फॉर फ्यूचर*

सत्र–7 एकात्म शिक्षा

- सुश्री अनुराधा अग्रवाल, नोस्टिक सेंटर
- डॉ. शंकर शरण

सत्र–8

- प्रोफेसर सच्चिदानंद मोहंती : *जर्नी ऑफ श्री अरबिंदोज आइडियास टू द वेस्ट*
- डॉ. रुद्रशीष दत्ता : *इण्डियन रेनसान्स : लेसन फ्रॉम द यूरोपीयन रेनसान्स*

सत्र–9

- फ्रांकोइस गौटियर द्वारा विशेष संबोधन

सत्र–10 शोधपत्र प्रस्तुतियाँ

- सुश्री पूनम गुप्ता–कृष्णन : *टर्निंग द शूद्राज अराऊँड*
- चंद्रली मुखर्जी और हर्षित श्याम जायसवाल : *श्री अरबिंदो एण्ड पॉलिटिकल रेनसान्स : द पार्टीशन ऑफ बंगाल एण्ड रेव्यूलेशनरी नेशनलिज़्म*
- अभिषेक त्रिपाठी : *श्री अरबिंदोज साइको–फिलॉसफिकल इंटेग्रेशन ऑफ फिनौमेनल एण्ड न्यूमेनल वर्ल्ड*

समापन सत्र

- ग्नोस्टिक सेंटर की सुश्री अमीता मेहरा द्वारा विदाई भाषण प्रस्तुत किया गया।

7. 'गुरु तेग बहादुर : द ग्रेट रिडीमर लाइफ, फिलॉसफी एण्ड मार्टर्डम' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (24–26 सितंबर 2021)

मूलाधार– भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में 24–26 सितंबर 2021 को गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर 'गुरु तेग बहादुर : द ग्रेट रिडीमर लाइफ, फिलॉसफी एण्ड मार्टर्डम' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रसिद्ध लेखक श्री मनमोहन सिंह तथा संस्थान के अध्येता डॉ. बलराम शुक्ल इस संगोष्ठी के संयोजक थे। संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर कपिल कपूर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे जबकि डॉ. अमरजीत सिंह ग्रेवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। डॉ. मनमोहन सिंह ने उद्घाटन उद्बोधन प्रस्तुत किया। संस्थान के कार्यवाहक सचिव श्री प्रेम चंद ने स्वागत उद्बोधन दिया। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा के चांसलर प्रोफेसर जगबीर सिंह ने इस अवसर पर मुख्य भाषण दिया। संस्थान के उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर चमन लाल गुप्त, ने सत्र की अध्यक्षता की। व्याख्यान और चर्चाओं के अलावा, प्रोफेसर बलकार सिंह की 'अकाल तख़्त साहिब : अवधारणा और अनुप्रयोग, प्रोफेसर राजिंदर पाल सिंह की 'साहिब–ए–हताब गुरु तेग' और संस्थान की अध्येता डॉ. सुमित दहिया की 'लाडी रानी राणावतजी एवं उनका व्यक्तित्व' नामक पुस्तकों का लोकार्पण किया गया और उनके बारे में चर्चा की गई। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. मनमोहन सिंह एवं सह–संयोजक डॉ. बलराम शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिभागी

- डॉ. परमजीत सिंह सिंधु, पूर्व प्रमुख, पंजाबी अध्ययन स्कूल, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
- डॉ. मंजीत सिंह, पूर्व प्रमुख, पंजाबी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डॉ. गुरमीत सिंह सिद्धू, दर्शनशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- डॉ. रवैल सिंह, पूर्व प्रमुख, पंजाबी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर रविंदर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर अवतार सिंह, रामगढ़िया कॉलेज, फगवाड़ा
- डॉ. भूपिंदर सिंह, पूर्व प्रमुख, पंजाबी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर हरभजन सिंह, देहरादून
- डॉ. बलकार सिंह, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- डॉ. हरपाल सिंह, सिख नेशनल कॉलेज, बंगा
- डॉ. रंजू बाला, अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, चंडीगढ़

- डॉ. अमरजीत सिंह, संत बाबा भाग सिंह विश्वविद्यालय, जालंधर
- डॉ. आत्म रंधावा, प्रमुख, पंजाबी विभाग, खालसा कॉलेज, अमृतसर
- डॉ मनजिंदर सिंह, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
- प्रोफेसर बूटा सिंह बराड़, पंजाबी विश्वविद्यालय, गुरु काशी क्षेत्रीय केंद्र, बठिंडा
- डॉ. परमजीत सिंह ढींगरा, पंजाब यूनिवर्सिटी मुक्तसर सेंटर
- डॉ. रविंदर, अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डॉ. गुरमीत सिंह हुंदल, एसोसिएट प्रोफेसर, जीएचजी खालसा कॉलेज, लुधियाना
- डॉ. जगमीत बावा, एसोसिएट प्रोफेसर, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
- डॉ. सरबजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, गुरु नानक देव जी चेयर, आई.के. गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला
- डॉ. जगदीश सिंह, नाद परगास, अमृतसर
- गुरप्रीत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, पंजाब प्रौद्योगिकी संस्थान, राजपुरा
- डॉ. योग राज, पूर्व अध्यक्ष, पंजाबी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला
- डॉ. मेहताब कौर, खालसा कॉलेज, अमृतसर
- डॉ. जतिंदर सिंह, खालसा कॉलेज, अमृतसर
- डॉ. वनिता, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली
- डॉ. परवीन कुमार, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़

संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित विषयों पर प्रस्तुति दी–

पूर्ण व्याख्यान

- डॉ. परमजीत सिंह सिद्धू : *फिलॉसफी ऑफ द ग्रेट रिडीमर : श्री गुरु तेग बहादुर* (ऑनलाइन)

सत्र–1 गुरुमत और गुरु तेग बहादुर

- डॉ. मंजीत सिंह : **ਬਾਣੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ : ਫ਼ਲਸਫ਼ਕ ਤੇ ਸੰਰਾਚਨਾਤਮਕ ਆਧਾਰ** (ऑनलाइन)
- डॉ. गुरमीत सिंह सिद्धू : *गुरु तेग बहादुर जी : लाइफ एण्ड मिस्टिकल एक्स्पीरियंस इन द कांटैक्स्ट ऑफ हयुमन सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी* (ऑनलाइन)

सत्र–2 मेकिंग ऑफ द गुरु : *लाइफ एण्ड मर्टर्डम*

- प्रोफेसर रविंदर सिंह : *'धर्म हेत सका जिन किया' : द हिस्टॉरिकल कन्टैक्स्चुअलिटी ऑफ मार्टर्डम ऑफ गुरु तेग बहादुर*
- प्रोफेसर अवतार सिंह : *सिग्फिकेंस ऑफ 'सिर' इन द लाइफ ऑफ गुरु तेग बहादुर*
- डॉ. भूपिंदर सिंह : *गुरु तेग बहादुर : लाइफ, मार्टडम एण्ड फिलॉसफी*
- प्रोफेसर हरभजन सिंह : *गुरु तेग बहादुर : यूनीकनेस ऑफ मार्टर्डम एण्ड हिज डॉक्टरिन*

सत्र–3 फिलॉसफी ऑफ गुरु

- डॉ. हरपाल सिंह : गुरु तेग बहादुर : द रिडीमर ऑफ सोल एण्ड ह्यूमन

- डॉ. रंजू बाला : *गुरु तेग बहादुर जी दी बाणी अते मनुखी मन*
- डॉ. अमरजीत सिंह : *'वैराग रहस', इन गुरु तेग : बहादुरज वाणी* (ऑनलाइन)
- डॉ. जगदीश सिंह : *सिमेंटिक अनफोल्डिंग ऑफ 'हिंद दी चादर'*

सत्र–4: वाणी ऑफ द गुरु

- डॉ. मनजिंदर सिंह : *वाणी एण्ड लाइफ ऑफ श्री गुरु तेग बहादुर जी*
- प्रोफेसर बूटा सिंह बराड़ : *लिंग्विस्टिक फॉर्म्स ऑफ गुरु तेग बहादुरज वाणी* (ऑनलाइन)
- डॉ. परमजीत सिंह ढींगरा : *एटमॉलिजिकल कन्सेप्चुअलाइजेशन ऑफ गुरु तेग बहादुरज वाणी*

सत्र–5 द गुरु एज एन इन्स्परेशन

- डॉ. गुरमीत सिंह हुंदल : *गुरु तेग बहादुर : एन इन्स्परेशन फॉर रेवलूशनेरीस* (ऑनलाइन)
- डॉ. जगमीत बावा और डॉ. सरबजीत सिंह : *हाउ स्पिरिचूऐलिटी रिस्पांडस टू पॉलिटिक्स : विद स्पेशल रेफरेंस टू गुरु तेग बहादुर*
- डॉ. गुरप्रीत सिंह : *प्रीचिंग, ट्रैवलस एण्ड प्रोजैक्टस ऑफ गुरु तेग बहादुर* (ऑनलाइन)

सत्र–6 गुरु इन डिफरेंट फार्म्स

- डॉ. मेहताब कौर : *चेंजिंग ट्रेंडस ऑफ आर्ट पंजाब विद स्पेशल रेफरेंस टू गुरु तेग बहादुर*
- डॉ. जतिंदर सिंह : *म्युजियोलजी ऑफ गुरु तेग बहादुरज बाणी : रेलवेंस एण्ड प्रैक्टिस*
- डॉ वनिता : *थीमेटिक कांशसिन्सनेस ऑफ शब्दा एण्ड रागा इन गुरु तेग बहादुर*
- डॉ. परवीन कुमार : *फिलॉ सफिकल विज़न ऑफ गुरु तेग बहादुर : ए कंटेम्परेरी परस्पैक्टिव*

8. 'भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में संविधान का मूल भाव' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद (26–27 नवंबर 2021)

मूलाधार– भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में हिमाचल प्रदेश राजभवन के सहयोग से भारत का संविधान दिवस मनाने के लिए 26–27 नवंबर 2021 के दौरान 'भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में संविधान का मूल भाव विषय पर एक राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। संस्थान के कार्यवाहक सचिव श्री प्रेम चंद द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। संस्थान की शासी

निकाय के उपाध्यक्ष तथा कार्यवाहक निदेशक, प्रोफेसर चमन लाल गुप्त ने सत्र की अध्यक्षता की। संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर कपिल कपूर, अध्यक्ष, आईआईएएस ने मुख्य भाषण दिया। मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उद्घाटन भाषण दिया। अकादमिक संसाधन अधिकारी, सुश्री ऋतिका शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

प्रतिभागी

- प्रोफेसर डी.पी. सकलानी, अतिथि अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- डॉ. चंद्रशेखर प्राण, पूर्व निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन
- डॉ. जे.के. बजाज, निदेशक, नीति अध्ययन केंद्र
- प्रोफेसर माधव सिंह हाड़ा, पूर्व अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती, कुलपति, विश्वभारती
- प्रोफेसर शंकर शरण, राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद
- प्रोफेसर भगवती प्रकाश शर्मा, कुलपति, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा

संगोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों ने निम्नलिखित प्रस्तुतियां दीं–

सत्र–1

- डॉ. चंद्रशेखर प्राण (ऑनलाइन)
- डॉ. जे.के. बजाज (ऑनलाइन)

सत्र–2

- प्रोफेसर विद्युत चक्रवर्ती (ऑनलाइन)
- प्रोफेसर शंकर शरण
- प्रोफेसर भगवती प्रकाश शर्मा (ऑनलाइन)

9. **'अर्थयाम : टूवर्डस ए धर्म–सेंट्रिक विज़न ऑफ इकानमी, पॉलिटिकल इकानमी विद स्पेशल रेफरेंस टू गाँधी एण्ड अदर थिंकरस' विषय पर शरद स्कूल** (1–15 **दिसंबर** 2021)

मूलाधार– आर्थिक वैश्वीकरण के प्रमुख विमर्श 'अधार्मिक (अनैतिक या मूल्य–तटस्थ) के प्रसार के कारण हमारी पृथ्वी के अस्तित्व के लिए बढ़ते हुए खतरों के भयावह संदर्भों जैसे– अतृप्त मानवीय लोभ, सत्ता की लालसा, हिंसा, शोषण और उत्पीड़न, आर्थिक असमानताओं के बेलगाम विकास, उपभोक्तावाद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रति जुनून, सांस्कृतिक

साम्राज्यवाद, आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग/जलवायु परिवर्तन आदि विभिन्न पहलुओं के मद्देनज़र भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में एक शरद स्कूल का आयोजन किया गया। कहने की आवश्यकता नहीं है, 'अर्थ' (धन या राजनीतिक अर्थव्यवस्था का निर्माण) और 'काम' (इसके प्रमुख रूपों में इच्छा) के रूप में पुरुषार्थ हमेशा भारतीय सनातन धर्म की जीवन–दृष्टि के बेहद केन्द्र में रहे हैं, जब तक कि वे 'धर्म' (धार्मिकता, नैतिकता, अच्छे आचरण, कर्तव्य, अधिकार, सभी आध्यात्मिकता को अपनाने, कानून, न्याय, सार–निहितार्थ नहीं – संप्रदाय, धर्म, मज़हब, पंथ, अनुष्ठान या परंपरा आदि), के रूप में – मानवता या सृष्टि को मुक्ति की ओर ले जाने या मोक्ष के धरातल पर विराजमान हैं। वैदिक वांङमय, कौटिल्य से लेकर गाँधी , कुमारप्पा, दीन दयाल उपाध्याय से लेकर राजीव मल्होत्रा तक, 'अर्थ' – यानी धन सृजन या राजनीतिक अर्थव्यवस्था 'पर प्रवचन हमेशा धर्म के विविध लेकिन एकीकृत अर्थों पर आधारित रहे हैं। इसीलिए, धार्मिक भारतीयता में 'अर्थायम' (आर्थिक सोच), स्वराज/स्व–बोध/स्वाधिनाता, स्वदेशी, सत्याग्रह (सत्य–बल) सर्वोदय /अंत्योदय, स्वावलंबन (आत्मनिर्भरता) आर्थिक विकास या धन सृजन या राजनीतिक अर्थव्यवस्था की सभी अवधारणाओं के केंद्र में रहे हैं। इस शरद स्कूल में गाँधी (अर्थव्यवस्था पर गाँधी के विचारों की वंशावली सहित), कुमारप्पा, श्री अरबिंदो, विनोबा भावे, टैगोर, सुभाष चन्द्र बोस, नेहरू, आनंद कुमारस्वामी, लाला लाजपत राय, स्वामी करपात्री जी, स्वामी अच्युतानंद जी, डॉ राममनोहर लोहिया, डॉ अंबेडकर, जयप्रकाश नारायण, धर्मपाल, वंदना शिवा, दत्तोपंत ठेंगड़ी, डॉ. एम एस स्वामीनाथन, अमर्त्य सेन, सुभाष पालेकर, गुरचरण दास, राजीव मल्होत्रा तथा अन्य जैसे महत्त्वपूर्ण विचारकों की धर्म–केंद्रित दृष्टि के महत्व और प्रासंगिकता पर चर्चा और आलोचनात्मक विश्लेषण करने का एक प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त इस शरद स्कूल में उपरोक्त विषय के आलोक में 'मार्क्सवादी और गाँधी वादी आर्थिक दृष्टि : संघर्ष और अभिसरण' तथा 'गाँधी के आर्थिक विचार की वंशावली' पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में 01 से 15 दिसंबर, 2021 तक '**अर्थयाम : टूवार्डस ए धर्म–सेंट्रिक विज़न ऑफ इकानमी, पॉलिटिकल इकानमी विद स्पेशल रेफरेंस टू गाँधी एण्ड अदर थिंकरस**' विषय पर एक शरद स्कूल का आयोजन किया गया। पंजाब विश्वविद्यालय, डीईएस–बहुविषयक अनुसंधान केंद्र, चंडीगढ़ में अंग्रेजी के प्राध्यापक प्रोफेसर सुधीर कुमार इस स्कूल के समन्वयक थे तथा संस्थान के अध्येता डॉ. बलराम शुक्ल, शरद स्कूल के सह–समन्वयक थे। इस 15 दिवसीय कार्यक्रम में प्रोफेसर अंबिका दत्ता शर्मा ने 'अद्वैती सभ्यता और गाँधी : एक अनुशीलन' विषय पर मुख्य भाषण प्रस्तुत किया। समन्वयक प्रोफेसर सुधीर कुमार और सह–समन्वयक डॉ. बलराम शुक्ल ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

स्कूल के दौरान निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों ने व्याख्यान प्रस्तुत किए–

संसाधन व्यक्ति

- प्रोफेसर अंबिका दत्ता शर्मा, दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, डॉ. एच.एस. गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
- प्रोफेसर कपिल कपूर, अध्यक्ष, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- प्रोफेसर चमन लाल गुप्त, उपाध्यक्ष और कार्यवाहक निदेशक, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- डॉ. रामास्वामी सुब्रमणि, सदस्य, भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय–भारत सरकार और प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, मदुरा ऑटोनॉमस कॉलेज, मदुरै
- प्रोफेसर शंकर शरण, राजनीति विज्ञान विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
- प्रोफेसर जगबीर सिंह, चांसलर, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा

- प्रोफेसर बृजेंद्र पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, वीएच महाविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
- प्रोफेसर रविंदर सिंह, पंजाबी के प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर संगीत रागी, प्रमुख और प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रोफेसर नंदकिशोर आचार्य, निदेशक, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर
- प्रोफेसर कुसुमलता केडिया, प्रख्यात विचारक, भोपाल
- श्री संदीप बालकृष्ण, संपादक, धर्मा डिस्पैच, बेंगलुरु
- प्रोफेसर कुलदीप अग्निहोत्री, पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला एवं सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
- प्रोफेसर सुरिंदर जोधका, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू, न्यू कैंपस, नई दिल्ली
- प्रोफेसर पंकज सक्सेना, अंग्रेजी के प्रोफेसर, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, राष्ट्रम, सोनीपत (हरियाणा)
- प्रोफेसर शरद देशपांडे (से.नि.) दर्शनशास्त्र विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे (एम.एस)
- श्री शिव दयाल, प्रख्यात लेखक, आर. विला, महेश नगर, पटना (बिहार)
- प्रोफेसर कनगराज ईश्वरन, अर्थशास्त्र विभाग, मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव, हिंदी के प्रोफेसर, हिंदी विभाग, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
- प्रोफेसर मुकेश रंजन, अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- प्रोफेसर रोशन लाल शर्मा, पूर्व कार्यवाहक कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला और संकायाध्यक्ष और प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
- प्रोफेसर संजीव शर्मा, कुलपति, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, डॉ. अम्बेडकर प्रशासनिक भवन, ओपी थाना के पास, रघुनाथपुर, मोतिहारी, जिला– पूर्वी चंपारण, बिहार
- प्रोफेसर भरत देसाई, जवाहरलाल नेहरू चेयर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, एसआईएस, नई दिल्ली
- प्रोफेसर दाता राम पुरोहित, पूर्व राष्ट्रीय अध्येता, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
- डॉ. महेश चंद्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, एकात्म मानववाद के लिए अनुसंधान और विकास फाउंडेशन, नई दिल्ली

प्रतिभागी

- श्री गौरव, एमए सामाजिक कार्य, तीसरा सेमेस्टर, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
- श्री अभिषेक त्रिपाठी, पीएचडी शोधार्थी, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान और विज्ञान, सैपिएन्ज़ा विश्वविद्यालय, रोम
- डॉ. आभा चौहान खिमता, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, समरहिल, शिमला
- श्री पिंकू झा, पीएचडी शोधार्थी, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय
- श्री रवि सक्सेना, सहायक प्रोफेसर, किरीट पी. मेहता स्कूल ऑफ लॉ, एनएमआईएमएस, मुंबई
- श्री आकाश कुमार श्रीवास्तव, एस–3/112 दिथोरी मोहल, अर्दली बाजार, वाराणसी

- श्री मंगलम कुमार रस्तोगी, रिसर्च स्कॉलर, इग्नू
- डॉ. अवनीश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्री नारायण, गौदुर टांडा, रायचूर, कर्नाटक
- श्री भागवत जयेशकुमार महेशकुमार, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
- श्री मोहित कुमार मिश्रा, रिसर्च स्कॉलर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- डॉ. विश्वेश वाग्मी, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार
- श्री ललन कुमार, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, नीतीशवार महाविद्यालय, बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार
- डॉ. संजुक्ता चटर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, रायगंज विश्वविद्यालय
- सुश्री नेहा वर्मा, अंग्रेजी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- डॉ. अंबिकेश कुमार त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर, गाँधी वादी और शांति अध्ययन विभाग, सामाजिक विज्ञान स्कूल, महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार
- श्री प्रियांक गोस्वामी, अनुसंधान विद्वान, सार्वजनिक नीति, कानून और शासन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
- श्री गणेश तिवारी, दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधकर्ता
- श्री विकास कुमार चौधरी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- डॉ. डी. सुधीर, लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- सुश्री निशा राय, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

स्कूल के दौरान संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों ने निम्नलिखित व्याख्यान प्रस्तुतियाँ दीं–

पहला दिन

- प्रोफेसर अंबिका दत्ता शर्मा : *'सनातन गाँधी '*
- प्रोफेसर कपिल कपूर, अध्यक्ष, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला
- डॉ. रामास्वामी सुब्रमनी : *द अर्ली राइटिंग ऑफ श्री अरबिंदो*

दूसरा दिन

- प्रोफेसर शंकर शरण : *इज देयर एन ईकनामिक विजन इन इण्डियन ट्रेडिशन? सम प्रीलिमिनरी थॉटस*
- प्रोफेसर कपिल कपूर का संबोधन और संवाद सत्र
- प्रोफेसर अंबिका दत्ता शर्मा
- संवादात्मक सत्र जिसमें प्रोफेसर कपिल कपूर, प्रोफेसर चमन लाल गुप्त, प्रोफेसर सुधीर कुमार, प्रोफेसर अंबिकादत्त शर्मा और प्रोफेसर शंकर शरण ने विचार प्रकट किए।

तीसरा दिन

- प्रोफेसर शंकर शरण : *स्वामी विवेकानंदज ईकनामिक विजन : ए क्रिटिकल परस्पैक्टिव*
- प्रोफेसर अंबिका दत्ता शर्मा

प्रस्तुति–1

चौथा दिन

- प्रोफेसर जगबीर सिंह : *अर्थ पुरुषार्थ इन सिखिज़्म : थीअरी एण्ड प्रैक्टिस*
- प्रोफेसर सुधीर कुमार : *व्हू इज अफ्रेड ऑफ दीन दयाल उपाध्याय?*
- प्रोफेसर बृजेंद्र पांडे : *आनंद कुमारस्वामीज विजन ऑफ स्वदेशी : ए हॉलिस्टिक डिस्कोर्स* (ऑनलाइन)
- प्रोफेसर रविंदर सिंह : *अर्थयाम : गुरुमत के सन्दर्भ में*
- डॉ रामास्वामी सुब्रमनी : *द चोल एण्ड वैदिक धर्म*

पाँचवाँ दिन

- डॉ बलराम शुक्ल : *अर्थयामा इन संस्कृत वाङमय*
- प्रोफेसर संगीत रागी : *द पॉलिटिकल इकानमी ऑफ वीर सावरकरज हिंदुत्व–1*
- प्रोफेसर संगीत रागी : *द पॉलिटिकल इकानमी ऑफ वीर सावरकरज हिंदुत्व–2*

प्रस्तुति–2

छठा दिन

- प्रोफेसर नंदकिशोर आचार्य : *अर्थशास्त्र/ईकनामिक विज़न ऑफ डॉ. राममनोहर लोहिया दृष्टि*
- प्रोफेसर नंदकिशोर आचार्य : *गाँधी एण्ड विनोबा*
- डॉ रामास्वामी सुब्रमणि : *रमण महर्षि, नारायण गुरु एण्ड वल्लालर– कॉन्सेप्ट ऑफ हॉलिस्टिक डेवलप्मेंट*
- प्रोफेसर कुसुमलता केडिया : *ऑन अर्थ पुरुषार्थ : ए क्रिटिकल ओवरव्यू* (ऑनलाइन)

सातवाँ दिन

- प्रोफेसर सुधीर कुमार : *सनातन, अर्थ, चिंतन : ऑन दत्तोपंत थेंगड़ी*
- डॉ बलराम शुक्ल : *अर्थयामा इन प्राकृत वाङमय*
- डॉ. रामास्वामी सुब्रमणी : *श्री अरबिंदोज आइडीअल ऑफ ह्यूमन यूनिटी एण्ड ह्यूमन साइकल*

प्रस्तुति–3

आठवाँ दिन

- प्रोफेसर चमन लाल गुप्त : *अर्थायम : गाँधी एण्ड पंडित दीनदयाल उपाध्याय*
- श्री संदीप बालकृष्ण : *काउंटरस ऑफ कॉर्पोरेट एण्ड बिजिनेस लाइफ इन ऐन्शंन्ट इण्डिया–1*
- प्रोफेसर कुलदीप अग्निहोत्री : *दीन दयाल उपाध्यायज ईकनामिक विज़न विद स्पेशल रेफरेंस टू इन्टेग्रल ह्युमैनिज़्म*

9वाँ दिन

- प्रोफेसर सुरिंदर जोधका : *ए क्रिटिकल डिस्कोर्स ऑन द रूरल इमेजिनरी इन मॉडरन इण्डिया* (ऑनलाइन)
- श्री संदीप बालकृष्ण : *काउंटरस ऑफ कॉर्पोरेट एण्ड बिजिनेस लाइफ इन ऐन्शंन्ट इण्डिया–2*
- प्रोफेसर पंकज सक्सेना : *द टैम्पल ईकनामी इन इण्डियन ट्रेडिशन : एन ओवरव्यू* (ऑनलाइन)
- प्रोफेसर शरद देशपांडे : *एकात्मा मानव दर्शन की परिभाषा* (ऑनलाइन)

10वाँ दिन

- प्रोफेसर सुधीर कुमार : *ऑन गाँधी , अम्बेडकर एण्ड सावरकर कथा उत्तरकथा*
- श्री शिव दयाल : *इकानमिक विज़न ऑफ जयप्रकाश नारायण : टूवार्डस टोटल रेवलूशन*
- प्रोफेसर कनगराज ईश्वरन : *अर्थयामा ऑर ईकनामिक विज़न इन इण्डियन नॉलेज सिस्टम* (ऑनलाइन)
- प्रोफेसर जितेंद्र श्रीवास्तव : *अर्था इन प्रेमचंदज राइटिंगस : सम क्रिटिकल रिफ्लैक्शन* (ऑनलाइन)

प्रस्तुति–4

11वाँ दिन

- प्रोफेसर सुधीर कुमार : *ऑन जे.सी. कुमारप्पा एण्ड कर्णा इन मनुस्मृति*
- प्रोफेसर मुकेश रंजन : *अर्थयामा एण्ड न्यू एजुकेशन पॉलिसी 2020*
- श्री शिव दयाल : *ऑन राजेंद्र प्रसाद*
- डॉ. बलराम शुक्ल

प्रस्तुति–5

12वाँ दिन

- प्रोफेसर सुधीर कुमार : *थिरुक्कुरल एण्ड डॉ. अम्बेडकर : कार्ल मार्क्स औ बुद्धा*
- प्रोफेसर रोशन लाल शर्मा : *अर्थयाम : वंदना शिवा*

13वाँ दिन

- खुला सदन
- प्रोफेसर संजीव शर्मा (ऑनलाइन)
- प्रोफेसर भरत देसाई : *अर्थयाम इन गाँधीज हिंद स्वराज* (ऑनलाइन)

14वाँ दिन

- प्रोफेसर दाता राम पुरोहित : *अर्थैमैन मिच्छकशिकम* (ऑनलाइन)
- प्रोफेसर सुधीर कुमार : *टुवाड्र्स मोरोनाइजेशन : द अधार्मिक इंपैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑन अर्थयामाः अंडरस्टैंडिंग राजीव मल्होत्राज सेमिनल इंटरवेंशन*

- 15वाँ दिन
- डॉ. महेश चंद्र शर्मा : *अर्थयाम : गाँधी एण्ड दीन दयाल उपाध्याय*

अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत साप्ताहिक संगोष्ठियाँ

संस्थान में शोधरत अध्येताओं द्वारा साप्ताहिक संगोष्ठियाँ प्रस्तुत की जाती हैं जिनमें संस्थान के अन्य विद्वान, अंतर–विश्वविद्यालय केंद्र के सह–अध्येता और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्राध्यापक भी भाग लेते हैं। ये संगोष्ठियाँ संस्थान के अध्येताओं की शोध परियोजनाओं के विषयों पर आधारित होती हैं जहां विद्वानों को परस्पर औपचारिक बातचीत का अवसर मिलता है। कोविड–19 महामारी के चलते भारत सरकार के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करते हुए ये संगोष्ठियाँ ऑनलाइन आयोजित की गईं। प्रतिवेदन की अवधि के दौरान, अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित साप्ताहिक संगोष्ठियाँ प्रस्तुत की गईं–

1. प्रोफेसर डी.आर. पुरोहित : *फोक थिएटर ऑफ द सेंट्रल हिमालय : इट्स कल्चरल एण्ड परफॉर्मेटिव कंटैक्स्टस* (8 अप्रैल 2021)
2. प्रोफेसर मेधा देशपांडे : *पावर्टी : कन्सेप्ट, मेज़रमेंट एण्ड पॉलिसी* (15 अप्रैल 2021)
3. डॉ. अंजलि दुहन : *द्वादश भाव – एडिफाइंग द रॉयल्टी : ए मुग़ल वर्जन ऑफ़ ए संस्कृत स्टोरी* (22 अप्रैल 2021)
4. प्रोफेसर राजवीर शर्मा : *पॉलिटिकल फिलॉसफी ऑफ कौटिल्य : द अर्थशास्त्रा एण्ड आफ्टर* (29 अप्रैल 2021)
5. डॉ. सुमित दहिया : *पश्चिमी राजस्थान की महिला गायिकाएं– कला, राज्यश्रय और सामुदायिक जीवन* (6 मई 2021)
6. डॉ. वेणुसा टिन्यी : *एन इंक्वायरी इन द फाउंडेशन ऑफ़ डोंटिक लॉजिक प्रॉब्लमाइज़िंग क्रिपके पॉसिबल वर्ल्ड सिमेंटिक्स फ़ॉर डोंटिक लॉजिक एंड फ़्रेमिंग ए अल्टरनेटिव मॉडल फ़ॉर री–थिंकिंग द बेसिक कॉन्सेप्ट्स ऑफ़ डोंटिक लॉजिक एंड देयर काउंटरपार्ट्स इन अदर नॉर्मेटिव सिस्टम्स* (27 मई 2021)
7. डॉ. अभिषेक यादव : *अरुणाचल प्रदेश के जनजातीय वर्ग द्वारा रचित हिंदी साहित्य : कहानी और उपन्यास* (10 जून 2021)
8. प्रोफेसर माधव सिंह हाड़ा : *'पद्मिनी विषयक ऐतिहासिक कथा–काव्यों की देशज परम्परा का विवेचनात्मक अध्ययन'* (07 अक्तूबर 2021)।
9. मो. आदिल सलाम : *'इण्डिया इन कंटेम्परेरी अरेबिक लिट्रेचर'* (21 अक्तूबर 2021)।
10. डॉ. सुमनदीप कौर : *'इकालजिकल कन्सर्नस इन सिलेक्टिड पंजाबी फिक्शन'* (08 नवंबर 2021)।
11. डॉ. अल्का त्यागी : *भावना इन टैक्स्टस एण्ड ट्रेडिशनस एण्ड भावना टू अटेन द स्टेट ऑफ भैरवा : निस्तारणंग उपदेशाज ऑफ द विजनैनभैरवा तंत्रा* (08 नवंबर 2021)।
12. डॉ. बलराम शुक्ल : *प्राकृत कविता के चारुत्व के भाषिक आधार* (12 जनवरी 2022–अध्येतावृति की अंतिम प्रस्तुति)
13. प्रोफ़ेसर आलोक कुमार गुप्ता : *19वीं सदी के गुजराती और हिन्दी साहित्य में भारतीय चेतना* (09 मार्च 2022)

14. डॉ. अजीज महदी : *कॉमन रूट्स ऑफ हेरिटेज : ए रिसर्च ऑन सिमलैरिटीस प्रेजेंट बिटवीन, महाभारता एण्ड शाहनामे (ऑफ फील्डवेसी)* (17 मार्च 2022)।
15. प्रोफेसर रविंदर सिंह : *रीलोकेटिंग पंजाबी लिटरेचर ट्रेडिशन इन इट्स जियो–कल्चरल एण्ड सिविलिजेशनल कंटैक्स्ट* (24 मार्च 2022)।
16. प्रोफेसर (डॉ.) मांडवी सिंह : *कथक नृत्य परंपरा : वर्तमान परिदृश्य में परिवर्तन एवं चुनौतियाँ* (31 मार्च 2022)।

अध्येताओं से प्राप्त विनिबंध

प्रतिवेदन अवधि के दौरान अध्येताओं ने संस्थान में निम्नलिखित विनिबंध जमा करवाए–

1. डॉ. शर्मिला चंद्रा : *इंटरप्रेटशन ऑफ मास्क मेकिंग एण्ड मास्क डासिंग इन द कंटैक्स्ट ऑफ फोक एण्ड हिन्दू मिथॉलजी : एन एथनो–कल्चरल स्टडी* (06 अप्रैल 2021)
2. प्रोफेसर राजवीर शर्मा : *पॉलिटिकल फिलॉसफी ऑफ कौटिल्य : द अर्थशास्त्रा एण्ड आफ्टर* (27 मई 2021)
3. डॉ. अंजलि दुहन : *एडिफाइंग द रॉयल्टी : ए मुग़ल वर्जन ऑफ़ ए संस्कृत स्टोरी* (15 जून 2021)
4. डॉ. अभिषेक कुमार यादव : *अरुणाचल प्रदेश की जनजातियाँ और हिन्दी में उनका साहित्य* (28 जून 2021)
5. प्रोफेसर माधव सिंह हाड़ा :*पद्मिनी विषयक ऐतिहासिक कथा–काव्य की देशज परम्परा का विवेचनात्मक अध्ययन* (15 नवंबर 2021)
6. डॉ. टैड ग्राहम एफ. : *बियॉंड द फॉस्टियन बार्गेन : एथिक्स एज मैटरियल डेवलप्मेंट* (30 सितबर 2021)
7. डॉ. बलराम शुक्ल : *प्राकृत कविता के चारुत्व के भाषिक प्रयोजक* (18 जनवरी 2022)
8. डॉ. सुनीता रैना : *'मेकिंग ए बॉयोएम्पायर : नक्स्स ऑफ टैक्नॉलजी एण्ड नियोबिलरलिज़म इन इण्डिया* (14 फरवरी 2022)
9. डॉ. सुमनदीप कौर : *'इकालजिकल कन्सर्नस इन सिलेक्टिड पंजाबी फिक्शन* (15 फरवरी 2022)
10. डॉ. अल्का त्यागी : *भावना (रचनात्मक चिंतन) एण्ड भैरवा (परम सत्य) इन त्रिका दर्शना* (20 फरवरी 2022)
11. मो. आदिल सलाम : *'इण्डिया इन कंटेम्परेरी अरेबिक लिट्रेचर'* (02 मार्च 2022)

विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला

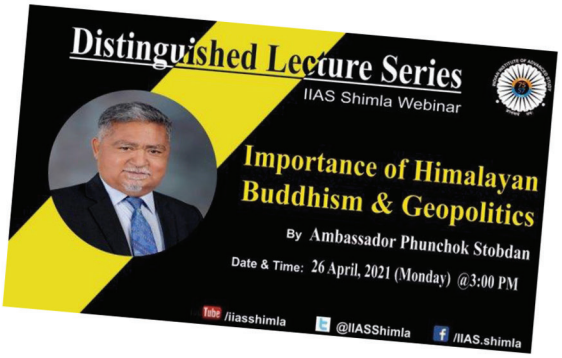

- एनपीएस इंटरनेशनल स्कूल के सह–संस्थापक और निदेशक मंडल के सदस्य डॉ. वी. अनंत–नागेश्वरन ने 16 अप्रैल 2021 को *रिबूटिंग द इण्डियन इकॉनमी : अपोर्च्यूनिटीस एण्ड पिटफालस* विषय पर व्याख्यान दिया।
- 'अम्बेडकर की प्रस्तावना : भारत के संविधान का एक गुप्त इतिहास' के लेखक डॉ. आकाश सिंह राठौर ने 19 अप्रैल 2021 को *बी.आर. अम्बेडकर : द क्वेस्ट फॉर जस्टिस* विषय पर व्याख्यान दिया।
- अक्षय पात्र फाउंडेशन के सीईओ श्री श्रीधर वेंकट, सीईओ, ने 20 अप्रैल 2021 को *मील फॉर आल : द मिराकल ऑफ अक्षय पात्रा* विषय पर व्याख्यान दिया।
- राजदूत फुंचोक स्टोबदान, यूरेशियन सुरक्षा के वरिष्ठ अध्येता ने 26 अप्रैल 2021 को *इम्पॉरटेंस ऑफ हिमालयन बुद्धिज़्म एण्ड जियोपॉलिटिक्स* विषय पर व्याख्यान दिया।
- यरुशलम, इज़राइल से नाओ स्कवार्टज़ फ्यूरस्टेन ने 28 मई 2021 को *सी.जी. जंगज साइकॉलजी एण्ड द उपनिशदिक विज़डम : फ्रॉम इंडीविजुएशन टूवर्डस आत्मनाइजेशन* विषय पर एक व्याख्यान दिया।

पुस्तक परिचर्चा

प्रतिवेदन अवधि के दौरान संस्थान में विभिन्न लेखकों की पुस्तकों के बारे में परिचर्चाएं की गईं जिनका विवरण इस प्रकार है–

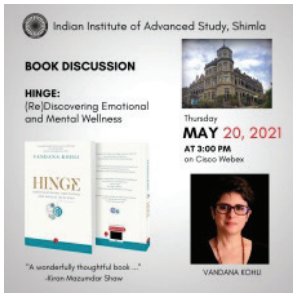

- श्री एम.के. राघवेंद्र की पुस्तक *'द हिंदू नेशन'*, प्रोफेसर बद्री नारायण की पुस्तक 'रिपब्लिक ऑफ हिंदुत्व' और श्री राहुल रौशन की पुस्तक *'संघी व्हू नेवर वेंट टू भाखा'* के बारे में परिचर्चा (09 अप्रैल 2021)
- सुश्री वंदना कोहली की पुस्तक *'हिंज : री–डिस्कवरिंग इमोशनल एंड मेंटल वेलनेस'* के बारे में परिचर्चा (20 मई 2021)

- प्रोफेसर पंकज जैन की पुस्तक *'धर्म इन अमेरिका : ए शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ हिंदू जैन डायस्पोरा'* के बारे में परिचर्चा (03 जून 2021)
- डॉ शंकर शरण की पुस्तक *'धर्म संस्कृति और राजनीति'* के बारे में परिचर्चा। डॉ. संजय दीक्षित, डॉ. रितेंद्र (राम) शर्मा, ने मुख्यतौर पर इस परिचर्चा में भाग लिया (30 जुलाई 2021)।

अतिथि अध्येता

हेमंत नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर में इतिहास विभाग के प्राध्यापक, प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी द्वारा *'इज वैदिक मेडिसिन रिलिजियो–मैजिकल? (इतिहासकारों द्वारा निर्धारित एक कथा का विश्लेषण)'* विषय पर प्रस्तुति (22 नवंबर 2021)

अन्य विशिष्ट अकादमिक गतिविधियाँ

1. संस्थान में 13 अप्रैल 2021 को अम्बेडकर जयंती मनाई गई। डॉ. संजय पासवान इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. आकाश सिंह राठौर द्वारा इस अवसर पर "बी.आर. अम्बेडकर : द क्वेस्ट फॉर जस्टिस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। संस्थान के अध्येता प्रोफेसर एस.के. चहल, श्री सिद्धार्थ, पीपल ट्री और श्री अभिनव प्रकाश द्वारा भी इस संदर्भ में टिप्पणियां प्रस्तुत की गईं।
2. स्वतंत्रता संवाद (1) : जानी–मानी लेखिका नयनतारा सहगल और उनकी पुत्री, मानवाधिकार अधिवक्ता गीता सहगल के साथ 'विटनेस टू एन इरा' विषय पर स्वतंत्रता संवाद का आयोजन किया गया (05 अगस्त 2021)।
3. स्वतंत्रता संवाद (2) : दक्षिण प्रशांत विश्वविद्यालय में साहित्य, भाषा और भाषाविज्ञान के प्रोफेसर, प्रोफेसर सुदेश मिश्रा और प्रोफेसर विजय सी मिश्रा, अंग्रेजी और मर्डोक विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य के एमेरिटस प्रोफेसर के बीच 'राइटिंग द इण्डियन डायसपोरा : ए डायलॉग' विषय पर परस्पर चर्चा आयोजित की गई (06 अगस्त 2021)।

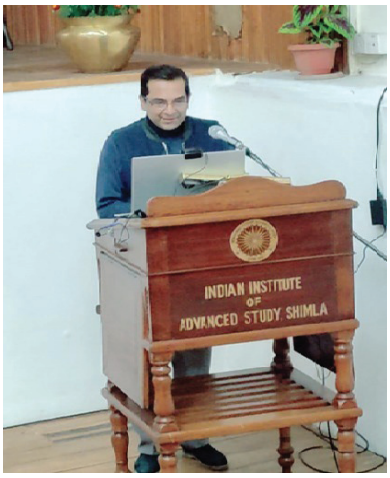

4. आजादी का अमृत महोत्सव शृंखला में भारत की आजादी के संघर्ष में हिमाचल के योगदान को उजागर करने के लिए शिमला के प्रसिद्ध इतिहासकार, पत्रकार व लेखक श्री राजा भसीन द्वारा शिमला, द हिल स्टेटस एण्ड द फायरिंग एट धामी' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया (24 नवंबर 2021)

5. स्टूडेंट्स फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमैनिटी (शोध) हिमाचल प्रदेश ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के विस्मृत नायकों की कहानियों को दर्ज करने और उजागर करने के लिए पूरे हिमाचल प्रदेश में 15 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया था। यह उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के गुमनाम संघर्षों का लिपिबद्ध करने का एक प्रयास था जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता संग्राम के लिए बलिदान दिया था। यह आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव का एक हिस्सा था, जो भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों को चिह्नित करने के लिए भारत सरकार की एक पहल थी। इसका समापन समारोह भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में आयोजित किया गया।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के लिए अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में अप्रैल 1991 में मानविकी व सामाजिक विज्ञानों के अध्ययन के लिए एक अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्र भी स्थापित किया गया है। इस केन्द्र की सह–अध्येतावृति कार्यक्रम के अंतर्गत देश भर के महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से चयनित प्राध्यापकों को संस्थान में आगे शोधकार्य के लिए आमंत्रित किया जाता है। कड़ी चयन प्रक्रिया अपनाते हुए, सह–अध्येतावृति कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित प्राध्यापकों को तीन वर्ष की अवधि में प्रति वर्ष एक–एक माह के लिए संस्थान में पुस्तकालय सुविधा तथा अकादमिक वातावरण मुहैया रहते हैं। इस अवधि के दौरान वे संस्थान में रहते हैं तथा संस्थान द्वारा आयोजित सभी संगोष्ठियों, व्याख्यानों तथा अन्य अकादमिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते हैं। इस अवधि में उन्हें अपने शोधकार्यों के मामलों में संस्थान के अध्येताओं तथा अतिथि विद्वानों के साथ विचार–विमर्श करने का अवसर भी मिलता है।

इस केन्द्र के अंतर्गत मानविकी तथा सामाजिक विज्ञानों के क्षेत्र में नई शोधकार्यों से संबंधित संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं जोकि विशेषकर विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के युवा शोधकर्ताओं के लिए होती हैं। इस केन्द्र के अंतर्गत 'अध्ययन सप्ताह' भी आयोजित किए जाते हैं। ये गहन कार्यक्रम महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापकों को ध्यान में रखकर आयोजित किए जाते हैं।

आलोच्य वर्ष में आईयूसी सह–अध्येताओं द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दी गईं–

अक्तूबर 2021

1. डॉ. हर्ष त्रिवेदी : *'हिंदी उपन्यासों में नारी स्वरूप : प्रेमचंद के उपन्यासों के संदर्भ में'* (22 अक्तूबर 2021)।
2. डॉ. महात्मा श्रीनाथ पांडेय : *'इक्कीसवीं सदी का किन्नर साहित्य और सामाजिक न्याय'* (22 अक्तूबर 2021)।
3. प्रोफेसर जगदीश कौर : *'रीडिंग 'दरी' एज ए कल्चरल टैक्स्टस ऑफ पंजाब'* (22 अक्तूबर 2021)
4. डॉ अजयन टी. : *'द यूएसए एण्ड द डिस्मिसल ऑफ द फर्स्ट कम्युनिस्ट मिनिस्ट्री इन केरल'* (22 अक्तूबर 2021)।
5. डॉ. उत्तम लालः *'बीस्ट्स ऑफ़ रप्टर्ड जियोग्राफ़ीज़ : याक हेरिंग इन द सिक्किम'* (22 अक्तूबर 2021)।
6. डॉ मनीषा पाटिल : *'लव एंड इट्स न्युअंसेस इन मॉडर्न इंडियन शॉर्ट स्टोरीज'* (25 अक्तूबर 2021)।
7. डॉ. दशरथ एस. : *'स्टेज एंड बियॉन्ड : लोकेटिंग जैण्डर इन दीना मेहताज 'गेटिंग अवे विद मर्डर एण्ड महेश दत्तानीज डांस लाइक ए मैन'* (25 अक्तूबर 2021)।
8. डॉ. हरनाम सिंह अलरेजा : *'ओशो रजनीश की विवादास्पद छवि और उनके दर्शन पर विमर्श'* (25 अक्तूबर 2021)।
9. डॉ भावना शर्मा : *'यूरोपियन यूनियन एंड द क्राइसिस ऑफ ब्रेक्सिट'* (26 अक्तूबर 2021)।
10. डॉ अंजू सोसन जॉर्ज : *'ऑस्टिज्म मेमोरीज : मास्क्ड नैरेटिव्स ऑफ नॉर्मलाइजेशन'* (26 अक्तूबर 2021)।

11. डॉ. जीनत खान : *'एबसेंस, लॉस एण्ड मेमोरीज : रिप्रेंजेटेशन ऑफ ट्राउमा इन कंटेम्परेरी लिटरेचर ऑफ कश्मीर'* (26 अक्तूबर 2021)।

12. प्रोफेसर के. शारदा : *'डिस्कोर्स ऑफ डेथ इन जैनिज्म'* (26 अक्तूबर 2021)।

13. डॉ. रमेश बी. : *'कंटेम्परेरी रीलिजिअस प्रैक्टिसिज ऑफ द चैंचूज' (ए स्टडी ऑफ द पार्टिकूलेरिटी वल्नरेबल ट्राइब्ल ग्रुपस ऑफ द नल्लामलाई फॉरेस्ट इन आंध्र प्रदेश)* (26 अक्तूबर 2021)

14. डॉ. सुनीला शर्मा : *'पहाड़ी लैंग्वेज : ए सर्च फॉर आइडेंटिटी'* (27 अक्तूबर 2021)।

15. डॉ. उमेश एल. भारते : *'द प्रॉमिस ऑफ इंडिजिनियस साइकॉलजीस : द इण्डियन केस'* (27 अक्तूबर 2021)।

16. डॉ. विल्बर गोंसाल्वेस : *'एंग्जाइटी एण्ड द सोशल : ए क्रिटिकल स्टैण्डप्वाइंट ऑन कंटेंट–स्ट्रक्चर रिलेटिड मीनिंग'* (27 अक्तूबर 2021)

17. डॉ. रंजन कुमार स्वैन : *'माइग्रेशन रिडक्शन एक्शन प्लान ऑफ बलंगीर डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडिशा'* (27 अक्तूबर 2021)।

18. प्रोफेसर शीला एच.के. श्रीधर : *'मल्टीडिसीप्लीनरी परस्पैक्टिव ऑफ भरतनाटय – इज वेदा भूमि– लैण्ड ऑफ नॉलेज'* (27 अक्तूबर 2021)।

नवंबर 2021

1. डॉ. संदीप कुमार यादव : *'पास्ट परफेक्ट, प्रेजेंट 'टेन्स' और फ्यूचर इम्परफेक्ट : एन एनालिसिस ऑफ द इश्यू ऑफ कास्ट सेंसस इन इंडिया'* (22 नवंबर 2021)।

2. डॉ. मनोरमा पात्री : *'इम्पैक्ट ऑफ कोविड–19 ऑन इन्नर जीपीएस सिस्टम ऑफ ब्रेन'* (22 नवंबर 2021)।

3. डॉ. सुषमा मिश्रा : *'इण्डियनाइजेशन ऑफ इण्डियन एजुकेशन'* (22 नवंबर 2021)

4. डॉ. अनिल प्रताप गिरि : *'पी.आर. सरकारज व्यू ऑन वर्ड, मीनिंग एण्ड वर्बल अंडरस्टैण्डिंग ऑफ लैंग्वेज'* (23 नवंबर 2021)।

5. डॉ. अरुण वाहुल : *'ऑंग सान सू की और म्यानमार का लोकतांत्रिक संघर्ष : अतीत से वर्तमान तक'* (23 नवंबर 2021)।

6. डॉ. अनिल कुमार तिवारी : *'द स्ट्रक्चर ऑफ इन्फेरेंट (अन्यूमा) इन आत्मतत्वविवेका'* (23 नवंबर 2021)।

7. डॉ पूजा पासवान : *'पब्लिक पॉलिसी डिज़ाइन एण्ड इन्नोवेशन इन इण्डिया'* (23 नवंबर 2021)

8. डॉ. विशाका कुमारी : *'महात्मा गाँधी के सत्याग्रह सिद्धांत का समकालीन परिप्रेक्ष्य'* (23 नवंबर 2021)।

9. डॉ राजेश मोदी : *'वुमेन इम्पावरमेंट थ्रू पंचायती राज इस्टीट्यूशनज : ए स्टडी ऑफ रोल एण्ड रिस्पांसिबिलिटीज ऑफ वुमेन हैडस ऑफ विपेज पंचायतस इन गुज़रात'* (24 नवंबर 2021)।

10. डॉ. गीता यादव : *'स्वयंम की तलाश में खोया : पोस्ट बॉक्स नं. 203 नालासोपरा'* (24 नवंबर 2021)

11. डॉ. इंदु के.वी. : *'अस्तित्व विहीन के अस्तित्व की लड़ाई की अभिव्यक्त हिन्दी– मलयालम फ़िल्मों में में चित्रित किन्नर जीवन के संदर्भ में'* (24 नवंबर 2021)।

12. डॉ. रवि शुक्ला : *'नेरेटिविटी ऑफ पोस्ट–इंडिपेंडेंट इण्डिया : एबीवीपी साँगस'* (25 नवंबर 2021)

13. डॉ. सुधीर कुमार : *'कैप्टिव ऑफ़ एम्पायर : सिविलाइज़िंग टॉर्चर इन ए पैसेज टू इंडिया एंड नो लॉन्गर एट ईज़'* (24 नवंबर 2021)

दिसंबर 2021

1. डॉ शैली नारंगः *'वारिस शाहज हीर : सबवर्सन एंड रेडिकलिटी इन द किस्सा एंड पोस्टकोलोनियल पंजाबी पोएट्री'* (28 दिसंबर 2021)।
2. डॉ. सिली राउत : *'फ्रॉम द गॉड्स किचन : द महाप्रसाद इन श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी, इण्डिया'* (28 दिसंबर 2021)।
3. डॉ. अनन्या परिदा : *वायसिस इन द काला पानी : टैक्स्टस एण्ड कांटैक्स्टस* (28 दिसंबर 2021)।
4. डॉ. पूर्णिमा थापर : *इण्डिजीनियस वूमेनज फाइट फॉर जस्टिस; जेण्डर राइटस एण्ड इटस इम्पलीमेंटेशन इन इण्डिया एण्ड नॉर्डिक कंटरीज* (28 दिसंबर 2021)।

मार्च 2022

1. डॉ. लीना चौहान : *वर्तमान शिक्षा : ज्ञान विस्तार या संकुचन* (22 मार्च 2022)
2. डॉ. करण सिंह : *सैक्रलिसिंग सोल्जर : डायनेमिक्स ऑफ कलेक्टिव मेमोरी इन सिंक्रीटिक श्राइन* (22 मार्च 2022)
3. डॉ. (कप्तान) बिष्णु देव सिंह मल्लिक : *मनबसा गुरुबार लक्ष्मी पुराण : एक अनुशीलन* (22 मार्च 2022)
4. डॉ. अकाल अमृत कौर : *प्रवासी पंजाबी साहित्य सभ्याचार : बहुसथनी नेटवर्क चेतना* (22 मार्च 2022)
5. डॉ. सिमरन चड्ढा : *बिलॉन्गिंग बाय विक्टिमाइजेशन एंड 'स्ट्रेंजर्स' : द पोएट्री ऑफ जीन अरसनायगम* (22 मार्च 2022)
6. सुश्री कृष्णमणि भगबती : *सोसीओ–कल्चरल डाइनामिक्स ऑफ द सिंग्फो ट्राइबस ऑफ नॉर्थ–ईस्ट इण्डिया* (23 मार्च 2022)
7. प्रो. (डॉ.) पूनम प्रकाश : *सिग्निफिकेंस ऑफ पब्लिक वैल्यूस फ्रेमवर्क फॉ क्राइसिस प्रीपेयरडनेस– लर्निंग फरॉम कोविड –19 पेंडमिक* (23 मार्च 2022)
8. डॉ. शिल्पा डी. जीवराग : *हिंदी कथा साहित्य में स्त्री लेखन* (23 मार्च 2022)
9. डॉ. रमा दूधमांडे : *मीडिया की बदलती भाषा का स्वरूप और महत्व* (23 मार्च 2022)
10. डॉ. गौरी त्रिपाठी : *स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता तीन दशक : आज़ादी का स्वप्न और यथार्थ* (23 मार्च 2022)
11. डॉ. वीरमदेव सिंह बी. गोहिल : *ए स्टडी ऑफ साइकॉलजिकल चैलेंजिस फेसड बाइ चिल्ड्रन विद डिस्लेक्सिया एण्ड देयर पेरेंटस स्ट्रेस ड्यूरिंग द कोविड–19 पेंडमिक* (25 मार्च 2022)
12. डॉ बालाजी शंकरराव चिराडे : *एजुकेशनल मूवमेंट ऑफ बादशाह खान इन एनडब्ल्यूएफपी* (25 मार्च 2022)
13. डॉ. चार्ल्स वर्गीज : *पॉवर, डॉमिनेंशन एण्ड स्टिग्मा : कन्स्ट्रक्शन ऑफ मार्जिनल सिटीजनशिप इन एवरीडे स्कूलिंग* (25 मार्च 2022)
14. डॉ. बलदेव सिंह नेगी : *इलैक्टिड रीप्रेजेंटटिवस ऑफ पंचायती राज इन्स्टिट्यूशनस इन हिमाचल प्रदेश : ए प्रोफाइल ऑफ इलैक्टिड रीप्रेजेंटटिवस इन 2021* (25 मार्च 2022)

15. डॉ. मानस के घोष : *डिकलोनाइजिंग इण्डियन सिनेमा : द इन्फ्लूएंस ऑफ इण्डियन पेंटिंगस एण्ड नई कहानी लिटरेचर ऑन मनी कौल* (25 मार्च 2022)

16. डॉ. वीरभद्रम भुक्य : *कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी प्रैक्टिसिस एण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन कम्युनिटी डिवेल्पमेंट : विद रेफरेंस टू टॉप टेन इण्डियन कम्पनीज* (28 मार्च 2022)

17. डॉ. राधामणि. सी. : *मलयालम फ़िल्मों में ट्रांसजेंडरों की जीवन गाथा* (28 मार्च 2022)

18. डॉ. बिनुमोल अब्राहम : *मलयाली नर्सेज एण्ड हैल्थ केयर : सम रिफ्लैक्शनस ऑन चैलेंजिस एण्ड स्टीरिओटाइपस* (28 मार्च 2022)

19. डॉ गोर विट्ठल गंगाधरराव : *पोस्ट–कोविड न्यू नॉर्मल : चैलेंजिस एण्ड अप्रोच्युनिटीस इन हायर एजुकेशन इन इण्डिया* (28 मार्च 2022)

20. डॉ बृजरतन जोशी : *सुमित्रानंदन पंत : कविता कला का अन्वेषण* (28 मार्च 2022)।

21. डॉ. रिचर्ड रेगो : *आइलैंड्स इन द स्ट्रीम : इंटर–रिलेशनल डायनेमिक्स इन द्वीप ऑफ गिरीश कसारवल्ली* (28 मार्च 2022)

खाते और बजट

खाते और बजट

क) वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए संशोधित आकलन और वित्तीय वर्ष 2022–23 के बजट आकलन इस प्रकार हैं –

(राशि लाख में)

योजना का नाम	संशोधित आकलन 2021–22	बजट आकलन 2022–23
लेखा शीर्ष– 31	1761.02	2702.03
लेखा शीर्ष –35	299.26	319.50
लेखा शीर्ष –36	927.45	1155.82
कुल	2987.73	4177.35

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग, कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) चंडीगढ़ द्वारा वर्ष 2021–22 के लिए की गई संस्थान की लेखा परीक्षा पृष्ठ 57 से पृष्ठ 101 तक संलग्न हैं।

ख) आईयूसी खाते

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के लिए अंतर्विश्वविद्यालय केन्द्र (आईयूसी) योजना के खातों की लेखा परीक्षा सनदी लेखाकार मेसर्स डोगर एंड कंपनी, शिमला की एक फर्म द्वारा की जाती है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए व्यय 20.63 लाख रुपए था।

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए अंतर–विश्वविद्यालय केंद्र (आईयूसी) योजना के लेखाओं का लेखापरीक्षित विवरण पृष्ठ 102 से पृष्ठ 108 तक संलग्न है।

—speed post—
भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

Indian Audit & Accounts Department
Office of The Director General of Audit (Central), Chandigarh

सत्यमेव जयते

स०/No: डी.जी.ए.(सी)/के. व्यय/SAR- 2021-22/IIAS-Shimla/2022-23/ 1821 दि०/Dated: 25/10/2022

सेवा मे,

सचिव,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली – 110001

विषय: Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla (Himachal Pradesh) **के वर्ष** 2021-22 **के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

महोदय,

कृप्या Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla (Himachal Pradesh) **के वर्ष** 2021-22 **के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन** (Separate Audit Report) **संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पाएं | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए |**

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएं |

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें |

भवदीय,

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

-हस्ता/-
महानिदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2021-22 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु निदेशक, Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla Rashtrapati Nivas, Shimla (Himachal Pradesh) -171005 **को प्रेषित की जाती है|**

भवदीया,

प्रतिलिपि
निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई-मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के लेखों के बारे में भारत के नियन्त्रक–महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

1. हमने 31 मार्च, 2022 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला के तुलन–पत्र, तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष आय एवं व्यय लेखा/प्रप्तियां एवं भुगतान लेखों की नियन्त्रक–महालेखा परीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत लेखापरीक्षा की है। यह लेखापरीक्षा 2018–19 से 2022–23 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व संस्थान के प्रबन्धन का है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, उत्तम लेखाकरण प्रथाओं के साथ अनुरूपता, लेखाकरण सम्बन्धी मानकों और प्रकटन मानकों आदि के सम्बन्ध में केवल लेखाकरण व्यवहार पर नियन्त्रक–महाले महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ शामिल हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता एवं निष्पादन आदि के पहलुओं के अनुपालन में वित्तीय लेन–देन पर लेखापरीक्षा अभ्युक्तियां आदि कोई हों तो निरीक्षण प्रतिवेदनों/भारत के नियंत्रक महा–लेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से सूचित की गई है।

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखापरीक्षण मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम इस विषय में समुचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए इस प्रकार योजना बनाते हैं तथा लेखापरीक्षा करते हैं कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक चूक से मुक्त हैं। लेखापरीक्षा में नमूने के आधार पर जांच करना, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों और वित्तीय विवरणों में किए गए प्रकटन शामिल होते हैं। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त किए गए लेखाकरण सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के निर्धारण और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी भाामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत के लिए समुचित आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि –

   क) हमने अपनी सर्वोतम जानकारी तथा विश्वास के अनुरूप लेखापरीक्षा के उद्देश्यार्थ आवश्यक सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं।

   ख) इस प्रतिवेदन से सम्बन्धित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा/प्राप्तियाँ एवं भुगतान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय) द्वारा जारी आदेश संख्या 29–4/2012–एफडी, दिनांक 17 अप्रैल 2015 में निर्धारित प्रारूप में तैयार किया गया है।

   ग) बही–खातों का निरीक्षण करने के उपरांत हमारी राय में भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा लेखों का अभिलेख उपयुक्त बहियों और अन्य सम्बद्ध अभिलेखों के अनुरूप किया गया है।

   घ) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि–

   अ. तुलन पत्र

   निधियों के संसाधन

   चालू देनदारियां तथा प्रावधान (अनुसूची–3)

   चालू देनदारियां : 11.78 करोड़

   अप्रयुक्त अनुदान : 10.15 करोड़

निर्धारित प्रारूप (पृष्ठ 88) के अनुसार, अनुदानों से राजस्व व्यय की गणना करते समय, सेवानिवृत्ति लाभों के लिए वर्ष में किए गए वास्तविक भुगतानों को शामिल किया जाना चाहिए और सेवानिवृत्ति लाभों के लिए वर्ष में किए गए प्रावधान को इसमें शामिल नहीं किया जाना चाहिए। हलांकि, यह पाया गया है कि संस्थान ने वर्ष 2019–20 से 2021–22 के दौरान सेवानिवृति लाभों का प्रावधान (निर्धारित किए गए 2.62 के कुल प्रावधान से वास्तव में 0.90 का भुगतान किया गया) 1.72 करोड़ अधिक निर्धारित किया था। इस प्रकार, संस्थान की ओर से अप्रयुक्त धन की न्यूनोक्ति हुई और संग्रह/पूंजीगत निधि 1.72 करोड़ अधिक बताया गया। इसके अतिरिक्त, चालू वर्ष में 0.40 करोड़ आय अधिक थी जोकि अनुदान/सहायता से आय के रूप में निर्धारित किए गए प्रावधान के बहुतायत थी।

ब. सामान्य

ब.1 खातों के निर्धारित प्रारूप के साथ–साथ इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक 15 के अनुसार, संस्थान को बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता है।

(क) तथापि, क्र.सं. (जी) में उल्लिखित लेखांकन नीति के अनुसार, संस्थान ने अवकाश नकदीकरण और ग्रेच्युटी के सेवानिवृत्ति लाभों के लिए अनुमान के आधार पर प्रावधान किया था न कि बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर।

(ख) इसके अलावा, वर्ष 2016–17 से अधिवर्षिता पेंशन के सेवानिवृत्ति लाभ के प्रावधान में कोई परिवर्तन/वृद्धि नहीं देखी गई। अतः संस्थान द्वारा निर्धारित एवं लेखा मानक 15 का अनुपालन नहीं किया गया। इसलिए, अधिवर्षिता पेंशन के सेवानिवृत्ति लाभ का प्रावधान संस्थान द्वारा नहीं किया जा रहा है।

इस प्रकार, संस्थान द्वारा निर्धारित प्रारूप में निहित लेखांकन मानक 15 और निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जाता है। इस संबंध में वर्ष 2016–17 से अवलोकन किया जा रहा है। हालाँकि, अनुपालन अभी भी लंबित है।

ब.2 शिक्षा मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं. 19–1/2017–आईएफडी दिनांक 23.2.2022 में स्पष्ट है कि प्रत्येक ब्यूरो अपने प्रशासनिक नियंत्रण के तहत स्वायत्त निकायों के संबंध में उपदान भुगतान अधिनियम, 1972 के कार्यान्वयन के लिए अलग अधिसूचना जारी कर सकता है। वर्ष 2021–22 के वार्षिक खातों में एक संचित प्रावधान के संबंध में 0.54 करोड़ की राशि एनपीएस के तहत आने वाले कर्मचारियों को ग्रेच्युटी की राशि दर्शाई गई है। हालांकि, शिक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किए जाने के बाद ही ग्रुप 'ए' 'बी' के कर्मचारियों को ग्रेच्युटी दी जा सकती है। ग्रेच्युटी के प्रावधान के तथ्य को खातों की टिप्पणी में प्रकट किया जाना चाहिए।

द. सहायता अनुदान

दिनांक 31.3.2022 को संस्थान की अनुदान सहायता राशि का विवरण निम्न प्रकार है–

राशि करोड़ में

विवरण	लेखा शीर्ष– 31 सामान्य	लेखा शीर्ष– 35 पूंजीगत	लेखा शीर्ष– 36 वेतन	ब्याज	कुल
01.4.2021 को अथभोश	3.04	0.06	2.12	0.32	5.541
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	9.96	2.99	9.57	0.25	22.77
कुल उपलब्ध निधि	13.00	3.05	11.69	0.57	28.31
न्यूनतर–व्यय	10.062	1.63	6.60	0.07	18.36

सेवानिवृत्ति लाभों के लिए वापस जोड़ा गया प्रावधान जिसे गलत तरीके से संस्थान द्वारा व्यय के रूप में दर्ज किया गया था जैसा कि क्र.सं. अ में टिप्पणी दी गई है।	-	-	1.72	-	I.72
31.3.2020 को अप्रयुक्त बकाया राशि	2.94	1.42	6.81	0.50	11.67

अनुसूची 10 के अनुसार सरकारी अनुदान का अप्रयुक्त शेष ₹ 9.25 करोड़ था जिसे इस रिपोर्ट के क्रमांक–अ के अनुसार ₹ 1.72 करोड़ ठीक करने की आवश्यकता है। उसका मिलान किया जाना आवश्यक है।

स. प्रबंधकीय पत्र

लेखा परीक्षा रिपोर्ट में जिन कमियों को शामिल नहीं किया गया है, उन्हें पृथक प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थान के प्रशासन के संज्ञान में सुधार/संशोधन हेतु प्रस्तुत किया गया है।

घ. पूर्ववर्ती परिच्छेदों में हमारी अभ्युक्तियों के अनुसार हम रिपोर्ट करते हैं कि इस प्रतिवेदन से सम्बन्धित तुलनपत्र और आय एवं व्यय लेखा/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा, लेखा–बहियों के अनुरुप हैं।

ङ. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखाकरण नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियों के साथ पठित तथा उपर्युक्त उल्लिखित महत्त्वपूर्ण मामलों और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुबन्ध में उल्लिखित अन्य मामलों से सम्बधित उक्त वितीय विवरण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुरुप सही एवं उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैः–

1. जहां तक 31 मार्च 2022 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला (हि.प्र.) के कार्यो के तुलन–पत्र से संबधित हैः तथा
2. जहां तक उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए 'घाटे' के आय एवं व्यय लेखे से संबधित है।

भारत के नियंत्रक–महालेखा परीक्षक की ओर से
हस्ता./
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)
चण्डीगढ़

स्थान : चण्डीगढ़
दिनांक : 25.10.2022

1. पूर्व वर्ष की पृथक लेखा रिपोर्ट के अनुसार अप्रयुक्त शेष ₹15.32 करोड़ था जिसकी गणना वर्ष 2019–20 और 2020–21 (5.54 = 15.32 – 9.25 – 0.53) के लिए ₹9.25 करोड़ के सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान और जिसमें क्रम संख्या में टिप्पणी के अनुसार वर्ष 2017–18 के लिए वेतन मद (ओएच–36) के तहत अतिरिक्त व्यय भी शामिल है, शामिल करने के बाद की गई थी
2. 10.13–0.07 ब्याज की वापसी (अनुसूची–20)

लेखा परीक्षण के साथ अनुलग्नक

(1) **आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**

संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा सनदी लेखाकार द्वारा की गई है।

(2) **आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**

क) देनदारों से बकाया राशि की पुष्टि का कोई तरीका नहीं है।

ग) उपभोग्य वस्तुओं के निश्चित स्टॉक काउच्चतम और निम्नतम स्तर का मद वार विवरण उपलब्ध नहीं करवाया गया।

(3) **अचल परिसम्पतियों का भौतिक सत्यापन**

अचल परिसम्पतियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

(4) **अचल परिसम्पतियों तथा वस्तु–सूचियों का भौतिक सत्यापन**

अचल परिसम्पतियों तथा वस्तु–सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

(5) **सांविधिक देयताओं की अदायगी में नियमितता।**

संस्थान द्वारा सभी सांविधिक देयताओं को नियमित रूप से जमा करवाया गया है।

हस्ता./–
निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

तुलन-पत्र (31 मार्च, 2022)

निधि का स्त्रोत	**अनुसूची**	**चालू वर्ष** 2021–22	**विगत वर्ष** 2020–21
संग्रह/पूंजीगत निधि	1	26,10,36,704.34	21,20,10,682.79
निर्दिष्ट/निश्चित/चंदा निधि	2	4,07,927.00	4,84,22,659.74
चालू देनदारियां तथा प्रावधान	3	18,40,01,898.70	38,61,49,056.63
कुल		**44,54,46,530.04**	**64,65,82,399.16**
निधियों की प्रयुक्ति	**अनुसूची**	**चालू वर्ष** 2021–22	**विगत वर्ष** 2020–21
स्थाई परिसंपत्तियां			
भौतिक परिसंपत्तियां	4	20,20,90,861.47	20,88,64,337.47
अभौतिक परिसंपत्तियां	4	1,90,922.00	5,138.00
पूंजी कार्य प्रगति पर		-	-
निश्चित/चंदा निधि से निवेश	5	-	-
दीर्घावधि		-	-
अन्य निवेश	6	-	-
चालू परिसंपत्तियां	7	18,53,86,906.57	38,30,52,801.69
ऋण, अग्रिम तथा जमा	8	5,77,77,840.00	5,46,60,122.00
कुल		**44,54,46,530.04**	**64,65,82,399.16**
महत्त्वपूर्ण लेखा पद्धतियां	23	.	.
संभाव्य देनदारियां तथा लेखाओं बारे में टिप्पणी	24	.	.

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष का आय–व्यय लेखा

राशि (रु./पै. में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	9	---	--
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	18,48,92,183.44	21,57,01,201.48
निवेश से आय	11	-	-
अर्जित ब्याज	12	---	---
अन्य आय	13	70,91,448.81	(6,051.91)
पूर्वावधि आय	14	-	-
पूंजीगत अनुदान सहायता को हस्तांतरित मूल्य ह्रास		**-**	**-**
कुल (क)		**19,19,83,632.25**	**21,56,95,149.57**
व्यय			
स्टाफ का भुगतान तथा लाभ	15	12,33,18,673.00	11,13,82,347.06
अकादमिक व्यय	16	1,44,53,397.00	3,21,04,884.00
प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय	17	1,21,57,041.86	89,46,126.92
यातायात व्यय	18	5,35,298.00	1,16,898.00
मरम्मत और रखरखाव	19	3,04,96,163.08	6,21,50,719.00
वित्तीय लागतें	20	6,72,411.50	8,78,571.50
मूल्य ह्रास	4	91,22,463.00	37,97,200.00
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्वावधि व्यय	22	32,59,199.00	1,21,655.00
कुल (ख)		**19,40,14,646.44**	**21,94,98,401.48**
व्यय पर आय की अधिक्य का संतुलन (क–ख)		(20,31,014.19)	(38,03,251.91)
निर्दिष्ट निधि को/से हस्तांतरण		-	-
भवन निधि		-	-
अन्य (विनिर्दिश्ट)		-	-
अधिक्य बकाया/(घाटा) पूंजीगत निधि में हस्तांतरित		(20,31,014.19)	(38,03,251.91)
महत्त्वपूर्ण लेखा पद्धतियां	23	-	-
सभांव्य देनदारियां तथा लेखाओं के बारे में टिप्पणी।	24	-	-

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–1, संग्रह/पूंजीगत निधि

राशि (रु./पै. में)

	विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
	वर्ष के आरंभ में बकाया राशि	21,20,10,682.79	25,66,82,769.70
जमाः	संग्रह/पूंजीगत निधि में अंशदान	5,02,23,475.74	5,085.00
जमाः	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार तथा राज्य सरकार से पूंजीगत व्यय हेतु	8,33,560.00	5,33,377.00
जमाः	निर्धारित निधि से परिसम्पतियों की खरीद	-	-
जमाः	प्रायोजित परियोजनाओं से परिसम्पतियों की खरीद, जहां मालिकाना हक संस्थान के पास है।	-	-
जमाः	दान की गई परिसम्पतियां/प्राप्त उपहार	-	-
जमाः	अन्य योजन (प्रावधान प्रतिलिखित)	-	-
जमाः	आय व व्यय लेखा से हस्तांतरित व्यय पर आय की अधिकता		--
कुल		**26,30,67,718.53**	**25,72,21,231.70**
(घटाना)	आय और व्यय खाते से घाटे का हस्तांतरण	20,31,014.19	38,03,251.91
(घटाना)	आईसी4एचडी को हस्तांतरण		4,14,07,297.00
वर्ष के अंत बकाया		**26,10,36,704.34**	**21,20,10,682.79**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–2, निर्दिष्ट/निश्चित की गई/चंदा निधि/पूंजीगत अनुदान

राशि (रु./पै. में)

विवरण	निधिवार विच्छेद					कुल	
	पूंजीगत अनुदान सहायता	निधि क.क.क.	निधि ख.ख.ख.	निधि ग.ग.ग.	चंदा निधि	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
क.							
क) अथशेष	4,84,22,659.74						4,84,22,659.74
ख) वर्ष के दौरान जमा	-						----
ग) निधि के निवेश से प्राप्त आय							
घ) निवेश/अग्रिम राशि से उपार्जित ब्याज							
ङ) बैंक बचत से प्राप्त ब्याज	14,264.00						
च) अन्य आधिक्य (विशिष्ट प्रकृति के)							-
कुल (क)	**4,84,22,659.74**	**0**	**0**	**0**	**0**		**4,84,22,659.74**
ख							
प्रयोगिक/निधि के उद्देश्यों के प्रति व्यय							
पूंजीगत व्यय	-						-
आगम व्यय	-						-
संग्रह निधि में हस्तांतरण	4,80,28,996.74						
कुल (ख)	**4,80,28,996.74**	**0**	**0**	**0**	**0**		
वर्ष के अंत में शेष बकाया राशि (क–ख)	4,07,927.00						4,84,36,923.74
प्रस्तुतकर्ता							
नकद एवं बैंक शेष	4,07,927.00						-
निवेश							
उपार्जित ब्याज मगर देय नहीं							
स्थाई परिसम्पत्तियां							4,84,36,923.74
कुल	**4,07,927.00**						

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–3, चालू देनदारियां एवं प्रावधान

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
(क) चालू देनदारियां		
1. स्टॉफ द्वारा जमा		
2. अन्य द्वारा जमा	-	-
3. विविध लेनदार (क. वस्तुओं तथा सेवाएं, ख. अन्य के लिए)	3,12,234.00	14,92,687.00
4. जमा–अन्य (ईएमडी, सिक्योरिटी जमा)	10,91,250.00	10,91,250.00
5. वैधानिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी, सीपीएफ, कर, जीआईएसय, एनपीएस)	19,00,671.00	22,05,504.00
अ) अतिदेय	-	-
ब) अन्य	-	-
6. अन्य चालू देयताएं	-	-
क) वेतन	80,07,920.00	71,17,034.00
ख) प्रायोजित परियोजनाओं की एवज में प्राप्तियां	-	-
ग) प्रायोजित अध्येतावृत्तियों तथा छात्रवृत्तियों की एवज में प्राप्तियां	-	-
घ) अप्रयोगिक अनुदान	10,15,13,627.70	30,81,94,748.63
ङ) एमओसी का अप्रयोगिक अनुदान	2,02,157.00	2,02,157.00
च) अप्रयोग्य एनडीएल अनुदान	36.00	36.00
छ) अन्य देनदारियां (सेल्ज़ एवं ज.सं.अ. को प्रतिदाय)	11,430.00	11,430.00
ज) देय व्यय	47,06,011.00	36,57,684.00
प) राहत कोष के लिए देय	89,727.00	-
कुल (क)	**11,78,35,063.70**	**32,39,72,530.63**
(ख) प्रावधान		
1.दकराधान हेतु		
2. ग्रेच्यूटी	3,53,33,044.00	3,48,16,217.00
3. सेवानिवृत्ति/पैंशन	17,00,000.00	17,00,000.00
4. जमा अवकाश का नकदीकरण	2,91,33,791.00	2,56,60,309.00
5. व्यापार वारंटी/दावे	-	-
6. अन्य (विशेषतः)	-	-
कुल (ख)	**6,61,66,835.00**	**6,21,76,526.00**
कुल (क+ख)	**18,40,01,898.70**	**38,61,49,056.63**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–3 (क), प्रायोजित परियोजनाएं

राशि (रु./पै. में)

परियोजना का नाम	अथशेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूलियां	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	अंतशेष	
	नामे	जमा				नामे	जमा
आईसी4एचडी	-	20,24,67,891.00	5,03,14,487.00	25,27,82,378.00	-	-	25,27,82,378.00
	-	25,27,82,378.00	17,92,995.00	25,45,75,373.00	25,27,82,378.00	0	17,92,995.00
एमओसी	-	2,02,157.00	-	2,02,157.00	-	-	2,02,157.00
एनएलडी अनुदान	-	5,83,09,175.11	21,33,37,774.00	27,16,46,949.11	21,62,34,578.48		5,54,12,370.63
	-	36.00	-	36.00	-	-	36.00
शिक्षा मंत्रालय							
भा.स.							
	-	5,54,12,370.63	22,77,13,612.00	28,31,25,982.63	18,36,62,771.44	-	9,94,63,211.19
आईयूसी अनुदान			23,20,393.51	23,20,393.51	20,62,972.00		2,57,421.51
कुल (रुपए)	**-**	**30,83,96,941.63**	**23,18,27,000.51**	**54,02,23,942.14**	**43,85,08,121.44**	**-**	**10,17,15,820.70**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

अनुसूची 3 (ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति | **शून्य**

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची 3(ग) यूजीसी, भारत सरकार तथा राज्य सरकारों से अप्रयुक्त अनुदान

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
क. योजना अनुदान : भारत सरकार		
बकाया अग्रानीत	30,81,94,748.63	26,07,77,066.11
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ (ब्याज सहित)	22,95,06,607.00	26,36,52,261.00
कुल (क)	**53,77,01,355.63**	**52,44,29,327.11**
न्यूनत प्रतिदाय	25,27,82,378.00	-
न्यूनतर : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	18,28,29,211.44	21,57,01,201.48
न्यूनतर : पूंजीगत व्यय के लिए प्रय	8,33,560.00	5,33,377.00
कुल (ख)	**10,12,56,206.19**	**30,81,94,748.63**
अप्रयुक्त अग्रानीत (क–ख)		
ख. यूजीसी अनुदान : योजना	80,07,920.00	71,17,034.00
बकाया अग्रानीत	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	23,20,393.51	-
कुल (ग)	**23,20,393.51**	**-**
न्यूनतर : प्रतिदाएं		-
न्यूनतर : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	20,62,972.00	-
न्यूनतर : पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
कुल (घ)	**2,57,421.51**	**-**
अनुप्रयुक्त अग्रानीत ;ग–घद्ध	**-**	**-**
ग. अन्य गैर योजना	-	-
बकाया अग्रानीत	2,02,193.00	2,02,193.00
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	-	-
कुल (ङ)	2,02,193.00	2,02,193.00
न्यूनतर : प्रतिदाएं	0	0
न्यूनतर : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	0	0
न्यूनतर : पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	0	0
कुल (च)	**2,02,193.00**	**2,02,193.00**
डी, राज्य सरकार से अनुदान।		
बकाया अग्रनीत	-	-
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां	-	-
कुल (छ)	-	-
न्यूनतर : राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया	-	-

न्यूनतर : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया	-	-
कुल (ज)	-	-
अप्रयुक्त अग्रानीत (छ–ज)	-	-
समग्र योग (क+ख+ग+घ)	**10,17,15,820.70**	**30,83,96,941.63**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–4 वर्ष 2021.22 के लिए स्थिर परिसम्पतियाँ

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों के लिए अंतर–विश्वविद्यालय केन्द्र (यूजीसी)

राशि (रु./पै. में)

वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
कंप्यूटर	2122715.00	0.00	0.00	0.00	1836314.00	2122715.00	71598.00	1907912.00	214803.00	286401.00
विद्युत उपकरण	2075698.00	0.00	0.00	0.00	943053.00	2075698.00	116638.00	1059691.00	1016007.00	1132645.00
सामान तथा जोड़े गए उपकरण	1444317.00	0.00	0.00	0.00	1181830.00	1444317.00	88738.00	1270568.00	173749.00	262487.00
पुस्तकालय पुस्तकें	2809649.00	0.00	0.00	0.00	2809641.00	2809649.00	0.00	2809641.00	8.00	8.00
नया वाहन	592847.00	0.00	0.00	0.00	573177.00	592847.00	19667.00	592844.00	3.00	19670.00
कुल योग	**9045226.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**7344015.00**	**9045226.00**	**296641.00**	**7640656.00**	**1404570.00**	**1701211.00**

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची– 4 (क) सहायता अनुदान से उपार्जित स्थाई परिसम्पत्तियां

अ. संस्थान के आरंभ से स्थाई परिसम्पतियां

राशि (रु./पै. में)

वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
श्रव्य दृश्य उपकरण	4,22,500.00	0	0	0	0	4,22,500.00	0	0	4,22,500.00	4,22,500.00
वर्ड प्रोसेसर	30,989.00	0	0	0	0	30,989.00	0	0	30,989.00	30,989.00
फर्नीचर एवं जुड़नार	74,39,798.75	0	0	0	0	74,39,798.75	0	0	74,39,798.75	74,39,798.75
पुस्तकालय पुस्तकें तथा वैज्ञानिक पत्रिकाएं	14,55,68,614.51	0	0	0	0	14,55,68,614.51	0	0	14,55,68,614.51	14,55,68,614.51
कार्यालय उपकरण	1,77,74,150.83	0	0	0	0	1,77,74,150.83	0	0	1,77,74,150.83	1,77,74,150.83
कारखाना एवं मशीनें	1,45,805.00	0	0	0	0	1,45,805.00	0	0	1,45,805.00	1,45,805.00
वाहन	28,38,064.64	0	0	0	0	28,38,064.64	0	0	28,38,064.64	28,38,064.64
उप योग (क)	**174219922.73**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**174219922.73**	**0.00**	**0.00**	**174219922.73**	**174219922.73**

(ख) योजना

वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
श्रव्य दृश्य उपकरण	1,42,202.00	-	-	22,794.00	1,35,000.00	2,99,996.00	22,500.00	1,57,500.00	1,42,496.00	1,64,996.00
वर्ड प्रोसेसर	2,58,966.00	-	-	(2,58,962.00)	18,42,618.00	18,42,622.00	2.00	18,42,620.00	2.00	4.00
फर्नीचर एवं जुड़नार	7,86,079.01	-	-	(98,876.01)	5,79,664.00	12,66,867.00	95,015.00	6,74,679.00	5,92,188.00	6,87,203.00
पुस्तकालय पुस्तकें तथा वैज्ञानिक पत्रिकाएं	95,49,430.00	-	-	19,85,533.00	1,70,29,745.00	2,85,64,708.00	28,56,471.00	1,98,86,216.00	86,78,492.00	1,15,34,963.00
कार्यालय उपकरण	6,29,974.00	-	-	(14,819.00)	5,30,570.00	11,45,725.00	85,930.00	6,16,500.00	5,29,225.00	6,15,155.00
कारखाना एवं मशीनें	3,674.00	-	-	294.00	1,320.00	5,288.00	264.00	1,584.00	3,704.00	3,968.00
उप योग (ख)	**11370325.01**	**0.00**	**0.00**	**1635964.00**	**20118917.00**	**33125206.00**	**3060182.00**	**23179099.00**	**9946107.00**	**13006289.00**

(ग) गैर योजना

वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
श्रव्य दृश्य उपकरण	30,746.00	-	-	(4,342.00)	21,606.00	48,010.00	3,601.00	25,207.00	22,803.00	26,404.00
वर्ड प्रोसेसर	1,16,262.00	-	-	(1,16,262.00)	3,54,800.00	3,54,800.00	-	3,54,800.00	-	-

फर्नीचर एवं जुड़नार	1,07,121.00	-	-	(12,006.00)	68,749.00	1,63,864.00	12,290.00	81,039.00	82,825.00	95,115.00
पुस्तकालय पुस्तकें तथा वैज्ञानिक पत्रिकाएं	1,277.00	-	-	2,798.00	9,520.00	13,595.00	1,360.00	10,880.00	2,715.00	4,075.00
कार्यालय उपकरण	75,802.00	-	-	(5,844.00)	41,980.00	1,11,938.00	8,396.00	50,376.00	61,562.00	69,958.00
कारखाना एवं मशीनें	1,24,653.00	-	-	4,546.00	45,138.00	1,74,337.00	8,716.00	53,854.00	1,20,483.00	1,29,199.00
उप योग (ग)	**455861.00**	**0.00**	**0.00**	**(1,31,110.00)**	**541793.00**	**866544.00**	**34363.00**	**576156.00**	**290388.00**	**324751.00**

घ. आईसी4एचडी के अंतर्गत स्थिर परिसम्पतियाँ

वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	1,05,535.00	-	-	(11,824.00)	1,03,579.00	1,97,290.00	14,797.00	1,18,376.00	78,914.00	93,711.00
पुस्तकालय किताबें तथा वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	1,09,887.00	-	-	89,504.00	4,65,241.00	6,64,632.00	66,463.00	5,31,704.00	1,32,928.00	1,99,391.00
कार्यालयी उपकरण	2,37,307.00	-	-	6,28,406.00	11,55,447.00	20,21,160.00	1,67,310.00	13,22,757.00	6,98,403.00	8,65,713.00
उपयोग (घ)	**452729.00**	**0.00**	**0.00**	**706086.00**	**1724267.00**	**2883082.00**	**248570.00**	**1972837.00**	**910245.00**	**1158815.00**

(ङ) स्थिर परिसम्पतियाँ (नया प्रारूप)

पूंजीगत परिसम्पतियाँ (सामान्य)

वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
श्रव्य दृश्य उपकरण	6,83,778.74	-	-	41,801.00	3,06,908.00	10,32,487.74	77,437.00	3,84,345.00	6,48,142.74	7,25,579.74
कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	14,11,154.00	23,724.00	-	(6,17,543.00)	26,22,914.00	34,40,249.00	6,88,049.00	33,10,963.00	1,29,286.00	8,17,335.00
फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	11,85,346.00	-	-	(73,778.00)	3,29,686.00	14,41,254.00	1,08,096.00	4,37,782.00	10,03,472.00	11,11,568.00
फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	2.00	-	-	-	1,310.00	1,312.00	-	1,310.00	2.00	2.00
पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	1,06,70,778.00	1,17,667.00	-	(51,597.00)	52,51,940.00	1,59,88,788.00	15,98,879.00	68,50,819.00	91,37,969.00	1,07,36,848.00
दफ्तर के उपकरण	11,21,778.00	78,624.00	-	(27,991.00)	3,36,322.00	15,08,733.00	1,13,157.00	4,49,479.00	10,59,254.00	11,72,411.00
मशीनरी व यंत्र	2,81,120.00	-	-	(86,737.00)	32,670.00	2,27,053.00	11,354.00	44,024.00	1,83,029.00	1,94,383.00
वाहन	11,60,586.00	-	-	(2,80,747.00)	5,86,560.00	14,66,399.00	1,46,640.00	7,33,200.00	7,33,199.00	8,79,839.00
कुल पूंजीगत परिसंपत्ति (सामान्य)	**1,65,14,542.74**	**2,20,015.00**	**-**	**(10,96,592.00)**	**94,68,310.00**	**2,51,06,275.74**	**27,43,612.00**	**1,22,11,922.00**	**1,28,94,353.74**	**1,56,37,965.74**

पूंजीगत परिसम्पतियाँ (एससी)

श्रव्य दृश्य उपकरण	91,757.00	-	-	(56,772.00)	14,996.00	49,981.00	3,749.00	18,745.00	31,236.00	34,985.00
कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	2,58,182.00	58,644.00	-	(94,392.00)	56,316.00	2,78,750.00	55,750.00	1,12,066.00	1,66,684.00	2,22,434.00
फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	42,205.00	24,780.00	-	(8,817.00)	14,312.00	72,480.00	5,437.00	19,749.00	52,731.00	58,168.00
फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	5,95,719.00	-	-	(2,77,824.00)	1,56,914.00	4,74,809.00	47,481.00	2,04,395.00	2,70,414.00	3,17,895.00
पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	2,16,444.00	21,199.00	-	(1,29,077.00)	36,930.00	1,45,496.00	10,913.00	47,843.00	97,653.00	1,08,566.00
दफ्तर के उपकरण	2.00	500.00	-	-	2,245.00	2,747.00	500.00	2,745.00	2.00	502.00
मशीनरी व यंत्र	1,26,618.00	-	-	(48,198.00)	8,575.00	86,995.00	4,350.00	12,925.00	74,070.00	78,420.00
कुल पूंजीगत परिसंपत्ति (एससी)	13,30,927.00	1,05,123.00	-	(6,15,080.00)	2,90,288.00	11,11,258.00	1,28,180.00	4,18,468.00	6,92,790.00	8,20,970.00

पूंजीगत परिसम्पतियाँ (एसटी)

श्रव्य दृश्य उपकरण	36,587.00	-	-	(26,276.00)	2,997.00	13,308.00	999.00	3,996.00	9,312.00	10,311.00
कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	78,786.00	1,90,222.00	-	(8,176.00)	30,408.00	2,91,240.00	58,248.00	88,656.00	2,02,584.00	2,60,832.00

फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	1.00	-	-	-	1,399.00	1,400.00	-	1,399.00	1.00	1.00
फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	4,22,554.00	-	-	(2,97,630.00)	13,881.00	1,38,805.00	7,734.00	21,615.00	1,17,190.00	1,24,924.00
पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	34,918.00	-	-	44,950.00	23,202.00	1,03,070.00	13,881.00	37,083.00	65,987.00	79,868.00
दफ्तर के उपकरण	99,365.00	-	-	94,883.00	55,244.00	2,49,492.00	18,711.00	73,955.00	1,75,537.00	1,94,248.00
मशीनरी व यंत्र	36,943.00	-	-	1,52,931.00	31,036.00	2,20,910.00	11,046.00	42,082.00	1,78,828.00	1,89,874.00
कुल पूंजीगत परिसंपत्ति (एससी)	7,09,154.00	1,90,222.00	-	(39,318.00)	1,58,167.00	10,18,225.00	1,10,619.00	2,68,786.00	7,49,439.00	8,60,058.00
उपयोग (ङ)	**18554623.74**	**515360.00**	**0.00**	**-1750990.00**	**9916765.00**	**27235758.74**	**2982411.00**	**12899176.00**	**14336582.74**	**17318993.74**

च) अमूर्त परिसम्पतियाँ

क्रमांक	वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
1	कम्पयूटर सॉफ्टवेयर	5,138.00	3,18,200.00	-	(5,136.00)	89,795.00	4,07,997.00	1,27,280.00	2,17,075.00	1,90,922.00	3,18,202.00
	उपयोग (च)	**5138.00**	**318200.00**		**-5136.00**	**89795.00**	**407997.00**	**127280.00**	**217075.00**	**190922.00**	**318202.00**
कुल (क + ख + ग + घ + ङ + च)		**205058599.47**	**833560.00**	**0.00**	**454814.00**	**32391537.00**	**238738510.47**	**6452806.00**	**38844343.00**	**199894167.47**	**206346973.47**

अनुसूची–4 (ख स्वनिधि से अर्जित स्थिर परिसम्पतियाँ

क्रमांक	वस्तुएं	दिनाँक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड़	वर्ष के दौरान विलोपन	विधि में परिवर्तन के कारण मूल्यह्रास समायोजन	अंतशेष मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनाँक 31.3.2022 को अंतशेष	दिनाँक 31.3.2021 को अंतशेष
1	श्रव्य दृश्य उपकरण	7,72,078.00	-	-	(1,12,800.00)	3,95,565.00	10,54,843.00	79,113.00	4,74,678.00	5,80,165.00	6,59,278.00
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	4,273.00	-	-	(4,273.00)	54,950.00	54,950.00	-	54,950.00	-	-
3	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	25,44,771.00	-	-	(25,44,771.00)	37,64,690.00	37,64,690.00	-	37,64,690.00	-	-
4	फर्नीचर, जुड़नार और फिटिंग	4,27,131.00	-	-	(13,737.00)	4,44,405.00	8,57,799.00	64,335.00	5,08,740.00	3,49,059.00	4,13,394.00
5	कार्यालयी उपकरण	19,085.00	-	-	(3,614.00)	12,654.00	28,125.00	2,109.00	14,763.00	13,362.00	15,471.00
6	मशीनरी व यंत्र	43,538.00	-	-	(260.00)	13,072.00	56,350.00	2,818.00	15,890.00	40,460.00	43,278.00
	कुल	**38,10,876.00**	**-**	**-**	**(26,79,455.00)**	**46,85,336.00**	**58,16,757.00**	**1,48,375.00**	**48,33,711.00**	**9,83,046.00**	**11,31,421.00**
	कुल योग	**21,79,14,701.47**	**8,33,560.00**		**(22,24,641.00)**	**444,20,888.00**	**25,36,00,493.47**	**68,97,822.00**	**5,13,18,710.00**	**20,22,81,783.47**	**20,91,79,605.47**

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–5, निश्चित/चंदा निधियों से निवेश

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
4. शेयर	-	-
5 ऋण पत्र तथा बॉड	-	-
6 बैंक में मियादी जमा	-	-
7 अन्य (निर्दिष्ट करने योग्य)	-	-
कुल	0	0

अनुसूची–5 (क), निश्चित/चंदा निधियों से निवेश (निधिवार)

क्रमांक	**निधियां**	**चालू वर्ष 2021–22**
1	एफडीआर	.
2	-	-
3	-	-
4	-	-
5	चंदा निधि निवेश	-
	कुल	0

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–6, अन्य निवेश

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
शेयर	-	-
ऋण पत्र तथा बॉड	-	-
अन्य (निर्दिष्ट करने योग्य)	-	-
कुल	-	-

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–7, चालू परिसम्पत्तियां

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
1. स्टॉक		
क) भण्डार एवं अतिरिक्त	-	-
ख) खुले उपकरण		
ग) प्रकाशन	52,19,206.35	58,79,849.91
घ) प्रयोगशाला केमिकल, उपभोग्य तथा कांच की वस्तुएं	1,55,335.13	1,16,362.99
ङ) भवन सामग्री	-	-
च) विद्युत सामग्री	-	-
छ) उपभोग्य वस्तुएं	8,02,285.00	8,11,586.08
ज) जलापूर्ति पदार्थ	-	-
ञ) सोवनियर वस्तुएं	6,50,594.50	7,69,636.90
2. विविध लेनदार		
अ) छः माह से अधिक की अवधि के बकाया ऋण	4,12,770.75	3,08,275.08
ब) अन्य	13,290.00	8,849.95
3 नकद एवं बैंक में जमा राशि		
नकद	-	-
अ) अनुसूचित बैंक में जमा :	-	-
चालू खाते में	-	-
आवधिक जमा खाते में	13,23,27,588.00	27,24,50,025.00
बचत खाते में	4,57,56,233.84	10,26,95,571.78
ब) गैर–अनुसूचित बैंक में जमा	-	-
–अवधि जमा खाते	-	-
–बचत खाते में जमा	-	-
4. डाकघर बचत खाते में जमा	-	-
डाक टिकटों का स्टॉक	46,640.00	9,681.00
विविध अग्रिम राशि (आईसी4एचडी)	2,963.00	2,963.00
ड्राफ्ट तथा भा.पो.ऑ.	-	-
कुल	**18,53,86,906.57**	**38,30,52,801.69**

नोटः अनुलग्नक–क बैंक खातों का विवरण दिखाता है।

अनुलग्नक–क

राशि (रु./पै. में)

i)	बचत बैंक खाते	
1	यूजीसी खाते से अनुदान	37,757.51
2	विश्वविद्यालय/संस्थान प्राप्ति खाता	1,82,88,913.10
3	छात्रवृत्ति खाता	-
4	शैक्षणिक शुल्क रसीद खाता	-
5	विकास (योजना) खाता	-
6	संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीबीटी) खाता	-
7	यूजीसी योजना फैलोशिप खाता	-
8	संग्रह निधि खाता	12,53,341.00
9	प्रायोजित परियोजना निधि खाता	-
10	प्रायोजित अध्येतावृत्ति खाता	-
11	बंदोबस्ती और अध्यक्ष खाता (ईएमएफ)	5,36,579.00
12	यूजीसी जेआरएफ फैलोशिप खाता (ईएमएफ)	-
13	एचबीए फंड खाता (ईएमएफ)	-
14	वाहन खाता (ईएमएफ)	-
15	यूजीसी राजीव गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप खाता (ईएमएफ)	-
16	अकादमिकविकास निधि खाता (ईएमएफ)	-
17	जमा खाता	-
18	छात्र निधि खाता	-
19	छात्र सहायता कोष खाता	-
20	विशिष्ट योजनाओं के लिए योजना अनुदान	2,56,39,643.23
ii)	चालू खाता	
iii)	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	13,23,27,588.00
	कुल	**17,80,83,821.84**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–8, ऋण, अग्रिम तथा जमा राशि

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
1. कर्मचारियों को भुगतान की अग्रिम राशि (गैर–ब्याज सहित)		-
क) वेतन	-	-
ख) त्योहार	-	56,000.00
घ) चिकित्सा अग्रिम	-	-
ङ) अन्य (निर्दिष्ट)	56,447.00	-
1. डब्ल्यू.सी.ए.	-	-
2. खराब जलवायु और बाढ़ के लिए अग्रिम राशि	431.00	431.00
2. कर्मचारियों को दीर्घकालीन अग्रिम राशि (ब्याज सहित)		-
क) वाहन ऋण	-	-
ख) गृह ऋण	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट)	24,44,442.00	24,44,442.00
घ) कम्प्यूटर के लिए अग्रिम राशि	1,15,003.00	2,75,027.00
अग्रिम राशि तथा नकद अथवा वस्तु के रूप में अथवा जिसका मूल्य प्राप्त होने वाला हो–		
क) पूंजीगत खाते	-	-
ख) आपूर्तिकर्ता	-	-
ग) अन्य i) के.लो.नि.वि.	4,99,55,726.00	4,78,43,719.00
ii) आईयूसी से प्राप्य	-	2,295.00
iii) भा.पु.सर्वेक्षण से प्राप्य	6,73,916.00	6,73,916.00
iv) जीएसटी, टीडीएस से प्राप्य	1,26,067.00	-
v) मैस से प्राप्य	2,77,137.00	2,27,144.00
vi) अतिथि गृह से प्राप्य	30,100.00	29,400.00
vii) टिकट बूथ से प्राप्य	1,06,219.00	1,05,529.00
viii) प्रबंधक भा.स्टेट बैंक	1,20,167.00	3,64,860.00
ix) फर्नीचर से प्राप्य	9,309.00	-
x) जियो से प्राप्य	31,428.00	-
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) अन्य व्यय (पूर्व भुगतान किये गए ई–जर्नल)	19,81,639.00	11,95,661.00
ग) पूर्व चुकता बीमा	48,474.00	-
5. जमा		
क) दूरभाष	36,200.00	36,200.00

ख) विविध अग्रिम पेशगी	-	10,000.00
ग) टीडीएस	93,000.00	60,000.00
घ) टिकट बूथ अग्रिम पेशगी	-	-
ङ) अतिथि	2,400.00	2,400.00
च) विनीत गैस एजेंसी के पास प्रतिभूति	19,000.00	19,000.00
छ) नगर निगम के पास प्रतिभूति	980.00	980.00
ज) ईंधन के लिए जमा	1,00,000.00	1,00,000.00
झ) अन्य	4,633.00	4,633.00
ञ) आईयूसी अग्रिम	3,09,791.00	-
ट) वसूली योग्य टीडीएस	95,237.00	95,237.00
ठ) प्रकाशनाधीन पुस्तकें	44,098.00	47,228.00
ड) अग्रिम कर (वसूली योग्य)	10,00,000.00	10,00,000.00
ढ़) वसूली योग्य आयकर	95,896.00	65,920.00
ण) टिकट बूथ से विविध अग्रिम	100.00	100.00
मैस से वसूली योग्य	-	-
6. उपार्जित आय	-	-
क) निश्चित/चंदा निधियों से निवेश पर	-	-
ख) अन्य निवेश पर	-	-
ग) ऋण तथा अग्रिम राशियों पर	-	-
घ) अन्य (अप्राप्त देय आय)	-	-
7. अन्य– यूजीसी एवं प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्ति योग्य	-	-
क) प्रायोजित परियोजनाओं में जमा शेष	-	-
ख) अध्येतावृति तथा छात्रवृति में जमा शेष	-	-
ग) भारत सरकार से वसूली योग्य अनुदान	-	-
घ) यूजीसी से अन्य प्राप्य	-	-
8. दावे प्राप्ति योग्य (एनडीएल अनुदान से)		
कुल	**5,77,77,840.00**	**5,46,60,122.00**

टिप्पणी– यदि चलायमान निधि को कर्मचारियों को गृह निर्माण, कम्प्यूटर तथा वाहन की खरीद हेतु अग्रिम धन के तौर पर दिया गया हो तो उक्त अग्रिम राशि निशिचित/चंदा के रूप में होगी। इस ब्याजयुक्त अग्रिम राशि का बकाया इस सूची में नहीं दर्शाया गया

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–9, अकादमिक प्राप्तियां

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
छात्रों से फीस		
अकादमिक		
1. ट्यूशन फीस	-	-
2. प्रवेश शुल्क	-	-
3. नामांकन शुल्क	-	-
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	-	-
5. प्रयोगशाला शुल्क	-	-
6. आर्ट एंड क्राफ्ट शुल्क	-	-
7. पंजीकरण शुल्क	-	-
8. पाठ्यक्रम शुल्क	-	-
कुल (क)	-	-
परीक्षा		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क	-	-
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	-	-
3. मार्क शीट, प्रमाण पत्र शुल्क	-	-
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	-	-
कुल (ख)	-	-
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	-	-
2. जुर्माना/विविध शुल्क	-	-
3. चिकित्सा शुल्क	-	-
4. परिवहन शुल्क	-	-
5. छात्रावास शुल्क	-	-
कुल (ग)	-	-
प्रकाशनों की बिक्री		
1. एडमिशन फॉर्मों की बिक्री	-	-
2. सिलेबस और प्रश्न पत्र, आदि की बिक्री	-	-
3. प्रोस्पेक्टस प्रवेश फॉर्मों की बिक्री	-	-
कुल (घ)	-	-

अन्य अकादमिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों का पंजीकरण शुल्क		-
2. पंजीकरण शुल्क (अकादमिक स्टाफ कॉलेज)		-
कुल (ङ)	-	-
समग्र योग (क+ख+ग+घ+ङ)	-	-

टिप्पणी–प्रवेश शुल्क सदस्यता शुल्क आदि सामग्री रहे हैं और पूंजीगत प्राप्तियों की प्रकृति मे होते हैं, ऐसी राशि पूंजीगत निधि के रूप में मानी जानी चाहिए। अन्यथा इस तरह की फीस उचित रूप से इस सूची में शामिल की जाएगी।

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची –10, अनुदान/रियायत (अचल अनुदान प्राप्ति)

राशि (रु./पै. में)

विवरण	सामान्य/पूंजी/वेतन		गैर योजना	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
	भारत सरकार	विशिष्ट योजनाएँ आईसी4एचडी	आईयूसी		
				कुल	कुल
अथशेश अग्रानीत	5,54,12,370.63	25,27,82,378.00	-	30,81,94,748.63	26,07,77,066.11
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां	22,51,70,000.00	-	22,87,074.51	22,74,57,074.51	21,26,66,000.00
सहायता अनुदान पर उपार्जित ब्याज	25,43,612.00	17,92,995.00	33,319.00	43,69,926.00	95,78,964.00
पूर्व अवधि प्रविष्टि सुधार	-	-	-	-	4,14,07,297.00
कुल	**28,31,25,982.63**	**25,45,75,373.00**	**23,20,393.51**	**54,00,21,749.14**	**52,44,29,327.11**
न्यूनतर–यूजीसी/भा.स. से वापिसी		25,27,82,378.00	-	25,27,82,378.00	-
बकाया	**28,31,25,982.63**	**17,92,995.00**	**23,20,393.51**	**23,20,393.51**	**52,44,29,327.11**
न्यूनतर–पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	8,33,560.00	-	-	8,33,560.00	5,33,377.00
बकाया	**28,22,92,422.63**	**17,92,995.00**	**23,20,393.51**	**23,20,393.51**	**52,38,95,950.11**
न्यूनतर– राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	18,28,29,211.44	-	20,62,972.00	18,48,92,183.44	21,57,01,201.48
बकाया अग्रानीत (ग)	**9,94,63,211.19**	**17,92,995.00**	**2,57,421.51**	**10,15,13,627.70**	**30,81,94,748.63**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–11, निवेश से आय

राशि (रु./पै. में)

	निश्चित / चंदा निधि		अन्य निवेश	
विवरण	**चालू वर्ष** 2021–22	**विगत वर्ष** 2020–21	**चालू वर्ष** 2021–22	**विगत वर्ष** 2020–21
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख. अन्य बॉण्ड/ऋणपत्र	-	-	-	-
2. मियादी जमा पर ब्याज	-	-	-	-
उपार्जित आय मगर कर्मचारियों की अग्रिम राशि की मियादी जमा ब्याज पर नहीं	-	-	-	-
4. बैंक बचत खाते पर ब्याज	-	-	-	-
5. अन्य (विनिर्दिष्ट)	-	-	-	-
कुल	0.00	0.00	0.00	0.00
निश्चित/दान निधि में हस्तांतरण				
शेष	-	-		

टिप्पणी– भवन निर्माण के लिए अग्रिम निधि, जमा मियादी निधि, सुविधा अग्रिम निधि और कम्प्यूटर अग्रिम निधि से उपार्जित ब्याज नहीं अपितु कर्मचारियों को मिलने वाली अग्रिम धनराशि के ब्याज (मद–3) भी यहाँ शामिल किए जाएंगे, जहाँ केवल ऐसी अग्रिम निधियों के लिए परिक्रामी निधि निर्धारित की गई है।

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–12, उपार्जित ब्याज

राशि (रु./पै. में)

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खाता पर	-	-
2 ऋण पर	-	-
क. कर्मचारी/स्टाफ	-	-
ख. अन्य (एफडीआर)	-	-
3. कर्जदारों तथा अन्य प्राप्तियों से	-	-
कुल		

टिप्पणी–कृप्या अनुसूची–10 का संदर्भ ग्रहण करें।

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–13, अन्य आय

राशि (रु./पै. में)

विविध आय में सम्मिलित पदार्थों की राशि में मदें अलग से विनिर्दिष्ट होनी चाहिए।		
	चालू वर्ष 2021–22	**विगत वर्ष** 2020–21
क. भूमि और भवनों से आय		
1. छात्रावास कक्ष का किराया	-	-
2. लाईसेंस शुल्क	-	-
3. सभागार/खेल का मैदान/सुविधा केन्द्र आदि से प्राप्त किराया	-	-
4. बिजली प्रभार की वसूली	-	-
कुल	-	
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री '	4,86,841.45	1,70,278.74
ग. आयोजनों से प्राप्त आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से सकल प्राप्ति	-	-
न्यूनतरः वार्षिक समारोह/खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर प्रत्यक्ष व्यय	-	-
2. त्योहारों से सकल प्राप्ति	-	-
न्यूनतरः त्योहारों के आयोजनों पर प्रत्यक्ष व्यय	-	-
3. शैक्षणिक दौरों से प्राप्त सकल प्राप्ति	-	-
न्यूनतरः शैक्षणिक दौरों प्रत्यक्ष व्यय	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट तथा पृथक दर्शाने योग्य)	-	-
कुल	**4,86,841.45**	**1,70,278.74**
घ. अन्य		
1. परामर्श आय		
2. सूचना के अधिकार से शुल्क	-	-
3. रॉयल्टी से प्राप्त आय	-	-
4. आवेदन पत्रों की बिक्री (भर्ती)	-	-
5. अन्य प्राप्तियां (टैण्डर फार्म, रद्दी आदि की बिक्री)	-	-
6. बिक्री से लाभ/परिसम्पतियों का निपटान	-	-
क) स्वाधिकृत परिसम्पतियां	-	-
ख) निःशुल्क प्राप्त परिसम्पतियां	-	-
7. संस्थानों, कल्याणकारी निकायों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-	-

8 अन्य (निर्दिष्ट)		
अन्य निर्दिष्ट सुविधा प्रसार का किराया	-	7,700.00
अतिथि गृह	5,65,444.00	2,16,021.00
वाहन का निजी प्रयोग	-	-
पौधों की बिक्री	27,590.00	17,255.00
पुस्तकालय सदस्यता	28,210.00	14,800.00
अप्रयोगिक वस्तुओं की बिक्री	-	-
आवेदन शुल्क	-	-
विविध आय	3,450.00	8,680.00
टिकट बूथ से प्राप्त शुद्ध आय	59,79,913.36	(4,40,786.65)
कुल अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
कुल अन्य (8)	66,04,607.36	(1,76,330.65)
समग्र योग (क + ख + ग + घ)	**70,91,448.81**	**(6,051.91)**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–14, पूर्व कालिक आय

राशि (रु./पै. में)

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
1. अकादमिक प्राप्तियां	-	-
2. निवेश से आय	-	-
3. उपार्जित ब्याज	-	-
4. अन्य आय/समायोजन	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची–15, स्टाफ का वेतन तथा लाभ (व्यवस्थापन व्यय)

राशि (रु./पै. में)

शिक्षक और गैर–शिक्षक एवं तदर्थ कर्मचारियों का पृथक वर्गीकरण होगा। महंगाई भत्ते की वेतन वृद्धि की बकाया राशि को पृथक दर्शाया जाएगा।

	चालू वर्ष 2020–21	विगत वर्ष 2019–20
क. वेतन एवं मजदूरी	7,16,39,942.00	7,23,85,534.81
ख. भत्ते तथा बोनस	-	-
ग. भविष्य निधि/नई पेंशन योजना में योगदान	20,87,234.00	14,28,872.00
घ. अन्य निधि (विशिष्ट) पेंशन निधि में योगदान	-	-
ङ. कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-
च. सेवानिवृति तथा सेवानिवृति लाभ	1,53,80,893.00	48,11,896.25
छ. एलटीसी सुविधा	2,04,936.00	2,30,125.00
ज. चिकित्सा सुविधा	3,87,774.00	4,92,280.00
झ. बच्चों का शैक्षणिक भत्ता	7,83,000.00	8,91,000.00
ञ. मानदेय	3,88,662.00	1,08,500.00
ट. अन्य (विशिष्ट) पेंशन	3,17,06,466.00	3,06,99,433.00
ठ. वर्दी	1,40,000.00	1,50,000.00
ड. आतिथ्य	5,99,766.00	1,84,706.00
कुल	**12,33,18,673.00**	**11,13,82,347.06**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–15 क, कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति एवं सेवा निवृत्ति लाभ

राशि (रु./पै. में)

	पैन्शन	ग्रेच्यूटी	अवकाश नकदीकरण	कुल
अथशेष				
जमा : अन्य संगठनों से प्राप्त योगदानों का पूंजी मूल्य	-	-	-	-
कुल (क)				
न्यूनतरः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	-		-	
दिनांक 31.3. को उपलब्ध बकाया शेष (क–ख)	-	-	-	
दिनांक 31.3. को बीमाकिक मूल्यांकन (घ) के अनुसार आपेक्षित प्रावधान	-	-	-	
क. चालू वर्ष के दौरान प्रावधान (घ–ग)	-	-	-	
ख. नई पेन्शन में योगदान	-	-	-	
ग. सेवा निवृत कर्मचारियों को चिकित्सा खर्च की अदायगी	-	-	-	
घ. सेवानिवृति पर होमटाउन का भुगतान	-	-	-	
ङ. संबंद्ध बीमा भुगतान जमा	-	-	-	
कुल (क+ख+ग+घ+ङ.)				

टिप्पणी

1. इस उप सूची में कुल (क+ख+ग+घ+ङ) अनुसूची 15 में सेवानिवृति तथा सेवानिवृति लाभ के अंतर्गत है।
2. ख, ग, घ तथा ङ मदों की गणना उपचय आधार पर की गई है तथा इसमें वरीयता प्राप्त बिलों को सम्मिलित किया गया है मगर 31.3. को उनका भुगतान शेष है।

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–16, अकादमिक व्यय

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
क. प्रयोगशाला व्यय	-	-
ख. फील्ड संबंधी कार्य/सम्मेलनों में प्रतिभागिता		
ग. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं पर व्यय	9,65,231.00	3,39,768.00
घ. आगंतुक संकाय को भुगतान	39,063.00	29,725.00
ङ. परीक्षा	-	-
च. छात्र कल्याण व्यय	-	-
छ. प्रवेश व्यय	-	-
ज. दीक्षांत समारोह व्यय	-	-
झ. प्रकाशन	6,32,628.00	3,07,355.00
ञ. वजीफा/संसाधन व योग्यता छात्रवृति	-	-
ट. अंशदान व्यय	-	-
i) अन्य (विशिष्ट) अध्येताओं को अध्येतावृति	1,28,16,475.00	3,14,28,036.00
ii) अध्येताओं को राष्ट्रीय अध्येतावृति	-	-
कुल	**1,44,53,397.00**	**3,21,04,884.00**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–17, प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि (रु./पै. में)

	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
1. अवसंरचना		
क. विद्युत एवं ऊर्जा	34,19,882.00	33,49,248.00
ख. जल प्रभार	47,857.00	(66,146.00)
ग. बीमा	-	23,591.00
घ. किराया, किराया तथा कर (सम्पति कर सहित)	96,628.00	10,31,920.00
2. संचार		
ङ. डाक व लेखन सामग्री	9,916.00	47,949.00
च. दूरभाष, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	2,14,815.00	2,20,673.00
3. अन्य		
छ. मुद्रण एवं लेखन (उपभोग)	5,12,001.00	5,60,130.00
ज. यात्रा एवं यातायात सुविधा व्यय	14,94,188.00	8,64,724.00
झ. आतिथ्य		
ञ. लेखा परीक्षक मानदेय	6,00,785.00	80,405.00
ट. व्यावसायिक प्रभार	5,78,980.00	2,69,565.00
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार	7,57,516.00	2,50,856.00
ड. पत्रिकाएं एवं जर्नल	10,55,892.00	4,95,624.00
ढ. ई–संसाधन अभिदान	8,23,660.00	14,21,785.00
ण. अन्य (विशिष्ट) दवाइयां	3,52,940.86	3,66,802.92
प. विविध व्यय	1,29,009.00	29,000.00
फ. पुस्तकों का प्रकाशन	20,62,972.00	-
कुल	**1,21,57,041.86**	**89,46,126.92**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–18, यातायात संबंधी व्यय

राशि (रु./पै. में)

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
वाहन (संस्थान द्वारा खरीदे गए)	-	-
क. चालू व्यय	3,85,179.00	97,085.00
ख. मरम्मत एवं रखरखाव	1,36,721.00	19,813.00
ग. बीमा व्यय	13,398.00	-
2 किराये/पटटे पर लिए गए वाहन	-	-
क. किराये/पट्टे का व्यय	-	-
3 वाहन/टैक्सी किराया	-	-
कुल	**5,35,298.00**	**1,16,898.00**

अनुसूची–19, मरम्मत एवं रखरखाव

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
क. भवन	1,42,46,822.00	3,75,89,970.00
ख. फर्नीचर एवं स्थिर वस्तुएं	-	-
ग. संयंत्र एवं मशीनरी	-	-
घ. कार्यालयी उपकरण	4,11,377.00	1,46,268.00
ङ. कम्प्यूटर	-	-
च. प्रयोगशाला तथा वैज्ञानिक उपकरण	-	-
छ. श्रव्य–दृश्य उपकरण	-	-
ज. सफाई संबंधी सामान तथा सेवाएं	-	-
झ. पुस्तक जिल्दबंदी शुल्क	-	-
ञ. बागवानी	3,81,391.00	95,419.00
ट. सम्पदा का रखरखाव	-	-
ठ. अन्य (विशिष्ट) उपभोग्य भण्डार	7,64,890.08	5,84,711.00
ड) अन्य मरम्मत तथा रखरखाव पूंजी	1,46,91,683.00	2,00,13,000.00
ढ़) स्थिर परिसम्पतियां बट्टे में	-	37,21,351.00
ण) स्थिर परिसम्पतियां बट्टे में (परिसम्पतियों की बिक्री पर हानि)	3,04,96,163.08	6,21,50,719.00
कुल	**6,21,50,719.00**	**7,16,06,321.50**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

अनुसूची–20, वित्तीय व्यय

राशि (रु./पै. में)

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
क) बैंक प्रभार	637.50	988.50
ख) भा.स. के ब्याज की वापसी	6,71,774.00	8,77,583.00
कुल	**6,72,411.50**	**8,78,571.50**

अनुसूची–21, अन्य व्यय

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
क. डूबी तथा संदिग्ध रकम/अग्रिम राशि का प्रावधान	-	-
ख. वसूल न होने बकाया बट्टे में डाली गई रकम	-	-
ग. अनुदान/अन्य संस्थानों/संगठनों को रियायत	-	-
घ. अन्य (विशिष्ट)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची–22, पूर्वावधिक व्यय

विवरण	चालू वर्ष 2021–22	विगत वर्ष 2020–21
	योजना	कुल
1 सेवा निवृति लाभ	-	-
2 अकादमिक व्यय	-	-
3 प्रशासनिक व्यय	-	-
4 यातायात व्यय	-	-
5 मरम्मत एवं रखरखाव	27,61,881.00	-
6 अन्य व्यय	4,97,318.00	1,21,655.00
कुल	**32,59,199.00**	**1,21,655.00**

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

31.03.2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष की प्राप्तियों एवं भुगतान के लेखे

राशि (रु./पै. में)

	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष		व्यय	चालू वर्ष	विगत वर्ष
(1)	अथशेष			(1)	क) स्थापना व्यय	10,61,20,405.44	11,83,85,466.00
	क) नकद शेष	-	-		ख) शैक्षणिक व्यय	45,61,646.00	31,10,844.00
	ख) बैंक बकाया				ग) प्रशासनिक व्यय	3,26,78,516.00	2,68,49,152.00
	1) चालू खातों में				घ) परिवहन व्यय	4,13,513.00	1,00,645.00
	2) बचत खाते	10,26,95,571.78	4,17,27,940.23		ङ) मरम्मत और रखरखाव	3,42,03,901.00	50,83,498.00
	3) बैंक में सावधि जमा	27,24,50,025.00	26,60,64,980.00		च) पूर्व अवधि व्यय/बैंक प्रभार	637.50	988.50
(2)	प्राप्त अनुदान			(2)	नर्धारित/चंदा निधियों की एवज में भुगतान	-	59.00
	क) भारत सरकार से						
	1) पूंजीगत अनुदान	-	-	(3)	अन्य से वसूली योग्य		
	2) राजस्व अनुदान	22,51,70,000.00	21,26,66,000.00	(4)	प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	23,62,699.00	
	ख) आईयूसी बैंक खाता	22,16,737.51		(5)	निवेश और जमा (क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों से (ख) स्वयं की निधियों से (निवेश–अन्य)		
	ग) अन्य स्रोतों से (आईसी4एचडी की बैंक में एफडीआर पर ब्याज)	42,95,361.00	89,07,190.00	(6)	अनुसूचित बैंकों में सावधि जमाओं का नवीनीकरण किया गया		
	घ) भारत सरकार से वसूली योग्य सहायता अनुदान			(7)	देय व्यय	29,38,738.00	34,48,008.00
(3)	अकादमिक प्राप्तियां			(8)	बैंक से वसूली योग्य	-	-

(4)	निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों के विरुद्ध प्राप्तियां	-	-	(9)	टिकट बूथ खर्च	34,14,404.54	33,51,091.50
(5)	आईसी4एचडी से प्राप्तिया						
				(10)	क) अचल संपत्ति		
(6)	प्रायोजित अध्येतावृति और छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियाँ				1) सहायता अनुदान से	7,12,393.00	5,33,377.00
(7)	निवेश से आय)	40,818.00	1,34,144.00		2) अपने स्रोतों से	-	-
(8)	क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि				ख) कार्यशील पूंजी से		
	ख) अन्य निवेश			(11)	वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	25,27,82,378.00	-
	उपार्जित ब्याज	-	-	(12)	जीआईए अनुदान की वापसी	6,71,774.00	8,77,583.00
	क) बैंक जमा	3,25,117.00	6,71,774.00	(13)	अग्रिम और निकासी		
(9)	निवेश	-	-		क) स्टाफ	6,75,341.00	1,70,000.00
(10)	अनुसूचित बैंकों में परिपक्व सावधि जमा	-	-		ख्स) अन्य		-
	अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)			(14)	अंतशेष		
(11)	जमा और अग्रिम	1,13,92,642.03	32,49,963.55		क) नकद	-	-
(12)	निवेश	-	8,36,284.00		ख) बैंक बकाया	-	
					चालू खाते में		
(13)	विविध प्राप्तियां	6,11,088.00	72,132.00		बचत खातों में	4,57,56,233.84	10,26,95,571.78
(14)	अन्य प्राप्तियाँ	4,22,808.00	27,25,901.00		बैंक में सावधि जमा	13,23,27,588.00	27,24,50,025.00
	कुल रु.	**61,96,20,168.32**	**53,70,56,308.78**		**कुल रु.**	**61,96,20,168.32**	**53,70,56,308.78**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

दिनांक 31.03.2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखाओं की लेखा नीतियां तथा टिप्पणियां

लेखा नीतियां (टिप्पणी 23)

(क) लेखा अवधारणाएं

वित्तीय विवरण सामान्यतः परम्परागत लागत रीति के अनुसार भारत में प्रचलित लेखा सिद्धांतों के आधार पर तैयार किये गये हैं।

सोसाइटी सामान्यतः लेखा प्रणाली की उपचय पद्धति का अनुसरण करती है तथा संभूति के आधार पर आय और व्यय की महत्त्वपूर्ण मदों की पहचान करती है।

(ख) राजस्व मान्यता

1. निवेश पर ब्याज से होने वाली आय को संभूति के आधार पर हिसाब में लिया जाता है।
2. गृह निर्माण, वाहनों और कंप्यूटरों की खरीद के लिए कर्मचारियों को दी जाने वाली अग्रिम राशियों पर प्राप्त ब्याज को हर साल संभूति के आधार पर हिसाब में लिया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण पुनर्भुगतान के बाद शुरू होती है।
3. प्रकाशन की बिक्री, पौधों की बिक्री और स्मारिका वस्तुओं को बिक्री को शुद्ध रिटर्न बिक्री और छूट/रियायत के हिसाब में लिया जाता है, यदि कोई हो।
4. सरकारी अनुदानों का लेखा–जोखा – सरकारी अनुदानों का हिसाब वसूली के आधार पर लगाया जाता है। हालांकि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की स्वीकृति 31 मार्च से पहले प्राप्त हो जाती है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान को संभूति आधार पर हिसाब में लिया जाता है और उतनी ही राशि अनुदानकर्ता से वसूली योग्य के रूप में दिखाई जाती है।

पूंजीगत व्यय (उपार्जन के आधार पर) के लिए उपयोग की जाने वाली सीमा तक सरकारी अनुदान को कॉर्पस/कैपिटल फंड में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

राजस्व व्यय (उपार्जन आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को उस वर्ष की आय के रूप में उपयोग की जाने वाली सीमा तक माना जाता है जिसमें उन्हें प्राप्त किया जाता है।

अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों में से भुगतान किए गए अग्रिमों सहित) को आगे बढ़ाया जाता है और तुलन पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

सरकारी अनुदान/गैर–सरकारी अनुदान को अनुदान के उपयोग/अधिदेश के आधार पर राजस्व/पूंजीगत अनुदान के रूप में माना जाता है।

अचल सम्पत्ति

1. सोसाइटी की अचल संपत्ति ऐतिहासिक लागत पर बताई गई है और इसमें सभी आकस्मिक खर्च शामिल हैं। तुलन पत्र में दिखाई देने वाली अचल संपत्ति में मूल्यह्रास कम है।

2. जिस भूमि और भवन में संस्थान चलायमान है, वह भारत सरकार द्वारा संस्थान को उपहार में दिया गया है। हालांकि, राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार भूमि और भवन का स्वामित्व के.लो.नि.वि. के पास है। इसलिए बही–खातों में इसका वित्तीय मूल्य नहीं दर्शाया जाता।

3. पूंजीगत सहायता अनुदान से खरीदी गई अचल संपत्तियों को अचल संपत्तियों में वृद्धि के रूप में दिखाया गया है।

(ग) **मूल्य ह्रास**

1. विगत वर्ष की लेखा नीतियों के अनुसार संस्थान द्वारा दिनांक 31.3.2014 तक अचल संम्पत्ति पर कोई मूल्यह्रास नहीं दर्शाया गया है। हलांकि दिनांक 01.4.2014के बाद अचल परिसम्पत्तियों की अधिक्य पर केन्द्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए निर्धारित वित्तीय विवरण के प्रपत्र में निहित दरों के अनुरूप मूल्यह्रास दर्शाया गया है।

2. चूंकि पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि और भवन को लेखा पुस्तकों में शामिल नहीं किया गया है, इस पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

3. वित्तीय वर्ष 2020–21 तक अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास लिखित डाउन वैल्यू पद्धति पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरण के प्रारूप के तहत निर्धारित दरों पर लगाया गया है। मूल्यह्रास की पद्धति को वर्ष 2021–22 से सीधी रेखा पद्धति के रूप में बदल दिया गया है और मूल्यह्रास को शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित वित्तीय विवरण के प्रारूप के तहत निर्धारित दरों पर लगाया जाता है।

4. संपत्ति, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य 2000/–रुपए या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर) उसे लघु मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है, वर्ष के अंत में ऐसी संपत्ति के संबंध में 100 प्रतिशत मूल्यह्रास प्रदान किया गया है, जिसे एक वर्ष के लिए उपयोगी माना गया और प्रति संपत्ति ह्रासित मूल्य 1/–रुपया है।

5. वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

6. अनुदान सहायता से अचल अर्जित की स्थिति में मूल्यह्रास को पूंजीगत अनुदान सहायत में हस्तांतरित कर दिया गया है।

(घ) **मूल्य निर्धारण/वस्तु सूची की पद्धति**–प्रकाशनों (पुस्तकों), स्मृति चिन्ह उपभोग्य वस्तुएं, दवाओं का मूल्यांकन लागत या शुद्ध विश्वसनीय मूल्य के आधार पर किया गया है, जो भी कम हो।

(ङ) **निवेशों का मूल्यांकन**–निवेश का मूल्यांकन लागत जमा ब्याज पर किया जाता है।

(च) **सेवानिवृत्ति लाभ**– संस्थान के प्रशासन विभाग द्वारा प्रदान की गई गणना शीट के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण प्रदान किया जाता है। संस्थान के कर्मचारियों के पिछले नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्युटी का पूंजीकृत मूल्य, जिन्हें संस्थान में समाहित किया गया है, संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया जाता है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त पेंशन अंशदान को भी पेंशन खाते के प्रावधान में जमा किया जाता है। पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के वास्तविक भुगतान खातों में संबंधित प्रावधानों के अनुसार जमा किए जाते हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जैसे– डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस, नई पेंशन योजना में

योगदान, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति और सेवानिवृत्ति पर होम टाउन की यात्रा को संभूति आधार पर (वास्तविक भुगतान और वर्ष के अंत में बकाया बिल) हिसाब में लिया जाता है। कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के समय नियमित कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है। चूंकि सेवानिवृत्ति लाभों की गारंटी केंद्र सरकार द्वारा दी जाती है और बजट केंद्र सरकार द्वारा जारी किया जाता है। इसलिए तुलन पत्र में दिखाया गया प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार नहीं है। वर्ष के दौरान एनपीएस के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी का प्रावधान 12,02,271/– रुपये और अवकाश नकदीकरण का प्रावधान 1,11,924/– रुपये है।

(छ) **निर्धारित/चंदा निधि**– चंदा निधि वह धन है जो पिछले वर्षों में विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों और अन्य संगठनों से प्राप्त होता है। प्रत्येक चंदा कोष के बचत खाते से प्राप्त ब्याज को कोष में जोड़ा जाता है।

(ज) **विदेशी मुद्रा लेनदेन**– वर्ष के दौरान कोई विदेशी मुद्रा लेनदेन नहीं हुआ है।

(झ) आयकर का प्रावधान; वर्ष के दौरान सोसाइटी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12 एए के तहत पंजीकृत हो गया है; लिहाजा वर्ष के दौरान आयकर का प्रावधान नहीं किया गया है।

लेखा रिपोर्ट के बारे में टिप्पणियां 24

1. आकस्मिक देयताएं–दिनांक 31.3.2022 को कोई भी आकस्मिक देयताएं नहीं हैं।
2. लेखे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नए प्रारूप के अंतर्गत तैयार किए गए हैं ताकि समरूप लेखा पद्धति का अनुपालन सुनिश्चित हो सके।
3. सामान्य भविश्य निधि, आईयूसी निधि लेखा तथा मैस निधि के लिए पृथक तुलन पत्र तैयार किया गया है।
4. ग्रेच्यूटी तथा अवकाश नकदीकरण के प्रावधान का विवरण निम्न प्रकार है–

विवरण	**दिनांक 31.3.2022 को**	**दिनांक 31.3.2021 को**
ग्रेच्यूटी का प्रावधान	3,53,33,044.00	3,48,16,217.00
अवकाश नकदीकरण का प्रावधान	2,91,33,791.00	2,56,60,309.00

5. तुलन पत्र में चालू सम्पत्ति के अंतर्गत दर्शायी गई संस्थान के प्रकाशनों की राशि ₹ 52,19,206.35 (दिनांक 31.3.2021 को ₹ 58,79,849.91) सेल्ज़ एवं जन सम्पर्क अधिकारी द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना पर आधारित है। संस्थान के मतानुसार चालू परिसम्पत्तियां, ऋण तथा अग्रिम राशियां आंकित मूल्य के लगभग हैं, यदि प्रयोजन की सामान्य प्रक्रिया के अनुरूप किया गया हो। सभी प्रकार की ज्ञातव्य देनदारियों का प्रावधान पर्याप्त है तथा न्योचित तौर पर आवश्यक राशि से अधिक नहीं है।
6. लेनदारों, देनदारों तथा अन्य खातों में नामे शेष तथा जमा शेष सत्यापन तथा मिलान का विषय हैं।
7. विभिन्न कर्जदारों के पास पड़ी कुल बकाया राशि ₹ 426060.75/- को वसूली के लिए उपयुक्त मानी गई है।
8. पांच वर्षों से अधिक अवधि से ₹ 24,44,442.00 की विविध अग्रिम राशि विगत 5 वर्षों से बकाया है जो वसूली के लिए उपयुक्त मानी गई है।
9. वित्त पोषण एजेंसी यानी यूजीसी की आवश्यकता के अनुसार, आईयूसी निधि का अलग तुलन पत्र तैयार किया गया है। आईयूसी निधि की अचल संपत्ति ₹ 22,24,641/- जिसका स्वामित्व संस्थान के पास है।

10. जहां आवश्यक समझा गया विगत वर्ष के दौरान आँकड़ों को चालू वर्ष के तुल्य बनाने के लिए पुनः तैयार, पुनः वर्गीकृत तथा पुनः व्यवस्थित किया गया है।

11. टिप्पणी संख्या 1 से 24 तक तलुन–पत्र का आंतरिक भाग है तथा उसे पूर्णतः सत्यापित किया गया है

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

मानविकी और सामाजिक विज्ञानों के अन्तर्विश्वविद्यालय केन्द्र (आई.यू.सी.) के लेखे

DOGER & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS

(O) 0177-2656809, 2656162, (M) 98170-73000

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने मानविकी और सामाजिक विज्ञानों के अन्तर्विश्वविद्यालय केन्द्र (आई.यू.सी.) के तुलनपत्र के साथ उसकी प्राप्तियों व भुगतान तथा आय व व्यय का 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष का लेखा परीक्षण किया है तथा संबंधित रिपोर्ट संलग्न कर दी है।

वित्तीय विवरणों के लिए आई.यू.सी. प्रबन्धन जिम्मेवार है। हमारी जिम्मेवारी इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लेखा परीक्षा के पश्चात् अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने भारत के लेखा परीक्षा के मानकों के आधार पर लेखा परीक्षण किया है जो भारत में सामान्यतः स्वीकार्य हैं। इन मानकों के आधार पर हम लेखा परीक्षण करते हैं कि क्या वित्तीय विवरणीय स्पष्ट हैं और किसी प्रकार के गलत विवरणियाँ नहीं हैं। लेखा परीक्षण के आधार पर किया जाता है, तथा वित्तीय विवरणियों में रकमों के सबूत भी लिये जाते हैं। लेखा परीक्षण में लेखा सिद्वान्तों और विस्तृत आंकलन जोकि प्रबन्धन द्वारा तैयार किये जाते हैं उसका भी परीक्षण किया जाता है तथा वित्तीय विवरणियों का मूल्यांकन भी किया जाता है। हमें विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारी राय को व्यक्त करने में मूल आधार होता है।

पूर्ववर्ती टिप्पणियों के आधार पर हम रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं–

1) लेखा परीक्षण के लिए अनिवार्य सभी सूचनायें और स्पश्टीकरण हमने अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के आधार पर प्राप्त कर लिये हैं।

2) हमारे मत तथा जानकारी के अनुसार एवं हमें दिये गये स्पश्टीकरण तथा अनुलग्नक–2 में दिये गये मानकों के आधार पर इन लेखाओं की स्पष्ट स्थिति प्रकट होती हैः–

क) तुलनपत्र में 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के केन्द्र के कार्य कलाप हैं।

ख) आय–व्यय लेखे में उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष में प्राप्त सहायता अनुदान से उपयोग की गई रकम का लेखा–जोखा है।

ग) प्राप्तियों तथा भुगतान के लेखों में उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष का प्राप्तियाँ तथा भुगतान का लेखा–जोखा है।

कृते डोगर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
आईसीएआई नं. 019516एन

शिमला
दिनांक : 20.06.2022

(स.ले. मुनीष कौंडल)
पार्टनर एम. न. 508733
यूडीआइएन : 21508733AAAAEE9598

कार्यालय– प्रथम मंजिल, पंचायत भवन मेन गेट के सामने, बस स्टैंड, शिमला (हि.प्र.)171001
ईमेल आईडी– *dogersachin@gmail.com*

लेखा परीक्षण के साथ अनुलग्नक

विगत वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट की अनुपालना– पिछली लेखापरीक्षा रिपोर्ट का अनुपालन हमें नहीं दिखाया गया है। विगत लेखापरीक्षा रिपोर्ट की टिप्पणियों निम्नानुसार पुनः प्रस्तुत किया गया है–

1. प्रोफेसर आर.एस. मिश्रा से वसूली योग्य 18,475.00 रुपये का अग्रिम 1994–95 से बही–खातों में लंबे समय से बकाया हैं। लेकिन पिछले 25 साल से राशि की वसूली के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसे यथाशीघ्र समायोजित/पुनर्प्राप्त करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

2. डॉ. वी.सी. थॉमस को दिनाँक 20.03.2004 को 1,00,000.00 रुपये का रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया था। इस अग्रिम भुगतान से संबंधित व्यय को लेखापरीक्षा की तिथि तक बही–खातों में दर्ज नहीं किया गया है। 16 साल बीत चुके हैं और बही–खातो में राशि अभी भी बकाया है। इसे यथाशीघ्र समायोजित/पुनर्प्राप्त करने के लिए गंभीर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

3. निदेशक आईसीएआर नई दिल्ली को संगोष्ठी के आयोजन के लिए अकादमिक संसाधन अधिकारी के माध्यम से 15,000.00 रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया था। उपरोक्त अग्रिम में से रू. 10,000.00 की राशि अभी भी बकाया है जिसे लेखापरीक्षा की तारीख तक संबंधित व्यय में दर्ज नहीं किया गया है। इस राशि को समायोजित/पुनर्प्राप्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। तथापि, हमें यह कहना है कि इस राशि का तत्काल समाधान या तो राशि की वसूली के माध्यम से किया जाना चाहिए या वास्तविक व्यय के अनुसार संबंधित व्यय की बुकिंग के माध्यम से किया जाना चाहिए।

4. इसी तरह कुलसचिव, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को संगोष्ठी के आयोजन के लिए अकादमिक संसाधन अधिकारी के माध्यम से दिनाँक 30.03.2007 को 2,75,000.00 रुपये का भुगतान किया गया था। उक्त अग्रिम से 94,884.00 रुपये का व्यय संगोष्ठी के उपरांत दर्ज किया गया जबकि 1,80,116.00 रुपये की राशि अभी भी बकाया है जिसके लिए संस्थान को कोई व्यय विवरण प्राप्त नहीं हुआ है। राशि अंकेक्षण की तिथि तक 13 वर्षों से बकाया है। हमें यह कहना है कि इस राशि के समायोजन/वसूली के लिए शीघ्रातिशीघ्र सख़्त निर्देश दिए जाएं।

कृते डोगर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
आईसीएआई नं. 019516एन

शिमला
दिनांक : 20.06.2022

(स.ले. मुनीष कौंडल)
पार्टनर एम. न. 508733
यूडीआइएन : 21508733AAAAEE9598

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

(तुलन पत्र–31.3.2022)

देनदारियां	राशि (रुपयों में)	कुल (रुपए)	परिसम्पतियाँ	राशि (रुपयों में)	कुल (रुपए)
संपत्ति कोष		14,04,570.00	अचल संपत्तियां (अनुसूची 1 के अनुसार)		14,04,570.00
अथशेष	90,45,226.00		अथशेष	90,45,226.00	
न्यूनतर– पिछले वर्षों का मूल्यह्रास	73,44,015.00		अल्प संचित मूल्यह्रास	76,40,656.00	
न्यूनतर– मूल्यह्रास चालू वर्ष	2,96,641.00				
चालू देनदारियां		3,47,148.51	वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम		3,47,148.51
सहायता में अव्ययित अनुदान	2,57,421.51		भा.स्टेट बैंक बचत खाता सं. 10116686391	37,357.51	
देय वेतन/मजदूरी	79,949.00		ऋण और अग्रिम (संपत्ति)	3,09,791.00	
देय लेखापरीक्षा शुल्क	9,778.00				
कुल		17,51,718.51	कुल	17,51,718.51	
कुल (रुपए)		**1,17,21,754.51**	**कुल (रुपए)**		**1,17,21,754.51**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

आज दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार'
कृते डोगर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
आईसीएआई एफआरएन 019516एन

स्थान : शिमला
दिनांक : 20.06.2022

मुनीष कौंडल, सनदी लेखाकार
आईसीएआई नं. 019516एन
पार्टनर एम. न. 508733
यूडीआइएन : 21508733AAAAEE9598

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए स्थिर परिसम्पत्तियों की अनुसूची

क्रमांक	वस्तु	दिनांक 1.4.2021 को अथशेष	वर्ष के दौरान जोड	वर्ष के दौरान हटाना	दिनांक 31.03. 2022 को अंतशेष	अथशेष मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास	दिनांक 31.03.2022 को अंतशेष	दिनांक 31.03.2021 को अंतशेष
1	कम्प्यूटर	2122715.00	0.00	0.00	2122715.00	1836314.00	71598.00	1907912.00	214803.00	286401.00
2	विद्युत उपकरण	2075698.00	0.00	0.00	2075698.00	943053.00	116638.00	1059691.00	1016007.00	1132645.00
3	फर्नीचर और जुड़नार	1444317.00	0.00	0.00	1444317.00	1181830.00	88738.00	1270568.00	173749.00	262487.00
4	पुस्तकालय व पुस्तकें	2809649.00	0.00	0.00	2809649.00	2809641.00	0.00	2809641.00	8.00	8.00
5	नया वाहन	592847.00	0.00	0.00	592847.00	573177.00	19667.00	592844.00	3.00	19670.00
	कुल योग	**9045226.00**	**0.00**	**0.00**	**9045226.00**	**7344015.00**	**296641.00**	**7640656.00**	**1404570.00**	**1701211.00**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

दिनांक 31.3.2022 को मानविकी व सामाजिक विज्ञानों के लिए अन्तर–विश्वविद्यालय केन्द्र का आय–व्यय लेखा

व्यय	राशि (रूपये में)	आय	राशि (रूपये में)
सामान्य व्यय			
– 121 प्रशासन और डाक, चिकित्सा आदि	4,705.00	– उपार्जित ब्याज	33,319.00
– 145 रखरखाव भत्ता	4,39,425.00		20,29,653.00
– 146 सह–अध्येताओं को यात्रा भत्ता	2,35,495.00	– प्रयुक्त अनुदान सहायता	
– 147 शोध संगोष्ठी/अध्ययन सप्ताह/कार्यशाला	1,50,000.00		
– 150 विविध आकस्मिक व्यय	1,398.00		
– 153 आईयूसी वाहन का रखरखाव	69,189.00		
अनुबंधीय कर्मचारियों को वेतन/मजदूरी/समयोपरि भत्ता	11,62,760.00		
कुल	**20,62,972.00**	**कुल**	**20,62,972.00**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

आज दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार'
कृते डोगर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
आईसीएआई एफआरएन 019516एन

स्थान : शिमला
दिनांक : 20.06.2022

मुनीष कौंडल, सनदी लेखाकार
आईसीएआई नं. 019516एन
पार्टनर एम. न. 508733
यूडीआइएन : 21508733AAAAEE9598

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष की प्राप्तियां तथा भुगतान

	प्राप्तियां	राशि द्धरूपये मेंऋ		भुगतान	राशि द्धरूपये मेंऋ
द्वारा	**अथशेष**		नामे	**राजस्व व्यय**	
	– भा.स्टेट बैंक बचत खाता संख्या 10116686391	22,16,737.51		121. प्रशासन और डाक, चिकित्सा आदि	4,705.00
				145. रखरखाव भत्ता	4,39,425.00
द्वारा	राजस्व प्राप्तियां			146. सह–अध्येताओं को यात्रा भत्ता	2,35,495.00
	– प्राप्त ब्याज	33,319.00		147. शोध संगोष्ठी/अध्ययन सप्ताह/कार्यशाला	1,50,000.00
				150 विविध/आकस्मिक व्यय	1,398.00
द्वारा	वसूल किए गए अग्रिम	1,50,000.00		153 आईयूसी वाहन का रखरखाव	69,189.00
				वेतन/मजदूरी समयोपरि भत्ता/अनुबंध कर्मचारी	11,53,699.00
			नामे	अन्य आय	
				भुगतान योग्य व्यय	3,06,493.00
				राहत कोष	2,295.00
				अंतशेष	
				भा.स्टेट बैंक बचत खाता सं. 10116686391	**37,357.51**
	कुल	**24,00,056.51**		**कुल**	**24,00,056.51**

हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)
अनुभाग अधिकारी

हस्ता./–
(प्रेम चन्द)
सचिव

हस्ता./–
(प्रो. नागेश्वर राव)
निदेशक

आज दिनांक तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार'
कृते डोगर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
आईसीएआई एफआरएन 019516एन

स्थान : शिमला
दिनांक : 20.06.2022

मुनीष कौंडल, सनदी लेखाकार
आईसीएआई नं. 019516एन
पार्टनर एम. न. 508733
यूडीआइएन : 21508733AAAAEE9598

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

31 मार्च, 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष की लेखा नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी – वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परिपाटी के तहत अपचय आधार पर तथा आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों एवं भारत में लागू लेखाँकन मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं। वाहन व्यय के बीमा को छोड़कर जिनका लेखा नकद आधार पर किया गया है।

2. अचल परिसंपत्तियां– अचल संपत्ति ऐतिहासिक लागत पर दर्शाई गई है। इस लागत में किसी भी लागत को शामिल किया जाता है जो संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए उसकी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए जिम्मेदार होती है।

3. अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास– संस्थान द्वारा अपनाई गई लेखा नीति के अनुसार, अचल संपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

4. सेवानिवृत्ति लाभ– कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधान को लेखा–बहियों में नहीं लिखा जाता क्योंकि सभी कर्मचारियों को अनुबंधीय आधार पर रखा गया है।

हस्ता./–	हस्ता./–	हस्ता./–
(रजनी ठाकुर)	(प्रेम चन्द)	(प्रो. नागेश्वर राव)
अनुभाग अधिकारी	सचिव	निदेशक

कृते डोगर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
आईसीएआई एफआरएन 019516एन

मुनीष कौंडल, सनदी लेखाकार
आईसीएआई नं. 019516एन
पार्टनर एम. न. 508733
यूडीआइएन : 21508733AAAAEE9598

पुस्तकालय

पिछले कुछ वर्षों में 1,50,000 से अधिक पुस्तकों, 40,000 बाउंड वॉल्यूम, पत्रिकाओं और 335 वर्तमान समाचार पत्रों के लिए सदस्यता के साथ संस्थान के पुस्तकालय में एक समृद्ध संग्रह है। मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं के अलावा, पुस्तकालय के संग्रह में सीडी–रोम, ऑनलाइन डेटाबेस, पांडुलिपियां, दुर्लभ पुस्तकें, माइक्रोफिल्म और प्रतिवेदन आदि सभी प्रकार के दस्तावेज़ शामिल हैं। संस्थान के पुस्तकालय संग्रह को उसके उत्कृष्ट राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के लिए पहचाना जाता है। भारतीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रलेखन केंद्र, नई दिल्ली के तत्कालीन निदेशक श्री बी.एस. केसवन के प्रयास से पुस्तकालय के संग्रह का विकास शुरू हुआ। संस्थान के पुस्तकालय सलाहकार के रूप में, उन्होंने 20 अक्तूबर, 1965 को संस्थान के उद्घाटन अवसर पर पुस्तकालय में दस हजार संस्करण उपलब्ध करवाए। प्रतिष्ठित विद्वानों के निजी संग्रह के अधिग्रहण से पुस्तकालय का संग्रह और समृद्ध हुआ है। ब्रिटिश काउंसिल, एशिया फाउंडेशन, और लीग ऑफ अरब नेशंस जैसे संगठनों ने सैकड़ों दुर्लभ पैम्फलेट और पुस्तकों का उदार उपहार दिया है। बाद में, पुस्तकालय ने दुर्लभ संस्कृत, अरबी और फारसी ग्रंथों और लघु चित्रों वाली पांडुलिपियां प्राप्त कीं। पुस्तकालय में इतिहास, तुलनात्मक धर्म, मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, नृविज्ञान, साहित्य, अर्थशास्त्र और लोक प्रशासन में पुस्तकों का प्रमुख संग्रह है। अपने संग्रह का निर्माण करते समय, सामाजिक विज्ञान और मानविकी में अनुसंधान के व्यापक विषय क्षेत्रों के साथ–साथ अंतःविषय अनुसंधान के अत्यधिक उन्नत क्षेत्रों जैसे चेतना के विज्ञान, मन की कार्यप्रणाली, प्राचीन भारतीय इतिहास के विभिन्न पहलू, संस्कृति और सभ्यता, आधुनिकतावाद के बाद, दर्शन, धर्म, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र से संबंधित सैद्धांतिक और सांस्कृतिक अध्ययन, लिंग और पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक–आर्थिक योजना और विकास, गाँधीवादी अध्ययन आदि के साथ संग्रह के संतुलित विकास को बनाए रखने का सचेत प्रयास किया गया है। पुस्तकालय के मुख्य खंड के अलावा, जिसमें अंग्रेजी भाषा के प्रकाशन शामिल हैं, पुस्तकालय ने निम्नलिखित अलग–अलग खंड विकसित किए हैं–

1. हिंदी भाषा के प्रकाशन
2. संस्कृत ग्रंथ
3. उपरोक्त उल्लिखित के अलावा अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्रकाशन
4. प्रोफेसर आर.सी. मजूमदार संग्रह
5. प्रोफेसर एच.सी. रे चौधरी संग्रह
6. प्रोफेसर हरि शंकर श्रीवास्तव संग्रह
7. उत्कृष्ट कृतियों का विशेष संग्रह जिसमें तिब्बती त्रिपितिका (168 खंड) जैसे प्रकाशन और हार्वर्ड विश्वविद्यालय प्रेस की लोएब शास्त्रीय पुस्तकालय शृंखला के अंतर्गत प्रकाशित, पूर्व की पवित्र पुस्तकें, पश्चिमी दुनिया की श्रेष्ठ पुस्तकें आदि प्रकाशन शामिल हैं।
8. अरबी, फारसी और उर्दू पांडुलिपियों के साथ–साथ मुद्रित प्रकाशन

- **ई–संसाधनों की अभिगम्यता–** पुस्तकालय की मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में ई–संसाधनों की विस्तृत शृंखला तक अभिगम्यता है। ई–शोध सिंधु के एक सदस्य के रूप में, पुस्तकालय की मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में संकाय के तहत सदस्यता है जिससे इसक पास सभी प्रमुख ई–संसाधनों की अभिगम्यता है। इसके अलावा, पुस्तकालय अपने स्वयं के बजट से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं की सदस्यता ग्रहण करता है। सेज, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित सभी ई–पत्रिकाओं के

पुराने अंकों को भी प्राप्त किया है, जिसने पुस्तकालय के मौजूदा संग्रह में और वृद्धि हुई है।

- **पुस्तकालय स्वचालन–** पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित है और पुस्तकों की सूची संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इंटरनेट का उपयोग करके, उपयोगकर्ता कहीं से भी 24x7 घंटे पुस्तकालय सूची को ऐक्सेस कर सकते हैं। पुस्तकालय इनफ्लिबनेट द्वारा डिजाइन और विकसित सोल सॉफ्टवेयर (पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर जिसे महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों की पुस्तकों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है) का उपयोग अपने आंतरिक संचालन के लिए करता है। पुस्तकालय में प्रतिलिपिकरण, इंटर लाइब्रेरी लोन (आईएलएल), तथा दस्तावेज़ वितरण सेवाएँ भी उपलब्ध हैं।

- **संग्रह विकास–** पुस्तकालय ने विभिन्न स्रोतों से नवीनतम पुस्तकें प्राप्त करके अपने संग्रह को समृद्ध करने के लिए एक नीति विकसित की है। विभिन्न प्रतिष्ठित प्रकाशकों की पुस्तक समीक्षाएं और कैटलॉग अध्येताओं को उनके शोध कार्य के लिए आवश्यक पुस्तकों की सिफारिश के लिए परिचालित किए गए थे। पुस्तकालय ने वर्ष 2021–2022 के दौरान 560 नई पुस्तकें खरीदी हैं।

- **प्रसार गतिविधियां–** रिपोर्ट की अवधि के दौरान 1798 उपयोगकर्ताओं (अध्येता, सह–अध्येता, बाहरी सदस्य और सीधे तौर आने वाले उपयोगकर्ता) ने पुस्तकालय से परामर्श किया और 2260 पुस्तकों का संदर्भ लिया।

- **रिमोट एक्सेस सर्विस**– पुस्तकालय द्वारा सदस्यता प्राप्त ई–संसाधनों की दूरस्थ अभिगमन की सेवा प्रदान की जाती है, जिसके तहत उपयोगकर्ताओं को उनके आवास से ई–संसाधनों के अभिगमन की अनुमति मिल जाती है। पुस्तकालय के अधिकृत उपयोगकर्ता परिसर के बाहर से सदस्यता प्राप्त किए गए ई–संसाधनों की अभिगम्यता के लिए अपने प्रत्यय–पत्र का उपयोग कर सकते हैं।

- **साहित्यिक चोरी की जाँच सेवा**– पुस्तकालय अपने पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को साहित्यिक चोरी–जांच सेवा की सुविधा प्रदान करता है। अध्येता अपनी सामग्री की तुलना 'अवर ओरिजिनल' सॉफ्टवेयर, का उपयोग कर सकते हैं। यह सॉफ्टवेयर सामग्री की मौलिकता की जाँच और साहित्यिक चोरी रोकथाम के लिए प्रयोग किया जाता है। *एसएचएसएस* और *समरहिल* जर्नल में प्रस्तुत मोनोग्राफ और लेखों के प्रकाशन से पहले, पुस्तकालय अनुभाग द्वारा सामग्री की समानता जांच के लिए भी इस सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है।

- **दुर्लभ और कॉपीराइट रहित पुस्तकों का अंकरूपण–** पुस्तकालय अनुभाग द्वारा 14000 से अधिक पुस्तकों का डिजिटलीकरण किया है जिसमें संस्थान के मोनोग्राफ, दुर्लभ पुस्तकें और कॉपीराइट से बाह पुस्तकें शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2021–2022 के दौरान पुस्तकालय ने 3985 पुस्तकों का डिजिटलीकरण किया है। डिजीटल सामग्री को खोजने, ब्राउज़ करने और देखने की सुविधा के साथ डिजिटाइज्ड सामग्री को ओपन सोर्स सॉफ्टर (Dspace) पर अपलोड किया गया है। पुस्तकालय ने डीस्पेस, ओपन सोर्स सॉफ़्टवेयर को सफलतापूर्वक अनुकूलित किया है और पीडएफ प्रेक्षक के समरूप बनाया गया है, जो हमें पुस्तकालय की वेबसाइट से कॉपीराइट पुस्तकों की डाउनलोड सुविधा को प्रतिबंधित करने में सक्षम बनाता है। डिजीटल सामग्री को विद्वत समाज द्वारा हमारी वेबसाइट : http:// 14.139.58.199:8080/jspui@ से ऐक्सेस किया जा सकता है।
- **प्रीप्रिंट सर्वर–** मानविकी और सामाजिक विज्ञान डिजिटल सामग्री को समृद्ध करने के लिए, पुस्तकालय ने ओपन प्रीप्रिंट सिस्टम (ओपीएस) शुरू और स्थापित किया है। यह प्री–प्रिंट शोध पत्रों के प्रबंधन और मेज़बानी के लिए एक ओपन–सोर्स प्रीप्रिंट सर्वर है। इसका उपयोग मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रीप्रिंट सामग्री की मेजबानी के लिए किया जा रहा है। वर्तमान में, इसमें संस्थान के अध्येताओं और सह–अध्येताओं द्वारा प्रस्तुत अप्रकाशित शोधपत्र शामिल हैं। लेखों को अपलोड करने, खोजने, देखने और डाउनलोड करने की सुविधा के लिए उपयुक्त ओपन–सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। हमने मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अप्रकाशित शोध पत्रों की मेजबानी की सुविधा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रीप्रिंट सर्वर का विस्तार करने का प्रस्ताव दिया है। कोई भी पाठक, कभी भी और कहीं से भी हमारी वेबसाइट : http://14.139.58.200/ops/inde.php/ips/ पर जाकर प्रीप्रिंट सर्वर का प्रयोग कर सकता है।

प्रकाशन

संस्थान का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान को बढ़ावा देनातथा उसका प्रसार करना है। संस्थान द्वारा अध्येताओं, अतिथि प्राध्यापकों और आयोजित की गई संगोष्ठियों की कार्यवाहियों को पुस्तकों के रूप में प्रकाशित किया जाता है। इन पुस्तकों/पत्रिकाओं का या तो संस्थान स्वयं प्रकाशन करता है या फिर उनका प्रकाशन ओरिएंट ब्लैकस्वान, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, परमानेंट ब्लैक, रूटलेज, राजकमल, सेज़, प्राइमस, स्प्रिंगर और जैसे प्रमुख व्यावसायिक प्रकाशकों के सहयोग से किया जाता है। संस्थान के पास ऐसे 500 से अधिक प्रकाशन हैं जो संस्थान के फायर–स्टेशन कैफे में स्थित बुकशॉप में बिक्री के लिए उपलब्ध रहते हैं। इन प्रकाशनों को अमेजन, फ्लिपकार्ट, तथा बिल्ड बाज़ार जैसे

प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑनलाइन या संस्थान के बिक्री और जनसंपर्क अधिकारी को लिखित अनुरोध के माध्यम से भी खरीदा जा सकता है।

इस अवधि के दौरान संस्थान द्वारा निम्नलिखित पुस्तकें व पत्रिकाएँ प्रकाशित की गईं–

- 'किपलिंग इन इंडिया : इंडिया इन किपलिंग' प्रोफेसर हरीश त्रिवेदी और प्रोफेसर जेनेट मोंटेफियोर द्वारा संपादित (संस्थान तथा रूटलेज, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)।
- 'द हिस्ट्री ऑफ थार डेजर्ट इन्वायरन्मेंट, कल्चर एण्ड सोसाइटी' डॉ. मनीषा चौधरी द्वारा लिखित।
- 'रिलिजन कम्युनिटी एण्ड नेशन : हिन्दू कन्सिसनेश एण्ड नेशनलिज़्म इन कलोनिअल पंजाब' प्रोफेसर के.एल. टुटेजा द्वारा लिखित (संस्थान तथा प्राइमस बुक्स के साथ सह–प्रकाशित)।
- 'लैंग्वेज, लिमिट्स एंड बियॉन्ड अर्ली विट्गेन्स्टाइन एंड रवींद्रनाथ टैगोर' प्रोफेसर प्रियंवदा सरकार द्वारा लिखित (संस्थान तथा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)।
- 'कल्चर, करप्शन एण्ड इन्सर्जेंसी : थ्रेट्स एण्ड क्वेस्ट फॉर सर्वाइवल इन नागालैण्ड' डॉ. पवित्रन नांबियार द्वारा लिखित (संस्थान तथा सेज, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)।
- 'फेडरलिज्म इन इण्डिया' सिंह प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद द्वारा लिखित (संस्थान तथा सेज, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)।
- 'हिंदू सोशल रिफॉर्मस : द फ्रेमवर्क ऑफ ज्योतिराव फुले' प्रोफेसर एस.के. चहल द्वारा लिखित।
- 'नदी पुत्र : उत्तर भारत में निषाद और नदी' डॉ. रमाशंकर सिंह द्वार लिखित (सेतु प्रकाशन, नोएडा के साथ सह–प्रकाशित)।
- 'आधुनिक भारत का ऐतिहासिक यथार्थ संदर्भ : भगवतीचरण वर्मा, यशपाल, अमृतलाल नागर और गुरुदत्त के राजनीतिक उपन्यास' प्रोफेसर हितेंद्र कुमार पटेल द्वारा लिखित (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)।

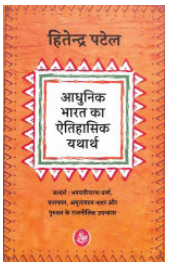

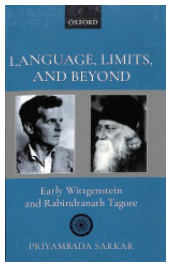

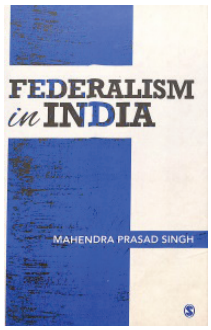

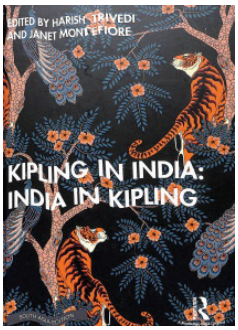

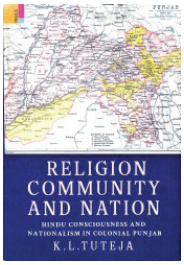

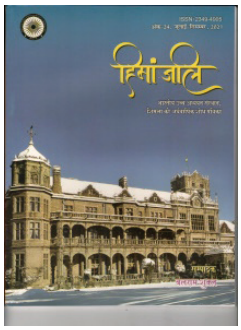

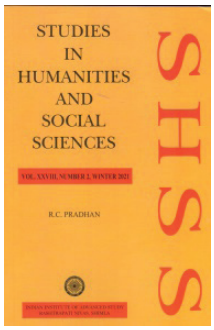

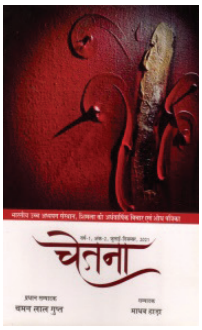

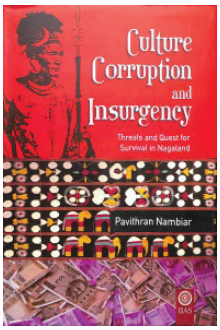

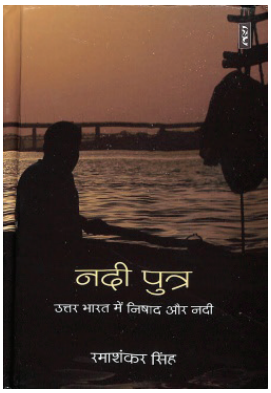

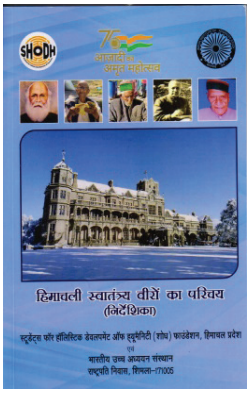

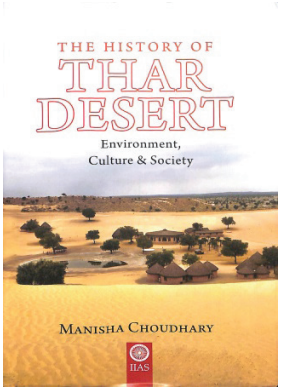

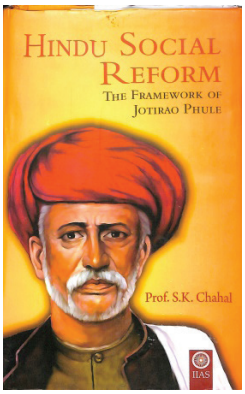

जर्नल

- *समरहिल : आईआईएएस रिव्यू* वॉल्यूम–27, नंबर 1, समर 2021 प्रोफेसर अमिया पी. सेन द्वारा संपादित।
- *समरहिल : आईआईएएस रिव्यू* वॉल्यूम– 27, नंबर 2, विंटर 2021 प्रोफेसर अमिया पी. सेन द्वारा संपादित।
- *स्टडीज इन ह्यूमेनिटीज एण्ड सोशल साइंसिस* वॉल्यूम– 26, नंबर 2, विंटर 2019 प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद सिंह द्वारा संपादित।
- *स्टडीज इन ह्यूमेनिटीज एण्ड सोशल साइंसिस* वॉल्यूम– 27, नंबर 1, समर 2020 प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद सिंह द्वारा संपादित।
- *स्टडीज इन ह्यूमेनिटीज एण्ड सोशल साइंसिस* वॉल्यूम– 27, नंबर 2, विंटर 2020 प्रोफेसर महेंद्र प्रसाद सिंह द्वारा संपादित।
- *स्टडीज इन ह्यूमेनिटीज एण्ड सोशल साइंसिस* वॉल्यूम– 28 नंबर 2, विंटर 2021 प्रोफेसर आर.सी. प्रधान

हिंदी पत्रिकाएँ

- *हिमांजलि* अंक–21, (जनवरी– जून 2020) संपादक–प्रोफेसर माधव हाड़ा एवं डॉ. बलराम शुक्ल (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)।
- *हिमांजलि* अंक–22, (जुलाई– दिसम्बर 2020) संपादक–प्रोफेसर माधव हाड़ा एवं डॉ. बलराम शुक्ल (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)
- *हिमांजलि* अंक–23, (जनवरी– जून 2021) संपादक–प्रोफेसर माधव हाड़ा एवं डॉ.बलराम शुक्ल (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)
- *चेतना* अंक–1, (जनवरी–जून, 2021) संपादक–श्री आशुतोष भारद्वाज (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)
- *चेतना* अंक–2, (जुलाई–दिसम्बर 2021) संपादक–प्रोफेसर माधव हाड़ा (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह–प्रकाशित)

राजभाषा

- प्रतिवेदन की अवधि के दौरान संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 25 अगस्त 2021, 15 दिसंबर 2021 और 21 मार्च 2022 को तिमाही बैठकों का आयोजन किया गया। कोविड–19 प्रबंधन के दिशा–निर्देशों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान पहली तिमाही बैठक (अप्रैल–जून) नहीं की गई, मगर पहली और दूसरी तिमाही की संयुक्त बैठक 25 अगस्त 2021 को आयोजित की गई थी। इन बैठकों में भारत सरकार के गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) तथा शिक्षा मंत्रालय (राजभाषा प्रभाग) द्वारा सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं व्यावहारिक क्रियान्वयन के संबंध में जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- संस्थान ने यथासमय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के राजभाषा प्रभाग तथा नराकास शिमला को हिंदी प्रगति तिमाही रिपोर्टें प्रेषित कीं।
- संस्थान में प्रोफेसर चमन लाल गुप्त, निदेशक की अध्यक्षता में 14 नवंबर 2021 को हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्येता, अध्येतातथा अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। सितंबर 2021 माह में हिन्दी पखवाड़े के दौरान संस्थान में विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिनमें संस्थान के अधिकारियों ने बड़े उत्साहपूर्ण भाग लिया।
- प्रतिवेदन अवधि के दौरान संस्थान ने यूजीसी केयर सूची में शामिल हिंदी पत्रिका 'हिमांजलि' का 23वां अंक प्रकाशित किया और इसकी प्रतियां मंत्रालय, विभिन्न संस्थानों और देश–विदेश के पाठकों को वितरित प्रेषित की गईं। प्रतिवेदन की अवधि के दौरान 'हिमांजलि' का 24वां अंक भी प्रकाशन के लिए भेजा गया। इसके अतिरिक्त संस्थान ने विशेष रूप से संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए पृथक हिंदी की वार्षिक गृह पत्रिका 'हिम संहित' प्रकाशित करने का भी निर्णय लिया।
- संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप–समिति ने 11 नवंबर 2021 को अमृतसर पंजाब में संस्थान का राजभाषायी निरीक्षण किया गया। प्रोफेसर चमन लाल गुप्त, निदेशक, श्री प्रेम चंद, सचिव और श्री राजेश कुमार, हिंदी अनुवादक इस निरीक्षण बैठक में उपस्थित थे। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने के लिए संस्थान प्रयासरत है।

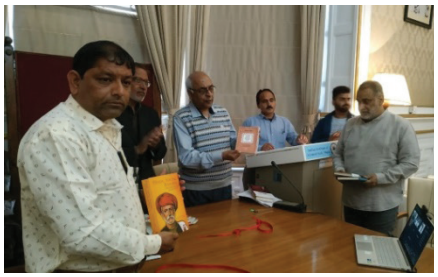

- 30 मार्च 2022 को संस्थान में वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर चमन लाल गुप्ता ने सितंबर 2021 में आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र वितरित किए। इसके अतिरिक्त सरकारी कामकाज में टिप्पण/आलेखन मूल रूप से हिंदी में करने वाले 10 नामित अधिकारियों/कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।
- पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर एक हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्येता प्रोफ़ेसर शंकर शरण; अध्येता प्रोफ़ेसर आलोक कुमार गुप्ता एवं प्रोफ़ेसर माधव हाड़ा तथा आईयूसी सह–अध्येता डॉ. गौरी त्रिपाठी, ने इस अवसर पर राजभाषा के व्यावहारिक प्रयोग के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यान व्याख्यान प्रस्तुत

किए। इस अवसर पर अद्धवार्षिक हिंदी पत्रिका 'चेतना' और संस्थान के विद्वानों की शोध परियोजनाओं पर आधारित 8 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। संस्थान के पूर्व अध्येताओं प्रोफ़ेसर हितेंद्र पटेल, प्रोफ़ेसर एस. के. चहल, प्रोफ़ेसर एम.पी. सिंह और डॉ. मनीषा चौधरी ने भी हिंदी भाषा और लोकार्पित की गई अपनी पुस्तकों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

विविध

सम्पदा

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के दोनों विंग, सिविल और विद्युत संस्थान के दैनिक रखरखाव के कार्य में लगे रहे। इस अवधि के दौरान सम्पदा की मरम्मत और उसके रखरखाव के लिए संस्थान द्वारा किए गए निम्नलिखित कार्य किए गए–

- गैर–आवासीय भवनों के वार्षिक मरम्मत और रखरखाव के लिए के.लो.नि.वि. (सिविल) को 73,11,880/– रुपए की राशि जारी की गई।
- आवासीय भवनों के वार्षिक मरम्मत और रखरखाव के लिए के.लो.नि.वि. (सिविल) को 80,61,800/– रुपए की राशि जारी की गई।
- डेलविला स्टाफ क्वार्टरों की मरम्मत/जीर्णोद्धार के लिए के.लो.नि.वि. (सिविल) को 37,96,420/– रुपए की राशि जारी की गई।
- माली लाइन–2 (स्टाफ क्वार्टर) की मरम्मत/जीर्णोद्धार के लिए 10,00,000/– रुपए की राशि जारी की गई।
- फायरमैन लाइन, ए–ब्लॉक के 5 स्टाफ क्वार्टरों के उन्नयन के लिए के.लो.नि.वि. (सिविल) को 7,99,660/– रुपए की राशि जारी की गई।
- स्क्वॉयर हॉल तक मौजूदा सड़क की मरम्मत तथा क्षतिग्रस्त डंगों को पुनः लगाने के लिए के.लो.नि.वि. (सिविल) को 18,69,309/– रुपए की राशि जारी की गई।
- किचन विंग के प्रत्येक कमरे की भावी उपयोगिता योजना को तैयार करने और अंतिम रूप देने के लिए पीआईसी की उप–समिति की पहली बैठक 29 अक्तूबर 2021 को आयोजित की गई।
- के.लो.नि.वि. (विद्युत) को वार्षिक रखरखाव के लिए 50,79,248/– रुपए की राशि जारी की गई।
- के.लो.नि.वि. (विद्युत) को विभिन्न विविध विद्युत कार्यों के लिए 23,59,894/– रुपए की राशि जारी की गई।
- के.लो.नि.वि. (विद्युत) को को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और टेनिस कोर्ट के बिजली के उपकरणों और लाइट फिक्स्चर प्रदान करने/बदलने के लिए 8,52,094/– रुपए की राशि जारी की गई।
- प्रतिवेदन अवधि के दौरान वाइस–रीगल लॉज (राष्ट्रपति निवास) के किचन विंग की संरचनात्मक मरम्मत, पुनर्वास और जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर रहा।

बिक्री एवं जनसंपर्क

1. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने आगंतुकों को 1,29,779/– रुपए (एक लाख उन्नतीस हजार सात सौ नवासी) की पुस्तकें बेचीं। संस्थान ने ईमेल और टेलीफोनिक मोड के माध्यम से प्राप्त आदेशों की एवज में देश भर के विभिन्न ग्राहकों को 89, 342/–रुपए (अठासी हजार तीन सौ बयालीस रुपये) की पुस्तकें भी बेची हैं। इसके अतिरिक्त बिल्डबाजार, अमेज़ॅन और फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन माध्यम से 1,25,339/–रुपए (मात्र एक लाख पच्चीस हजार तीन सौ उनतालीस रुपये) की पुस्तकों की भी बिक्री की। इस प्रकार, सभी माध्यमों से संस्थान प्रकाशनों की कुल 3,44,460.00 रुपये (मात्र तीन लाख चवालीस हजार चार सौ साठ रुपये) राशि की बिक्री की गई।

2. पर्यटक प्रवेश शुल्क से आय

कोविड–19 के दिशा–निदेर्शों के अनुपालन में अप्रैल से सितंबर 2021 तक संस्थान पर्यटकों के लिए बंद रहा मगर उसके पश्चात संस्थान में 80,236 पर्यटक का आगमन हुआ और उनसे 80,32,130/– रुपए (मात्र अस्सी लाख बत्तीस हजार एक सौ तीस) का राशि प्रवेश शुल्क के रूप में प्राप्त की। इसके अतिरिक्त मुख्य गेट से संस्थान तक वाहनों के प्रवेश शुल्क से 2,31,860/– रुपए (मात्र दो लाख इकतीस हजार आठ सौ साठ) की राशि अर्जित की। इस प्रकार दोनों प्रकार के शुल्कों से कुल 82,63,990/–रुपए (मात्र बयासी लाख तिरसठ हजार नौ सौ नब्बे) की आय प्राप्त की।

3. स्मारिका वस्तुओं की बिक्री

संस्थान की बुक शॉप में बिक्री के लिए कुछ स्मारिका वस्तुएं उपलब्ध हैं, जिनमें संस्थान के बारे में पुस्तिका, टी–शर्ट, स्वेट–शर्ट, कैप, कॉफी मग, पिक्चर पोस्टकार्ड, ग्रीटिंग कार्ड आदि शामिल हैं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान, संस्थान ने कुल 1,75,401/– (मात्र एक लाख पचहत्तर हजार चार सौ एक) रुपए राशि की स्मारिका वस्तुओं की बिक्री की इस बिक्री से 44,038/– (रुपये चवालीस हजार अड़तीस मात्र) राशि का शुद्ध लाभ हुआ।

संस्थान बुक शॉप में टिकटों की बिक्री तथा अन्य आय का सारणीबद्ध विवरण निम्नानुसार है–

क्रमांक	शीर्ष	राशि (₹)
1.	संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	3,44,460/-
2.	प्रवेश टिकट से आय	82,63,990/-
3.	स्मारिका वस्तुओं की बिक्री से शुद्ध लाभ	44,038/-
	कुल	86,52,788/-

फायर स्टेशन कैफे

प्रतिवेदन अवधि के दौरान फायर स्टेशन कैफे की आय और व्यय का विवरण निम्न प्रकार है–

[redacted]

[redacted]

कैफे के लेखाओं का प्रबंधन संस्थान की फैलोज मैस/कैंटीन के साथ किया जाता है जिसकी सनदी लेखाकार द्वारा लेखापरीक्षा की जाती है। कैफे में रखे गए स्टाफ का वेतन मैस निधि से दिया जाता है, जबकि बिजली और जल का प्रभार संस्थान द्वारा वहन किया जाता है।

औषधालय

संस्थान में औषधालय में सेवाएं प्रदान करने के लिए एक आवासी चिकित्सा अधिकारी तथा एक फार्मासिस्ट है जहां संस्थान के अध्येताओं, सह–अध्येताओं, अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के मूलभूत स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान औषधालय में 4,252 रोगियों की जाँच की गई तथा आवासी चिकित्सा अधिकारी द्वारा 106 आपातकालीन सेवाएं भी प्रदान की गईं।

मार्च 2020 में कोविड–19 के प्रकोप के दौरान समय–समय पर सामाजिक दूरी, मास्क पहनने और हाथ की स्वच्छता के बुनियादी सुरक्षा उपायों के बारे में स्वास्थ्य परामर्श/निर्देश भी जारी किए गए।

आपूर्ति एवं सेवा

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान आपूर्ति एवं सेवा अनुभाग अध्येताओं के अध्ययन कक्षों तथा संस्थान के सुचारू संचालन के लिए सरकारी ई–बाजार के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कार्यालयी की खरीद की गई।

उद्यान

संस्थान परिसर में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के साथ एक सुंदर और विशाल उद्यान है, और इतनी ऊंचाई पर स्थित सबसे अच्छे भूदृश्य उद्यानों में से यह एक है। मुख्य भवन की छत से बारिश के पानी का संग्रह करके बगीचों की वर्ष भर सिंचाई की जाती है। उद्यान में तीन नर्सरियां हैं जहां से संस्थान की साज–सज्ज की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है। यहां कुछ दुर्लभ हिमालयी पौधे भी हैं। संस्थान के उद्यान को इस क्षेत्र के सबसे सुंदर और सुव्यवस्थित उद्यानों में से एक माना गया है। बागवानी प्रेमी आम जनता के लिए, नर्सरी में पौधे बिक्री के लिए भी उपलब्ध हैं।

प्रतिवेदन अवधि के दौरान उद्यान अनुभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य किए गए–

- चिनार लॉन और इमारत के पिछले हिस्से में लॉन घास की दो नई प्रजातियों– लोलियम एसपीपी और फेस्टुका एसपीपी का परीक्षण किया गया जोकि सफल रहा।
- स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और गोरखा गेट के पास गोल्डन जुनिपर, सागो पाम, थूजा, ग्रीन जुनिपर्स, एगेव, यूओनिमस जैसे पौधों के साथ भूनिर्माण किया गया।
- गुलाब, ग्लेडियोलस, रेनुनकुलस, गेंदा, कैलेंडुला आदि जैसे विभिन्न फूलों की विभिन्न किस्मों की खेती की गई।

संस्थान की वनस्पतियों का वानस्पतिक वर्गीकरण किया गया।

- बरसात के मौसम के वार्षिक बीज जैसे गेंदा, ऐमारैंथस, टैगेटस, कॉसमॉस, सूरजमुखी, झिनिया, सेलोसिया, एस्टर, कोचिया, साल्विया आदि अप्रैल व जून–जुलाई में बोए गए।

- माह सितंबर–अक्टूबर में कैलेंडुला, कैंडीटुफ्ट गोडेटिया, क्लार्किया, सिजेन्थस, पोस्ता, साइक्लेमेन, प्रिमुला, रेनकुंकलस, पेटुनिया, स्टेटिस, कॉर्न फ्लावर, सिनेरिया जैसे वार्षिक शीत ऋतु के बीज बोए गए।
- संस्थान के साथ–साथ अध्येताओं, अधिकारियों और कर्मचारियों के आवासों में लगी फुलवाड़ियों का भी नियमित रूप से रखरखाव किया गया।

इस अवधि के दौरान मात्र 27,530/–रूपए की राशि के पौधों की बिक्री की गई।

आंतरिक शिकायत समिति

02 सितंबर 2021 को सुश्री डेज़ी ठाकुर, अध्यक्षा, राज्य महिला आयोग द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ कानूनों और अधिकारों की जानकारी पर आधारित एक व्याख्यान दिया गया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा सुश्री डेजी ठाकुर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए।

इस अवधि के दौरान दो शिकायतों पर कार्यवाही की गई।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

संस्थान में 21 जून 2021 को 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कोविड दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए बहुत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षिका, इंडिका पिक्चर्स की क्यूरेटर, स्वतंत्र रचनात्मक लेखिका और कलाकार सुश्री गायत्री अय्यर ने संस्थान के अध्येताओं, अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को विभिन्न योग आसन सिखाए।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे ने स्वागत भाषण के दौरान योग के महत्व पर प्रकाश डाला और योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल किए जाने का आह्वान किया।

सूचना का अधिकार

प्रतिवेदन अवधि के दौरान विविध सूचनाओं से संबंधित 20 आवेदन प्राप्त हुए जिनका सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान के तहत आवेदकों को प्रासंगिक जानकारी उपबलब्ध करवाई गई।

नव नियुक्तियाँ

श्री नरेंद्र चौहान को 6 जुलाई 2021 को अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

श्री नवीन हरनोट को उनके पिता श्री रमेश चंद के आकस्मिक निधन के पश्चात 4 अगस्त 2021 को अनुकंपा के आधार पर बहुकार्य–कर्मी (एमटीएस) के रूप में नियुक्त किया गया है।

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

सोसाइटी

1. प्रोफेसर शशिप्रभा कुमार
   अध्यक्ष, सोसाइटी
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास शिमला – 171005
   एवं
   संकायाध्यक्ष
   श्री शंकराचार्य संस्कृत महाविद्यालय
   भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली–110001
   ईमेल– chairperson@iias.ac.in/ prof.shashiprabha@gmail.com

2. प्रोफेसर शैलेंद्र राज मेहता
   उपाध्यक्ष, सोसाइटी
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास शिमला – 171005
   दूरभाष : 0177–2830006(0)
   फैक्स : 0177– 2831389 / 2830995
   एवं
   अध्यक्ष, माइका
   अहमदाबाद, गुजरात –380058
   ईमेल– shaiendra.mehta@micamail.in

3. प्रोफेसर नागेश्वर राव
   निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास शिमला–171005
   ईमेल– director@iias.ac.in

नियम 3(क) संस्थागत सदस्य (पदेन)

4. श्री के संजय मूर्ति, भा.प्र.से.
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय)
127–सी–विंग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110 015
ईमेल– secy.dhe@nic.in

5. डॉ. टी.वी. सोमनाथन
सचिव, व्यय
भारत सरकार
व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय
नॉर्थ ब्लॉक केन्द्रीय सचिवालय
नई दिल्ली– 110001
ईमेल– secyexp@nic.in

6. श्री मृत्युंजय बेहेरा, भा.इं.से.
आर्थिक सलाहकार (सीयू व प्रशासन)
भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय
109–सी, शास्त्री भवन
नई दिल्ली– 110015
ईमेल– mrutynjay@nic.in

7. प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार
अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली– 110002
ईमेल– cm.ugc@nic.in

8. डॉ. राजेश एस गोखले
महानिदेशक
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद
अनुसंधान भवन
2; रफी अहमद किदवई मार्ग
नई दिल्ली – 110 001
ईमेल– dgcsir@csir.res.in/dg@csir.res.in

9. प्रोफेसर जे.के. बजाज
अध्यक्ष
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
पोस्ट बॉक्स संख्या 10528
अरुणा आसफ अली मार्ग
नई दिल्ली – 110 067
ईमेल– chairman@icssr.org

10. प्रोफेसर रघुवेंद्र तंवर
अध्यक्ष
भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद
35, फिरोजशाह रोड़
नई दिल्ली – 110 011
ईमेल– chairman@ichr.ac.in

11. प्रोफेसर रघुवेंद्र तंवर
अध्यक्ष
भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद
36, तुगलकाबाद इंस्टीट्यूशनल एरिया
महरौली–बदरपुर रोड़
नई दिल्ली – 110 062
ईमेल– chairman@icpr.ac.in

12. प्रोफेसर गोविंद प्रसाद शर्मा
अध्यक्ष
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
5, नेहरू भवन
इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेस–2
वसंतकुंज, नई दिल्ली – 110 070
ईमेल– chairman@nbtindia.org.in

13. डॉ. चंद्रशेखर कंबर
अध्यक्ष
साहित्य अकादमी
सिरी संपिगे, नंबर 44, इस्ट मेन
बनशंकरी तीसरा चरण, चौथा ब्लॉक
बेंगलुरु –560 085
ईमेल– cbkambara@gmail.com

14. श्रीमती उमा नंदूरी
अध्यक्ष
संगीत नाटक अकादमी
रवींद्र भवन
फिरोजशाह रोड़
नई दिल्ली – 110 001
ईमेल– chairman@sangeetnatak.gov.in

15. सुश्री उमा नंदूरी
अध्यक्ष
ललित कला अकादमी
रवींद्र भवन
35, फिरोजशाह रोड़, नई दिल्ली – 110 001
ईमेल– chairman@lalitkala.gov.in

16. श्रीमती चंद्रिमा शाह
अध्यक्ष
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी,
बहादुर शाह जफर मार्ग
नई दिल्ली 110002
ईमेल– president@insa.nic.in

17. श्री हंस राज हंस
उपाध्यक्ष
भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
आजाद भवन
बहादुर शाह जफर मार्ग
नई दिल्ली
ईमेल– hansraj.hans@sansad.nic.in

18. प्रोफेसर सुरंजन दास
अध्यक्ष
भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ
एआईयू हाउस
बहादुर शाह जफर मार्ग
नई दिल्ली–110 002
ईमेल– president@aiu.ac.in, vc@ametuniv.ac.in

19. श्री चंदन सिन्हा, भा.प्र.से.
महानिदेशक
राष्ट्रीय पुस्तकालय
बेलवेडेरे, अलीपुर
कोलकाता – 700 027
ईमेल– nldirector@rediffmail.com

20. श्री चंदन सिन्हा, भा.प्र.से.
महानिदेशक
राष्ट्रीय अभिलेखागार
जनपथ, नई दिल्ली – 110 001
ईमेल– nai.dg.office@gmail.com

21. श्री राम सुभाग सिंह
मुख्य सचिव
हिमाचल प्रदेश सरकार,
हि.प्र. सचिवालय,
शिमला – 171 002
ईमेल– cs-hp@nic.in

22. प्रोफेसर सुनैना सिंह
कुलपति
नालंदा विश्वविद्यालय
राजगीर, बिहार–803116
ईमेल– vcnalanda@gmail.com

23. प्रोफेसर वैद्यसुब्रह्मण्यम
कुलपति और टाटा परामर्शीय सेवाएं
प्रबंधन के चेयर प्रोफेसर
शास्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर, तमिलनाडु –613401
ईमेल– Vaidhya@sastra.ac.in

24. प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ला
कुलपति
महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी
विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र–442001
ईमेल– vc.office.mgahv@gmail.com

25. प्रोफेसर किशोर कुमार बासा
कुलपति
उत्तर उड़ीसा विश्वविद्यालय
मयूरभंज, ओडिशा –757003
ईमेल– registrarnou123@gmail.com

26. रिक्त

27. रिक्त

नियम 3(ख) शिक्षाविद तथा शिक्षण, संस्कृति तथा विज्ञान के क्षेत्रों में प्रख्यात व्यक्तित्व जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा नामित किया गया है।

28. रिक्त

29. प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) वसंत शिंदे
पूर्व कुलपति
डेक्कन कॉलेज, पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
पुणे, महाराष्ट्र –411006
ईमेल– shindevs@rediffmail.com

30. प्रोफेसर शैलेंद्र राज मेहता
अध्यक्ष
माइका
अहमदाबाद, गुजरात –380058
ईमेल– shailendra.mehta@micamail.in

31. प्रोफेसर शशि प्रभा कुमार
संकायाध्यक्ष
संस्कृत कॉलेज, भारतीय विद्या भवन
नई दिल्ली––110001
ईमेल– prof.shashiprabha@gmail.com

32. डॉ. के. सम्बथ कुमार
पूर्व अतिथि संकाय
दर्शनशास्त्र, मद्रास विश्वविद्यालय,
चेन्नई, तमिलनाडु – 600005
ईमेल– ramakumar2005@yahoo.co.in

33. प्रोफ़ेसर संतश्री धुलिपुडी पंडित
कुलपति
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली–110067
ईमेल– santishreepandit@gmail.com

34. प्रोफेसर सतीश वासु कैलास
सेंटर फॉर प्रोडक्ट डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग
भारतीय विज्ञान संस्थान,
बैंगलोर, कर्नाटक –560012
ईमेल– stvk@iisc.ac.in

35. प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) विनोद नारायण इंदुरकर
निदेशक
कला भारती
टैगोर ललित कला प्रोफेसर
राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज
नागपुर विश्वविद्यालय,
नागपुर, महाराष्ट्र –440010
ईमेल– kalabharti2020@gmail.com

36. प्रोफेसर मंजुल भार्गव
गणित विभाग
प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, यूएसए
ईमेल– bhargava@math.princeton.edu

37. प्रोफेसर (डॉ.) डॉली सनी
अर्थशास्त्र विभाग
मुंबई विश्वविद्यालय,
मुंबई, महाराष्ट्र –400098
ईमेल– dosresearch@gmail.com

38. प्रोफेसर भगवान सिंह जोश
ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र
सामाजिक विज्ञान स्कूल
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,
दिल्ली –110067
ईमेल– bhagwanjosh@hotmail.com

39. प्रोफेसर मीना हरिहरन
स्वास्थ्य मनोविज्ञान केंद्र
हैदराबाद विश्वविद्यालय
ईमेल– meena.healthpsychology@gmail.com

40. प्रोफेसर हिमांशु प्रभा रे
अध्यक्ष
राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण
संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली–110001
ईमेल– chiairman.nma@nic.in

41. प्रोफेसर शमिका रवि
उपाध्यक्ष, आर्थिक नीति
ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन
20, राउज़ एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली, दिल्ली 110002
ईमेल– sravi@brookings.edu

42. प्रोफेसर ओकेन लेगो
प्रोफेसर एवं प्रमुख
हिंदी विभाग
राजीव गांधी विश्वविद्यालय,
ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश– 791112
ईमेल– okenrgu05@gmail.com

43. डॉ वी राजीव
प्रोफेसर एवं प्रमुख
मलयालम विभाग
सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरला
कासरगोड, केरल – 671316
ईमेल– rajeevoorakathu@gmail.com

44. प्रोफेसर रमा जयसुंदर
एनएमआर विभाग
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)
नई दिल्ली –110029
ईमेल– ramajayasundar@gmail.com

45. डॉ. भीमराव पांडा भोसले
प्राध्यापक
अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन केंद्र
मानविकी स्कूल
सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद
हैदराबाद, तेलंगाना –500046
ईमेल– bhimraobhosale@uohyd.ac.in

46. प्रोफेसर करम तेज सिंह सराओ
बौद्ध अध्ययन विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली –110007
ईमेल– ktssarao@hotmail.com/ ktssarao@yahoo.com

47. प्रोफेसर अनिरुद्ध देशपांडे
सी–301, आरव अपार्टमेंट, म्हतोबा मंदिर के पीछे
भेलकेनगर चौक, यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह के पास
कोथरुड, पुणे, महाराष्ट्र – 411038
ईमेल– abdeshpandepune@gmail.com

नियम 3 (ग) संस्थान के प्रतिनिधि

1. वर्तमान में अध्ययनरत सभी अध्येता
2. वर्तमान में सभी विशिष्ट अतिथि

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

शासी निकाय

1. प्रोफेसर शशिप्रभा कुमार
   अध्यक्ष, सोसाइटी
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास शिमला – 171005
   एवं
   संकायाध्यक्ष
   श्री शंकराचार्य संस्कृत महाविद्यालय
   भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली–110001
   ईमेल– chairperson@iias.ac.in/ prof.shashiprabha@gmail.com

2. प्रोफेसर शैलेंद्र राज मेहता
   उपाध्यक्ष, सोसाइटी
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास शिमला – 171005
   दूरभाष : 0177–2830006 (का.)
   फैक्स : 0177– 2831389 / 2830995
   एवं
   अध्यक्ष, माइका
   अहमदाबाद, गुजरात –380058
   ईमेल– shaiendra.mehta@micamail.in

3. प्रोफेसर नागेश्वर राव
   निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास शिमला–171005
   ईमेल– director@iias.ac.in

नियम 3(क) संस्थागत सदस्य (पदेन)

4. श्री के संजय मूर्ति, भा.प्र.से.
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय)
127–सी–विंग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110 015
ईमेल– secy.dhe@nic.in

5. डॉ. टी.वी. सोमनाथन
सचिव, व्यय
भारत सरकार
व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय
नॉर्थ ब्लॉक केन्द्रीय सचिवालय
नई दिल्ली– 110001
ईमेल– secyexp@nic.in

6. श्री मृत्युंजय बेहेरा, आईईएस
आर्थिक सलाहकार (सीयू व प्रशासन)
भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
109–सी, शास्त्री भवन
नई दिल्ली– 110015
ईमेल– mrutynjay@nic.in

7. प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार
अध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली– 110002
ईमेल– cm.ugc@nic.in

8. डॉ. राजेश एस गोखले
महानिदेशक
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद,
अनुसंधान भवन, 2; रफी अहमद किदवई मार्ग,
नई दिल्ली – 110 001।
ईमेल– dgcsir@csir.res.in/dg@csir.res.in

9. प्रोफेसर जे.के. बजाज
अध्यक्ष
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
पोस्ट बॉक्स संख्या 10528
अरुणा आसफ अली मार्ग
नई दिल्ली – 110 067
ईमेल– chairman@icssr.org

10. प्रोफेसर रघुवेंद्र तंवर
अध्यक्ष
भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद
35, फिरोजशाह रोड़
नई दिल्ली – 110 011
ईमेल– chairman@ichr.ac.in

नियम 3(ख) नामित सदस्य

नियम 3(ख)(1) केन्द्र सरकार द्वारा नामित दो कुलपति

11. प्रोफेसर सुनैना सिंह
कुलपति
नालंदा विश्वविद्यालय
राजगीर, बिहार–803116
ईमेल– vcnalanda@gmail.com

12. प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ला
कुलपति
महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी
विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र–442001
ईमेल– vc.office.mgahv@gmail.com

नियम 3(ख)(2) शिक्षाविद तथा शिक्षण, संस्कृति तथा विज्ञान के क्षेत्रों में प्रख्यात व्यक्तित्व जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा नामित किया गया है।

13. प्रोफेसर शशिप्रभा कुमार
अध्यक्ष, शासी निकाय
भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास शिमला – 171005
एवं
संकायाध्यक्ष

श्री शंकराचार्य संस्कृत महाविद्यालय
भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली–110001
ईमेल– chairperson@iias.ac.in/ prof.shashiprabha@gmail.com

14. प्रोफेसर शैलेंद्र राज मेहता
उपाध्यक्ष, सोसाइटी
भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास शिमला – 171005
दूरभाष : 0177–2830006 (का.)
फैक्स : 0177– 2831389 / 2830995
एवं
अध्यक्ष, माइका
अहमदाबाद, गुजरात –380058
ईमेल– shaiendra.mehta@micamail.in

15. रिक्त

16. प्रोफेसर अनिरुद्ध देशपांडे
सी–301, आरव अपार्टमेंट, म्हतोबा मंदिर के पीछे
भेलकेनगर चौक, यशवंतराव चव्हाण नाट्यगृह के पास
कोथरुड, पुणे, महाराष्ट्र – 411038
ईमेल– abdeshpandepune@gmail.com

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
राष्ट्रपति निवास, शिमला-171005

वित्त समिति

1. प्रोफेसर शैलेंद्र राज मेहता — अध्यक्ष
   उपाध्यक्ष, शासी निकाय
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला
   एवं
   अध्यक्ष, माइका
   अहमदाबाद, गुजरात –380058
   ईमेल– shaiendra.mehta@micamail.in

2. प्रोफेसर नागेश्वर राव — पदेन सदस्य
   निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
   भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान
   राष्ट्रपति निवास, शिमला–171005
   ईमेल– director@iias.ac.in

3. श्रीमती दर्शना एम डबराल — पदेन सदस्य
   संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
   माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग
   शिक्षा मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय)
   120–सी, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली–110001
   ईमेल– jsfa.edu@gov.in

4. प्रोफेसर सुनैना सिंह — सदस्य
   कुलपति
   नालंदा विश्वविद्यालय,
   नालंदा, बिहार – 803111
   इमेल– vcnalanda@gmail.com

5. प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ला — सदस्य
   कुलपति
   महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी
   विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र–442001
   ईमेल– mgahvvc@gmail.com/vc@hindivishwa.org

ANNUAL REPORT

2021–22

THE INSTITUTE

The Indian Institute of Advanced Study came into being on the 6 October 1964, as an autonomous society, fully funded by the Ministry of Education, Government of India. The then President of India, Professor Sarvepalli Radhakrishnan inaugurated the Institute on the 20 October 1965. He imagined the Institute as a place that would support a free and creative inquiry into the themes and problems of life and thought. As a residential centre for advanced research, it encourages creative thinking in areas of deep human significance. The environment of the Institute is eminently suitable for academic pursuits, especially in areas of the Humanities, Indian Culture, Religion, Literature, Philosophy and Social Sciences. From time to time, other fields of research are added. As the nation's premier institution, deliberating on these issues today, the Institute provides facilities for consultation and collaboration on fundamental aspects of the human condition. It has an extensive library collection and offers modern communication and documentation facilities and stands as a tribute to the idea of India and the world that Professor Sarvepalli Radhakrishnan aspired for.

‘The greatest event of our age is the meeting of cultures, meeting of civilizations, meeting of different points of view, making us understand that we should not adhere to any one kind of single faith, but respect diversity of belief ....

Our attempt should always be to cooperate, to bring together people, to establish friendship and have some kind of a right world in which we can live together in happiness, harmony and friendship. Let us, therefore, realize that this increasing maturity should express itself in this capacity to understand what other points of view are.’

—Dr. Sarvepalli Radhakrishnan

Contents

SL. NO.	PARTICULARS	PAGE
	Foreword	143
	Director's Note	145
I	**General**	147
	Introduction	147
	Governance and Administration	148
II	**Fellows**	148
III	**Academic Programme**	151
	Seminars, Conferences, Symposia and Round Tables	151
	Weekly Seminars by Fellows	184
	Monographs Received from Fellows	186
	Distinguished Lecture Series	186
	Book Discussion	187
	Guest Fellows	187
	Other Special Academic Activties	188
IV	**Inter-University Centre for Humanities and Social Sciences**	189
V	**Accounts and Budget**	193
	Audited Statement of Account of IIAS	200
	Audited Statement of Account of IUC	235
V	**Library**	242
VI	**Publication**	245
VII	**Official Language**	247
IX	**Miscellaneous**	248
	Annexures	
	List of IIAS Society, Governing Body and Finance Committee	254

FOREWORD

Indian Institute of Advanced Study, Shimla is a world known centre for higher learning and research which supports a free and creative inquiry into the themes and problems of life and thought. As a residential institution in character it encourages creative thinking in the areas of deep human significance.

I am much pleased to write the Foreword for Annual Report 2021-22 because during the period under report, the Institute organized many academic activities and implemented various administrative initiatives. Two National Fellows and twelve Fellows joined the Institute to work on their research proposals. Covid-19 affected the functioning of whole world but despite the black shadows, various seminars and workshops had also been conducted online on Cisco WebEx over the year in multifarious subjects under the flagship schemes of *Azadi Ka Amrit Mahotsav*, an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independence. I am sure this work reinforces the high reputation of the Institute.

I am very thankful to the Hon'ble Union Minister of Education, Secretary and other officials of the Department of Higher Education, Ministry of Education for their generous support to the Institute for fulfilling the vision of its founder, venerated academician and former President of India, Dr. Sarvepalli Radhakrishnan.

I must express my thanks to all officials of the Institute for their devotion, cooperation and dutifulness and enabling the Institute to provide amicable environment for the scholars in residence.

I pray that the Institute progresses affirmatively and keeps moving forward to attain the objectives as enshrined in its Memorandum of Association (MoA).

ShashiPrabha Kumar
President of Society
&
Chairperson, Governing Body

DIRECTOR'S NOTE

The Annual Report 2021-22 of Indian Institute of Advanced Study celebrates another successful year in its quest for academic excellence. Over the year, the IIAS has remained committed to its original objective of enabling outstanding scholars to explore fundamental concepts thereby advancing the frontiers of knowledge.

IIAS is an institution where scholars belonging to a diverse range of disciplines are in residence, from India and abroad. They engage in the exploration of ideas and in debate and discussion that is stimulating and substantive.

Under the prestigious Fellowship program of the Institute, outstanding scholars work for a year or two at the Institute on their respective projects and submit the outcome of their research to the Institute for publication. I am happy to state that many books and journals have been published during the period of this report. Almost all Fellows who completed their term in the year under report have submitted their monographs. Visiting Professors, Visiting Scholars and Guest Fellows from different academic disciplines invited by the Institute created a vibrant environment leading to intensive academic engagements. Apart from the core academic community, a number of teachers from various universities and colleges across the country were selected under the Inter-University Center for Humanities and Social Sciences to further their research pursuits. I am glad to share that the Institute organised large number of seminars, conferences, workshops and other activities which are mentioned in the report.

The Library of the Institute is one of the best in our country in the field of Humanities and Social Sciences. I am very happy that many rare books of the library have been digitized. Efficient functioning of the Library and other sections enables the Institute to achieve the dreams of the Institute's founder – the great philosopher and academician, the Second President of India, Professor Sarvepalli Radhakrishnan.

I must express my thanks to Professor ShasiPrabha Kumar, Chairperson of the Governing Body and President of the Society for her valuable suggestions, cooperation and keen interest in the effective functioning of the Institute. I also extend my gratitude to Vice-Chairman Professor Shailendra Mehta for his constant support in the endeavours of the Institute.

I must also express my thanks to the Union Ministry of Education for its constant support for the proper functioning of the Institute.

Nageshwar Rao
Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA - 171 005

INTRODUCTION

The Indian Institute of Advanced Study Society was established on 6th October 1964, under the Societies Registration Act XXI of 1860 (Punjab Amendment) Act 1957. Located at the Rashtrapati Nivas, Shimla, the Institute is devoted to higher levels of research, primarily in the areas of Humanities and Social Sciences. The academic community at the Institute consists mainly of Fellows in residence, Visiting Professors, Visiting Scholars, and Associates etc. who pursue their individual research and interact with each other, both formally and informally. Rashtrapati Nivas itself, and the natural surroundings which constitute the estate, provides an ambience conducive to living a life of the mind and exploring the different facets of the human condition.

The Institute's Memorandum of Association offers its perspective on research which is that:

(a) The areas of investigation should promote inter-disciplinary research;

(b) The areas identified should have deep human significance.

The Memorandum of Association also spells out the areas of study, which are:

(a) Social, political and economic philosophy;

(b) Comparative Indian literature (including ancient, medieval, modern folk and tribal);

(c) Comparative studies in philosophy and religion;

(d) Education, culture, arts including performing arts and crafts;

(e) Fundamental concepts and problems of Logic and Mathematics;

(f) Fundamental concepts and problems of natural and life sciences;

(g) Studies in environment – both natural and social;

(h) Indian Civilization in the context of its Asian neighbours and the world; and

(i) Problems of contemporary India in the context of national integration and nation-building.

The Memorandum mentions that special attention should be given to:

(a) Theme of Indian unity in diversity;

(b) Integrality of Indian consciousness;

(c) Philosophy of education in the Indian perspective;

(d) Advanced concepts in natural sciences and their philosophical implications;

(e) Indian and Asian contribution to the synthesis of science and spirituality;

(f) Indian and human unity;

(g) 'Companions' to Indian Literature;

(h) Comparative studies of the Indian epics; and

(i) Human Environment.

GOVERNANCE AND ADMINISTRATION

The Institute is administered by a Society and a Governing Body to which the Ministry of Education, Government of India nominates distinguished acadamicians and other eminent persons from different walks of life. The Institute has a Finance Committee to advise the Governing Body in financial matters.

During the period under report Professor Kapil Kapoor was the Chairman of Governing Body and the President of Society upto February 2022 afterward Professor ShashiPrabha Kumar was nominated the Chairperson of Governing Body and the President of Society . The members of the Society and the Governing Body are eminent persons drawn from different walks of life.

The Institute is headed by a Director who is assisted the Secretary of the Institute in administrative matters. There is an Academic Committee, to assist and advise the Director on academic matters. There are supervisory staff who head respective sections such as: the Librarian, Accounts Officer, Estate Supervisor, Academic Resource Officer, Assistant Publication Officer, Sales and Public Relations Officer, Section Officer (Horticulture), Section Officer (Administration) and Section Officer (Stores and Supply).

During the period under report upto August 2021 Professor Makarand R. Pranajape was the Director, afterward Professor Chaman Lal Gupta, the Vice-Chairperson of Governing Body and the Vice-President of Society continued as acting Director of the Institute.

FELLOWS

The IIAS is known all over the world for the Fellowship programme it offers. National Fellows, Tagore Fellows and Fellows reside at the Institute and pursue research in their chosen fields. They offer seminars on their work-in-progress, organize and participate in conferences, and contribute to the academic life of the Institute at large. At the completion of their programme, Fellows submit papers and monographs which are being published after blind review process.

In 2021-22, the following National Fellows/Fellows/Tagore Fellows were in position:

NATIONAL FELLOWS		
Sl. No.	**Name of the Fellows**	**Project Title**
1.	Professor Medha Deshpande	*Poverty: Concept, Mappings and Policies*
2.	Professor D.R. Purohit	*Performing Arts and Culture of the Central Himalaya*
3.	Professor Shankar Saran	*Renewal of Indian Education: Teaching of Swami Vivekananda, Sri Aurobindo, Rabindranath Tagore and Sachchidananda Vatsyayan ('Ajneya')*
4.	Professor Harpal Singh	*Life and Legacy of Maharaja Ranjit Singh*
5.	Professor Anand Kumar	*Padmawat: History Philosophical Critique*
TAGORE FELLOWS		
1.	Professor C.K. Raju	*Ganita vs Formal Mathematics: Re-Examining Mathematics, its Pedagogy and the Implications for Science*
2.	Dr. Vikram V. Kulkarni	*महाराष्ट्र की घुमन्तू जनजातियों की दृश्य कला परम्पराँः एक सांस्कृतिक अध्ययन*
3.	Professor Mahesh Champaklal	*Revisiting Mahabharata: An Analytical and Comparative Study of Mahabharata Characters as depicted by Vyāsa, Bhāsa and Tagore with Sp. Ref. to the Text and Performance of Bhāsa's Plays and Tagore's Dramatic Poems (Nātyakābya)*
FELLLOWS		
1.	Professor S.K. Chahal	*Hindu Social Reform: A Study of the Framework of Jotirao Phule*
2.	Dr. Pavithran Nambiar	*Culture, Corruption and Insurgency: Threats and Quest for Survival in Nagaland*
3,	Professor Rajvir Sharma	*Political Philosophy of Kautilya: The Arthashastra and After*
4.	Dr. Abhishek Kumar Yadav	*Tribes of Arunachal Pradesh and their Literary writing in Hindi*
5.	Dr. Anjali Duhan	*Edifying the Royalty: Dvadasa Bhava – A Mughal Version of a Sanskrit Story*
6.	Dr. Sumandeep Kaur	*Ecological Concerns in Select Punjabi Fiction*
7.	Professor Madhav Singh Hada	*पद्मिनी विषयक ऐतिहासिक कथा–काव्य की देशज परम्परा का विवेचनात्मक अध्ययन*

8.	Dr. Mohammad Aadil Salam	*India in Contemporary Arabic Literature*
9.	Dr. Balram Shukla	*प्राकृत कविता के चारुत्व के भाषिक प्रयोजक*
10.	Dr. Alka Tyagi	*Bhavana (Creative Contemplation) and Bhairava (Supreme Reality) in the Vijnanabhairava Tantra in Kasmir Saiva Tradition*
11.	Dr. Venusa Tinyi	*An Inquiry into the Foundation of Deontic Logic: Problematizing Kripke's Possible World Semantics for Deontic Logic and Framing an Alternative Model for Re-Thinking the Basic Concepts of Deontic Logic and Their Counterparts in Other Normative Systems*
12.	Dr. Sumit Dahiya	*Women Singers of Western Rajasthan: Art, Patronage and Community Life*
13.	Dr. Prerna Chaturvedy	*राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मीडिया*
14.	Dr. Alok Kumar Gupta	*19वीं सदी के गुजराती और हिन्दी साहित्य में भारतीय चेतना*
15.	Dr. Aziz Mahdi	*Common Roots of Heritage: A Research on Similarities present between Ramayan, Mahabharat and Shahnameh (of Ferdowsi)*
16.	Professor Ravinder Singh	*Relocating Punjabi Literary Tradition in its Geo-Cultural and Civilizational Context*
17.	Professor Chungkham Yashawanta Singh	*A History of Manipuri Language*
18.	Professor Mandavi Singh	*Kathak Dance Tradition: Changes and Challenges in Present Scenario*
19.	Dr. Alpana Trivedi Giri	*भौगोलिक दृष्टिकोण से महाभारत का विसंकेतन (Decoding of Mahabharat from Geographical Perspective)*
20.	Dr. Anju Sharma	*Women Empowerment Policies and Perspective Post 2014*
21.	Dr. Siddharth Satpathy	*Provincial Victorians: Power, Contract and Capital in Colonial India*

A. ACADEMIC PROGRAMMES

Several international and national level seminars, workshops, conteren symposia, study weeks on themes of contemporary relevance as we of fundamental theoretical significance are organized every year distinguished scholars from across the globe participate.

The following academic programmes were organized by the Institute during the period under report:

1. Beyond Imperialism of Categories, The 2nd Interdisciplinary Conference in the series, "New Directions in Indic Studies" in collaboration with FLAME University, Pune online (12-13 May 2021)

Rationale: In her presidential address at the American Political Science Association's annual meeting (2005), Susanne Rudolph remarked:

> "Early in our research in India, Lloyd Rudolph and I coined the phrase "imperialism of categories." It was meant to designate the academic practice of imposing concepts on the other— the export of concepts as part of a hegemonic relationship. Categories crafted in a dominant socio-cultural environment are exported to a subordinate one. The imperialism of categories entails an unselfconscious parochialism of categories: scholars from a dominant culture sometimes called the center, travel to a distant and lesser place, sometimes called the periphery, where they apply "universal" concepts. The trouble is that the concepts have been fashioned out of the center. The East is fatalist, says Max Weber; the West, agentic. The non- West conveys status by birth, says Talcott Parsons; the West, by achievement. The non- West is childlike, says John Stuart Mill; the West, mature. Dominant peoples use ideal types and stereotypes to control the dominated by ranking and creating cultural, social registers."

Rudolph noted that globalization has remained grounded in European knowledge systems. In the eighteen years since Rudolph's perceptive remarks, decolonization of knowledge production has emerged as a central issue in scholarship on the formerly colonized parts of the world - including Africa, Asia, and the pacific islands, broadly the global South that experienced a tight grip of colonization. In studying these world regions, several methodologies are being developed to retrieve their knowledge systems, covering a wide range of areas and preserved in traditional ways among indigenous populations. Studies of old manuscripts, oral literature, performances, traditional foods, medicine, farming methods, and architecture are beginning to shed light on valuable knowledge preserved by various human populations in danger of being lost forever. In this environment, often, knowledge produced by non-native scholars since the colonial period and that produced by native scholars using indigenous categories and methods are viewed as complementary in claims for legitimacy and relevance.

While profoundly appreciating the new methodologies' achievements to retrieve indigenous knowledge systems, following Jainism's principle of *Anekantavada* (multiple-sidedness), the proposed conference aims to chart a new direction in Indic studies putting the two currents

of knowledge in conversation. The current scene of Indic studies indicates that there is broad recognition that knowledge systems developed in ancient India have a great deal to contribute to the world. Still, they are not adequately represented in academia yet. Despite a shift in the direction of decolonization in the studies of many formerly colonized world regions, concerning Indian epistemic models, we still have "insufficient inclusion" to use an apt term used by Sunil Amrith in his editorial remarks discussing decolonization of knowledge in an issue of *American Historical Review*. In an essay highlighting the need for provincial sociology of Mexico, Edgar Z. Pelayo has observed that despite benevolent efforts to end the privilege of the dominant perspective as universal in this area of study, Mexican categories have remained "the epistemic Other: In the shadows." The case of Indic studies is similar, which raises a critical question: How would the academic landscape of Indic studies look if the works of scholars whose knowledge and methodologies are rooted in Indic traditions were in conversation with works of scholars who create knowledge drawing on European theories and categories, not as peripheral but as equal? The proposed conference is an effort to facilitate such a conversation charting a new direction in Indic studies.

Objectives

We can achieve the second renaissance by putting Indic traditions in conversation with streams of knowledge about India produced outside of it. The objectives were to:

a. Pluralize the globalization process by ensuring inclusivity of knowledge produced in the long history of the Indic civilization.

b. Bring into focus the complexity and diversity of Indic perspectives in various fields of knowledge that may find parallels in other knowledge systems.

c. Develop a theoretical understanding of Indic contributions to other civilizations, particularly economies and cultures, through the Silk Route, Buddhism, Colonialism, and the IT industry.

d. Explore solutions and alternatives to global issues, such as environmental concerns, attitudes toward religious diversity, gerontology, psychology, and healthcare from a conversation between Indic knowledge systems and other systems of knowledge.

The inaugural seminar consisted of discussions between Indian and American scholars who brought Indic and other conversation perspectives. Guest scholars represented various disciplines and share their knowledge and experiences with students, educators, and community members. This multidisciplinary seminar advanced understanding of Indic civilization. The conference provided a venue for scholars in Indic studies to share their research findings while learning from other scholars' presentations and discussions. Moreover, it proved vital to cultivating intellectual interest in Indic Studies in the next generation as an engagement opportunity for college students. Finally, the conference opened to all community members; thus, public engagement

was a critical component of the initiative. The presenters brought a global perspective with them, challenging Indology's current assumptions.

Indian Institute of Advanced Study, Shimla & FLAME University, Pune presented 'Beyond Imperialism of Categories', the 2nd Interdisciplinary Conference in the series on "*New Directions in Indic Studies*" from 12-13 May 2021 online platform on Cisco WebEx. Professor Pankaj Jain, Professor and Head, Indic Studies Initiative, FLAME University was the convener of the conference. Professor Makarand R. Paranjape, Director, Indian Institute of Advanced Study gave welcome address. Professor Sunaina Singh, Vice-Chancellor, Nalanda University presented Inaugural address. Professor Pankaj Jain, Convener of the Conference delivered introductory remarks. Professor Robert Thurman, Department of Religion, Columbia University was the keynote speaker and gave a presentation on '*Sanskrit Buddhism'.*

Participants

- Professor Robert Thurman, Department of Religion, Columbia University
- Professor KTS Sarao, Delhi University
- Professor Vinod Vidwans, FLAME University, Pune
- Professor Bharat Gupt, IGNCA
- Professor Balaganapathi Devarakonda, Delhi University
- Professor Lavanya Vemsani, Shawnee State University
- Professor Chris Chapple, Loyola Marymount University
- Professor Jeffery D Long, Elizabethtown College
- Professor Deven Patel, University of Pennsylvania
- Professor Frederick M Smith, University of Iowa
- Professor Ankur Barua, Cambridge University
- Professor Madhu Khanna, Jamia Millia Islamia
- Professor Adarasupally Nataraju, Assam Central University
- Professor Viraj Shah, FLAME University
- Professor Srinivasan Krishnamurthy, Vivekananda College

Participants made presentations on the following theme during the conference:

Session I

- Professor Robert Thurman: *Sanskrit Buddhism*
- Professor KTS Sarao: *Victorian Indologists and Anagarika Dharmapala in the Mahabodhi Temple controversy*

Session II:

- Professor Vinod Vidwans: *Indian Music: Retrospect and Prospects*
- Professor Bharat Gupt: *Natya Shastra: Past and Present*

Session III

- Professor Balaganapathi Devarakonda: *History of Indian Philosophy: Analysis of contemporary Understanding of Classical through Colonial*
- Professor Lavanya Vemsani: *New Historiography for New India*

Session IV

- Professor Chris Chapple: *Jain Studies in the Global Academy*
- Professor Jeffery D Long: *Practical Anekāntavāda: A Jain Contribution to Global Civilization*

Session V

- Professor Deven Patel: *What is a "commentary" on Sanskrit kavya?*
- Professor Frederick M Smith: *The category of the center: bringing together forest and village in Vedic ritual*

2. Annual Integration conference on "Self-reliant India: Towards Svarajya in Ideas" (18-20 June, 2021)

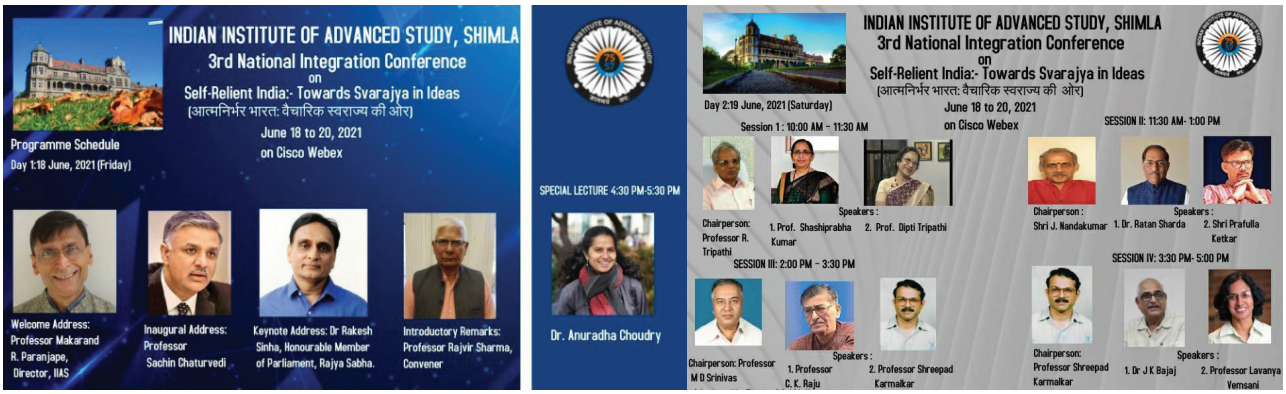

Rationale: Moving towards independent pursuit of knowledge through the acquisition, augmentation, sustenance of quality research, innovation, creativity and originality of ideas to help India achieve the goals of self-reliant nation need not be over emphasized. The concept of Atmanirbhar Bharat was first coined, though rooted in the concept of swadeshi movement of the days of the struggle for India's independence, in May 2020 by the Prime Minister Narendra Modi. The pandemic Covid-19 had completely shattered India's economy and the society, leading to the loss of jobs, sharp decline of rate of growth, infrastructure - physical, social, economic and psychological – under severe stress and crumbling. The PM's call was a way to rouse the nation to overcome the terrible calamity that we were going through.

India needed, and still needs, a huge recovery march to meet the challenges thrown by the huge natural and manmade disasters, including the adversities like Corona, mucormycosis, and its variants, cyclones, and so on. In this context a long jump is the most significant imperative to achieve Vaicharik Svarajya in various fields based on the generation, utilization and transportation of indigenous intellectual and economic resources and reducing our dependence on others even if it does not mean cutting off from the global ideas and philosophy.

While this Vaicharik Svarajya does not propose to close its windows to the outside world, it is implied that the exploration, reinvention and revalidation of Indian treasure of knowledge in different areas has acquired a new salience in the fast-changing world order. In this environment, India can be a torchbearer not only for the well-being of her own people, but also the world can be given a new hope. For this to happen, India's knowledge system needs to be revisited and revalidated so as to build a new confident, progressive, energetic Indian nation setting new heights and scales of human, cultural and economic freedom.

The symposium discussed following themes:

Svarajya as an Ideal

One of India's great contributions to the discourse of modern political thought is the notion of Svarajya or svaraj. In political terms, we might ask what is this word *svaraj*? It is a very old word, going back to the Vedas, but comes into the vocabulary of modern India in the nineteenth century. When the struggle for freedom started acquiring a certain momentum, leaders like Dadabhai Naoroji, Lokmanya Tilak, Sri Aurobindo, Mahatma Gandhi, and several others, used the word *svaraj*. The year in Gandhi wrote *Hind Swaraj*, 1909, was also the year in which Veer Savarkar wrote *The First Indian War of Independence*. All of these visionary leaders used the word *svaraj*to signify political independence from the British. But etymologically, the word means much more than that. Actually *swaraj* is a short form of the Sanskrit word *svarajya*, which is an abstract noun. When applied to a single individual, the word was *svarat*, an adjective. It is a word that occurs in the Chandogya, the Taitteriya, and in the Maitri Upanishads

It is in India that political independence was expressed in terms of enlightenment, self- illumination, not merely in terms of political autonomy, nor necessarily in opposition to the colonizers or imperialists. Svarajya, then, is the principle of perfection, of perfect governmentality, because illumination comes from internal order, not from oppression. Originally, svrajya referred to the internal government of a person, the government of the limbs, and of the senses, of the organs, all the different constituents of the individual. When that is well-governed, a person who can rule himself is a svarat. So svarajya is self-rule or self-governance.

Synonymous with liberty, freedom, and independence, svaraj also suggests a host of possibilities for inner illumination and self-realization. One's own svaraj can only help others and contribute to the svaraj of others. In svaraj the person and the political merge, one leading to the other, the other leading back to the one; I cannot be free unless all my brothers and sisters are free and

they cannot be free unless I am free. Svaraj allows us to resist oppression without hatred and violent opposition. Gandhi developed the praxis of Satyagraha or insistence on truth or truth-force to fight for the rights of the disarmed and impoverished people of India.

Svarajya in Ideas: as autonomy in thought, culture and freedom to choose

The idea of *svaraj* had large-scale ramifications in many areas of Indian thought and culture. In 1928, Krishna Chandra Bhattacharya, one of India's leading philosophers, delivered a lecture called "Swaraj in Ideas." He raised the pertinent question of whether we had achieved autonomy in thought and ideas along with the quest for political independence. Bhattacharya was of the view that Indian intellectuals would have to work a lot harder if such an emancipation of consciousness had to be accomplished. Several decades later, his essay was reprinted in a special number of the *Indian Philosophical Quarterly* (October–December 1984) also entitled "Swaraj in Ideas." Many outstanding philosophers and thinkers debated this topic and their responses were also published in the same journal on the content and means of decolonizing the Indian mind.

This may be achieved at **five** levels:

The first level is the level of what might be called the **code**. This refers to the ideology, the mindset, or the drivers of the system. How do we change the code? First one has to try to understand what this Indian mind with its multiplicity is. And to do this you have to try to understand what the traditions are. Because all discussions of colonization and decolonization hinge on construction of India and of the Indian past, as also on constructions of the "West."

So at the level of the code, at the level of the ideology, at the level of the mind, we will have to work very hard. We also need to see what our tools are and what the possibilities of recovery might be. Because when you go deeply into what the traditions mean, then you get an entire world view, a cosmology, not just a fragment from a certain historical conjuncture.

We also have to look at the **institutions,** which would be level two. If you want to decolonize, you need appropriate institutions. Everyone knows that our institutions are in a very bad shape. We are in desperate need for institutional reform. Our university systems, for instance, have to be revamped. We have to change these structures because they are so stultified, and because decolonization won't take place just through an exchange of words like this. We have to take charge of the situation. We have to take responsibility and not indulge in the politics of blame. Revenge histories will not satisfy.

Then level three—**content**. Take the case of our syllabus. It's so obvious that we have to change it. That this has already happened in several universities is heartening. We need to ask what it is that we are actually teaching, and why. This process needs to be affected in all our areas and disciplines of study. The content has to be changed constantly in keeping with our goals and needs. We simply can't afford the sort of syllabi, which remain static for, literally, half a century at a time, as is still the case in India.

Svarajya in ideas cannot be achieved unless focus on the fourth level, that is, the **medium** is given due recognition. We cannot keep talking about decolonization only in English. There are people who will argue that we have benefited so much from the English language, from our contact with the West, so why give it all up now? The idea is not to get rid of English but to give equal opportunities to other Indian languages. The goal is also to restore Sanskrit and other classical languages as sources of classical culture, philosophy, and ethics.

Now, finally, let us come to the idea of **agency**. That is the fifth level. Who's going to do this job of decolonizing for us? Are we going to look to the state? Of course, the state is important. But are we going to wait for the state to take the initiative? Shouldn't the independent Indian state have accomplished this way back? Why didn't it? Why couldn't it? Or, alternatively, will the initiative have to come from civil society? And if it is from the civil society, what do we mean by that phrase? Who constitutes the civil society? Will the elites have to do it? Or will the masses have to do it? The elites are known to be compromised, if not corrupt, while the masses are deprived, if not incapable.

Ultimately the responsibility rests with us. We cannot wait for others to lead; we must do so ourselves; responsibility rests with us. We cannot wait for others to lead; we must do so ourselves.

The National Integration conference on '*Self-reliant India: Towards Svarajya in Ideas*' (आत्मनिर्भर भारत: वैचारिक स्वराज्य की ओर) was organized by IIAS during 18-20 June 2021 online on Cisco Webex. Professor Rajvir Sharma, Fellow, IIAS was the Convener of the conference. Professor Makarand R. Paranjape, Director, IIAS delivered the Welcome Address. Professor Rajvir Sharma, Convener of the conference delivered the introductory remarks. Professor Sachin Chaturvedi, the Global Justice Fellow at the MacMillan Center for International Affairs at Yale University delivered the Inaugural Address on '*Revisiting Indian Development Models and Contemporary Connects'.* Dr. Rakesh Sinha, Honourable Member of Parliament, Rajya Sabha delivered the keynote address on '*Decolonisation: Where Did We Fail?'* Dr. Anuradha Choudry, Assistant Professor, Department of Humanities and Social Sciences, & Member, The Rekhi Centre of Excellence for the Science of Happiness, IIT Kharagpur delivered the Special Lecture. Shri Tarun Vijay, Chairman, National Monuments Authority delivered the valedictory address on '*Digital Decolonisation'.* Professor Rajvir Sharma, Convener of the conference proposed the Vote of Thanks.

Participants

- Professor Radhavallabh Tripathi, Former Vice Chancellor, Rashtriya Sanskrit Sansthan
- Professor ShashiPrabha Kumar, Dean, Sri Sankaracharya Sanskrit, Mahavidyalaya, Bharatiya Vidya Bhavan, K.G. Marg, New Delhi
- Professor Dipti Sharma Tripathi, Former Director, National Mission for Manuscripts, Government of India

- Shri J. Nandakumar, National Coordinator, PrajnaPravah
- Dr. Ratan Sharda, well-known author, freelance columnist and TV panelist
- Shri Prafulla Ketkar, Editor, Organiser (Weekly), one of the oldest nationalist magazines of India
- Professor M D Srinivas, Chairman, Centre for Policy Studies.
- Professor C.K. Raju, Honorary Professor, *Indian Institute of Education, Mumbai University*
- Professor Shreepad Karmalkar, Professor of Electrical Engineering, and Head of the Teaching-Learning Center at IIT Madras
- Dr. J. K. Bajaj, Director, Centre for Policy Studies
- Professor Lavanya Vemsani, Department of Social Sciences, Shawnee State University, USA
- Professor S R Bhatt, Chairman, Indian Philosophy Congress
- Shri Tarun Vijay, Chairman, National Monuments Authority.

Participants made presentations on the following theme during the conference:

Special Lecture

- Dr. Anuradha Choudry: *Pathways for Resurgence: Sri Aurobindo's Roadmap for an Ātmanirbhara-Bhārata*

Session I

- Professor Shashiprabha Kumar: *वैचारिक स्वराज्य की वैदिक पृष्ठभूमि*
- Professor Dipti Tripathi: *Transcending Boundaries: From Sanskrit Grammar to Universal Grammar*

Session II

- Dr. Ratan Sharda: *The Contribution of RSS to Vaicharik Svaraj*
- Shri Prafulla Ketkar: *The Quest for Intellectual Swaraj: Bringing a National Perspective in Media Discourse*

Session III

- Professor C. K. Raju: *Decolonising mathematics and science*
- Professor Shreepad Karmalkar: *Indigenisation of semi-conductor technology-My experience'*

Session IV

- Dr J K Bajaj: *Foundational Requirements of Svarajya in Ideas*

- Professor Lavanya Vemsani: *Foundations of Indian Civilization: Prehistoric and Genetic Evidence*

Valedictory Session

- Professor S R Bhatt: *Understanding Swarajya in Ideas*
- Shri Tarun Vijay: *Digital Decolonisation*

3. International Symposium on "Ācārya Abhinavagupta: Legacy and Significance" (21-22 June 2021)

Rationale: *Ācārya*Abhinavagupta, the 10th century Kashmir *Śaiva* sage, scholar, aesthete, spiritual master, and visionary thinker shaped Trika *Śaiva* philosophy and religion into a perfected system of thought and realization. He is remembered as an extraordinary human being, with prodigious and multifarious gifts and accomplishments. The world knows him as a philosopher, exegete, and aesthete but in Kashmir and within the Trika lineage, he is a Siddha and Guru, a spiritual master par excellence.

Ācārya Abhinavagupta, in addition to composing dozens of extraordinarily original and innovative texts, also preserved, edited and documented a prolific corpus of ancient *Tantras.* His best-known work, the *Tantrāloka*, is a unique masterpiece, whose breadth, scope, profundity, intellectual rigour, and wisdom, make it unparalleled global philosophical and spiritual literature. We are only now beginning to understand the magnitude of its magnificence.

In the *Tantrāloka,* Abhinavagupta not only preserves his inherited tradition in accordance to *Guru-Śishyaparampara* and develop the philosophy of *Trika* into *Anuttaratrika*, but he also refines the discursive and practical field of spiritual experience. *Tantrāloka,* in that sense, is as much a philosophical exegesis as a practitioner's guide to the realms of higher consciousness. In order to accomplish this feat, Abhinavagupta developed a language to express the spiritual experience and helps to bring it to the access of human intellect without compromising the esoteric element that marks all spiritual experience.

His purely experience-based logical expositions in philosophical works like *Īśvarapratyabhijñāvimarśinī* and *Īśvarapratyabhijñāvivṛittivimarśinī* on the Kashmir *Śaiva* theory of *Pratyabhijñā* firmly establish the idea of the Supreme Reality as the non-dual consciousness that we call *Śiva*. His *Paratriṁśikāvivarṇa* is a profound exposition of creation of the universal phenomena as an offshoot of *Shakti* as Supreme Speech, *Parāvāk that* relates to the scientific origin of Sanskrit language and grammar. In his devotional compositions such as his *Bhairava Stava*, *Anuttarāṣṭikā*, *Krama Stotra* and *Anubhavanivedena*, Abhinavagupta preserves the esoteric and emotional elements of the *Bhairavāgamas.*

Abhinavagupta's contribution to the field of aesthetics is world famous. His *Abhinavabhāratī,* the extraordinary commentary on Bharata's classic text of poetics and dramaturgy, *Natyaśāstra,*

conjoins aesthetic experience to the experience of non-dual perception of reality, which conforms with the non-dual Trika philosophy that is fundamental to his oeuvre. Similarly, his commentary on the Bhagavad Gita, the *Geetārthasangrah* shows this *Vedānta* text in the light of *Śivādvyavāda*.

To celebrate the birth anniversary of ĀcāryaAbhinavagputa's, an International Symposium on '*ĀcāryaAbhinavagupta: Legacy and Significance*' was organized by IIAS during 21-22, June 2021 online on Cisco Webex. Dr. Alka Tyagi, Fellow, IIAS was the Convener of the Conference. Mangalacharan was performed by Ms. Sanya Tyagi by giving an '*Odissi Dance Performance*' and Ms. Shalini Mathur on '*Krama Stotra in classical composition*'. Professor Makarand R. Paranjape, Director, IIAS delivered the Welcome Address. Introductory remarks were delivered by Dr. Alka Tyagi, Convener of the conference. Concluding Reflections was delivered by Professor Sunthar Visuvalingam on '*Notes on Contemporaneity of Abhinavgupta*'. Vote of Thanks was proposed by Dr. Alka Tyagi, Fellow, IIAS.

Participants

- Dr. Sachidanand Joshi, Member Secretary, IGNCA
- Dr. Motilal Pandit, Researcher for Aeropagus Foundation, Oslo, Norway
- Professor Ramakant Pandey, Professor of *Sahitya* at Central Sanskrit University, Jaipur
- Professor Bharat Gupt, retired Professor from the University of Delhi
- Professor Radhavallabh Tripathi, Former Vice Chancellor, Rashtriya Sanskrit Sansthan (Deemed University)
- Professor Madhav Hada , Fellow, IIAS
- Dr. Sunil Raina, an independent researcher, writer and a Sadhaka
- Dr. Meera Rastogi, retired from Lucknow University, Department of Sanskrit and Prakrit Languages
- Dr. Nihar Purohit, Member of Academic council for Muktabodha Indological Research Institute and Faculty at Kashmir Shaiva Institute, Ishwar Ashram Trust
- Professor PankajBasotia, Associate Professor of Philosophy at Rajiv Gandhi Government Degree College, Shimla
- Padma Shri Professor Bettina Baumer, Director of the Abhinavagupta Research Library, Varanasi
- Professor K D Tripathi, Associate Professor, Banaras Hindu University, Varanasi
- Dr. Balram Shukla, Fellow, IIAS
- Shri Swastik Bannerjee, pursuing his Doctoral in Philosophy from University of Calcutta.

- Professor S R Bhatt, Chairman, Indian Philosophy Congress
- Professor Wagish Shukla, Retd. Professor, IIT, Delhi
- Dr. Mark Dyczkowski, one of the world's foremost scholars on Tantra and Kashmiri Trika Shaivism

Participants made presentations on the following themes during the symposium:

Session I

- Dr. Motilal Pandit: *Abhinava's Life and Works*
- Professor Ramakant Pandey: *अभिनवगुप्त के स्त्रोत साहित्य में प्रतिबिम्बित त्रिकदर्शन*

Session II Keynote address

- Dr. Mark Dyczkowski: *The Taste of Delight: The Ritual, Art, Yoga, Gnosis and Daily Life*

Session III

- Professor Bharat Gupta: *Abhinavagupta's definition of Rasa*
- Professor Radhavallabh Tripathi: *Creative Process in Abhinvagupta*

Special Lecture:

- Shri Rakesh K Kaul: *Chamatkar, Sahitya and Neetiin the light of Abhinbagupta's literature*

Session IV

- Dr. Sunil Raina: *Bhairava Vimarsha in Kashmiri Tradition*
- Dr Mira Rastogi: *ईश्वर प्रत्याभिज्ञाविमर्शिनी में प्रस्तुत गतिशीलसत्की अवधारणा*
- Dr Nihar Purohit: *Puranata: A Foundational Paradigm*

Session V

- Padma Shri Professor Bettina Baumer (recorded lecture)
- Professor K D Tripathi (recorded lecture): Abhinavabharti mein Natya Prayogaki Antardrishti

Session VI

- Dr. Swastik Bannerjee: *Chinmayam Ekam Bhairavam: The Idea of Self in Bhairavastotra of Abhinvagupta*

Session VII

- Professor Wagish Shukla: *Abhinva's Geetarthsangrah*
- Dr. Balram Shukla: *Shabda Shashtraka Abhinvakrita Darshanshastriya Upayoga*

Concluding Reflections

- Professor Sunthar Visuvalingam: *Notes on Contemporaneity of Abhinavgupta*

4. International Symposium on 'History of India: Theory, Methods, Practice' (15-16 July 2021) in collaboration with Shawnee State University, Ohio

Rationale: This symposium examined the theory, methods, and practice of Indian history noting the lacunae within the history of India beginning with imperial history constructions. Lectures also focussed on specialized areas of Indian history (Early History, Second Millennial history, Art History, Anthropological history, and Indo-Islamic history). Foundations of Indian history writing are laid during the colonial era, which continued to dominate the history of India even after the independence. As India is nearing 75-years of Independence it was necessary to undertake a critical examination of Indian history.

An International Symposium on '*History of India: Theory, Methods, Practice*' was organized by IIAS in collaboration with Shawnee State University, Ohio during 21-22, June 2021 online on Cisco Webex. Professor Lavanya Vemsani, Professor of History, Department of Social Science, Shawnee State University was the Convener of the symposium. Professor Makarand R. Paranjape, Director, IIAS delivered the Welcome Address. Introductory remarks were given by Professor Lavanya Vemsani, Convener of the symposium. Inaugural address was delivered by Dr. Nalini N. Rao, Associate Professor, Soka University of America, California on '*Networks of Power- An Interdisciplinary Study'.* Concluding Remarks & Vote of Thanks was presented by Professor Lavanya Vemsani, Convener of the symposium.

Participants

- Professor Dilip Chakrabarti, Professor Emeritus of South Asian Archaeology at Cambridge University
- Dr. Saradindu Mukherji, Member, Indian Council for Historical Research
- Professor Venkata Raghotham, Former Professor of History and Dean, School of Social Sciences and International Studies, Pondicherry University
- Dr. Andre Wink, University of Wisconsin, Madison
- Professor Pankaj Jain, Professor and Head, Indic Studies, FLAME University, Pune
- Dr Shonaleeka Kaul, Centre for Historical Studies, Jawaharlal Nehru University
- Professor Rajvir Sharma, Professor, University of Delhi (retd) and former Fellow, IIAS.

Participants made presentations on the following themes during the symposium:

Introductory Remarks

- Prof. Lavanya Vemsani, Professor of History, Department of Social Science, Shawnee State University: The Missing History of the True Beginnings of Early History of India

Inaugural Address

- Dr. Nalini N. Rao, Associate Professor, Soka University of America, California: Networks of Power- An Interdisciplinary Study

Keynote Session

- Professor Dilip Chakrabarti, Professor Emeritus of South Asian Archaeology at Cambridge University: *Aspects of Nationalism in Indian Archaeology* (Keynote Address)

Session I

- Dr. Saradindu Mukherji, Member, Indian Council for Historical Research: *Was the Citizenship Amendment Act 2019 urgently required: An enquiry into its historical necessity?*
- Professor Venkata Raghotham, Professor of History and Dean, School of Social Sciences and International Studies, Pondicherry University (retd): *History and Culture of the Indian People: The Bharatiya Vidya Bhavan Series and Its Critics*

Session II

- Dr. Andre Wink, University of Wisconsin, Madison: *The Making of the Indo-Islamic World c.700-1800CE*
- Professor Pankaj Jain, Professor and Head, Indic Studies, FLAME University, Pune: *The Varna, Jati, and "Caste System" in Indian Society*

Valedictory Session

- Dr Shonaleeka Kaul, Centre for Historical Studies, Jawaharlal Nehru University: *Reconsidering Indian Historiography: Challenges and Opportunities.*

5. The review conference on 'IIAS during Covid19: RETROSPECT AND PROSPECT' (22-24 July 2021)

Rationale: The Indian Institute of Advanced study is the premier Institute of higher study and research in the country. It is an institution with a difference, in the sense that its focus is not merely on traditional research both in content and methods being pursued in the universities and other academic organisations. A brain child of Dr. S Radhakrishanan, the second President of India, and a renowned philosopher and great visionary, the IIAS was inaugurated on 20 October 1965 as a residential centre for free and creative enquiry into fundamental themes and problems

of life. The idea was to secure a place for deep thinking on cultural, social and human imperatives for Indian nation and the world. Since then, the Institute promotes high quality original research in the fields of art, culture, literature, folk and tribal studies, philosophy, history and political science. Special attention is given in selecting the subjects pertaining to humanities and natural sciences in the areas of national relevance and significance.

The Institute, in order to meet its objectives and obligations, and to create an identity for itself among the scholastic world, under took a number of activities/enterprises since 2020which can be broadly identified as under:

Annual Flagship Lecture Series, Distinguished Lecture Series, Seminars/Conferences/ Workshops, Special Academic Events

Extramural Activities, Library and other academic and research infrastructure Publication, Fellows' Weekly Seminars,

Lectures under Inter-University Centre for Humanities and Social Sciences, and repair and renovation of its Infrastructure.

Indian Institute of Advanced Study, Shimla organized a special academic event from 22-24 July 2021. These mandated seminars IIAS during Covid19: RETROSPECT AND PROSPECT, were based on two broad themes- one to expose the outcome of research at the Institute to debate and discussion, and another to generate ideas and give directions to the research efforts of the Institute. The review conference was organized online on Cisco WebEx during 22-24 July 2021. Professor Madhav Hada, Fellow, IIAS and Professor Rajvir Sharma, Former Fellow, IIAS were the Conveners of the conference. Professor Makarand Paranjape, Former Director, IIAS delivered the Welcome Address. Professor Madhav Hada and Professor Rajvir Sharma, Conveners of the conference gave the introductory remarks. The Inaugural address was delivered by Professor Baldev 'Bhai' Sharma. The Conveners of the conference presented vote of thanks.

Participants

- Professor Sachchidanand Joshi, Member Secretary at the prestigious Indira Gandhi National Centre for Arts
- Professor Sitansu Yashaschandra, contemporary Gujarati literature's most eminent representatives
- Professor Dipti Tripathi, an academician of international repute in the field of Sanskrit grammar, modern linguistics, poetics and manuscriptology
- Professor Awadhesh Pradhan, Department of Hindi, Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh

- Shri Prafulla Ketkar, the Editor, Organiser (Weekly), one of the oldest nationalist magazine of India
- Professor Bharat Gupt, retired Professor from the University of Delhi
- Professor D. R. Purohit, former National Fellow, IIAS
- Professor Sudhir Singh, Department of Political Science at Dyal Singh College, University of Delhi, New Delhi
- Professor Ramesh C. Pradhan, former National Fellow, IIAS
- Shri Sankrant Sanu, author, entrepreneur and public intellectual and founder and CEO of the publishing house Garuda Prakashan
- Dr. Anjali Duhan, Former Fellow, IIAS
- Ms Aditi M. Goyal, Heads the Department of Copyrights and Translation at Vani Prakashan and Managing Trustee at Vani Foundation.
- Professor Suryakant Waghmore, Humanities and Social Sciences, Indian Institute of Technology Bombay
- Professor Manindra Thakur, Associate Professor, Centre for Political Studies, Jawaharlal Nehru University, New Delhi
- Professor Bijoy Boruah, Former Professor, Department of Humanities and Social Sciences Indian Institute of Technology Delhi.
- Dr. Alka Tyagi, Fellow, IIAS
- Professor Nandkishore Acharya, An Indian playwright, poet, and critic from Bikaner, Rajasthan
- Shri Tarun Vijay, an Indian author, social worker and journalist.
- Professor Shashiprabha Kumar, Dean, Sri Sankaracarya Sanskrit Mahavidyalaya, Bharatiya Vidya Bhavan, New Delhi
- Dr Balram Shukla, Fellow, IIAS
- Shri Arun Menon, Associate Professor of Structural Engineering at IIT Madras
- Ms. Tapasya Samal, an architect with a Masters in Conservation of Historical Buildings
- Ms. Sangeeta Bais, Sangeeta Bais, an alumnus of the School of Planning and Architecture, New-Delhi
- Professor Gurpreet Mahajan, Professor of Political Science and Co-ordinator of the DSA (Department of Special Assistance) programme of the Centre for Political Studies, School of Social Sciences
- Professor Radhavallabh Tripathi, Senior-most professors of Sanskrit in the country

Participants held discussions on the following themes during the event:

Annual Flagship Lecture Series

- Professor Sitansu Yashaschandra
- Professor Dipti Tripathi

Seminars/Conferences/Symposia

- Professor Awadhesh Pradhan
- Shri Prafulla Ketkar

Fellows Seminars (Part 1*)*

- Professor Sudhir Singh

Publications and Library

- Ms Aditi M. Goyal (publisher, Vani Prakashan)
- Shri Sankrant Sanu (publisher, Garuda Prakashan)

Distinguished Lecture Series (Part 1)

- Professor Bijoy Boruah
- Professor Bharat Gupt

Special academic events, book discussions & extramural activities

- Professor Suryakant Waghmore
- Professor Manindra Thakur

Fellows Seminars (Part 2)

- Professor Nandkishore Acharya
- Professor Data Ram Purohit

Panel Discussion: Distinguished Lecture Series (Part 2)

- Shri Tarun Vijay
- Professor Shashiprabha Kumar

Panel Discussion: Fellows Seminars (Part 3)

- Dr. Balram Shukla

Restoration of IIAS

- Ms. Tapasya Samal
- Shri Arun Menon

Valedictory Session

- Professor Gurpreet Mahajan
- Professor Radhavallabh Tripathi

6. **International Conference on '*Sri Aurobindo and India's Renaissance*' (Celebrating 75 years of India's Independence, 150th anniversary of Sri Aurobindo) in collaboration with Rashtram School of Public Leadership, Rishihood University, Sonipat (01-03 August, 2021)**

Hon'ble Governor (HP) Shri Rajendra Vishwanath Arlekar releasing a magazine and inaugurating the renovated Tennis Court during the event while Ms. Sanya Tyagi performing Odissi dance.

Rationale: Sri Aurobindo has been hailed as a Yuga purusha. One who embodies not only the salient features or movements of the age, but who also transforms it in his or her person. We encounter such beings usually as one age begins and another ends and they seem to appear only to facilitate the transition of a nation or civilization in its most seismic upheavals and shifts. Currently, India and the entire globe is being birthed into a new age in which Sri Aurobindo's life and work can offer significant insights.

As an earthly man, Sri Aurobindo was a great revolutionary who fought and almost gave up his life for the freedom of India. After the 1857 "Indian Mutiny" or the "first war of independence," India lay crushed and broken under the realm of the so-called Pax Britannica. It was unimaginable for Indians to claim freedom -- a status equal to their colonial masters. In such a dark era, Sri Aurobindo was one of the early leaders who decisively turned the Indian National Congress towards its settled aim for *poornaswarajya*, complete freedom from the British and self-reliance based on its own innate genius.

But Sri Aurobindo was more than a revolutionary. He might be truly considered the light of the nation. For when the nation was floundering in doubt and uncertainty about its own destiny and dharma, he stood up to reveal who and what we were, whether in heart or mind or body, and furthermore, what was our soul and our truth. He carried the great task initiated by Sri Ramakrishna Paramhansa and Swami Vivekananda in the vitalization of the Indian people and, what is more, he brought it to its fullness, width and intensity.

Sri Aurobindo revealed to us what our ancient texts meant. And who we are as a people and the bearers of the ancient flame passed down to us by the ancient rishis. And he not only showed us our past and our subdued present but also our possibilities as a leader and mentor of the race - *jagadguru*.

He discovered for us our spirit that had grown latent and had withdrawn behind the surface and he established it once again in our soil with utmost selflessness. And he gave us self-belief and the pride in oneself, *gaurav*, without which no great enterprise is envisioned or made possible. He brought many of our ancient traditions together in a vast synthesis like Gita of Sri Krishna. Reconciling the complex ideas, contradictions and debates was nearly impossible, but he weaved the *darshanas* together while retaining their core offerings and values.

Sri Aurobindo stood up for us to the West, not in conflict but with a deep understanding of the value of the West's contributions to mankind and its development and giving it its due in a mutual reconciliation and reciprocal interweaving. He demonstrated that foundational components of our civilization are of significant worth and utility, far more advanced in some ways than the creations of the west. And each of certain wisdom which saw life in an integral manner and not of a disparate or divisive mentality.

We as a nation have failed to embrace him fully, yet, quietly, patiently, he continued to lay the foundations of our nation. It is only now we are beginning to realize what he accomplished for us. As we become more and more confident about embracing our national conscience, his importance and influence will keep on growing.

Sri Aurobindo revealed that "All great movements of life in India have begun with the new spiritual thought and usually a new religious activity." Commenting also on the conditions that were propitious for an Indian renaissance, Sri Aurobindo wrote that despite whatever temporary destruction this crude impact of European life and culture has caused, it gave three needed impulses to India. It revived the dormant intellectual and critical impulse; it rehabilitated life and awakened the desire for a new creation; it put the reviving Indian spirit face to face with novel conditions and ideals and the urgent necessity of understanding, assimilating and conquering them. The national mind turned a new eye on its past culture, re-awoke to its sense and import, but also at the same time saw it in relation to modern knowledge and ideas.

Sri Aurobindo put great store by such an Indian renaissance when he stated unambiguously that "this new birth in India, must become a thing of immense importance …to herself …because of all that is meant for her in the recovery or the change of her time-old spirit". He further emphasized that this renaissance is not an imitation of the West but a uniquely Indian one that is rooted in its spirituality and human consciousness and has the potential to transform not only India but the entire world. Sri Aurobindo also analysed fundamental concepts like mind, consciousness, and their transformation. Particularly how the latter may shape the life, thought, actions and nature

of a person or indeed, of the entire human race. Some of these ideas and concepts travelled far and wide influencing new developments especially in psychology, neuroscience and human consciousness and are triggering further new developments that need to be understood and contextualized. India is on the path of resurgence. Starting with political independence in 1947, we have attained a sort of autonomy in terms of material and economic aspects of our national existence. The next obvious stage is the mental, intellectual and spiritual resurgence and for that Sri Aurobindo has given a lot of thoughts, insights and a powerful blueprint. Sri Aurobindo called the seed of that process the Indian renaissance. Sri Aurobindo also gave a new vision for India so that it could lead to the evolution of mankind, of the entire humanity, starting with India.

In this International Conference, the conveners discussed and addressed the above issues.

Some of the themes/topics included

(a) The contributions of Sri Aurobindo to the conceptions of new Yuga.

(b) Sri Aurobindo's ideas on: (1) Indian Renaissance; (2) New India; (3) Human Consciousness.

(c) Indian Renaissance in comparison and contrast with the European Renaissance.

(d) The idea of New India as conceptualized by Sri Aurobindo and contrasts it with the actual trajectory of post-independence India.

(e) Which of these insights on New India could be adopted for public policy, especially in the backdrop of the current government's vision?

(f) To discuss how Sri Aurobindo's vision for New India could be proliferated in various dimensions of Indian life.

(e) To contemporarise and contextualize Sri Aurobindo's conceptions of mind, human consciousness and psychology. To examine how such ideas moved from India to other parts of the world and impacted frontiers of psychology, neuroscience and consciousness studies.

(f) To examine and critically discuss the application of Sri Aurobindo's ideas in emerging science and technology, their ethical aspects and their impact on humanity at large in short, medium and long terms.

Sub-Themes

The conference focused on the following thematic areas:

(a) Successes and Failure in the recovery of old spiritual knowledge and experience.

(b) Comparative analysis of Sri Aurobindo's vision and the actual journey of post-Independence India.

(c) Radical innovations brought in our thought by Sri Aurobindo that marks the end of previous

yuga and beginning of a new yuga.

(d) Has India already had a renaissance or does she need a new one?

(e) In what ways Indian Renaissance differ from the European Renaissance?

(f) External Influence on Indian Culture and Renaissance.

(g) Spirituality for a common man.

(h) Frontiers of Artificial Consciousness

(i) Artificial Consciousness - Shortcut or Distortion?

(j) Sri Aurobindo on Technology, Human Consciousness and Psychology

(k) Journey of Sri Aurobindo's Ideas to the West

(l) Application of Sri Aurobindo's Ideas in the Emergent Technology, Neuroscience and Consciousness

(m) How to solve modern problems originally while retaining the Indian Spirit and creating a spiritualized society?

(n) Who is an Indian? What is his nationalism?

An International Conference (Celebrating 75 years of India's Independence, 150th anniversary of Sri Aurobindo) on '*Sri Aurobindo and India's Renaissance'* was organized by IIAS in collaboration with Rashtram School of Public Leadership, Rishihood University, Sonipat from 01-03 August, 2021. Professor Sampadananda Mishra, Rashtram School of Public Leadership, Rishihood University was the Convener of the conference. Hon'ble Governor, Himachal Pradesh, Shri Rajendra Vishwanath Arlekar was Chief Guest of the event. Ms. Sanya Tyagi, an Odissi dancer performed the Mangalacharan. Professor Makarand R. Paranjape, Director, IIAS delivered the Welcome address. Vote of thanks was proposed by Ms Ritika Sharma, Academic Resource Officer.

Participants

- Dr David Frawley, (Pandit Vamadeva Shastri), Padma Bhushan, Guru in the Vedic tradition
- Shri Shobhit Mathur, B Tech in Computer Science and Engineering, IIT Bombay
- Professor Sachidananda Mohanty, Former Vice-Chancellor, Central University of Orissa, India and Professor and Head, Department of English, University of Hyderabad
- Sri Devdip Ganguli, Sri Aurobindo International Centre of Education at Pondicherry
- Dr. Alok Pandey,
- Diganta Biswa Sarma an eminent scholar, litterateur and philanthropist

- Professor Bharat Gupt, a retired Professor from the University of Delhi and well known figure in the field of arts.
- Dr. K Parmeswaran, Associate Professor of Law & Former Dean of Academics at Gujarat National Law University, India
- Sri Ramachandra, Sanatan Siddhashram, traditional Gurukul for the ancient Baul tradition of Bengal.
- Dr. Ramesh Bijlani, medical doctor, educationist, writer, inspirational speaker, teacher, scientist,
- Sri Gautam Chikermane, Vice President at Observer Research Foundation
- Professor Stephen Phillips, Professor of Philosophy and Asian studies and Visiting Professor of Philosophy at the University of Hawaii
- Dr Kundan Singh, Vice President of the Cultural Integration Fellowship, an institution in San Francisco
- Professor Goutam Ghosal, Professor of English, Visva-Bharati, Santiniketan, West Bengal, India.
- Dr Anuradha Choudry, highly motivated Sanskrit scholar dedicated to revealing the deeper secret of the Vedas and promoting Sanskrit as a living, modern, spoken language
- Dr Sarojkant Mishra, retired Deputy Agricultural Officer, Department of Agriculture, Government of Odisha
- Professor Ramesh Chandra Pradhan, Retd. Professor from the Department of Philosophy, University of Hyderabad
- Dr Matthijs Cornelissen, Integral Psychology, Sri Aurobindo International Centre of Education in Pondicherry
- Ms. Anuradha Agrawal, Trustee & Co-founder, The Gnostic Centre
- Professor Shankar Sharan, Political Science at the NCERT, New Delhi
- Dr. Rudrashis Datta, Assistant Professor in English, Pritilata Waddedar Mahavidyalaya, West Bengal
- François Gautier, Editor in Chief of La Revue de l'Inde, a literary magazine devoted to India
- Ms. Poonam Gupta- Krishnan, Founder and CEO of Data Management Company, Iyka Enterprises
- Dr. Sangeeta Soni, Assistant professor, CTE, Basic Teachers training college, Gandhi Vidhya Mandir, Sardarshahr

- Ms. Chandrali Mukherjee, Doctoral Student, Department of Journalism and Mass Communication, Faculty of Arts, Banaras Hindu University, Varanasi
- Mr. Harshit Shyam Jaiswal, Doctoral Student, Department of Journalism and Mass Communication, Faculty of Arts, Banaras Hindu University, Varanasi
- Mr. Abhishek Tripathi: Abhishek Tripathi is a doctoral student at the Psychology and Cognitive Science department, Sapienza University, Rome
- Ms. Ameeta Mehra, Managing Trustee, Gnostic Centre

Session I

Special Address

- Dr. David Frawley: *Sri Aurobindo on Technology, Human Consciousness and Psychology.*
- Concluding Remarks by Shri Shobhit Mathur

Session II, Panel Discussion

Idea of Indian Renaissance

- Sri Devdip Ganguli
- Dr. Diganta Biswa Sarma
- Professor Bharat Gupt

Session III, Panel Discussion

Spirituality for the Common Person

- Dr. Alok Pandey
- Dr. K Parmeswaran
- Sri Ramachandra

Session IV, Panel Discussion

Sri Aurobindo in Today's Context

- Dr. Ramesh Bijlani: *Understanding the pandemic through Sri Aurobindo's vision*
- Sri Gautam Chikermane: *The Rise of a Rajasic India in the Light of Sri Aurobindo's Ideas*

Keynote Session

- Professor Stephen Phillips: *Sri Aurobindo's Vedāntic Philosophy of a True Individual*
- Concluding remarks by Dr. Pariksith Singh

Session V, *Sri Aurobindo's vision & post independent India*

- Dr. Kundan Singh: *Successes and Failure in the recovery of old spiritual knowledge and experience;*
- Professor Goutam Ghosal: *Comparative analysis of Sri Aurobindo's vision and the actual journey of post-Independence India.*
- Dr Anuradha Choudry: *Sanskrit, Sanskriti and the Indian Renaissance in the light of Sri Aurobindo*

Session VI, Life Divine

- Professor Ramesh Chandra Pradhan: *Sri Aurobindo's Metaphysics of Supramental Consciousness and Its Contemporary Relevance*
- Dr. Matthijs Cornelissen: *Sri Aurobindo's work for the future*

Session VII, Integral Education

- Ms. Anuradha Agrawal, Gnostic Centre
- Dr. Shankar Sharan

Session VIII

- Professor Sachidananda Mohanty: *Journey of Sri Aurobindo's Ideas to the West*
- Dr. Rudrashis Datta: *Indian Renaissance: Lessons from the European Renaissance*

Session IX

- Special Address by François Gautier

Session X *Paper Presentations*

- Ms. Poonam Gupta-Krishnan: *Turning the Shudras around*
- Chandrali Mukherjee & Harshit Shyam Jaiswal: *Sri Aurobindo and political renaissance: The Partition of Bengal and Revolutionary Nationalism*
- Abhishek Tripathi on *Sri Aurobindo's Psycho-philosophical Integration of Phenomenal and Noumenal World*

Valedictory Session

- Valedictory Address by Ms Ameeta Mehra, Gnostic Centre

7. National Seminar on "Guru Tegh Bahadur: The Great Redeemer Life, Philosophy and Martyrdom" (24-26 September 2021)

Rationale: To commemorate the 400th year of birth of Guru Tegh Bahadur, a National Seminar on "Guru Tegh Bahadur: The Great Redeemer: Life, Philosophy and Martydom" was organized at IIAS from 24-26 September 2021. Senior bureaucrat and celebrated writer Shri Manmohan Singh, and Dr. Balram Shukla, Fellow, IIAS were the conveners of the seminar. Professor Kapil Kapoor, Chairman, IIAS was the Chief Guest and Dr. Amarjit Singh Grewal was Special Guest on the occasion. Dr. Manmohan Singh presented the opening remarks. The Welcome address was delivered by Shri Prem Chand, Officiating Secretary, IIAS. Professor Jagbir Singh, Chancellor, Central University of Punjab, Bathinda delivered the Keynote Address. Professor Chaman Lal Gupta, Vice Chairman, and Officiating Director, IIAS presided over the session. In addition to lectures and discussions, books titled 'अकाल तख़्त साहिब: अवधारणा और अनुप्रयोग' by Professor Balkar Singh, 'साहिब-ए-हकताब गुरु तेग' authored by Professor Rajinder Pal Singh and 'लाडी रानी राणावतजी एवं उनका व्यक्तित्व' authored by Dr Sumit Dahiya, Fellow, IIAS were released and discussed. Dr. Manmohan Singh, Convener and Dr. Balram Shukla, co-convener of the seminar proposed the Vote of thanks.

Participants

- Dr. Paramjit Singh Sindhu, Former Head, School of Punjabi Studies, Guru Nanak Dev University, Amritsar
- Dr. Manjit Singh, Former Head, Department of Punjabi Studies, Delhi University
- Dr. Gurmeet Singh Sidhu, Department of Philosophy, Punjabi University, Patiala
- Dr. Rawail Singh, Former Head, Department of Punjabi Studies, Delhi University
- Professor Ravinder Singh, Delhi University
- Professor Avtar Singh, Ramgarhia College, Phagwara
- Dr. Bhupinder Singh, Former Head, Department of Punjabi Studies, Delhi University

- Professor Harbhajan Singh, Dehradun
- Dr. Balkar Singh, Punjabi University, Patiala
- Dr. Harpal Singh, Sikh National College, Banga
- Dr. Ranju Bala, Head, Department of Punjabi, Post Graduate Government College for Girls, Chandigarh.
- Dr. Amarjit Singh, Sant Baba Bhag Singh University, Jalandhar
- Dr. Atam Randhawa, Head, Punjabi Department, Khalsa College, Amritsar
- Dr. Manjinder Singh, Guru Nanak Dev University, Amritsar
- Professor Buta Singh Brar, Punjabi University, Guru Kashi Regional Center, Bathinda
- Dr. Paramjit Singh Dhingra, Punjab University Muktsar Centre
- Dr. Ravi Ravinder, Head, Department of Punjabi, Delhi University
- Dr. Gurmit Singh Hundal, Associate Professor, GHG Khalsa College, Ludiana
- Dr. Jagmeet Bawa, Associate Professor, Central University of Himachal Pradesh, Dharmshala
- Dr. Sarabjit Singh, Assistant Professor, Guru Nanak Dev Ji Chair, I.K. Gujral Punjab Technical University, Kapurthala
- Dr. Jagdish Singh, Naad Pargaas, Amritsar
- Gurprit Singh, Associate Professor, Punjab Institute of Technology, Rajpura
- Dr. Yog Raj, Former Head, Punjabi Dept., Punjabi University, Patiala
- Dr. Mehtab Kaur, Khalsa College, Amritsar
- Dr. Jatinder Singh, Khalsa College, Amritsar
- Dr. Vanita, SGTB Khalsa College, Delhi
- Dr. Parveen Kumar, Panjab University Chandigarh.

Participants made presentations on the following themes during the seminar:

Plenary Lecture

- Dr. Parmjit Singh Sidhu: *Philosophy of The Great Redeemer: Shri Guru Teg Bahadur (online)*

Session I *Gurumat and Guru Tegh Bahadur*

- Dr. Manjit Singh: ਬਾਣੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ : ਫ਼ਲਸਫ਼ਕ ਤੇ ਸੰਰਾਚਨਾਤਮਕ ਆਧਾਰ (online)
- Dr. Gurmeet Singh Sidhu: *Guru Tegh Bahadur Ji: Life and Mystical Experience in the Context of Human Social Responsibility* (online)

Session II *Making of the Guru: Life and Martyrdom*

- Professor Ravinder Singh: '*Dharam Het Saka Jin Kia': The Historical Contextuality of Martyrdom of Guru Tegh Bahadur*
- Professor Avtar Singh: *Significance of 'Sirr' in the life of Guru Tegh Bahadur*
- Dr. Bhupinder Singh: *Guru Tegh Bahadur: Life, Martyrdom and Philosophy*
- Professor Harbhajan Singh: *Guru Tegh Bahadur: Uniqueness of martyrdom and his doctrine*

Session III *Philosophy of the Guru*

- Dr. Harpal Singh: *Guru Tegh Bahadur:The Redeemer of Soul and the Human*
- Dr. Ranju Bala: *Guru Tegh Bahadhur Ji di Bani ate Manukhi Mann*
- Dr. Amarjit Singh: *Vairag Rahas' in Guru Tegh: Bahadur's Bani (online)*
- Dr Jagdish Singh: *Semantic unfolding of 'Hind Di Chadar*

Session IV *Bānī of the Guru*

- Dr. Manjinder Singh: *Bani and Life of Sri Guru Teg Bahadur Ji: Discourse of Nonduality*
- Professor Buta Singh Brar: *Linguistic forms of Guru Tegh Bhadur's Bani* (online)
- Dr. Paramjit Singh Dhingra: *Etymological Conceptualization of Guru Tegh Bahadur's Bani*

Session V *The Guru as an Inspiration through Ages*

- Dr. Gurmit Singh Hundal: *Guru Tegh Bahadur: An Inspiration for Revolutionaries* (online)
- Dr. Jagmeet Bawa and Dr. Sarabjit Singh: *How Spirituality Responds to Politics: With Special Reference to Guru Tegh Bahadur*
- Dr. Gurprit Singh: *Preaching, Travels and projects of Guru Tegh Bahadur* (online)

Session VI *The Guru in Different Art Forms*

- Dr. Mehtab Kaur: *Changing Trends of Art Punjab with Special Reference to Guru Tegh Bahadur*
- Dr. Jatinder Singh: *Musicology of Guru Tegh Bahadur's Bani: Relevance and Practice*
- Dr. Vanita: *Thematic Consciousness of Shabada and Raaga in Guru Tegh Bahadur's Bani*
- Dr. Parveen Kumar: *Philosophical Visions of Guru Tegh Bahadur: A Contemporary Perspective*

8. National symposium on "*Spirit of Constitution in 75th year of Indian independence*" in collaboration with Raj Bhavan, Himachal Pradesh (26-27 November 2021)

Rationale: To celebrate the Constitution Day of India, a national Symposium on "भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में संविधान का मूल भाव/ Spirit of Constitution in 75th year of Indian Independence" was organised at IIAS in collaboration with Raj Bhavan, Himachal Pradesh from 26-27 November 2021. Hon'ble Governor of Himachal Pradesh Shri Rajendra Vishwanath Arlekar was the Chief Guest on this occasion. Welcome Address was given by Shri Prem Chand, Officiating Secretary, IIAS. Professor Chaman Lal Gupta, Vice Chairman, Governing Body and Officiating Director, IIAS presided over the session. Professor Kapil Kapoor, Chairman, IIAS delivered the Keynote Address. Chief Guest Hon'ble Governor of Himachal Pradesh Shri Rajendra Vishwanath Arlekar delivered the Inaugural address. Academic Resource Officer, Ritika Sharma proposed the Vote of Thanks.

PARTICIPANTS

- Professor D.P. Saklani, Guest Fellow, IIAS
- Dr. Chandrashekhar Pran, Former Director, Nehru Yuva Kendra Sangathan.
- Dr. J K Bajaj, Director, Centre for Policy Studies
- Professor Madhav Singh Hada, Former Fellow, IIAS
- Professor Bidyut Chakrabarty, Vice-Chancellor, Visva-Bharati
- Professor Shankar Sharan, Professor, Political Science at the NCERT
- Professor Bhagwati Prakash Sharma, Vice-Chancellor, Gautam Buddha University, Noida

Participants made presentations during the symposium:

Session I

- Dr. Chandrashekhar Pran (online)
- Dr. J K Bajaj (online)

Session II

- Professor Bidyut Chakrabarty (online)
- Professor Shankar Sharan
- Professor Bhagwati Prakash Sharma (online)

9. Winter School on '*Arthāyāma: Towards a Dharma-centric Vision of Economy/Political Economy with Special Reference to Gandhi and Other Indian Thinkers'* (1-15 December 2021)

Rationale: In the frightening contexts of increasing dangers to our planetary existence because of the prevalence of dominant " adharmic (unethical or value- neutral) discourses of economic globalization - embedded in insatiable human greed, lust for power, violence, exploitation and oppression of the other - so visibly manifest in the form of unbridled growth of economic inequalities, consumerism, obsession with artificial intelligence, cultural imperialism, terrorism, global warming/ climate change etc., the Winter School critically examined the increasing relevance of an Indic dharma-centric " economic - vision or *Arthaayaama*" - that is non-anthropocentric, holistic, eco-friendly, and therefore, truly "sustainable or *shaashvata*". Needless to say, *purusharthas* such as *"Artha*" (creation of wealth or political economy) and "*Kama"* (desire in its protean forms) have always been quite central to the Indic *Sanatan* Dharmi Vision of Life as so long as they are grounded in " dharma" (implying righteousness, morality, good conduct, duty, rights, all embracing spirituality, law, justice, essence-not implying - sect, religion, *mazhab*, creed, ritual or convention etc), - leading humanity or *Srishti* to liberation or *Mukti* or *Moksha*. Right from the Vedic *Vaangmaya, Kautilya*, to Gandhi, Kumarapa, Deen Dayal Upadhayaya to

Rajiv Malhotra, the discourses on "*Artha*" - that is, wealth creation or political economy" have always remained grounded in the diverse yet unified meanings of dharma. That is why, in the dharmic Indic "*Arthaayaama*"(economic thinking), *Swaraj/ Swa-Bodh/ Swaadhinata*, *Swadeshi, Satyagrah* (truth- force) Sarvodaya/ *Antyodaya, Swaavalamban* (self-reliance) have been at the centre of any notion of economic development or wealth creation or political economy. The Winter School was an attempt to discuss and critically analyse the significance and relevance of the dharma- centric vision of such important thinkers as Gandhi (including the Genealogy of Gandhi's Thoughts on Economy), Kumarappa, Sri Aurobindo, Vinoba Bhave, Tagore, Subhas Bose, Nehru, Ananda Coomarswamy, Lala Lajpat Rai, Swami Karpatri ji, Swami Achootanand ji, Dr Rammanohar Lohia, Dr Ambedkar, Jaiprakash Narayana, Dharmapal, Vandana Shiva, Dattopant Thengdi, Dr M S Swaminathan, Amartya Sen, Subhash Palekar, Gurcharan Das, Rajiv Malhotra and others, including special sessions on "Marxist and Gandhian Economic Vision: Conflicts and Convergences" and " Genealogy of Gandhi's Economic Thought" in the light of the above- mentioned theme.

A Winter School on 'Arthāyāma: Towards a Dharma-centric Vision of Economy/ Political Economy with Special Reference to Gandhi and Other Indian Thinkers' was organized at IIAS from 01st-15th December 2021. Professor Sudhir Kumar, Professor of English, Panjab University, DES-Multidisciplinary Research Centre, Chandigarh was Coordinator and Dr Balram Shukla, Fellow, IIAS was co-coordinator of Winter School. The Keynote Address of this 15-day event was delivered by Professor Ambika Datta Sharma on 'अद्वैती सभ्यता और गांधी :एक अनुशीलन'. Professor Sudhir Kumar, coordinator and Dr. Balram Shukla, Co-coordinator of the Winter School delivered the Vote of Thanks.

RESOURCE PERSONS

- Professor Ambika Datta Sharma, Professor of Philosophy, Department of Philosophy, Dr. H.S. Gaur Central University, Sagar (M.P)
- Professor Kapil Kapoor, Chairman, IIAS
- Professor Chaman Lal Gupta, Vice Chairman & Officiating Director, IIAS
- Dr. Ramaswamy Subramony, Member, Language Committee, Shiksha Mantralaya -Bharat Sarkar and Head, Department of English, Madura Autonomous College, Madurai
- Professor Shankar Sharan, Department of Political Science, NCERT, New Delhi
- Professor Jagbir Singh, Chancellor, Central University of Punjab, Bathinda
- Professor Brijendra Pandey, Associate Professor, Dept of Political Science, V H Mahavidyalaya, Lucknow, UP
- Professor Ravinder Singh, Professor of Punjabi, Delhi University

- Professor Sangit Ragi, Head and Professor, Department of Political Science, University of Delhi, Delhi
- Professor Nandkishore Acharya, Director, Prakrit Bharati Akademi, Jaipur
- Professor Kusumlata Kedia, Eminent Thinker, Bhopal
- Professor Chaman Lal Gupta, Vice Chairman and officiating Director, IIAS
- Shri Sandeep Balakrishna, Editor, Dharma Dispatch, Bengaluru
- Professor Kuldeep Agnihotri, Former VC, CUHP, Dharamshala and Advisor, Ministry of Culture, Govt of India
- Professor Surinder Jodhka, School of Social Sciences, JNU, New Campus, New Delhi
- Professor Pankaj Saxena, Professor of English, Rishihood University, Rashtram, Sonepat (Haryana)
- Professor Sharad Deshpande, Department of Philosophy, University of Pune, Pune (M.S)
- Shri Sheo Dayal, Eminent Writer, R.Villa, Mahesh Nagar, Patna(Bihar)
- Professor Kanagaraj Easwaran, Department of Economics, Central University of Mizoram
- Professor Jitendra Srivastava, Professor of Hindi, Department of Hindi, IGNOU, Maidan Grahi, New Delhi
- Professor Mukesh Ranjan, Department of English, Jamia Millia Islamia, New Delhi
- Professor Roshan Lal Sharma, Former Acting VC, CUHP, Dharamshala and Dean and Professor Department of English, Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala (HP)
- Professor Sanjeev Sharma, Vice Chancellor, Mahatma Gandhi Central University, Dr. Ambedkar Administrative Building, Near OP Thana, Raghunathpur, Motihari, District- East Champaran, Bihar
- Professor Bharat Desai, Jawaharlal Nehru Chair, JNU, SIS, New Delhi
- Professor Data Ram Purohit, Former National Fellow, IIAS
- Dr. Mahesh Chandra Sharma, Former Chairman, Research and Development Foundation for Integral Humanism, New Delhi

PARTICIPANTS

- Mr. Gourav, MA Social Work, Third Semester, Tata Institute of Social Science, Mumbai, Maharashtra
- Mr. Abhishek Tripathi, PhD student, Cognitive Psychology & Science, Sapienza University, Rome

- Dr. Abha Chauhan Khimta, Associate professor, Department of Political science, Himachal Pradesh University, Summerhill, Shimla
- Mr. Pinku Jha, PhD scholar, The M.S. University of Baroda
- Mr. Ravi Saxena, Assistant Professor, Kirit P. Mehta School of Law, NMIMS, Mumbai
- Mr. Akash Kumar Srivastava, S-3/112 Dithori Mohal, Orderly Bazar, Varanasi
- Mr. Mangalam Kumar Rastogi, Research Scholar, IGNOU
- Dr. Avnish Kumar, Associate Professor, Department of Sanskrit, Hansraj College, University of Delhi, Delhi
- Mr. Narayana, Goudur Tanda, Raichur, Karnataka
- Mr. Bhagwat Jayeshkumar Maheshkumar, Assistant Professor, School of Planning and Architecture (SPA), Vijayawada, Andhra Pradesh
- Mr. Mohit Kumar Mishra, Research Scholar, Department of Sanskrit, University of Delhi
- Dr. Vishvesh Vagmi, Assistant Professor, Department of Sanskrit, Mahatama Gandhi Central University, Bihar
- Mr. Lalan Kumar, Assistant Professor, Department of Hindi, Nitishwar Mahavidyalaya, B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, Bihar
- Dr. Sanjukta Chatterjee, Associate Professor, Department of English, Raiganj University
- Ms. Neha Verma, Department of English, Panjab University, Chandigarh
- Dr. Ambikesh Kumar Tripathi, Assistant Professor, Department of Gandhian and Peace Studies, School of Social Sciences, Mahatma Gandhi Central University, Bihar
- Mr. Priyank Goswami, Research Scholar, Department of Public Policy, Law and Governance, Central University of Rajasthan
- Mr. Ganesh Tiwari, Researcher at University of Delhi
- Mr. Vikas Kumar Choudhary, Jamia Millia Islamia, New Delhi
- Dr. D. Sudhir, Department of Public Administration, University of Rajasthan, Jaipur
- Ms. Nisha Rai, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

Resource Persons and participants made presentations on the following theme during the school:

Day I

- Professor Ambika Datta Sharma: 'सनातन गांधी'
- Professor Kapil Kapoor, Chairman, IIAS

- Dr. Ramaswamy Subramony: *The Early Writings of Sri Aurobindo*

Day II

- Professor Shankar Sharan: *Is there an Economic Vision in Indian Tradition? Some Preliminary Thoughts*
- Professor Kapil Kapoor's Address and Interactive session
- Professor Ambika Datta Sharma
- Interactive Session involving Professor Kapil Kapoor, Professor Chaman Lal Gupta, Professor Sudhir Kumar, Professor Ambikadutt Sharma and Professor Shankar Sharan

Day III

- Professor Shankar Sharan
- Professor Shankar Sharan: *Swāmī Vivekānanda's Economic Vision: A Critical Perspective*
- Professor Ambika Datta Sharma
- Presentation-I

Day IV

- Professor Jagbir Singh: *Artha Puruṣārtha in Sikhism: Theory and Practice*
- Professor Sudhir Kumar-I: *Who is Afraid of Deen Dayal Upadhayaya*
- Professor Brijendra Pandey: *Ananda Coomarswamy's Vision of Swadeśī: A Holistic Discourse* (online)
- Professor Ravinder Singh: *Arthāyāma: Gurumat Ke Sandarbh Mein*
- Dr Ramaswamy Subramony: *The Cholas and Vedic Dharma*

Day V

- Dr Balram Shukla –I: *Arthāyāma in Sanskrit Vāṅmaya*
- Professor Sangit Ragi: *The Political Economy of Veer Savarkar's Hindutva-1*
- Professor Sangit Ragi: *The Political Economy of Veer Savarkar's Hindutva-2*
- Presentation-II

Day VI

- Professor Nandkishore Acharya: *Arthaayaam/ Economic Vision of Dr Rammanohar Lohia*
- Professor Nandkishore Acharya: *Gandhi and Vinoba*

- Dr Ramaswamy Subramony: *Ramaṇa Maharṣi, Nārāyaṇa Guru and Vallalar- Concept of Holistic Development*
- Professor Kusumlata Kedia: *On Artha Puruṣārtha: A Critical Overview* (online)

Day VII

- Professor Sudhir Kumar: *Sanatan, Artha, Chintan: On Dattopant Theangadi*
- Dr Balram Shukla: *Arthāyāma in Prakrit Vāṅmaya*
- Dr. Ramaswamy Subramony: *Sri Aurobindo's Ideal of Human Unity and Human Cycle*
- Presentation-III

Day VIII

- Professor Chaman Lal Gupta: *"Arthāyāma: Gandhi and Pandit DeenDayal Upadhyaya"*
- Shri Sandeep Balakrishna: *Contours of Corporate & Business Life in Ancient India-1*
- Professor Kuldeep Agnihotri: *Deen DayalUpadhyayya's Economic Vision with Special Reference to Integral Humanism*

Day IX

- Professor Surinder Jodhka: *A Critical Discourse on the Rural Imaginary in Modern India* (online)
- Shri Sandeep Balakrishna: *Contours of Corporate & Business Life in Ancient India-2*
- Professor Pankaj Saxena: *The Temple Economy in Indian Tradition: An Overview* (online)
- Professor Sharad Deshpande: *एकात्म मानव दर्शन की परिभाषा* (online)

Day X

- Professor Sudhir Kumar: *On Gandhi, Ambedkar and Savarkar: Katha Uttarkatha*
- Shri Sheo Dayal: *Economic Vision of Jaiprakash Narayana: Towards Total Revolution*
- Professor Kanagaraj Easwaran: *Arthāyāma or Economic Vision in Indian Knowledge System* (online)
- Professor Jitendra Srivastava: *Artha in Premchand's Writings: Some Critical Reflections* (online)
- Presentations-IV

Day XI

- Professor Sudhir Kumar: *On J C Kumarappa and Carna in Manu Smriti*
- Professor Mukesh Ranjan: *Arthāyāma and New Education Policy 2020*

- Shri Sheo Dayal: *On Rajendra Prasad*
- Dr. Balram Shukla
- Presentations-V

Day XII

- Professor Sudhir Kumar: *Thirukkural and Dr Ambedkar: Karl Marx or the Buddha*
- Professor Roshan Lal Sharma: *Arthāyāma: Vandana Shiva*

Day XIII

- Open House
- Professor Sanjeev Sharma (online)
- Professor Bharat Desai: *Arthāyāma in Gandhi's Hind Swaraj* (online)

Day XIV

- Professor Data Ram Purohit*: Arthāyāmain Mṛichchakaṭikam* (online)
- Professor Sudhir Kumar: *Towards Moronization: The Adharmic Impact of Artificial Intelligence on Arthayaama: Understanding Rajiv Malhotra's Seminal Intervention*
- Dr. Mahesh Chandra Sharma**:** *Arthāyāma: Gandhi and Deen Dayal Upadhayaya*

Day XV

- Dr. Mahesh Chandra Sharma: *Arthāyāma: Gandhi and Deen Dayal Upadhayaya*

WEEKLY SEMINARS BY FELLOWS

The Fellows of the Institute presented weekly seminars which are open to other scholars at the Institute, Associates of the Inter-University Centre and faculty of Himachal Pradesh University. These seminars are related to the themes of the projects undertaken by the Fellows of the Institute and provide an opportunity for formal interaction among the scholars. Due to the restrictions imposed by the outbreak of the pandemic Covid19, academic events were later shifted to the online platform in the form of 'webinars', in line with the Government of India's directives. During the period under report, the following weekly seminars were given by the Fellows:

1. Professor D.R. Purohit: *Folk Theatre of the Central Himalaya: its cultural and performative contexts' (*8 April 2021)
2. Professor Medha Deshpande: *Poverty: Concept, Measurement and Policy (*15 April 2021)
3. Dr. Anjali Duhan: *Dvādas Bhāv – Edifying the Royalty: A Mughal version of a Sanskrit story* **(**22 April 202)
4. Professor Rajvir Sharma: *Political Philosophy of Kautilya: The Arthashastra and after* **(**29 April 2021)

5. Dr. Sumit Dahiya: *पश्चिमी राजस्थान की महिला गायिकाएं – कला, राज्याश्रय तथा सामुदायिक जीवन* (6 May 2021)

6. Dr. Venusa Tinyi: *An Inquiry into the Foundation of Deontic Logic Problematizing Kripke's Possible World Semantics for Deontic Logic and Framing an Alternative Model for Re-Thinking the Basic Concepts of Deontic Logic and Their Counterparts in Other Normative Systems (*27May 2021)

7. Dr. Abhishek Yadav: *अरुणाचल प्रदेश की जनजातीय रचनाकारों द्वारा रचित हिन्दी साहित्यः कहानी और उपन्यास* (10 June 2021)

8. Professor Madhav Hada: *पद्मिनी विषयक ऐतिहासिक कथा–काव्य की देशज परम्परा का विवेचनात्मक अध्ययन* (07 October 2021)

9. Md. Aadil Salam: *India in Contemporary Arabic Literature* (21st October 2021)

10. Dr. Sumandeep Kaur: *Ecological Concerns in Select Punjabi Fiction* (08th November 2021)

11. Dr. Alka Tyagi: *Bhāvanā in texts and traditions and Bhāvanā to attain the state of Bhairava: Nistaranṅg upadeśas of The Vijñānabhairava Tantra* (15th December 2021)

12. Dr. Balram Shukla: *प्राकृत कविता के चारुत्व के भाषिक प्रयोजक* (18 January 2022)

13. Dr. Alok Kumar Gupta: *19वीं सदी के गुजराती और हिन्दी साहित्य में भारतीय चेतना* (09 March 2022)

14. Dr. Aziz Mahdi: *Common Roots of Heritage: A Research on Similarities present between Ramayan, Mahabharat and Shahnameh (of Ferdowsi)* (17 March 2022)

15. Professor Ravinder Singh: *Relocating Punjabi Literary Tradition in its Geo-Cultural and Civilizational Context* (24 March 2022)

16. Professor (Dr.) Mandavi Singh: *कथक नृत्य परंपराः वर्तमान परिदृश्य में परिवर्तन और चुनौतियाँ* (31 March 2022)

MONOGRAPHS RECEIVED FROM FELLOWS

The Institute received following Monographs from the Fellows:

1. Dr. Sharmila Chandra: *Interpretation of Mask Making and Mask Dancing in the Context of Folk and Hindu Mythology: An Ethno-Cultural Study* (06 April 2021)
2. Professor Rajvir Sharma: *Political Philosophy of Kautilya: The Arthashastra and After* (27 May 2021)
3. Dr. Anjali Duhan: *Edifying the Royalty: Dvadasa Bhava–A Mughal Version of a Sanskrit Story* (15 June 2021)
4. Dr. Abhishek Kumar Yadav: *अरुणाचल प्रदेश की जनजातियाँ और हिन्दी में उनका साहित्य* (28 June 2021)
5. Professor Madhav Singh Hada: *पद्मिनी विषयक ऐतिहासिक कथा–काव्य की देशज परम्परा का विवेचनात्मक अध्ययन* (15th November 2021)
6. Dr. Tadd Graham Fernee: *Beyond the Faustian Bargain: Ethics as Material Development* (30th December 2021)
7. Dr. Balram Shukla: *प्राकृत कविता के चारुत्व के भाषिक प्रयोजक* (18th January 2022)
8. Dr. Sunita Raina: *Making a Bioempire: Nuxus of Bt Technology and Neoliberalism in India* (14th February 2022)
9. Dr. Sumandeep Kaur : *Ecological Concerns in Select Punjabi Fiction* (15th February 2022)
10. Dr. Alka Tyagi : *Bhavana (Creative Contemplation) and Bhairava (Supreme Reality) in Trikal Darsana* (20th February 2022)
11. Dr. Mohammad Aadil Salam : *India in Contemporary Arabic Literature* (02nd March 2022)

DISTINGUISHED LECTURE SERIES

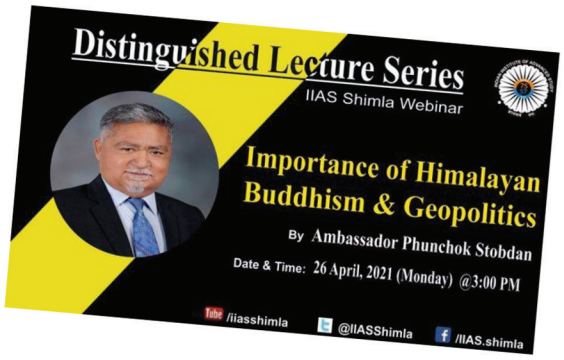

April 2021

- Dr. V. Anantha-Nageswaran, a co-founder and member of the Board of Directors of NPS International School delivered a lecture on:

► *Rebooting the Indian Economy: Opportunities & Pitfalls* (16 April 2021)

- Dr Aakash Singh Rathore, author of Ambedkar's Preamble: A Secret History of the Constitution of India delivered a lecture on:

  ► *B R Ambedkar: The Quest for Justice* (19 April 2021)

- Shri Shridhar Venkat, CEO, the Akshaya Patra Foundation, delivered a lecture on

  ► *Meals for All: The Miracle of Akshaya Patra* (20 April 2021)

- Ambassador Phunchok Stobdan, Senior Fellow for Eurasian Security delivered a lecture on:

  ► *Importance of Himalayan Buddhism & Geopolitics* (26 April 2021)

May 2021

- Noa Schwartz Feuerstein, Jerusalem, Israel delivered a lecture on

  ► *C.G. Jung's Psychology and The Upanishadic wisdom: From 'Individuation' towards 'Ātmanization'* (28 May 2021)

V. BOOK DISCUSSIONS

The Institute organised book discussions on different authors' books in this period:

- Shri M.K. Raghavendra's book titled *'The Hindu Nation',* Professor Badri Narayan's '*Republic of Hindutva' and* Shri Rahul Roushan's '*Sanghi who never went to a Shakha' (*09 April 2021)
- Ms. Vandana Kohli's book titled "*HINGE: Re-Discovering Emotional and Mental Wellness" (20 May 2021)*
- Professor Pankaj Jain's book titled "*Dharma in America: A short History of Hindu Jain Diaspora* (03 June 2021)
- Dr. Shankar Sharan's latest book "धर्म संस्कृति और राजनीति" (Pratishruti Prakashan, 2021) (30th July 2021). Dr. Sanjay Dixit, former bureaucrat and author of bestselling book Unbreaking India: Decisions on Article 370 & The CAA and Dr. Ritendra (Ram) Sharma, Centre for Indic Studies, Indus University, Ahmedabad were panelists of this discussion.

GUEST FELLOW

1. Professor Dinesh Prasad Saklani, Department History, Ancient Indian History, Culture & Archaeology, HNB Garhwal University, Srinagar delivered a lecture on:

   - *Is Vedic Medicine religio- magical? (Analysis of a narrative set by historians)*" (22 November 2021)

OTHER SPECIAL ACADEMIC ACTIVITIES

1. The Institute celebrated Ambedkar Jayanti on 13th April 2021. The Guest of Honour on this occasion was Dr. Sanjay Paswan. A distinguished lecture on "*B.R. Ambedkar: The Quest for Justice*" was delivered by Dr. Aakash Singh Rathore. Remarks were given by Professor S.K. Chahal, Fellow, IIAS, Shri Siddhartha, Pipal Tree and Shri Abhinav Prakash.

2. INDEPENDENCE DIALOGUES/स्वतंत्रता संवाद: Dialogue with the esteemed writer Nayantara Sahgal and the renowned human rights advocate Gita Sahgal on "*Witness to an Era*" (05 August 2021)

3. INDEPENDENCE DIALOGUES/स्वतंत्रता संवाद: A conversation on "*Writing The Indian Diaspora: A Dialogue*" between Professor Sudesh Mishra, Professor in Literature, Language and Linguistics, The University of South Pacific and Professor Vijay C. Mishra, Emeritus Professor of English and Comparative Literature, Murdoch University (06 August 2021)

4. To celebrate Azadi ka Amrit Mahotsav, a special lecture on 'Shimla, the hill states and the firing at Dhami' was delivered by noted historian, writer and journalist Shri Raaja Bhasin to highlight the contribution of Himachal in the struggle for India's freedom (24th November 2021).

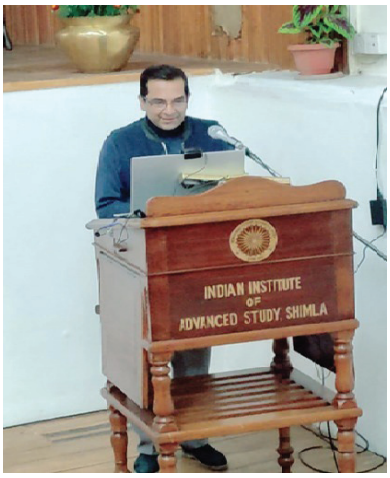

5. Students for Holistic Development of Humanity (SHoDH) Himachal Pradesh had conducted a 15 day Internship Programme all over Himachal Pradesh in order to document and highlight the stories of forgotten heroes of India's freedom struggle. It was an effort to document the unsung struggles of all such freedom fighters who made sacrifices for the cause of India's freedom struggle. This event was a part of Azadi ka Amrit Mahotsav, an initiative of the Government of India to mark 75 years of Indian independence. The concluding event was held at IIAS Shimla.

INTER-UNIVERSITY CENTRE FOR HUMANITIES AND SOCIAL SCIENCES

In April 1991, the Indian Institute of Advanced Study also established the Inter-University Centre for Humanities and Social Sciences in collaboration with the University Grants Commission. The Centre, through its Associateship Programme, caters to teachers from colleges and universities across the country to enable them to visit the Institute to further their research pursuits. Following a strict selection procedure, the Associateship Programme enables the Institute to extend library facilities and its academic environment to the selected teachers for a period of one month each for three years. During this period, these teachers reside at the Institute as Associates; participating in all its seminars, lectures, and other academic programmes. This period also provides them an opportunity to discuss their research interests with the Fellows and Visiting Scholars of the Institute. Apart from its Associateship Programme, the Centre also convenes seminars in new areas of research in humanities and social sciences that are meant primarily for young researchers in universities and colleges. The Centre also conducts 'study weeks' which are intensive programmes meant for senior teachers in universities and colleges.

The following presentations were given by the IUC Associates during the period under report:

October 2021

1. Dr. Harsha Trivedi: *हिंदी उपन्यासों में नारी स्वरूपः प्रेमचंद के उपन्यासों के संदर्भ में* (22 October 2021)
2. Dr. Mahatma Shrinath Pandey: *इक्कीसवीं सदी के किन्नर साहित्य और सामाजिक न्याय* (22 October 2021)
3. Professor Jagdish Kaur: "*Reading 'Dari' as a Cultural Text of Punjab* (22 October 2021)
4. Dr. Ajayan T: *"The USA and the Dismissal of the First Communist Ministry in Kerala"* (22 October 2021).
5. Dr. Uttam Lal: *"Beasts of Ruptured Geographies: Yak herding in the Sikkim"* (22 October 2021).
6. Dr. Manisha Patil: *"Love and its Nuances in Modern Indian Short Stories"* (25 October 2021)
7. Dr. Dashrath S.: *"Stage and Beyond: Locating Gender in Dina Mehta's Getting Away with Murder and Mahesh Dattani's Dance Like a Man"* (25 October 2021
8. Dr. Harnam Singh Alreja: *ओशो रजनीश की विवादस्पद दवि और उनके दर्शन पर विमर्श* (25 October 2021)
9. Dr. Bhawna Sharma: *"European Union and the Crisis of Brexit"* (26 October 2021)
10. Dr. Anju Sosan George: *"Autism Memoirs: Masked Narratives of Normalization" (*26 October 2021)

11. Dr. Zeenat Khan: *"Absence, Loss and Memory: Representation of Trauma in Contemporary Literature of Kashmir"* (26 October 2021)
12. Professor K. Sharada: *"Discourse of Death in Jainism"* (26 October 2021
13. Dr. Ramesh B: *"Contemporary Religious Practices of The Chenchus (A Study on the Particularly Vulnerable Tribal Groups of The Nallamalai Forest In Andhra Pradesh)"* (26 October 2021)
14. Dr. Suneela Sharma:*"Pahari Language: A Search for Identity"* (27 October 2021)
15. Dr. Umesh L. Bharte: "*The Promise of Indigenous Psychologies: The Indian Case"* (27 October 2021)
16. Dr. Wilbur Gonsalves: *"Anxiety and the Social: A Critical Standpoint on Content-Structure related Meaning"* (27 October 2021)
17. Dr. Ranjan Kumar Swain: "*Migration Reduction Action Plan of Balangir District of Odisha"* (27 October 2021)
18. Professor Sheela H.K. Sridhar:*"Multidisciplinary Perspective Of Bharatanatya- Is Veda Bhoomi- Land of knowledge"* (27 October 2021)

November 2021

1. Dr. Sandeep kumar Yadav: P*ast Perfect, Present 'Tense' and Future Imperfect: An Analysis of the Issue of Caste Census in India* (22 November 2021)
2. Dr. Manorama Patri: *Impact of COVID -19 on the inner GPS system of the Brain* (22 November 2021)
3. Dr. Susma Mishra: *Indianization of Indian Education* (22 November 2021)
4. Dr. Anil Pratap Giri: *P.R. Sarkar's view on word, meaning and verbal understanding of Language* (23 November 2021)
5. Dr. Arun Wahul: *आँग सान सु की और म्यानमार का लोकतांत्रिक संघर्षः अतीत से वर्तमान तक* (23 November 2021)
6. Dr. Anil Kumar Tiwari: *The Structure of Inference (anumāna) in the Ātmatattvaviveka* (23 November 2021)
7. Dr. Pooja Paswan: *Public Policy Design and innovation in Indi*a (23 November 2021)
8. Dr. Vishaka Kumari: *महात्मा गांधी के सत्याग्रह सिद्धांत का समकालीन परिप्रेक्ष्य* (23 November 2021)
9. Dr. Rajesh modi: *Women Empowerment through Panchayati Raj Institutions: A Study of Role and Responsibilities of Women Heads of Village Panchayats in Gujarat (24 November 2021)*

10. Dr. Geeta Yadav: *स्वयंम की तलाश में खोयाः पोस्ट बॉक्स न 203 नालासोपारा* (24 November 2021)
11. Dr. Indu K.V.: *अस्तित्व विहीन के अस्तित्व की लड़ाई की अभिव्यक्ति हिन्दी–मलयालम फिल्मों में चित्रित किन्नर जीवन के संदर्भ में* (24 November 2021)
12. Dr. Ravi Shukla: *Narrativity of Post – Independent India through ABVP Songs* (25 November 2021)
13. Dr. Sudhir Kumar: *Captives of Empire: Civilizing Torture in A Passage to India and No Longer at Ease* (25 November 2021)

December 2021

1. Dr. Shelly Narang: *Varis Shah's Hir: Subversion and Radicality in the Kissa and Postcolonial Punjabi Poetry* (28 December 2021)
2. Dr. Sili Rout: *From the God's Kitchen: The Mahāprasād in Shri Jagannāth Temple, Puri, India* (28 December 2021)
3. Dr. Ananya Parida: *Voices in the Kālā Pāni: Texts and Context* (28 December 2021)
4. Dr. Purnima Thapar: *Indigenous women's fight for justice; Gender rights and its implementation in India and Nordic Countries* (28 December 2021)

March 2022

1. Dr. Leena Chauhan: *वर्तमान शिक्षाः ज्ञान का विस्तार या संकुचन* (22 March 2022)
2. Dr. Karan Singh: *Sacralising Soldier: Dynamics of Collective Memory in Syncretic Shrines* (22 March 2022).
3. Dr. (Captain) Bishnu Dev Singh Mallick: *Manabasa Gurubar Laxmi Puran: Ek Anushilan* (22 March 2022).
4. Dr. Akal Amrit Kaur: *Parvasi Punjabi sahit sabhyachar:Bahusathani network chetna* (22 March 2022).
5. Dr. Simran Chadha: *Belonging by Victimisationand "Strangers": The Poetry of Jean Arasanayagam* (22 March 2022).
6. Ms. Krishnamani Bhagabati: *Socio-cultural dynamics of the Singpho tribe of North-east India* (23 March 2022).
7. Prof. (Dr.) Poonam Prakash: *Significance of Public Values Framework for Crisis Preparedness - Learning from Covid-19 pandemic* (23 March 2022).
8. Dr. Shilpa D. Jivrag: *Hindi katha sahitya me stree lekhan*(23 March 2022).
9. Dr. Rama Dudhmande: *मीडिया की बदलती भाषा स्वरूप एवं महत्व* (23 March 2022).

10. Dr. Gauri Tripathi: *स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के तीन दशकः आजादी का स्वप्न और यथार्थ* (23 March 2022).
11. Dr. Viramdev Sinh B. Gohil: *A Study of Psychological Challenges Faced by Children With Dyslexia and Their Parents' Stress During the COVID 19 Pandemic* (25 March 2022)
12. Dr. Balaji Shankarrao Chirade: *Educational Movement of Badshah Khan in NWF*P (25 March 2022)
13. Dr. Charles Varghese: *Power, domination and stigma: Construction of marginal citizenship in everyday schooling* (25 March 2022).
14. Dr. Baldev Singh Negi: *Elected Representatives of Panchayati Raj Institutions in Himachal Pradesh: A Profile of Elected Representatives in 2021* (25 March 2022).
15. Dr. Manas K Ghosh: *Decolonizing Indian Cinema: The Influence of Indian Paintings and 'Nayi Kahani' Literature on Mani Kaul* (25 March 2022).
16. Dr.Veerabhadram Bhukya: *Corporate Social Responsibility Practices and Its Impact on Community Development: With Reference to Top Ten Indian Companies* (28 March 2022).
17. Dr. Radhamani.C. *Malayalam filmon mein transgendaron ki jeevan gatha* (28 March 2022).
18. Dr. Binumol Abraham: *Malayalee Nurses and Health Care: Some Reflections on Challenges and Stereotypes* (28 March 2022).
19. Dr. Gore Vitthal Gangadharrao: *Post-COVID New Normal: Challenges and Opportunities in Higher Education in India* (28 March 2022).
20. Dr. Brijratan Joshi: *Sumitranandan pant: kavykala ka anveshan* (28 March 2022).
21. Dr. Richard Rego: *Islands in the Stream: Inter-relational Dynamics in Dweepa of Girish Kasaravalli* (28 March 2022).

ACCOUNTS AND BUDGET

ACCOUNTS AND BUDGET

The Revised Estimate for the Financial Year 2021-22 and Budget Estimates for the Financial Year 2022-23 are as under:

(Amount in lakhs)

Name of Scheme	Revised Estimates 2021-22	Budget Estimates 2022-23
OH-31	1761.02	2702.03
OH-35	299.26	319.50
OH-36	927.45	1155.82
Total	2987.73	4177.35

The accounts of the Institute for the year 2021-22 duly audited by the Office of the Director General of Audit (Central), Indian Audit and Accounts Department, Chandigarh are enclosed at page 195 to 234.

(B) IUC ACCOUNTS

The Accounts of the Inter-University Centre for Humanities and Social Sciences (IUC) Scheme are audited by a firm of Chartered Accountants M/s Doger & Co., Shimla. The expenditure for the Financial Year 2021-22 was Rs.20.63 lakhs.

The Audited Statement of Accounts of the Inter-University Centre (IUC) Scheme for the year 2021-22 is placed at pages 235-241.

—speed post—

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

सत्यमेव जयते

Indian Audit & Accounts Department

Office of The Director General of Audit (Central), Chandigarh

स०/No: डी.जी.ए.(सी)/के. व्यय/SAR- 2021-22/IIAS-Shimla/2022-23/ 1821 दि०/Dated: 25/10/2022

सेवा मे,

सचिव,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली – 110001

विषय: Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla (Himachal Pradesh) **के वर्ष** 2021-22 **के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन**

महोदय,

कृप्या Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla (Himachal Pradesh) **के वर्ष** 2021-22 **के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन** (Separate Audit Report) **संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पाएं | संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए |**

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएं |

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें |

भवदीय,

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

-हस्ता/-

महानिदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2021-22 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु निदेशक, Indian Institute of Advanced Study (IIAS), Shimla Rashtrapati Nivas, Shimla (Himachal Pradesh) -171005.**को प्रेषित की जाती है|**

भवदीया,

प्रतिक्षा

निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई-मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Indian Institute of Advanced Study, Shimla, for the year ended on 31 March 2022

1. We have audited the Balance Sheet of the Indian Institute of Advanced Study, Shimla (Himachal Pradesh) as at 31 March 2022. Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General s (Duties, Powers & Conditions of Service) Act. 1971. The audit has been re-entrusted from 2018-19 to 2022-23. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor Genera! of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG s Audit Reports, separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material mis¬statements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

   i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

   ii) The Balance Sheet and income and Expenditure Account dealt with by this Report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Human Resources Development, Government of India vide order No. 29-4/2012-FD dated 17 April 2015.

   iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Indian Institute of Advanced Study, Shimla (Himachal Pradesh) in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:-

A. Balance Sheet

Source of funds

Current Liabilities and Provisions (Schedule 3)

Current Liabilities: ₹ 11.78 crore

Unutilized Grants: ₹ 10.15 crore

As per the prescribed format (page 88), while calculating revenue expenditure from grants, actual payments made in the year for retirement benefits should be included and provision made in the year for retirement benefits should not be included in it. However, it has been observed that the Institute had booked excess expenditure on account of provision for retirement benefits amounting to ₹ 1.72 crore during the years 2019-20 to 2021-22 (total provisions booked ₹ 2.62 crore less actual payments ₹ 0.90 crore). This has resulted in understatement of unutilized grants and overstatement of Corpus/ Capital Fund by ₹1.72 crore. Besides, Income of current year was overstated by ₹0.40 crore to the extent of excess provision booked as Income on account of Grant/ Subsidies. Observation in this regards was also pointed out in the previous two reports.

B. General

B.1 As per prescribed format of accounts as well as Accounting Standard 15 issued by ICAI, the Institute needs to make provision for retirement benefits based on actuarial valuation.

(i) However, as per the accounting policy mentioned at Sl.no. (g), the Institute had made provision for retirement benefits of leave encashment and gratuity on estimation basis and not on actuarial valuation basis.

(ii) Moreover, no change/increase in the provision for retirement benefit of Superannuation Pension was noticed since the year 2016-17. Therefore, compliance of prescribed and Accounting Standard 15 was not made by the Institute. Therefore, provision for retirement benefit of Superannuation Pension is not being made by the Institute.

Thus, compliance of Accounting Standard 15 and instructions contained in the prescribed format is not made by the Institute. Observation in this regard is being pointed out since the year 2016-17. However, compliance is still pending.

B.2 Ministry of Education vide OM No. F.No. 19-1/2017-IFD dated 23.2.2022 has clarified that each Bureau may issue separate notification for implementation of Payment of Gratuity Act, 1972 in respect of autonomous Bodies under their administrative control. An accumulated provision amounting to ₹ 0.54 crore in respect of Gratuity to the employees covered under NPS has been shown in annual accounts for the year 2021-22. However, gratuity can be given to the employees of the AB only after it is notified by the Ministry of Education. The fact of provisioning of gratuity should be disclosed in notes to accounts.

C. Grant-in-Aid

The position of Grant-in-Aid of the Institute as on 31.03.2022 is as detailed below:-

Amount in ₹ crore

Particular	OH-'31' General	OH-'35' Capital	OH-'36' Salary	Interest	Total
Opening Balance as on 01.04.2021	3.04	0.06	2.12	0.32	**5.54**[1]
Received during the year	9.96	2.99	9.57	0.25	**22.77**
Total available funds	13.00	3.05	11.69	0.57	**28.31**
Less: Expenditure	10.06[2]	1.63	6.60	0.07	**18.36**
Added back provision for retirement benefits which was incorrectly booked as expenditure by the Institute as per comment at Sl.no. A	–	-	1.72	-	**1.72**
Unutilised balance as on 31.03.2022	2.94	1.42	6.81	0.50	**11.67**

Unutilised balance of Government Grants as per Schedule 10 was ₹ 9.95 crore which is to be corrected to the extent of ₹ 1.72 crore in accordance with the observation at Sl.no. A of this report. This needs reconciliation.

D. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/ corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts & payments Account dealt With by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us. the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indian Institute of Advanced Study, Shimla(Himachal Pradesh) as at 31 March 2022; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Place: Chandigarh

Director General of Audit (Central), Chandigarh

Date: 25/10/2022

[1]Unutilised balance as per previous year SAR was ₹ 15.32 crore which was worked out after including provisions for retirement benefits of ₹ 9.25 crore for the years 2019-20 and 2020-21 and also including the excess expenditure under Salary head (OH-36) for the year 2017-18 as per comment at Sf.no. A.3.1 of the report of previous year 2020-21 (5.54= 15.32 - 9.25 - 0.53).

[2] 10.13- 0.07 refund of interest (Schedule 20)

ANNEXURE TO AUDIT REPORT

1. **Adequacy of Internal Audit system**

   Internal Audit of Institute is being conducted by the Chartered Accountant.

2. **Adequacy of Internal control system**

   Internal control system is considered inadequate to the extent that:

   (i) There was no system of taking confirmation of balances from debtors.

   (ii) Details of the item wise, highest and lowest levels of consumable stock fixed and maintained not made available.

3. **System of Physical verification of Fixed Assets**

   Physical verification of Fixed Assets was conducted.

4. **System of Physical verification of Inventory**

   Physical verification of Inventory was conducted.

5. **Regularity in payment of statutory' dues**

   The Institute was regular in payment of statutory dues.

Sd/-

Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH 2022

Amount in Rs. Ps.

Source of Funds	**Schedule**	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
Corpus/Capital Fund	1	26,10,36,704.34	21,20,10,682.79
Designated/ Earmarked / Endowment Funds	2	4,07,927.00	4,84,22,659.74
Current Liabilities & Provisions	3	18,40,01,898.70	38,61,49,056.63
Total		**44,54,46,530.04**	**64,65,82,399.16**
Application of Funds	**Schedule**	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
Fixed Assets			
Tangible Assets	4	20,20,90,861.47	20,88,64,337.47
Intangible Assets	4	1,90,922.00	5,138.00
Capital Works-in-progress		-	-
Investments from Earmarked / Endowment Funds	5	-	-
Long Term		-	-
Investments - Others	6	-	-
Current Assets	7	18,53,86,906.57	38,30,52,801.69
Loans, Advances & Deposits	8	5,77,77,840.00	5,46,60,122.00
Total		**44,54,46,530.04**	**64,65,82,399.16**
Significant Accounting Policies	23	-	-
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24	-	-

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH,2022

Amount in Rs. Ps.

Particulars	Schedule	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
INCOME			
Academic Receipts	9	-	-
Grants / Subsidies	10	18,48,92,183.44	21,57,01,201.48
Income from investments	11	-	-
Interest earned	12	-	-
Other Income	13	70,91,448.81	(6,051.91)
Prior Period Income	14	-	-
Depreciation transferred to Capital fund Grant- in-Aid		-	-
TOTAL (A)		19,19,83,632.25	21,56,95,149.57
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	12,33,18,673.00	11,13,82,347.06
Academic Expenses	16	1,44,53,397.00	3,21,04,884.00
Administrative and General Expenses	17	1,21,57,041.86	89,46,126.92
Transportation Expenses	18	5,35,298.00	1,16,898.00
Repairs & Maintenance	19	3,04,96,163.08	6,21,50,719.00
Finance costs	20	6,72,411.50	8,78,571.50
Depreciation	4	91,22,463.00	37,97,200.00
Other Expenses	21	-	-
Prior Period Expenses	22	32,59,199.00	1,21,655.00
TOTAL (B)		**19,40,14,646.44**	**21,94,98,401.48**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		(20,31,014.19)	(38,03,251.91)
Transfer to / from Designated Fund		-	-
Building fund		-	-
Others (specify)		-	-
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Capital Fund/Corpus Fund		(20,31,014.19)	(38,03,251.91)
Significant Accounting Policies	23	-	-
Contingent Liabilities and Notes to Accounts	24	-	-

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-1 CORPUS/CAPITAL FUND

Amount in Rs. Ps.

Particulars		**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
	Balance at the beginning of the year	21,20,10,682.79	25,66,82,769.70
Add:	Contributions towards Corpus/Capital Fund	5,02,23,475.74	5,085.00
Add:	Grants from UGC, Government of India and State Government to the extent utilized for capital expenditure	8,33,560.00	5,33,377.00
Add:	Assets Purchased out of Earmarked Funds	-	-
Add:	Assets Purchased out of Sponsored Projects, where ownership vests in the institution	-	-
Add:	Assets Donated/Gifts Received	-	-
Add:	Other Additions (Provision Written Back)	-	-
Add:	Excess of Income over expenditure transferred from the Income & Expenditure Account		-
Total		**26,30,67,718.53**	**25,72,21,231.70**
(Deduct)	Deficit transferred from the Income & expenditure Account	20,31,014.19	38,03,251.91
(Deduct)	Transfer to IC4HD		4,14,07,297.00
Balance at the year end		**26,10,36,704.34**	**21,20,10,682.79**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-2 DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS/CAPITAL GRANT

Amount in Rs. Ps.

Particulars	Fund wise Breakup					Total	
	Capital Grant in aid	Fund AAA	Fund BBB	Fund CCC	Endowment Funds	Current Year	Previous Year
A.							
a) Opening balance	4,84,22,659.74						4,84,22,659.74
b) Additions during the year	-						-
c) Income from investments made of the funds							
d) Accrued Interest on investments/Advances							
e) Interest on Savings Bank a/c	14,264.00						
f) Other additions (Endoment & Corpus Donations)	-						-
Total (A)	**4,84,36,923.74**	**0**	**0**	**0**	**0**		**4,84,22,659.74**
B.							
Utilisation/Expenditure towards objectives of funds							
ii) Capital Expenditure	-						-
ii) Revenue Expenditure	-						-
iii) Transfer to Corpus Fund	4,80,28,996.74						-
Total (B)	**4,80,28,996.74**	**0**	**0**	**0**	**0**		**-**
Closing balance at the year end (A - B)	**4,07,927.00**						**4,84,22,659.74**
Represented by							
Cash And Bank Balances	4,07,927.00						-
Investments							
Interest accrued but not due							
Fixed Assets	-						4,84,22,659.74
Total	**4,07,927.00**						

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-3 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from staff (CPF Loan Recovery)	-	-
2. Deposits from Other	-	-
3. Sundry Creditors a) For Goods & Services b) Others	3,12,234.00	14,92,687.00
4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)	10,91,250.00	10,91,250.00
5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC TAX, CPF, GIS, NPS):	19,00,671.00	22,05,504.00
a) Overdue	-	-
b) Others	-	-
6. Other Current Liabilities	-	-
a) Salaries	80,07,920.00	71,17,034.00
b) Receipts against sponsored projects	-	-
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships	-	-
d) Unutilised Grants (GOI MHRD & IC4HD)	10,15,13,627.70	30,81,94,748.63
e) Unutilised Grants of MOC	2,02,157.00	2,02,157.00
f) Unutilised Grant of NDL	36.00	36.00
g) Other liabilities Refund amount to SPRO	11,430.00	11,430.00
h) Expenses Payable	47,06,011.00	36,57,684.00
i) IUC Liabilities	89,727.00	-
Total (B)	**11,78,35,063.70**	32,39,72,530.63
B. PROVISIONS		
1. For Taxation		
2. Gratuity	3,53,33,044.00	3,48,16,217.00
3. Superannuation Pension	17,00,000.00	17,00,000.00
4. Accumulated Leave Encashment	2,91,33,791.00	2,56,60,309.00
5. Trade Warranties/Claims	-	-
6. Others (Specify)	-	-
Total (B)	**6,61,66,835.00**	**6,21,76,526.00**
Total (A+ B)	**18,40,01,898.70**	**38,61,49,056.63**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-3 (a) SPONSORED PROJECTS

Amount in Rs. Ps.

Name of the Project	Opening Balance		Receipts/ Recoveries/ during the year	Total	Expenditure During The Year	Closing Balance	
	Debit	Credit				Debit	Credit
IC4HD	-	25,27,82,378.00	17,92,995.00	25,45,75,373.00	25,27,82,378.00	0	17,92,995.00
MOC	-	2,02,157.00	-	2,02,157.00	-	-	2,02,157.00
NLD Grant	-	36.00	-	36.00	-	-	36.00
GOI MHRD	-	5,54,12,370.63	22,77,13,612.00	28,31,25,982.63	18,36,62,771.44	-	9,94,63,211.19
IUC Grant			23,20,393.51	23,20,393.51	20,62,972.00		2,57,421.51
Total (Rs.)	**-**	**30,83,96,941.63**	**23,18,27,000.51**	**54,02,23,942.14**	**43,85,08,121.44**	**-**	**10,17,15,820.70**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

SCHEDULE 3 (b) SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARSHIPS — NIL

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 3(C) UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
A. Plan grants: Government of India		
Balance B/F	30,81,94,748.63	26,07,77,066.11
Add: Receipts during the year (including unterest)	22,95,06,607.00	26,36,52,261.00
Total (a)	**53,77,01,355.63**	**52,44,29,327.11**
Less Refunds	25,27,82,378.00	-
Less: Utilized for Revenue Expenditure	18,28,29,211.44	21,57,01,201.48
Less: Utilized for Capital expenditure	8,33,560.00	5,33,377.00
Total (b)	**10,12,56,206.19**	30,81,94,748.63
Unutilized carried forward (a-b)		
B. UGC grants: Plan		
Balance B/F	-	-
Receipts during the year	23,20,393.51	-
Total (c)	**23,20,393.51**	**-**
Less : Refunds		-
Less: Utilized for Revenue Expenditure	20,62,972.00	-
Less: Utilized for capital expenditure	-	-
Total (d)	**2,57,421.51**	**-**
Unutilized carried forward (c-d)	-	-
C. Other Non Plan	-	-
Balance B/F	2,02,193.00	2,02,193.00
Receipts during the year	-	-
Total (e)	**2,02,193.00**	**2,02,193.00**
Less: Refunds	0	0
Less: Utilised for Revenue Expenditure	0	0
Less: Utilised for Capital Expenditure	0	0
Total (f)	**2,02,193.00**	**2,02,193.00**
Unutilized carried forward (e - f)		
D. Grants from State Govt.		
Balance B/F	-	-
Add: Receipts during the year	-	-
Total (g)	**-**	**-**
Less: Utilized for Revenue Expenditure	-	-
Less: Utilized for Capital Expenditure	-	-
Total (h)	**-**	**-**
Unutilized carried forward (g - h)	-	-
***Grand Total (A+B+C+D)**	**10,17,15,820.70**	**30,83,96,941.63**

Note: Unutilized grants are represented on the Assets side by Bank balances, Short term Deposits with Banks and Advances on Capital Account.

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

SCHEDULE-4 OF FIXED ASSETS FOR THE FINANCIAL YEAR 2021-22

Inter University Centre for Humanities and Social Sciences (UGC)

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depreciation Adjustment due to change in Method	Opening Balance Depreciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Depreciation for the Year	Total Depreciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Computer	2122715.00	0.00	0.00	0.00	1836314.00	2122715.00	71598.00	1907912.00	214803.00	286401.00
Electrical Equipment	2075698.00	0.00	0.00	0.00	943053.00	2075698.00	116638.00	1059691.00	1016007.00	1132645.00
Furniture & Fixtures	1444317.00	0.00	0.00	0.00	1181830.00	1444317.00	88738.00	1270568.00	173749.00	262487.00
Library Books	2809649.00	0.00	0.00	0.00	2809641.00	2809649.00	0.00	2809641.00	8.00	8.00
New Vehicle	592847.00	0.00	0.00	0.00	573177.00	592847.00	19667.00	592844.00	3.00	19670.00
Grand Total	**9045226.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**7344015.00**	**9045226.00**	**296641.00**	**7640656.00**	**1404570.00**	**1701211.00**

SCHEDULE-4 (I) FIXED ASSETS ACQUIRED OUT OF GRANT IN AID

A. Fixed Assets since inception of Institute

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depreciation Adjustment due to change in Method	Opening Balance Depreciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Depreciation for the Year	Total Depreciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Audio Visual Equipment	4,22,500.00	0	0	0	0	4,22,500.00	0	0	4,22,500.00	4,22,500.00
Computers & Peripherals	30,989.00	0	0	0	0	30,989.00	0	0	30,989.00	30,989.00
Furniture, Fixtures & Fittings	74,39,798.75	0	0	0	0	74,39,798.75	0	0	74,39,798.75	74,39,798.75
Lib. Books & Scientific Journals	14,55,68,614.51	0	0	0	0	14,55,68,614.51	0	0	14,55,68,614.51	14,55,68,614.51
Office Equipment	1,77,74,150.83	0	0	0	0	1,77,74,150.83	0	0	1,77,74,150.83	1,77,74,150.83
Plant & Machinery	1,45,805.00	0	0	0	0	1,45,805.00	0	0	1,45,805.00	1,45,805.00
Vehicles	28,38,064.64	0	0	0	0	28,38,064.64	0	0	28,38,064.64	28,38,064.64
Sub-Total (A)	**174219922.73**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**174219922.73**	**0.00**	**0.00**	**174219922.73**	**174219922.73**

B. Plan

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depreciation Adjustment due to change in Method	Opening Balance Depreciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Deprecia-tion for the Year	Total Depre-ciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Audio Visual Equipment	1,42,202.00	-	-	22,794.00	1,35,000.00	2,99,996.00	22,500.00	1,57,500.00	1,42,496.00	1,64,996.00
Computers & Peripherals	2,58,966.00	-	-	(2,58,962.00)	18,42,618.00	18,42,622.00	2.00	18,42,620.00	2.00	4.00
Furniture, Fixtures & Fittings	7,86,079.01	-	-	(98,876.01)	5,79,664.00	12,66,867.00	95,015.00	6,74,679.00	5,92,188.00	6,87,203.00
Lib. Books & Scientific Journals	95,49,430.00	-	-	19,85,533.00	1,70,29,745.00	2,85,64,708.00	28,56,471.00	1,98,86,216.00	86,78,492.00	1,15,34,963.00
Office Equipment	6,29,974.00	-	-	(14,819.00)	5,30,570.00	11,45,725.00	85,930.00	6,16,500.00	5,29,225.00	6,15,155.00
Plant & Machinery	3,674.00	-	-	294.00	1,320.00	5,288.00	264.00	1,584.00	3,704.00	3,968.00
Sub-Total (B)	**11370325.01**	**0.00**	**0.00**	**1635964.00**	**20118917.00**	**33125206.00**	**3060182.00**	**23179099.00**	**9946107.00**	**13006289.00**

C. Non- Plan

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depreciation Adjustment due to change in Method	Opening Balance Depreciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Deprecia-tion for the Year	Total Depre-ciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Audio Visual Equipment	30,746.00	-	-	(4,342.00)	21,606.00	48,010.00	3,601.00	25,207.00	22,803.00	26,404.00
Computers & Peripherals	1,16,262.00	-	-	(1,16,262.00)	3,54,800.00	3,54,800.00	-	3,54,800.00	-	-
Furniture, Fixtures & Fittings	1,07,121.00	-	-	(12,006.00)	68,749.00	1,63,864.00	12,290.00	81,039.00	82,825.00	95,115.00
Lib. Books & Scientific Journals	1,277.00	-	-	2,798.00	9,520.00	13,595.00	1,360.00	10,880.00	2,715.00	4,075.00
Office Equipment	75,802.00	-	-	(5,844.00)	41,980.00	1,11,938.00	8,396.00	50,376.00	61,562.00	69,958.00
Plant & Machinery	1,24,653.00	-	-	4,546.00	45,138.00	1,74,337.00	8,716.00	53,854.00	1,20,483.00	1,29,199.00
Sub-Total (C)	**455861.00**	**0.00**	**0.00**	**(1,31,110.00)**	**541793.00**	**866544.00**	**34363.00**	**576156.00**	**290388.00**	**324751.00**

D. Fixed Assets under IC4HD

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depreciation Adjustment due to change in Method	Opening Balance Depreciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Deprecia-tion for the Year	Total Depre-ciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Furniture, Fix-tures & Fittings	1,05,535.00	-	-	(11,824.00)	1,03,579.00	1,97,290.00	14,797.00	1,18,376.00	78,914.00	93,711.00
Lib. Books & Scientific Journals	1,09,887.00	-	-	89,504.00	4,65,241.00	6,64,632.00	66,463.00	5,31,704.00	1,32,928.00	1,99,391.00
Office Equip-ment	2,37,307.00	-	-	6,28,406.00	11,55,447.00	20,21,160.00	1,67,310.00	13,22,757.00	6,98,403.00	8,65,713.00
Sub-Total (D)	**452729.00**	**0.00**	**0.00**	**706086.00**	**1724267.00**	**2883082.00**	**248570.00**	**1972837.00**	**910245.00**	**1158815.00**

E. Fixed Assets (New Format)
Capital Assets (General)

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depreciation Adjustment due to change in Method	Opening Balance Depreciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Deprecia-tion for the Year	Total Depre-ciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Audio Visual Equipment	6,83,778.74	-	-	41,801.00	3,06,908.00	10,32,487.74	77,437.00	3,84,345.00	6,48,142.74	7,25,579.74
Computers & Peripherals	14,11,154.00	23,724.00	-	(6,17,543.00)	26,22,914.00	34,40,249.00	6,88,049.00	33,10,963.00	1,29,286.00	8,17,335.00
Furniture, Fixtures & Fittings	11,85,346.00	-	-	(73,778.00)	3,29,686.00	14,41,254.00	1,08,096.00	4,37,782.00	10,03,472.00	11,11,568.00
Furniture, Fixtures & Fittings	2.00	-	-	-	1,310.00	1,312.00	-	1,310.00	2.00	2.00
Lib. Books & Scientific Journals	1,06,70,778.00	1,17,667.00	-	(51,597.00)	52,51,940.00	1,59,88,788.00	15,98,879.00	68,50,819.00	91,37,969.00	1,07,36,848.00
Office Equipment	11,21,778.00	78,624.00	-	(27,991.00)	3,36,322.00	15,08,733.00	1,13,157.00	4,49,479.00	10,59,254.00	11,72,411.00
Plant & Machinery	2,81,120.00	-	-	(86,737.00)	32,670.00	2,27,053.00	11,354.00	44,024.00	1,83,029.00	1,94,383.00
Vehicles	11,60,586.00	-	-	(2,80,747.00)	5,86,560.00	14,66,399.00	1,46,640.00	7,33,200.00	7,33,199.00	8,79,839.00
Total Capital Assets ((General	**1,65,14,542.74**	**2,20,015.00**	**-**	**(10,96,592.00)**	**94,68,310.00**	**2,51,06,275.74**	**27,43,612.00**	**1,22,11,922.00**	**1,28,94,353.74**	1,56,37,965.74

Capital Assets (SC)

Audio Visual Equipment	91,757.00	-	-	(56,772.00)	14,996.00	49,981.00	3,749.00	18,745.00	31,236.00	34,985.00
Computers & Peripherals	2,58,182.00	58,644.00	-	(94,392.00)	56,316.00	2,78,750.00	55,750.00	1,12,066.00	1,66,684.00	2,22,434.00
Furniture, Fixtures & Fittings	42,205.00	24,780.00	-	(8,817.00)	14,312.00	72,480.00	5,437.00	19,749.00	52,731.00	58,168.00
Lib. Books & Scientific Journals	5,95,719.00	-	-	(2,77,824.00)	1,56,914.00	4,74,809.00	47,481.00	2,04,395.00	2,70,414.00	3,17,895.00
Office Equipment	2,16,444.00	21,199.00	-	(1,29,077.00)	36,930.00	1,45,496.00	10,913.00	47,843.00	97,653.00	1,08,566.00
Office Equipment	2.00	500.00	-	-	2,245.00	2,747.00	500.00	2,745.00	2.00	502.00
Plant & Machinery	1,26,618.00	-	-	(48,198.00)	8,575.00	86,995.00	4,350.00	12,925.00	74,070.00	78,420.00
Total Capital Assets (SC)	**13,30,927.00**	1,05,123.00	-	(6,15,080.00)	2,90,288.00	11,11,258.00	1,28,180.00	4,18,468.00	6,92,790.00	8,20,970.00

Capital Assets(ST)

Audio Visual Equipment	36,587.00	-	-	(26,276.00)	2,997.00	13,308.00	999.00	3,996.00	9,312.00	10,311.00
Computers & Peripherals	78,786.00	1,90,222.00	-	(8,176.00)	30,408.00	2,91,240.00	58,248.00	88,656.00	2,02,584.00	2,60,832.00
Computers & Peripherals	1.00	-	-	-	1,399.00	1,400.00	-	1,399.00	1.00	1.00
Lib. Books & Scientific Journals	4,22,554.00	-	-	(2,97,630.00)	13,881.00	1,38,805.00	7,734.00	21,615.00	1,17,190.00	1,24,924.00
Furniture, Fixtures & Fittings	34,918.00	-	-	44,950.00	23,202.00	1,03,070.00	13,881.00	37,083.00	65,987.00	79,868.00
Office Equipment	99,365.00	-	-	94,883.00	55,244.00	2,49,492.00	18,711.00	73,955.00	1,75,537.00	1,94,248.00
Plant & Machinery	36,943.00	-	-	1,52,931.00	31,036.00	2,20,910.00	11,046.00	42,082.00	1,78,828.00	1,89,874.00
Total Capital Assets (ST)	**7,09,154.00**	**1,90,222.00**	**-**	**(39,318.00)**	**1,58,167.00**	**10,18,225.00**	**1,10,619.00**	**2,68,786.00**	**7,49,439.00**	**8,60,058.00**
Sub-Total (E)	**18554623.74**	**515360.00**	**0.00**	**-1750990.00**	**9916765.00**	**27235758.74**	**2982411.00**	**12899176.00**	**14336582.74**	**17318993.74**

(F) Intangible assets

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depre-ciation Audjust-ment due to change in Method	Opening Balance Depre-ciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Depre-ciation for the Year	Total Depre-ciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Computer Software	5,138.00	3,18,200.00	-	(5,136.00)	89,795.00	4,07,997.00	1,27,280.00	2,17,075.00	1,90,922.00	3,18,202.00
Sub - Total (F)	**5138.00**	**318200.00**		**-5136.00**	**89795.00**	**407997.00**	**127280.00**	**217075.00**	**190922.00**	**318202.00**
Total (A+B+C+ D+E+F)	**205058599.47**	**833560.00**	**0.00**	**454814.00**	**32391537.00**	**238738510.47**	**6452806.00**	**38844343.00**	**199894167.47**	**206346973.47**

Schedule-4 (ii) Fixed Assets acquired out of Own funds

Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Depre-ciation Audjust-ment due to change in Method	Opening Balance Depre-ciation	Closing Balance as on 31.03.2022	Depre-ciation for the Year	Total Depre-ciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
Audio Visual Equipment	7,72,078.00	-	-	(1,12,800.00)	3,95,565.00	10,54,843.00	79,113.00	4,74,678.00	5,80,165.00	6,59,278.00
Computer Software	4,273.00	-	-	(4,273.00)	54,950.00	54,950.00	-	54,950.00	-	-
Computers & Peripherals	25,44,771.00	-	-	(25,44,771.00)	37,64,690.00	37,64,690.00	-	37,64,690.00	-	-
Furniture, Fixtures & Fittings	4,27,131.00	-	-	(13,737.00)	4,44,405.00	8,57,799.00	64,335.00	5,08,740.00	3,49,059.00	4,13,394.00
Office Equipment	19,085.00	-	-	(3,614.00)	12,654.00	28,125.00	2,109.00	14,763.00	13,362.00	15,471.00
Plant & Machinery	43,538.00	-	-	(260.00)	13,072.00	56,350.00	2,818.00	15,890.00	40,460.00	43,278.00
Total	**38,10,876.00**	**-**	**-**	**(26,79,455.00)**	**46,85,336.00**	**58,16,757.00**	**1,48,375.00**	**48,33,711.00**	**9,83,046.00**	**11,31,421.00**
Grand Total	**21,79,14,701.47**	**8,33,560.00**		**(22,24,641.00)**	**444,20,888.00**	**25,36,00,493.47**	**68,97,822.00**	**5,13,18,710.00**	**20,22,81,783.47**	**20,91,79,605.47**

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 5 : INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	**Previous Year 2020-21**
1 In Central Government Securities	-	-
2 In State Government Securities	-	-
3 Other approved Securities	-	-
4 Shares	-	-
5 Debentures and Bonds	-	-
6 Term Deposits with Banks	-	-
7 Others (to be specified)	-	-
Total	**0**	**0**

SCHEDULE 5 (A) INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS (FUND WISE)

Amount in Rs. Ps.

Sl. No.	**Funds**	**Current Year, 2021-22**
1	FDR	-
2	-	-
3	-	-
4	-	-
5	Endowment Fund Investments	-
	Total	-

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-6 INVESTMENTS-OTHERS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	**Previous Year 2020-21**
1. In Central Government Securities	-	-
2. In State Government Securities	-	-
3. Other approved Securities	-	-
4. Shares	-	-
5. Debentures and Bonds	-	-
6. Others (to be specified)	-	-
Total	**-**	**-**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-7 CURRENT ASSETS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1, Stock:		
a) Stores and Spares	-	-
b) Loose Tools		
c) Publications	52,19,206.35	58,79,849.91
d) Laboratory chemicals, consumables, Medicines and glass ware	1,55,335.13	1,16,362.99
e) Building Material	-	-
f) Electrical Material	-	-
g) Consumable Items	8,02,285.00	8,11,586.08
h) Water supply material	-	-
i) Souvenir Item	6,50,594.50	7,69,636.90
2. Sundry Debtors		
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months	4,12,770.75	3,08,275.08
b) Others	13,290.00	8,849.95
3. Cash and Bank Balances		
Cash in Hand	-	-
a) With Scheduled Banks:	-	-
- In Current Accounts	-	-
- In term deposit Accounts	13,23,27,588.00	27,24,50,025.00
-In Savings Accounts	4,57,56,233.84	10,26,95,571.78
b) With non-Scheduled Banks:	-	-
- In term deposit Accounts	-	-
- In Savings Accounts	-	-
4. Post Office- Saving Accounts	-	-
Stock Of Postage Stamps	46,640.00	9,681.00
Misc Advance (IC4HD)	2,963.00	2,963.00
Drafts and IPO in hand	-	-
TOTAL	**18,53,86,906.57**	**38,30,52,801.69**

Note: Annexure A shows the details of Bank Accounts

NOTE: ANNEXURE A SHOWS THE DETAILS OF BANK ACCOUNTS

ANNEXURE A

Amount in Rupees

I)		**Savings Bank Accounts**	
	1	Grants from UGC A/C	37,757.51
	2	University/ Institute Receipts A/C	1,82,88,913.10
	3	Scholarship A/C	-
	4	Academic Fee Receipt A/C	-
	5	Development (Plan) A/C	-
	6	Combined Entrance Exams(CBT) A/C	-
	7	UGC Plan Fellowship A/C	-
	8	Corpus Fund A/C	12,53,341.00
	9	Sponsored Projects Fund A/C	-
	10	Sponsored Fellowship A/C	-
	11	Endowment & Chair A/C (EMF)	5,36,579.00
	12	UGC JRF Fellowship A/C (EMF)	-
	13	HBA Fund A/C (EMF)	-
	14	Conveyance A/C (EMF)	-
	15	UGC Rajiv Gandhi National Fellowship A/C (EMF)	-
	16	Academic Development Fund A/C (EMF)	-
	17	Deposit A/C	-
	18	Student Fund A/C	-
	19	Student Aid Fund A/C	-
	20	Plan Grants for specific schemes	2,56,39,643.23
II)		Current Account	
III)		Term Deposits with Schedule Banks	13,23,27,588.00
		Total	**17,80,83,821.84**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-8 LOANS. ADVANCES & DEPOSITS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1. Advances to employees: (Non-interest bearing)	-	-
a) Salary	-	-
b) Festival	-	56,000.00
c) Medical Advance	-	-
d) Other Misc Advance	56,447.00	-
i) WCA	-	-
ii) Bad Climate and Flood Advanced	431.00	431.00
2. Long Term Advances to employees: (Interest bearing)	-	-
a) Vehicle loan	-	-
b) Home loan	-	-
c) Others (to be specified)	24,44,442.00	24,44,442.00
d) Computer Advance	1,15,003.00	2,75,027.00
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received:		
a) On Capital Account .	-	-
b) to Suppliers	-	-
c) Others (i) to CPWD)	4,99,55,726.00	4,78,43,719.00
ii) Recoverable from IUC	-	2,295.00
iii) Recoverable from ASI	6,73,916.00	6,73,916.00
iv) Recoverable from SJPNL	1,26,067.00	-
v) Recoverable from Mess	2,77,137.00	2,27,144.00
vi) Recoverable from Guest House	30,100.00	29,400.00
vii) Recoverable from Ticket Booth	1,06,219.00	1,05,529.00
viii) Manager SBI	1,20,167.00	3,64,860.00
ix) Recoverable From BSNL	9,309.00	-
x) Recoverable From JIO	31,428.00	-
4. Prepaid Expenses		
a) Other expenses(Prepaid e-journal subscription)	19,81,639.00	11,95,661.00
b) Prepaid Insurance	48,474.00	-
5. Deposits		
a) Telephone	36,200.00	36,200.00
b) Misc Advance Imperest	-	10,000.00
c) TDS	93,000.00	60,000.00
d) Ticket Booth Advance	-	-
e) Guests	2,400.00	2,400.00
i) Security with Vineet Gas Agency	19,000.00	19,000.00

j) Security with Municipal Corporation	980.00	980.00
k) Deposit for fuel	1,00,000.00	1,00,000.00
l) Others	4,633.00	4,633.00
m) IUC Advances	3,09,791.00	-
n) TDS recoverable	95,237.00	95,237.00
o) Books Under Printing	44,098.00	47,228.00
p) Advance Tax (Refundable)	10,00,000.00	10,00,000.00
q) Income Tax Recoverable	95,896.00	65,920.00
r) Misc Advance Ticket Booth	100.00	100.00
Recoverable from mess	-	-
6. Income Accrued:	-	-
a) On Investments from Earmarked/ Endowment Funds	-	-
b) On Investments-Others	-	-
c) On Loans and Advances	-	-
d) Others (includes income due unrealized)	-	-
7. Other - Current assets receivable from UGC/sponsored projects	-	-
a) Debit balances in Sponsored Projects	-	-
b) Debit balances in Sponsored Fellowships & Scholarships	-	-
c) Grants Receivable from GOI	-	-
d) Other receivables from UGC	-	-
8. Claims Receivable (from NDL Grant)	-	-
TOTAL	**5,77,77,840.00**	**5,46,60,122.00**

Note: 1) If revolving funds have been created for House Building, Computer and Vehicle advances to employees, the advances will appear as part of Earmarked/endowment Funds. The balance against this interest -bearing advances will not appear in this schedule.

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-9 ACADEMIC RECEIPTS

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	**Previous Year 2020-21**
FEES FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee	-	-
2. Admission fee	-	-
3. Enrolment fee	-	-
4. Library Admission fee	-	-
5. Laboratory fee	-	-
6. Art & Craft fee	-	-
7. Registration fee	-	-
8. Syllabus fee	-	-
Total (A)	-	-
Examinations		
1. Admission test fee	-	-
2. Annual Examination fee	-	-
3. Mark sheet, certificate fee	-	-
4. Entrance examination fee	-	-
Total (B)	**-**	**-**
Other Fees		
1. Identity card fee	-	-
2. Fine/ Miscellaneous fee	-	-
3. Medical fee	-	-
4. Transportation fee	-	-
5. Hostel fee	-	-
Total (C)	**-**	**-**
Sale of Publications		
1. Sale of Admission forms	-	-
2. Sale of syllabus and Question Paper, etc.	-	-
3. Sale of prospectus including admission forms	-	-
Total (D)	**-**	**-**
Other Academic Receipts		
1. Registration fee for workshops, programmes	-	-
2, Registration fees (Academic Staff College)	-	-
Total (E)	**-**	**-**
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**-**	**-**

Note: In case fees like entrance fee, subscriptions etc are material and are in the nature of capital receipts, such amount should be recognized to the Capital Fund. Otherwise such fees will be appropriately incorporated in this schedule.

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-10 GRANTS/SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

Amount in Rs. Ps.

Particulars	Govt. of India	Specific Schemes IC4HD	IUC	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
				Total	Total
Balance B/F	5,54,12,370.63	25,27,82,378.00	-	30,81,94,748.63	26,07,77,066.11
Add: Receipts during the year	22,51,70,000.00	-	22,87,074.51	22,74,57,074.51	21,26,66,000.00
Interest Earned on GIA	25,43,612.00	17,92,995.00	33,319.00	43,69,926.00	95,78,964.00
Transfer from Corpus	-	-	-	-	4,14,07,297.00
Total	**28,31,25,982.63**	**25,45,75,373.00**	**23,20,393.51**	**54,00,21,749.14**	**52,44,29,327.11**
Less: Refund to UGC /GOI (Trf to General fund)		25,27,82,378.00	-	25,27,82,378.00	-
Balance	**28,31,25,982.63**	**17,92,995.00**	**23,20,393.51**	**23,20,393.51**	**52,44,29,327.11**
Less: Utilised for Capital expenditure (A)	8,33,560.00	-	-	8,33,560.00	5,33,377.00
Balance	**28,22,92,422.63**	**17,92,995.00**	**23,20,393.51**	**23,20,393.51**	**52,38,95,950.11**
Less: Utilized for Revenue Expenditure (B)	18,28,29,211.44	-	20,62,972.00	18,48,92,183.44	21,57,01,201.48
Balance C/F (C)	**9,94,63,211.19**	**17,92,995.00**	**2,57,421.51**	**10,15,13,627.70**	**30,81,94,748.63**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-11 INCOME FROM INVESTMENTS

Amount in Rs. Ps.

Particulars	Earmarked / Endowment Funds		Other Investments	
	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1. Interest	-	-	-	-
a. On Government Securities	-	-	-	-
b. Other Bonds/Debentures	-	-	-	-
2. Interest on Term Deposits	-	-	-	-
3. Income accrued but not due on Term Deposits/Interest bearing advances to employees -	-	-	-	-
4. Interest on Savings Bank Accounts	-	-	-	-
5. Others (Specify)	-	-	-	-
Total	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
Transferred to Earmarked/Endowment Funds	-	-	-	-
Balance	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**

Note: Interest accrued but not due on Term Deposits from HBA fund, conveyance advance fund and Computer Advance fund and on interest bearing advances to employees will be included here (Item 3), only where Revolving funds (EMF) for such advances have been set up.

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-12 INTEREST EARNED

Amount in Rs. Ps.

Particulars	Current Year 2021-22	Previous Year 2020-21
1. On Savings Accounts with scheduled banks	-	-
2 On Loans	-	-
a. Employees/Staff	-	-
b. Others(FDR)	-	-
3. On Debtors and Other Receivables	-	-
Total		
Note: Please refer to schedule-10 .		

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-13 OTHER INCOME

Amount in Rs. Ps.

Items of material amounts included in Miscellaneous Income should be separately disclosed.		
A. Income from Land & Buildings	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
1. Hostel Room Rent		
2, License fee	-	-
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc	-	-
4. Electricity charges recovered	-	-
5. Water charges recovered.	-	-
Total	**-**	
B. Sale of Institute's publications*	**4,86,841.45**	**1,70,278.74**
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/ sports carnival	-	-
Less: Direct expenditure incurred on the annual function/ sports carnival	-	-
2. Gross Receipts from fetes	-	-
Less: Direct expenditure incurred on the fetes	-	-
3, Gross Receipts for educational tours	-	-
Less: Direct expenditure incurred on the tours	-	-
4. Others (to be specified and separately disclosed)	-	-
Total	**4,86,841.45**	**1,70,278.74**
D. Others		
1. Income from consultancy	-	-
2. RTI fees	-	-
3. Income from Royalty	-	-
4. Sale of application form (recruitment)	-	-
5. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper, etc.)	-	-
6. Profit on Sale/disposal of Assets	-	-
a) Owned assets	-	-
b) Assets received free of cost	-	-
7. Grants/Donations from Institutions, Welfare Bodies and International Organizations	-	-
8 Others (specify)		
Rent for other specific facility extended	*-*	*7,700.00*
Guest House	*5,65,444.00*	*2,16,021.00*
Pvt use of vehicle	*-*	*-*
sale of plant	*27,590.00*	*17,255.00*
library membership	*28,210.00*	*14,800.00*
Sale of unusable items	*-*	*-*
Application fee	*-*	*-*

Miscellaneous income	3,450.00	8,680.00
Net Income of Ticket booth	*59,79,913.36*	*(4,40,786.65)*
Total Others (specify)	-	-
Total (D)	**66,04,607.36**	**(1,76,330.65)**
Grand Total (A+B+C+D)	**70,91,448.81**	**(6,051.91)**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 14 - PRIOR PERIOD INCOME

Amount in Rs. Ps.

Particulars	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
1. Academic Receipts	-	-
2. Income from Investments	-	-
3. Interest earned	-	-
4. Other Income/Adjustment	-	-
Total	**-**	**-**

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 15 - STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

Amount in Rs. Ps.

These shall be classified separately for teaching and non-teaching staff; adhoc staff, Arrears of DA, Salary arrears due to increment shall be shown separately

	Current Year 2021-22	**Previous Year 2020-21**
a) Salaries and Wages	7,16,39,942.00	7,23,85,534.81
b) Allowances and Bonus	-	-
c) Contribution to Provident Fund/NPS	20,87,234.00	14,28,872.00
d) Contribution to Other Fund (specify) Pension Fund	-	-
e) Staff Welfare Expenses	-	-
f) Retirement and Terminal Benefits	1,53,80,893.00	48,11,896.25
g) LTC facility	2,04,936.00	2,30,125.00
h) Medical facility	3,87,774.00	4,92,280.00
i) Children Education Allowance	7,83,000.00	8,91,000.00
j) Honorarium	3,88,662.00	1,08,500.00
k) Others (specify) pension	3,17,06,466.00	3,06,99,433.00
l) Liveries	1,40,000.00	1,50,000.00
m) Hospitality	5,99,766.00	1,84,706.00
TOTAL	**12,33,18,673.00**	**11,13,82,347.06**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 15 A - EMPLOYEES RETIREMENT AND TERMINAL BENEFITS

Amount in Rs. Ps.

	Pension	**Gratuity**	**Leave Encashment**	**Total**
Opening Balance as on	-	-	-	-
Addition: Capitalized value of Contributions Received from other Organizations	-	-	-	-
Total (a)	-	-	-	-
Less: Actual Payment during the Year (b)	-	-	-	-
Balance Available on 31,03 c (a-b)	-	-	-	-
Provision required on 31.03 as per Actuarial Valuation (d)	-	-	-	-
A. Provision to be made in the Current year (d-c)	-	-	-	-
B. Contribution to New Pension Scheme	-	-	-	-
C. Medical Reimbursement to Retired Employees	-	-	-	-
D. Travel to Hometown on Retirement	-	-	-	-
E. Deposit Linked Insurance Payment	-	-	-	-
Total (A+B+C+D+E)	-	-	-	-

Note:
1. The total (A+B+C+D+E) in this sub schedule will be the figure against Retirement and Terminal Benefits in Schedule 15.
2. Items B,C,D&E will be accounted on accrual basis and will include bills preferred but outstanding for payment on 31/3.2022

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 16 - ACADEMIC EXPENSES

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	**Previous Year 2020-21**
a) Laboratory expenses	-	-
b) Field work/Participation in Conferences		
c) Expenses on Seminars/Workshops	9,65,231.00	3,39,768.00
d) Payment to visiting faculty	39,063.00	29,725.00
e) Examination	-	-
f) Student Welfare expenses	-	-
g) Admission expenses	-	-
h) Convocation expenses	-	-
i) Publications	6,32,628.00	3,07,355.00
j) Stipend/means-cum-merit scholarship	-	-
k) Subscription Expenses	-	-
l) Others (specify) fellowship to fellows	1,28,16,475.00	3,14,28,036.00
ii) National fellowship to fellows	-	-
TOTAL	**1,44,53,397.00**	**3,21,04,884.00**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 17 - ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

Amount in Rs. Ps.

	Current Year 2021-22	**Previous Year 2020-21**
A Infrastructure		
a) Electricity and power	34,19,882.00	33,49,248.00
b) Water charges	47,857.00	(66,146.00)
c) Insurance	-	23,591.00
d) Rent, Rates and Taxes (including property tax)	96,628.00	10,31,920.00
B Communication		
e) Postage and Stationery	9,916.00	47,949.00
f) Telephone, Fax and Internet Charges	2,14,815.00	2,20,673.00
C Others		
g) Printing and Stationery (consumption)	5,12,001.00	5,60,130.00
h) Travelling and Conveyance Expenses	14,94,188.00	8,64,724.00
i) Hospitality		
j) Auditors Remuneration	6,00,785.00	80,405.00
k) Professional Charges	5,78,980.00	2,69,565.00
1) Advertisement and Publicity	7,57,516.00	2,50,856.00
m) Magazines & Journals	10,55,892.00	4,95,624.00
n) E-resource subscription	8,23,660.00	14,21,785.00
o) Others (specify)Medicine	3,52,940.86	3,66,802.92
p) Misc Expenditure	1,29,009.00	29,000.00
q) IUC Expenses	20,62,972.00	-
TOTAL	**1,21,57,041.86**	**89,46,126.92**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE 18-TRANSPORTATION EXPENSES

Amount in Rs. Ps.

Particulars	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
1 Vehicles (owned by institution)	-	-
a) Running expenses	3,85,179.00	97,085.00
b) Repairs & maintenance	1,36,721.00	19,813.00
c) Insurance expenses	13,398.00	-
2 Vehicles taken on rent/lease	-	-
a) Rent/lease expenses	-	-
3 Vehicle (Taxi) hiring expenses	-	-
Total	**5,35,298.00**	**1,16,898.00**

SCHEDULE 19 - REPAIRS & MAINTENANCE

Particulars	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
a) Buildings	1,42,46,822.00	3,75,89,970.00
b) Furniture & Fixtures	-	-
c) Plant & Machinery	-	-
d) Office Equipment	4,11,377.00	1,46,268.00
e) Computers	-	-
f) Laboratory & Scientific equipment	-	-
g) Audio Visual equipment	-	-
h) Cleaning Material & Services	-	-
i) Book binding charges	-	-
j) Gardening	3,81,391.00	95,419.00
k) Estate Maintenance	-	-
1) Others (Specify) Consumable store	7,64,890.08	5,84,711.00
m) Others Repair & Maintenance Capital	1,46,91,683.00	2,00,13,000.00
n) Fixed assets written off (Loss on sale of assets)	-	37,21,351.00
Total	**3,04,96,163.08**	**6,21,50,719.00**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE-20 FINANCE COSTS

Amount in Rs. Ps.

Particulars	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
a) Bank charges	637.50	988.50
b) refund of Interest to GOI	6,71,774.00	8,77,583.00
Total	**6,72,411.50**	**8,78,571.50**

SCHEDULE-21 OTHER EXPENSES

Particulars	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
	Plan	**Total**
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances	-	-
b) Irrecoverable Balances Written - off	-	-
c) Grants/Subsidies to other institutions/organizations	-	-
d) Others (specify)	-	-
Total	**-**	**-**

SCHEDULE-22 PRIOR PERIOD EXPENSES

Particulars	**Current Year 2021-22**	**Previous Year 2020-21**
1 Retirement Benefits	-	-
2 Academic expenses	-	-
3 Administrative expenses	-	-
4 Transportation expenses	-	-
5 Repairs & Maintenance	27,61,881.00	-
6 Other expenses	4,97,318.00	1,21,655.00
Total	**32,59,199.00**	**1,21,655.00**

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2022

Amount in Rs. Ps.

	RECEIPT	Current year	Previous Year		Expenses	Current year	Previous Year
(1)	Opening Balance			**(1)**	a) Establishment Expenses	10,61,20,405.44	11,83,85,466.00
	a) Cash Balances	-	-		b) Academic Expenses	45,61,646.00	31,10,844.00
	b) Bank Balances				c) Administrative Expenses	3,26,78,516.00	2,68,49,152.00
	i) In Current accounts				d) Transportation Expenses	4,13,513.00	1,00,645.00
	ii) Saving accounts	10,26,95,571.78	4,17,27,940.23		e) Repair & maintenance	3,42,03,901.00	50,83,498.00
	iii) Term deposit with bank	27,24,50,025.00	26,60,64,980.00		f) Prior period expenses/Bank Charges	637.50	988.50
(2)	Grants Received			**(2)**	Payment against Earmarked/ Endowment Funds	-	59.00
	a) From Government of India						
	i) Capital Grant	-	-	**(3)**	Recoverable from Others		
	ii) Revenue Grant	22,51,70,000.00	21,26,66,000.00	**(4)**	Payment against Sponsored Fellowship/Scholarship	23,62,699.00	
	b) IUC Bank A/c	22,16,737.51		**(5)**	Investment and Deposits made a) Out of Earmarked/Endowment funds b) Out of own funds (Investments -Others		
	c) From other sources (Interest on FDR with Bank in respect of IC4HD)	42,95,361.00	89,07,190.00	**(6)**	Term Deposits with Scheduled Banks renewed		
	d) Grant in Aid recoverable from GOI			**(7)**	Expenses Payable	29,38,738.00	34,48,008.00
(3)	Academic Receipts			**(8)**	Recoverable from Bank	-	-
(4)	Receipts against Earmarked/ Endowment Funds	-	-	**(9)**	Ticket Booth Expenses	*34,14,404.54*	33,51,091.50
(5)	Receipts from IC4HD						
				(10)	a) Fixed Assets		
(6)	Receipts against sponsored Fellowship and Scholarships				i) Out of Grant in aid	7,12,393.00	5,33,377.00

(7)	Income on Investments from) a) Earmarked/Endowment funds b) Other investments	40,818.00	1,34,144.00		ii) From own sources	-	-
(8)	Interest received on				b) Capital Works-in-progress		
	a) Bank Deposit			**(11)**	Other payments including statutory payments	25,27,82,378.00	-
	b) Loan and advances	-	-	**(12)**	Refunds of into on GIA Grants	6,71,774.00	8,77,583.00
	c) Saving Bank Accounts	3,25,117.00	6,71,774.00	**(13)**	Advances and Withdrawn		
(9)	Investments encased	-	-		a) Staff	6,75,341.00	1,70,000.00
(10)	Terms deposits with scheduled Banks matured	-	-		b) Others		-
				(14)	Closing balances		
(11)	Other Income (including Prior Period Income	1,13,92,642.03	32,49,963.55		a) Cash in Hand	-	-
(12)	Deposits and Advances	-	8,36,284.00		b) Bank Balances	-	
					In Current Account		
(13)	Miscellaneous Receipts including	6,11,088.00	72,132.00		In Saving Accounts	4,57,56,233.84	10,26,95,571.78
(14)	Any Other Receipts	4,22,808.00	27,25,901.00		Term deposit with bank	13,23,27,588.00	27,24,50,025.00
	Total Rs.	**61,96,20,168.32**	**53,70,56,308.78**		**Total Rs.**	**61,96,20,168.32**	**53,70,56,308.78**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

INDIAN INSTITUE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA – 171 005

ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDING 31.03.2022

ACCOUNTING POLICIES (Note 23)

(a) Accounting Concepts

The financial statements have been prepared under the Historical Cost convention in accordance with the Generally Accepted Accounting Principles as applicable in India.

The Society generally follows Accrual System of Accounting and recognizes significant items of Income and Expenditure on Accrual Basis.

(b) Revenue Recognition:

i. Incomes from Interest on Investments are accounted on accrual basis.

ii. Interest on interest bearing advances to staff for House Building, Purchase of Vehicles and Computers is accounted on accrual basis every year, though the actual recovery of interest starts after the full repayment of the Principal.

iii. Sales of publication, Sale of Plants & Souvenir items are accounted for net of sales returns and rebate/discount if any.

iv. Accounting of Govt Grants: Government Grants are accounted on realization basis. However, where a sanction for release of grant pertaining to the financial year is received before 31st March and the grant is actually received in the next financial year, the grant is accounted on accrual basis and an equal amount is shown as recoverable from the Grantor.

To the extent utilized towards capital expenditure (on accrual basis) government grants are transferred to the Corpus/Capital Fund.

Government grants for meeting Revenue Expenditure (on accrual basis) are treated, to the extent utilized as income of the year in which they are realized.

Unutilized grants (including advances paid out of such grants) are carried forward and exhibited as a liability in the Balance Sheet.

Government grants/Non-Government grants are treated as Revenue/Capital Grants based on the usage/mandate of Grant.

(c) Fixed Assets

i. The Fixed Assets of the Society are stated at Historical Cost and includes all the incidental expenses. Fixed assets appearing in the balance sheet are at cost less depreciation.

ii. Land and Building in which institute is operating its activities is gifted by GOI to the institute. However, ownership of the land and building as per revenue record is with the CPWD. Hence financial value of the same is not accounted for in the books of accounts.

iii. Fixed assets purchased from the capital Granit in Aid has been shown as addition in the fixed assets.

(d) Depreciation:

i. As per accounting policy followed during previous years, no depreciation on old balances of fixed assets acquired up to 31.3.2014 have been provided during year. However, Depreciation on addition made in fixed assets after 01.04.2014 have been provided as per rates prescribed in Formats of Financial Statements for Central Higher Educational Institutions with SLM method.

ii. As the freehold land and building has not been accounted for in the books of accounts, No depreciation has been charged on the same.

iii. Depreciation on fixed assets up to the financial year 2020-21 was charged on Written Down Value Method at the rates prescribed under the format of Financial Statement prescribed by Min. of Education. The method of depreciation has been changed from the year 2021-22 as Straight Line Method and depreciation is charged at the rates prescribed under the format of Financial Statement prescribed by Min. of Education.

iv. Assets, the individual value of each of which is Rs. 2000 or less (except Library Books) are treated as Small Value Assets, 100% depreciation has been provided in respect of such assets at the end of the year by taking useful life as 1 year and WDV Re.1/- per asset.

v. Depreciation is provided for the whole year on additions during the year.

vi. Depreciation has been transferred to capital Grant-in-Aid, in case of fixed acquired out of Grant-in- Aid.

(e) Method of Valuation of Inventory: Valuation of Publication (Books) Inventory, publication, souvenir items consumable items, medicine is on the basis of Cost or Net Reliable Value, whichever is less.

(f) **Valuation of investments:** Investments are valued at cost pulse interest accrued.

(g) **Retirement Benefits:** Retirement benefits i.e., pension, gratuity and leave encashment are provided on the basis of calculation sheet provided by the administration department of the institute. Capitalized Value of pension and gratuity received from previous employers of the Institution's employees, who have been absorbed in the Institution, is credited to the respective Provision Accounts. Pension contribution received in respect of employees on deputation is also credited to the Provision for Pension Account. The Actual payments of Pension, Gratuity and Leave encashment are debited in the Accounts to the respective provisions. Other retirement benefits viz. Deposit Linked Insurance, Contribution to New Pension Scheme, Medical reimbursement to retired employees and Travel to Home Town on retirement is accounted on accrual basis (actual payments plus outstanding bills at the end of the year). Retirement benefits to the regular employees are to be paid by the Central Govt at the time of retirement of employee. As the retirement benefits are guaranteed by the Central Govt and budget is released by the Central Govt. Therefore provision shown in the balance sheet is not as per the actuarial valuation. Gratuity Provision of Rs 12,02,271/- & Leave Encashment provision of Rs 1,11,924/- for the employees covered under NPS is provided during the year.

(h) **Earmarked/ Endowment Fund:** Endowments are funds received from various individual donors, Trusts and other organizations in previous years. The Interest received from saving account of each Endowment Fund is added to the Fund.

(i) **Foreign Currency Transaction:** There is no foreign currency transaction during the year.

(j) **Provision for Income Tax:** The society is registered u/s 12AA of the income tax act, 1961. Hence provision for income tax has not been made during the year.

NOTES TO ACCOUNTS Note 24

I. Contingent Liabilities: There is no contingent liability as on 31.03.2022.

II. The accounts have been prepared as per the new format supplied by the Ministry of Education (Government of India) in compliance with Uniform Accounting Standard.

III. Separate Balance Sheet has been prepared for General Provident Fund Account, Fellows Mess Funds A/c.

IV. Detail of provision for Provision of Gratuity and Leave encashment : Detail of the same is as under

Particulars	As on 31.3.2022	As on 31.03.2021
Provision of Gratuity	3,53,33,044.00	3,48,16,217.00
Provision for Leave encashment	2,91,33,791.00	2,56,60,309.00

V. Institute Publication amounting to Rs.52,19,206.35 (as at 31.03.2021 Rs.58,79,849.91) as shown in the balance sheet under “Current Assets” is based on the information supplied by the Sales and Public Relation Officer(SPRO) In the opinion of the Institute the Current Assets, Loans and Advances are approximately of the value stated, if realised in the ordinary course of business. The provision of all the known liabilities is adequate and not excess of the amount considered reasonably necessary.

VI. Debit and Credit balances in the accounts of Creditors, Debtors and others are subject to confirmation and reconciliation.

VII. Sundry debtors Rs.426060.75/- are considered good for Recovery.

VIII. Miscellaneous advance Rs. 24,44,442.00 which is outstanding from recovery for more than five years, however these are considered good for recovery.

IX. Due change in method of charging deprecation from WDV to SLM additional depreciation of Rs22,24,641/- has been provided in the books of accounts by recalculating the depreciation from FY 2014-15 to 2020-21 as per SLM method.

X. IUC Fund Balance Sheet has been clubbed in the attached balance sheet of the society during the year. Opening balances of fixed assets has been debited to Fixed Assets by Crediting to Corpus Fund.

XI. Previous year figure have been re-worked, re-grouped and rearranged, wherever considered necessary to make the comparable with those of current year.

XII. Schedule 1 to 24 is integral part of Balance Sheet and has been duly authenticated.

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Section Officer	Secretary	Director

DOGER & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS
(O) 0177-2656809, 2656162, (M) 98170-73000

AUDITORS' REPORT

We have audited the "Balance Sheet "of Inter University Centre for Humanities and Social Sciences (UGC), Shimla as at 31st March, 2022 and also their 'Receipt and Payment Account "and Income and Expenditure Account" for the year ended on that date, annexed hereto and report that: -

These financial statements are the responsibility of the Inter-University Centre Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test check basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall financial statements presentation. We believe that out audit provides a reasonable basis for our opinion.

Subject to foregoing remark we report that: -

1. We have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of audit.
2. In our opinion and to the best of our information and according to explanation given to us the said accounts read with the Accounting Policies & Annexure to Audit Report in Schedule 2, give a true and fair view:-
   (a) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Centre as at 31st March, 2022.
   (b) In the Case of Income and Expenditure Account, of the amount utilized form Grant-in-Aid for the year ended on that date.
   (c) In case of Receipt and Payment Account, of the amount received and payments made during the year ended on the date.

for Doger & Co.,
Chartered Accountants
ICAI FRN 019516N

Shimla
Dated: 20/06/2022

CA. Munish Kaundal
Partner M.No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI8696

Office: First Floor, Opp. Panchayat Bhawan Main Gate, Bus Stand, Shimla (H.P.)171001
Email ID: dogersachin@gmail.com

ANNEXURE TO AUDIT REPORT

1. **Compliance of Previous year Audit Report:** Compliance of the previous audit report has not been shown to us. Audit paras of previous year report are reproduced as under:

   a. Advance of Rs. 18,475.00 recoverable from Professor R.S. Mishra is long outstanding in the books of accounts since 1994-95. However no concrete steps have been taken to recover the amount for the last 25 year. Efforts should be made to adjust/recover the same at the earliest.

   b. Advance of Rs. 1, 00,000.00 was paid to Dr. V.C. Thomas on 20.03.2004. Expenses related to this advance paid have not been booked in the books of accounts till the date of audit. 16 years have since passed and the amount is still outstanding in the books of accounts. Sincere efforts are required to be made to adjust / recover the same at the earliest.

   c. Another advance of Rs. 15,000.00 was paid to Director ICAR New Delhi through ARO for seminar. Out of the above advance, Rs. 10,000.00 is still outstanding for which the corresponding expenses have not been booked till the date of audit. Steps are being taken to adjust/recover this amount. However, we are to state that this amount should be reconciled immediately either through recovery of amount or booking of corresponding expenditure as per actual.

   d. Similarly an advance of Rs. 2, 75,000.00 was paid to Registrar, Jawaharlal Nehru University, New Delhi on 30.03.2007 through ARO for organizing seminar. From the said advance an expenditure of Rs. 94,884.00 has been booked post seminar and an amount of Rs. 1, 80,116.00 is still outstanding for which no expenditure details have been received by the Institute. The amount is outstanding for 13 years till the date of audit. We are to state that stringent directions be passed for adjustment /recovery of this amount at the earliest.

For Doger & Co.
Chartered Accountants
ICAIFRN 019516N

Place: Shimla
Dated: 20.6.2022

Partner
ICAIAI M. No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI8696

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

(BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2022)

Liabilities	Amount (Rs)	Total (Rs)	Assets	Amount (Rs)	Total (Rs)
Capital Reserve		14,04,570.00	**Fixed Assets (As per Schedule 1)**		14,04,570.00
Opening Balance	90,45,226.00		Opening Balance	90,45,226.00	
Less : Depreciation Previous years	73,44,015.00		Less : Accumulated Depreciation	76,40,656.00	
Less : Depreciation Current Year	2,96,641.00				
Current Liabilities		3,47,148.51	**Current Assets, Loans & Advances**		3,47,148.51
Unspent Grant In Aid	2,57,421.51		SBI SB A/c 10116686391	37,357.51	
Salary/Wages payable	79,949.00		Loans and Advances (Asset)	3,09,791.00	
Audit Fee payable	9,778.00				
Total (Rs)		**17,51,718.51**	**Total (Rs)**		**17,51,718.51**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

As per our report of even date
for Doger & Co.
Chartered Accountants
ICAI FRN 019516N

Place : Shimla
Dated: 20.06.2022

(CA Munish Kaundal)
ICAI M.No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI8696

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

SCHEDULE OF FIXED ASSETS FOR THE FINANCIAL YEAR 2021-22

S.No	Item	Opening Balance as on 1.4.2021	Addition during the year	Deletion during the year	Closing Balance as on 31.03.2022	Opening Balance Depreciation	Depre-ciation for the Year	Total Depreciation	Closing Balance as on 31.3.22	Closing Balance as on 31.3.21
1	Computer	2122715.00	0.00	0.00	2122715.00	1836314.00	71598.00	1907912.00	214803.00	286401.00
2	Electrical Equipment	2075698.00	0.00	0.00	2075698.00	943053.00	116638.00	1059691.00	1016007.00	1132645.00
3	Furniture & Fixtures	1444317.00	0.00	0.00	1444317.00	1181830.00	88738.00	1270568.00	173749.00	262487.00
4	Library Books	2809649.00	0.00	0.00	2809649.00	2809641.00	0.00	2809641.00	8.00	8.00
5	New Vehicle	592847.00	0.00	0.00	592847.00	573177.00	19667.00	592844.00	3.00	19670.00
	Grand Total	**9045226.00**	**0.00**	**0.00**	**9045226.00**	**7344015.00**	**296641.00**	**7640656.00**	**1404570.00**	**1701211.00**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

As per our report of even date
for Doger & Co.
Chartered Accountants
ICAI FRN 019516N

Place : Shimla
Dated: 20.06.2022

(CA Munish Kaundal)
ICAI M.No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI8696

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March 2022

	EXPENDITURE	AMOUNT (Rs.)		INCOME	AMOUNT(Rs.)
To	General Expenses			**By Income :**	
	121 Admin.& Postage ,Medical etc	4,705.00	By	Interest earned	33,319.00
	145 Maintenance Allowance	4,39,425.00			
	146 T.A to Associates	2,35,495.00	By	Grant in Aid Utilized	20,29,653.00
	147 Research Seminar /Study week/workshop	1,50,000.00			
	150 Misc. Contingent Exp.	1,398.00			
	153 Maintenance of IUC Vehicle of POL	69,189.00			
To	Salary/wages OTA/contractual Staff	11,62,760.00			
	Total	**20,62,972.00**		**Total**	**20,62,972.00**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

As per our report of even date

for Doger & Co.
Chartered Accountants
ICAI FRN 019516N

(CA Munish Kaundal)
ICAI M.No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI869

Place : Shimla
Dated: 20.06.20221

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

Receipts and Payments Statement for the year ending on 31st March 2022

	Receipts			Payments	Amount (Rs)
By	**Opening Balance**		To	Revenue Expenditure	
	SBI SB A/c 10116686391	22,16,737.51		121 Admin.& Postage ,Medical etc	4,705.00
				145 Maintenance Allowance	4,39,425.00
By	**Revenue Receipts**			146 T.A to Associates	2,35,495.00
	Interest Received	33,319.00		147 Research Seminar /Study week/workshop	1,50,000.00
				150 Misc. Contingent Exp.	1,398.00
By	Advance Recovered	1,50,000.00		153 Maintenance of IUC Vehicle of POL	69,189.00
				Salary/wages OTA/contractual Staff	11,53,699.00
			To	Other Payment	
				Expenses Payable	3,06,493.00
				Relief Fund	2,295.00
			To	Closing Balance	
				SBI SB A/c 10116686391	37,357.51
	Total Rs	**24,00,056.51**		**Total Rs**	**24,00,056.51**

Sd/-
(Rajni Thakur)
Section Officer

Sd/-
(Prem Chand)
Secretary

Sd/-
(Prof. Nageshwar Rao)
Director

As per our report of even date

for Doger & Co.
Chartered Accountants
ICAI FRN 019516N

(CA Munish Kaundal)
ICAI M.No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI869

Place : Shimla
Dated: 20.06.20221

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA 171005

ACCOUNTING POLICIES FOR THE YEAR ENDING ON 31st March, 2022

1. Accounting Convention - The financial statements are prepared under the historical cost convention on accrual basis and in accordance with generally accepted accounting principles and applicable accounting standards in India. Except insurance of vehicle expenses which have been accounted for on cash basis.
2. Fixed Assets: Fixed assets are shown at historical cost. The cost includes any cost attributable in bringing the assets to its working condition for its intended use.
3. Depreciation on Fixed assets: Depreciation on fixed assets has been charged on SLM at the rates prescribed under the format of Financial Statement prescribed by Min. of Education.
4. Retirement Benefits: Provisions for retirement benefits of the employees are not provided in the books of accounts as all of the employees are hired on contractual basis.

Sd/-	Sd/-	Sd/-
(Rajni Thakur)	(Prem Chand)	(Prof. Nageshwar Rao)
Section Officer	Secretary	Director

For Doger & Co.
Chartered Accountants
ICAIFRN 019516N

CA. Munish Kaundal
Partner ICAI M. No. 508733
UDIN: 22508733ALIRDI8696

LIBRARY

The library has over the years built a robust collection of over 1, 50,000 books, 40,000 bound volumes, 335 current subscription to journals and newspapers. Besides printed books and journals, its collection contains all forms of documents such as CD-ROMs, Online databases,manuscripts, rare books, microfilm and reports etc. The collections held at IIAS Library have been recognized for their outstanding national and international importance. The collection development of library began with an effort of Shri B. S. Kesavan, then Director of the Indian National Scientific Documentation Centre, New Delhi. As Library Advisor to the Institute,he was able to place ten thousand volumes on the shelves on the day of the Institute‘s inauguration on 20th October, 1965. The library‘s collection was further enriched by the acquisition of private collections of eminent scholars. Organizations like the British Council,the Asia Foundation, and League of Arab Nations have made generous gifts of hundreds of rare pamphlets and books. Later, the library obtained rare Sanskrit, Arabic and Persian texts and manuscripts containing miniature paintings. The Library holds major collections of books in History, Comparative Religion, Psychology, Philosophy, Sociology, Anthropology, Literature,Economics, and Public Administration. While building up its collection, there has always been a conscious endeavour to maintain a balanced growth of collections covering both the broad subject areas of research in Social Sciences and Humanities as well as highly advanced areas of interdisciplinary research like science of consciousness, working of mind, various facets of ancient Indian history, Culture and Civilization, Post modernism, theoretical and cultural studies pertaining to philosophy, religion, political science and sociology gender and environmental studies socio-economic planning and development, Gandhian Studies and the like.Besides the main section of the Library which consists of English language publications, the Library has developed the following separate sections:

1. Hindi language publications
2. Sanskrit texts
3. Publications in modern Indian Languages other than those mentioned above.
4. Professor R.C. Majumdar Collection
5. Professor H.C. Ray Chaudhuri Collection
6. Professor Hari Shankar Srivastava Collection
7. Special collection of Classics consisting of Publications like Tibetan Tripitaka (168volumes) and the publications brought out under Loeb classical library series of Harvard Univ. Press., Sacred books of the East, Great Books of the Western World etc.
8. Arabic, Persian and Urdu manuscripts as well as printed publications

1. **Access to E-resources:** The library has access to wide range of e-resources in the field of Humanities and Social Science. As a member of E-Shodh Sindhu, it has access to all major e-resources subscribed under the consortium in the field of Humanities and Social Science. Besides, library subscribes to large number of electronic journals from its own budget. It has acquired the backfills of all the e-journals published by Sage, Cambridge University Press and Oxford University Press which has added values it its existing collection.

2. **Library Automation:** The library is fully automated and the catalog of the books is on Institute's website. By using the internet, users can access the library catalog 24x7 hours from anywhere. The library uses SOUL software, designed and developed by INFLIBNET for its in house operation. It also provides reprography service, Inter Library Loan (ILL) , (DDS) Document Delivery Services .

3. **Collection Development:** The library has developed a policy to enrich its collection by acquiring latest books from different sources. The book reviews and catalogues from different reputed publishers were circulated to the Fellows for recommendation of required books for their research work. The Library has added 560 new books during the year 2021-2022.

4. **Circulation Activities**: During the period of report 1798 users (Fellows, Associates, External members and walk-in-users) consulted the Library and referred 2260 books.

5. **Remote access service:** Library provides Remote access service to the subscribed E-resources through 'Remotes', suitable software which allows users to access the E-resources from their residence. The authorized users of Library can use their credentials to access the subscribed e-resources from outside of the campus.

6. **Plagiarism Service**: Library provides facility of plagiarism-checking service to its registered users. The Fellows can compare their contents to the vast databases using 'Ouroriginal' software, a leading originality checking and plagiarism prevention web application**.** The library also uses the software for similarity check of content, before the publication of monograph and articles submitted in SHSS and Summerhill journal.

7. **Digitization of Rare Books and Out of copyright books:** The library has digitized 14000+ books which includes IIAS monographs, rare books, and out of copyright books. During the financial 2021-2022, library has digitized 3985 books. The digitized content has been uploaded on open source softer (Dspace) with the facility to search, browse and view the digitized material. The Library has successfully customized the Dspace , open source software and configured the Pdf viewer, which enables us to restrict the download facility of copyright books from library's website .The digitized content can be accessed by the scholar community from our website: http://14.139.58.199:8080/jspui/

8. **IIAS Preprint Server:** To enrich Humanities and Social Sciences digital content, the library has initiated and installed the Open Preprint System (OPS). It is an open-source preprint server for managing and hosting of pre print research papers. It is being used for hosting preprint materials in the field of Humanities and Social Sciences. Currently, it contains unpublished researcher papers submitted by the Fellows and Associates of the institute. Suitable open-source software is being used to facilitate upload, search, view, and download the articlrs . We proposed to expand the preprint server at the national level to facilitate the hosting of unpublished research papers in the Humanities and Social Sciences. Preprint Server can be accessed by anyone at anytime from anywhere by visiting the website http://14.139.58.200/ops/index.php/ips/.

PUBLICATIONS

The Institute's main objective is to encourage and disseminate research. It publishes the research outputs of its Fellows, the Visiting Professor and the proceedings of the seminars conducted by the Institute in the form of books. These are published either as entirely IIAS publications, or in collaboration with leading commercial publishers such as Orient Blackswan, Oxford University Press, Permanent Black, Routledge, Rajkamal, SAGE, Primus, Springer and the like. The Institute has over 500 such publications to its credit. These are available at the IIAS Bookshop located in the Fire-Station Café on the campus. They can also be procured online through the platforms such as Amazon, Flipkart and Build Bazar or through written requests to the Sales and Public Relations Officer of the Institute.

The following books/journals as published during this period

- 'Kipling in India: India in Kipling' edited by Professor Harish Trivedi and Professor Janet Montefiore (Co-published by IIAS with Routledge, Taylor & Francis Group, New Delhi).
- 'The History of Thar Desert Environment, Culture & Society' by Dr. Manisha Choudhary.
- 'Religion Community and Nation: Hindu Consciousness and Nationalism in Colonial Punjab' by Professor K.L. Tuteja (Co-published by IIAS with Primus Books).
- 'Language, Limits, and Beyond Early Wittgenstein and Rabindranath Tagore' by Professor Priyambada Sarkar (Co-published by IIAS with Oxford University Press, New Delhi).
- 'Culture, Corruption and Insurgency: Threats and Quest for Survival in Nagaland' by Dr. Pavithran Nambiar.
- 'Federalism in India by Professor Mahendra Prasad Singh' (Co-published by IIAS with Sage, New Delhi).
- 'Hindu Social Reform: The Framework of Jotirao Phule' by Professor S.K. Chahal.
- 'नदी पुत्र: उत्तर भारत में निषाद और नदी' - डॉ. रमाशंकर सिंह (सेतु प्रकाशन, नोएडा के साथ सह-प्रकाशित) |
- 'आधुनिक भारत का ऐतिहासिक यथार्थ संदर्भ : भगवतीचरण वर्मा, यशपाल, अमृतलाल नागर और गुरुदत्त के राजनीतिक उपन्यास' - प्रोफेसर हितेंद्र कुमार पटेल (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित) |

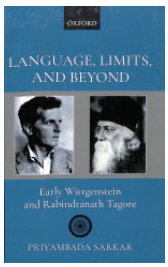

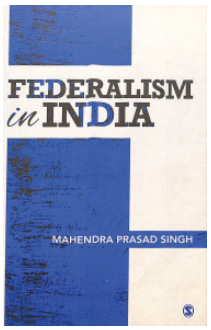

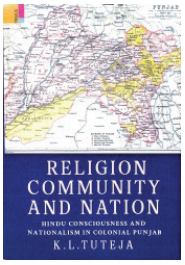

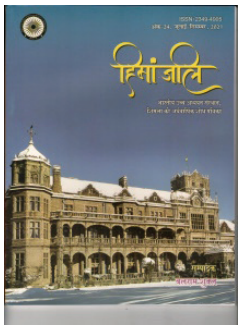

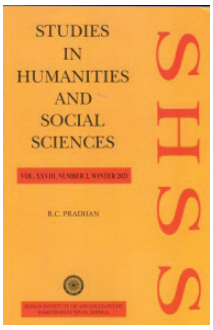

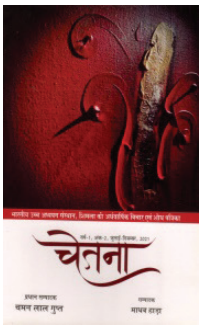

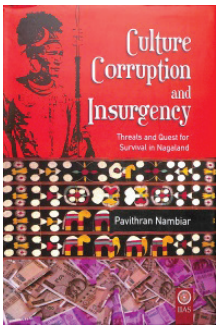

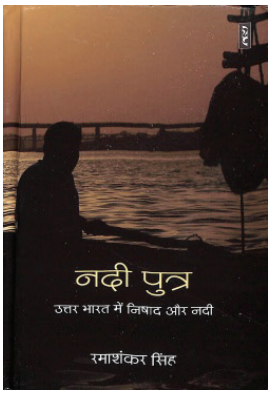

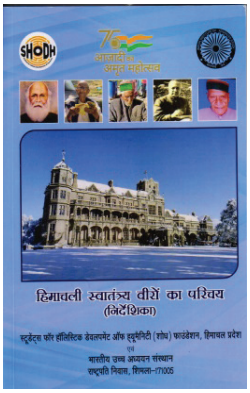

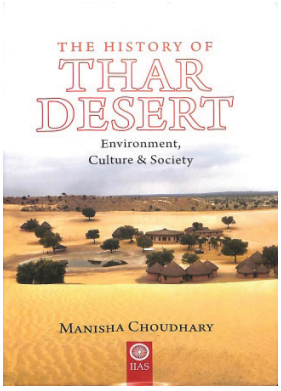

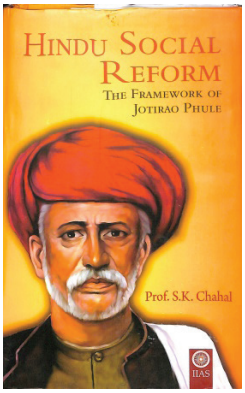

Journals Published

- Summerhill: IIAS Review Vol. XXVII, No.1, Summer 2021 edited by Professor Amiya Prosad Sen.
- Summerhill: IIAS Review Vol. XXVII, No.2, Winter 2021 edited by Professor Amiya Prosad Sen.
- Studies in Humanities & Social Sciences Vo. XXVI, No.2, Winter 2019 edited by Professor Mahendra Prasad Singh.
- Studies in Humanities & Social Sciences Vo. XXVII, No.1, Summer 2020 edited by Professor Mahendra Prasad Singh.
- Studies in Humanities & Social Sciences Vol. XXVII, No.2, Winter 2020 edited by Professor Mahendra Prasad Singh.
- Studies in Humanities and Social Sciences Vol. XXVIII, No.2, Winter 2021 edited by Professor R.C. Pradhan

हिंदी पत्रिकाएँ

- हिमांजलि अंक 21, (जनवरी- जून 2020) संपादक - प्रोफेसर माधव हाड़ा और डॉ. बलराम शुक्ल | (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)
- हिमांजलि अंक 22, (जुलाई- दिसम्बर 2020) संपादक - प्रोफेसर माधव हाड़ा और डॉ.बलराम शुक्ल | (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)

- हिमांजलि अंक 23, (जनवरी- जून 2021) संपादक - प्रोफेसर माधव हाड़ा और डॉ.बलराम शुक्ल | (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)
- चेतना अंक 1, (जनवरी-जून, 2021) संपादक -श्री आशुतोष भारद्वाज (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)
- चेतना अंक 2, (जुलाई -दिसम्बर 2021) संपादक - प्रोफेसर माधव हाड़ा (भारतीय उच्च अध्ययन द्वारा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली के साथ सह-प्रकाशित)

OFFICIAL LANGUAGE

- During the period under report, quarterly meetings of Official Language Implementation Committee of the Institute were organized on 25th August 2021, 15th December 2021 and 21st March 2022. During financial year 2021-22, the first quarterly meeting (April-June) was not organized as per the Directives for COVID-19 Management, whereas joint meeting of 1st and 2nd quarters was organized on 25th August 2021. As a result, the steps have been taken to follow the guidelines of Department of Official Language, Ministry of Homes and Official Language Division Ministry of Education, Government of India regarding promotion and practical implementation of Hindi in official work.
- The Institute submitted Quarterly Hindi Progress Report in time to the Department of Official Language, Ministry of Home, Ministry of Education and TOLIC Shimla.
- The Institute celebrated Hindi Divas on 14th November 2021 under the Chairmanship of Professor Chaman Lal Gupta, Director. The Fellows, Associates and officers/officials of the Institute were present on this occasion. The Institute organized various Hindi competitions also in the month of September 2021. The officials of the Institute participated with great enthusiasm.

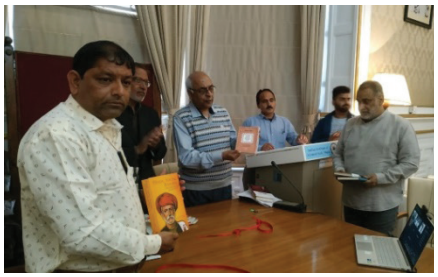

- During the period under report the Institute published 23rd issue of UGC care listed Hindi magazine- *Himanjali* and circulated the copies to the ministries, various institutions and readers across the country and abroad. The Institute also decided to publish separate Hindi magazine – 'हिम संहिता' especially for the officials of the Institute.
- The Committee of Parliament on Official Language (First Sub -Committee) inspected the Institute's progressive work of Hindi at Amritsar Punjab on 11th November 2021. Professor

Chaman Lal Gupta, Director, Shri Prem Chand, Secretary and Shri Rajesh Kumar, Hindi Translator attended the inspection meeting. The Institute has made the efforts to comply the directions and guidelines issued by the committee of parliament on Official language.

- Annual Rajbhasha prize distribution function was held on 30-3-2022. Professor Chaman Lal Gupta, Director of the Institute distributed the prizes and appreciation letters to the winners and participants of Hindi competitions held in September 2021. In addition, the prescribed amount was transferred to the saving accounts of 10 officials under Incentive scheme for noting/drafting originally done in Hindi.
- A Hindi workshop was also organised on 30th March 2022. Prof. Shankar Sharan, National Fellow, Prof. Alok Kumar Gupta and Prof. Madhav Hada, Fellow and Dr. Gauri Tripathi, IUC Associate delivered the lectures on this occasion and focussed on the practical use of Official Language. Bi-annual Hindi magazine 'Chetna' and 8 books based on research projects of the scholars of the Institute were also released on this occasion. Former Fellow Prof. Hitendra Patel, Prof. S K Chahal, Prof. MP Singh and Dr. Manisha Chaudhary also delivered their views about Hindi language and their books which have been released.
- During the period under report, the 24th issue of Hindi magazine *Himanjali* was also sent for publication.

MISCELLANEOUS

Estate

During the period under report, both wings of the CPWD, Civil as well as Electrical continued to attend to the day-to-day maintenance work of the Institute. The major works that the Institute did during this period for the maintenance and upkeep of the Estate is given below:

- An amount of ₹ 73,11,880/- has been released to CPWD (Civil) under A/R & M/O (Annual Repair & Maintenance) for non-residential buildings for the financial year 2021-22 during the period under report.
- An amount of ₹ 80,61,800/- has been released to CPWD(Civil) under A/R &M/O (Annual repair & Maintenance) for residential buildings for the financial year 2021-22 during the period under report.
- An amount of ₹ 37,96,420/- has been released to CPWD (Civil) for repair/renovation of Delvilla Staff Quarters. The work is in progress.
- An amount of ₹ 10,00,000/- has been released for repair/renovation of Mali Line-II (staff quarters). The work is in progress.
- An amount of ₹ 7,99,660/- has been released to CPWD (Civil) for upgradation of 5 staff quarters of Firemen Line, A-Block

- An amount of ₹ 18,69,309/- has been released to CPWD (Civil) for repair of existing road to Squires Hall including re-construction of damaged retaining wall.
- Ist meeting of Sub-Committee of PIC was conducted on 29th October 2021 to prepare and finalize the future utility plan of each room of Kitchen Wing.

  a) An amount of ₹ 50,79,248/- has been released under MOEI for the year 2021-22 to CPWD (Electrical).

  b) An amount of ₹ 23,59,894/- has been released for different miscellaneous electric works

  c) An amount of ₹ 8,52,094/- has been released to CPWD (electrical) for providing/ replacement of electrical equipments and light fixtures of Sports Complex and Tennis Court.

  d) Structural repairs, rehabilitation and restoration of Kitchen wing of Vice-Regal Lodge (Rashtrapati Nivas) works is under progress.

Sales and Public Relations

1. Sale of IIAS Publications

During the period under report, 80,236 visitors visited to the Institute and a very few of them purchased IIAS Publications (Because the Institute was closed for the visitors due to Covid-19) amounting to ₹ 1,29,779/- (Rupees One Lakh Twenty Nine Thousand Seven Hundred Seventy Nine only). The Institute has also sold IIAS books to various clients across the country amounting to ₹ 89,342/- (Rupees Eighty Nine Thousand Three Hundred Forty Two Only) against the orders received through email and telephonic mode. The Institute has also sold IIAS books through our online platforms such as Buildbazzar, Amazon and Flipkart amounting to ₹ 1,25,339/- (Rupees One Lakh Twenty Five Thousand Three Hundred Thirty Nine Only). Thus, the total sale amount of IIAS Publications from all modes is ₹ 3,44,460.00 (Rupees Three Lakh Forty Four Thousand Four Hundred Sixty Only).

2. Income from the Tourist Entry Ticket

During the period under report, the Institute received 80,236 Tourist and earned a sum of ₹ 80,32,130/- (Rupees Eighty Lakhs Thirty Two Thousand One Hundred Thirty only) by charging entry fee from the tourist. The Institute has also earned a sum of ₹ 2,31,860/- (Rupees Two Lakhs Thirty One Thousand eight Hundred and Sixty Only) from entry fee being charged from the vehicles coming up to the main building. Thus the total income earned during the above period was ₹ 82,63,990/- (Eighty Two Lakhs Sixty Three Thousand Nine Hundred Ninety only)

3. Sale of Souvenirs

There are some souvenir items available for sale at the IIAS Book Shop, which include booklet about the Institute, T-shirts, Sweat-shirts, Caps, Coffee Mugs, Picture Postcards, Greeting Cards etc. During the period under report, the Institute earned a sum of ₹ 1,75,401/- (Rupees One Lakh Seventy Five Thousand Four Hundred One only) from the gross sale of these souvenir items and the net profit from the sale is ₹ 44,038/- (Rupees Forty Four Thousand Thirty Eight only)

Thus, the total break-up of income from sale of tickets and sale at the IIAS Book Shop is as under:

Sl.No.	Head	Amount (₹)
1.	Sale of IIAS Publications	3,44,460/-
2.	Income from the Entry Ticket	82,63,990/-
3.	Net Profit from sale of Souvenirs	44,038/-
	Total	**86,52,788/-**

Fire Station Café

During the period under report, the Income and Expenditure Statement of the Cafe is as under:

MONTH	INCOME (₹)	EXPENDITURE (₹)	EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (₹)
01st April to 09th April 2021(After 09th Cafe was closed according to government guidelines due to Covid restrictions)	25,793/-	14,812/-	10,981/-
September 2021	15,964/-	10,577/-	5,387/-
October 2021	1,29,078/-	99,028/-	30,050/-
November 2021	1,43,790/-	76,136/-	67,654/-
December 2021	2,83,380/-	1,26,181/-	1,57,199/-
January 2022	1,38,825/-	93,312/-	45,513/-
February 2022	1,02,535/-	77,011/-	25,524/-
March 2022	2,08,440/-	1,69,495/-	38,945/-
Total	10,47,805	6,66,552/-	3,81,253/-

The accounts of the Cafe are maintained together with the Fellow's Mess/Canteen, and the same is duly audited by a Chartered Accountant. The salary of persons engaged for the Cafe is met from the Mess funds. However, water and electricity charges are borne by the Institute.

Dispensary

- The Institute houses a well-equipped dispensary with a Pharmacist for dispensing the medicines and a Resident Medical Officer who looks after the healthcare needs of fellows,

associates and other residents of the Institute including employees and their families. 4,252 patients attended the dispensary during the period under report. 106 emergency visits were made by the Resident Medical Officer.

- Health Advisories were issued from time to time during outbreak of Covid-19 in March 2020 regarding basic protection measures of social distancing, wearing of mask and hand hygiene.

Store and Supply

During the period under report the S&S Section procured various office equipments of worth ₹ 887043/- (Rupees Eight Lakh Eighty Seven Thousand Forty Three only) for the smooth functioning of the Institute following the GFR norms.

Horticulture

The Institute has a beautiful and expansive garden with a variety of flora, and is one of best landscaped gardens located at such a height. The garden is watered throughout the year by rain water harvested from the roof of the large buildings on the estate. There are three nurseries in the garden that cater to its needs and to also nurture some rare Himalayan plants. The Institute's garden has been recognized as one of the most beautiful and well-maintained gardens in the region. To the delight of those who love gardening, saplings are available for sale to the public in the nursery.

During the period under report, following works have been done in the Horticulture Section:

- The trial of two new lawn grasses species i.e. Lollium spp and Festuca spp was done in Chinar Lawn and rear side of the building. The trail was successful and gave the desired result.
- Landscaping at different sites like Sports Complex and Gorkha gate was done with plants like Golden Juniper, Sago palm, Thuja, green Junipers, Agave, Euonymus.
- Cultivation of different varieties of different flower like roses, gladiolus, rannunculus, marigold, calendula etc. was done
- The botanical classification of the flora of the Institute was done.
- Seeds of rainy season annuals like marigold, amaranthus, tagetus, cosmos, sunflower, zinnia, celosia, aster, kochia, salvia etc were sown in April and June- July.
- Seeds of winter season annuals like calendula, candytuft godetia, clarkia, schizanthus, poppy, cyclamen, primula, ranunculus, petunia, statice, corn flower, cineraria were sown in September-October.

- Garden of the Institute as well as Fellows', officers and staff residences was maintained on regular basis.
- Total sale of plants during the period under report is ₹ 27,530/- only.

Internal Complaint Committee

A lecture on laws and rights of women against harassment at workplace was delivered by Ms. Daisy Thakur, Chairperson, State Women Commission on 02nd September 2021.

Ms. Daisy Thakur, Chairperson, State Women Commission delevering the lecture

- Two complaints were investigated during the period under report.

Celebaration of International Yoga Day

The Insitute organised the 7th International Day of Yoga was celebrated 21st June 2021 with much gaiety by following the COVID guidelines. On this occasion, yoga instructor, curator of Indica Pictures, independent creative writer and artist Ms. Gayatri Iyer taught various yoga asanas to the fellows, officers, employees and their families of the institute.

The director of the institute, Professor Makrand R. Paranjape presented the welcome address on the occasion and highlighted the importance of yoga and called for it to be included in the daily routine.

Right to Information

During the period under report, 20 applications were received. Relevant information was supplied to the applicants against their applications within the provision of RTI Act 2005.

New appointment

- Shri Narender Chauhan has been appointed as Section Office on 6th July 2021.
- Mr. Naveen Harnot has been appointed on compassionate ground as Multi-Tasking Staff (MTS) on 4th August 2021 due to sudden demise of his father Shri Ramesh Chand.

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA - 171005

SOCIETY

1. Professor ShashiPrabha Kumar — President
President
Indian Institute of Advanced Study Society
Rashtrapati Nivas Shimla – 171005.
&
Dean
Sri Sankaracharya Sanskrit Mahavidyalaya
Bhartiya Vidya Bhawan, New Delhi--110001
chairperson@iias.ac.in, prof.shashiprabha@gmail.com

2 Professor Shailendra Raj Mehta — Vice President
Vice President
Indian Institute of Advanced Study Society
Rashtrapati Nivas, Shimla-171005
Telephone: 0177-2830006(O)
Fax: 2831389 2830995
&
Chairman
MICA
Ahmadabad Gujarat-380058.
shailendra.mehta@micamail.in

3 Professor Nageshwar Rao — Director
Director (In-Additional Charge)
Indian Institute of Advanced Study
Rashtrapati Nivas Shimla-171005
director@iias.ac.in

Rule 3(a) Institutional Members (Ex-Officio)

4 Sh. K Sanjay Murthy, IAS
Secretary
Department of Higher Education
Ministry of Education(Shiksha Mantralaya)
Room No. 127-C-Wing
Shastri Bhavan, New Delhi - 110 015
secy.dhe@nic.in

5 Dr. T V Somanathan
Secretary Expenditure
Government of India
Department of Expenditure
Ministry of Finance
North Block Central Secretariat
New Delhi -110 001
secyexp@nic.in

6 Shri Mrutyunjay Behera, IES
Economic Advisor (CU & Admn.)
Department of Higher Education
Ministry of Education (Shiksha Mantralaya)
Room No.109-C Shastri Bhavan
New Delhi – 110 015
mrutyunjay.b@nic.in

7 Professor M.Jagadesh Kumar
Chairman
University Grants Commission
Bahadurshah Zafar Marg
New Delhi – 110 002
cm.ugc@nic.in

8 Dr. N Kalaiselvi
Director-General
Council of Scientific & Industrial Research
Anusandhan Bhawan
2,Rafi Ahmed KidwaiMarg
New Delhi – 110 001.
dgcsir@ csir.res.in, dg @csir.res.in

9 Professor J K Bajaj
Chairman
Indian Council of Social Science Research
Post Box No.10528
Aruna Asaf Ali Marg
New Delhi – 110 067
chairman@icssr.org

10 Professor Raghuvendra Tanwar
Chairman
Indian Council of Historical Research
35 Ferozeshah Road
New Delhi – 110 001
chairman@ichr.ac.in

11 Professor Raghuvendra Tanwar
Chairman
Indian Council of Philosophical Research
36 Tughlakabad Institutional Area
MehrauliBadarpur Road
New Delhi – 110 062
chairman@icpr.in

12 Professor Govind Prasad Sharma
Chairman
National Book Trust
5, Nehru Bhavan
Institutional Area Phase – II
VasantKunj
New Delhi – 110 070
chairman@nbtindia.org.in

13 Dr. Chandrashekhar Kambar
(President Sahitya Akademi)
“Siri Sampige”
No. 44 Ist Main
Banashankari 3rd Stage 4th Block
Bengaluru-560 085
cbkambara@gmail.com

14 Smt. Uma Nanduri
Chairman
Sangeet Natak Akademi
Rabindra Bhavan
Ferozeshah Road
New Delhi – 110 001
chairman@sangeetnatak.gov.in

15 Ms. Uma Nanduri
Chairman
Lalit Kala Akademi
Rabindra Bhavan
35 Ferozeshah Road
New Delhi – 110 001
chairman@lalitkala.gov.in

16 Smt. Chandrima Shaha
Chairman
Indian National Science Academy
Bahadur Shah ZafarMarg
New Delhi 110002
president@insa.nic.in

17 Shri Hans Raj Hans,
Vice President
Indian Council of Cultural Relations
Azad Bhawan
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi
hansraj.hans@sansad.nic.in

18 Professor Suranjan Das
President
Association of Indian Universities
AIU House
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110 002
president@aiu.ac.in, vc@ametuniv.ac.in

19 Shri Chandan Sinha, IAS
Director General National Library
Belvedere Alipore
Kolkata – 700 027
nldirector@rediffmail.com

20 Shri Chandan Sinha, IAS
Director-General of Archives
National Archives of India Janpath
New Delhi – 110 001
nai.dg.office@gmail.com

21 Shri Ram Subhag Singh
Chief Secretary
Government of Himachal Pradesh
H.P. Secretariat
Shimla - 171 002(H.P.)
cs-hp@nic.in

Rule 3(b) Nominated Member
Rule 3(b)(i) Six Vice-Chancellors of Indian Universities nominated by Central Government.

22 Professor Sunaina Singh
Vice Chancellor
Nalanda University
Rajgir Bihar-803116
vcnalanda@gmail.com

23 Professor Vaidhyasubrahmanyam
Vice-Chancellor & Tata Consultancy Services
Chair Professor of Management
Sastra University Thanjavur Tamil Nadu-613401
vaidhya@sastra.ac.in

24 Professor Rajneesh Kumar Shukla
Vice-Chancellor
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi
University Wardha
Maharashtra-442001
vc.office.mgahv@gmail.com

25 Professor Kishore Kumar Basa
Vice Chancellor
North Orissa University
Mayurbhanj Odisha-757003
registrarnou123@gmail.com

26 Vacant

27 Vacant

Rule 3(b)(ii) Educationists and those eminent in the fields of learning, culture, and science, nominated by the Central Government

28 Vacant

29 Professor (Retd.) Vasant Shinde
Former Vice Chancellor
Deccan College Post Graduate and Research Institute (Deemed University)
Pune Maharashtra-411006
shindevs@rediffmail.com

30 Professor Shailendra Raj Mehta
Chairman
MICA
Ahmadabad Gujarat-380058
shailendra.mehta@micamail.in

31 Professor ShashiPrabha Kumar
Dean
Sanskrit College Bhartiya Vidya Bhawan
New Delhi--110001
prof.shashiprabha@gmail.com

32 Dr. K. Sambathkumar
Former Guest Faculty
Philosophy Madras University
Chennai Tamil Nadu-600005
ramakumar2005@yahoo.co.in

33 Professor Santishree Dhulipudi Pandit
Vice Chancellor
Jawahar Lal Nehru University
New Delhi-110067.
santishreepandit@gmail.com

34 Professor Satish Vasu Kailas
Centre for Product Design & Manufacturing
Indian Institute of Science
Bangalore Karnataka-560012.
satvk@iisc.ac.in

35 Professor (Retd.) Vinod Narayan Indurkar
Director
Kala Bharti
Tagore Fine Arts Professor
Rashtrasant Tukadoji Maharaj
Nagpur University
Nagpur Maharashtra-440010
kalabharti2020@gmail.com

36 Professor Manjul Bhargava
Department of Maths
Princeton University USA
bhargava@math.princeton.edu

37 Professor (Dr.) Dolly Sunny
Department of Economics
Mumbai University
Mumbai Maharashtra-400098
dosresearch@gmail.com

38 Professor Bhagwan Singh Josh
Centre for Historical Studies
School of Social Sciences
Jawaharlal Nehru University
Delhi-110067.
bhagwanjosh@hotmail.com

39 Professor Meena Hariharan
Center for Health Psychology
University of Hyderabad
meena.healthpsychology@gmail.com

40 Professor Himanshu Prabha Ray
Chairperson
National Monuments Authority
Ministry of Culture New Delhi-110001
chairman-nma@nic.in

41 Professor Shamika Ravi
Vice President Economic policy
Observer Research Foundation
20 Rouse Avenue Institutional Area
New Delhi Delhi 110002
sravi@brookings.edu

42 Professor Oken Lego
Professor & Head
Department of Hindi
Rajiv Gandhi University
Itanagar Arunachal Pradesh- 791112
okenrgu05@gmail.com

43 Dr. V Rajiv
Professor & Head
Department of Malayalam
Central University of Kerala
Kasargod Kerala-671316
rajeevoorakathu@gmail.com

44 Professor Rama Jayasundar
Department of NMR
All India Institute of Medical
Science (AIIMS) New Delhi-110029
ramajayasundar@gmail.com

45 Dr. Bhimrao Panda Bhosale
Professor
Center for Applied Linguistics & Translation Studies
School of Humanities
Central University of Hyderabad
Hyderabad Telangana-500046
bhimraobhosale@uohyd.ac.in

46 Professor Karam Tej Singh Sarao
Department of Buddhist Studies
Delhi University Delhi-110007
ktssarao@hotmail.com; ktssarao@yahoo.com

47 Professor Aniruddha Deshpande
C-301, Aarav Apartments
Behind Mhatoba Mandir
Bhelkenagar Chowk
Near Yashwantrao Chavan
Natyagriha Kothrud
Pune Maharashtra PIN - 411038
abdeshpandepune@gmail.com

3(c) Representative of the Institute

1. All Fellows for the time being in position
2. All distinguished Guest for the time being in position.

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA-171005

GOVERNING BODY

1	Professor ShashiPrabha Kumar Chairperson Governing Body Indian Institute of Advanced Study Shimla Residence Address: ABHYUDAYA H.No.295/Sector 15-A NOIDA (U.P.) -201301 chairperson@iias.ac.in	Chairperson
2	Professor Shailendra Raj Mehta Vice Chairman Governing Body Indian Institute of Advanced Study Shimla & Chairman MICA Ahmadabad Gujarat-380058. shailendra.mehta@micamail.in	Vice Chairman
3	Professor Nageshwar Rao Director (In-Additional Charge) Indian Institute of Advanced Study Rashtrapati Nivas Shimla-171005 director@iias.ac.in	Director

Rule 3(a) Institutional Members (Ex-Officio)

4	Sh. K Sanjay Murthy, IAS Secretary Department of Higher Education Ministry of Education (Shiksha Mantralaya) Room No. 127-C-Wing Shastri Bhavan, New Delhi-110001 secy.dhe@nic.in	

5 The Joint Secretary & Financial Adviser
Department of Secondary & Higher Education
Ministry of Education (Shiksha Mantralaya)
120-C, Shastri Bhavan
New Delhi-110001
jsfa.edu@gov.in

6 Professor M Jagadesh Kumar
Chairman
University Grants Commission
Bahadurshah Zafar Marg
New Delhi–110002
cm.ugc@nic.in

7 Professor J K Bajaj
Chairman
Indian Council of Social Science Research
Post Box No.10528
Aruna Asaf Ali Marg
New Delhi – 110 067
chairman@icssr.org

8 Professor Raghuvendra Tanwar
Chairman
Indian Council of Philosophical Research
36, Tughlakabad Institutional Area
Mehrauli Badarpur Road
New Delhi – 110 062.
chairman@icpr.ac.in

9 Dr. N Kalaiselvi
Director-General
Council of Scientific & Industrial Research and Secretary
DSIR Anusandhan Bhavan
2 Rafi MargNew Delhi – 110 001
dgcsir@ csir.res.in
dg @csir.res.in

10 Professor Raghuvendra Tanwar
Chairman
Indian Council of Historical Research
35 Ferozeshah Road
New Delhi–110001
chairman@ichr.ac.in

Rule 3(b) Nominated Member
Rule 3(b)(i) Two Vice-Chancellors of Indian Universities nominated by Central Government.

11 Professor Sunaina Singh
Vice-Chancellor
Nalanda University
Nalanda Bihar India-803116
vcnalanda@gmail.com

12 Professor Rajneesh Kumar Shukla
Vice-Chancellor
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi
University Wardha Maharashtra-442001
vc@hindivishwa.org

Rule 3(b)(ii) Educationists and those eminent in the fields of learning, culture, and science, nominated by the Central Government

13 Professor ShashiPrabha Kumar
Dean
Sri Sankaracharya Sanskrit Mahavidyalaya
Bhartiya Vidya Bhawan
New Delhi
chairperson@iias.ac.in

14 Professor Shailendra Raj Mehta
Chairman
MICA
Ahmadabad Gujarat-380058.
shailendra.mehta@micamail.in

15 Vacant

16 Professor Aniruddha Deshpande
C-301, Aarav Apartments
Behind Mhatoba Mandir
Bhelkenagar Chowk
Near Yashwantrao Chavan
Natyagriha
Kothrud Pune Maharashtra PIN - 411038
abdeshpandepune@gmail.com

INDIAN INSTITUTE OF ADVANCED STUDY
RASHTRAPATI NIVAS, SHIMLA-171005

FINANCE COMMITTEE

1.	Professor Shailendra Raj Mehta Vice Chairman Governing Body Indian Institute of Advanced Study Shimla & Chairman MICA Ahmadabad Gujarat-380058. shailendra.mehta@micamail.in	Chairman
2	Professor Nageshwar Rao Director (In-Additional Charge) Indian Institute of Advanced Study Rashtrapati Nivas Shimla-171005 director@iias.ac.in	Ex-officio Member
3	Joint Secretary & Financial Adviser Department of Secondary & Higher Education Ministry of Education (Shiksha Mantralaya) 120-C, Shastri Bhavan, New Delhi-110001 jsfa.edu@gov.in	Ex-officio Member
4	Professor Sunaina Singh Vice-Chancellor Nalanda University Nalanda Bihar India-803111 vcnalanda@gmail.com	Member
5	Professor Rajneesh Kumar Shukla Vice-Chancellor Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi University Wardha Maharashtra-442001 mgahvvc@gmail.com vc@hindivishwa.org	Member